सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

बौद्धिक
सम्पदा भारत

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प,
व्यापार चिन्ह एवं भौगोलिक उपदर्शन

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

बौद्धिक
सम्पदा भारत

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

भारत

विषय सूची

अध्याय	विषय-वस्तु	पृष्ठ संख्या
	प्राक्कथन	2
अध्याय I	बौद्धिक संपदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक झलक	4
अध्याय II	जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता	12
अध्याय III	पेटेंट	22
अध्याय IV	पेटेंट सहयोग संधि	48
अध्याय V	डिजाइन	54
अध्याय VI	व्यापार चिह्न	66
अध्याय VII	चिह्नों के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मेड्रिड प्रणाली	80
अध्याय VIII	भौगोलिक उपदर्शन	85
अध्याय IX	कॉपीराइट	94
अध्याय X	अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन	99
अध्याय XI	राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) एवं पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)	101
अध्याय XII	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	137
अध्याय XIII	(बौद्धिक संपदा अधिकार) आईपीआर में प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप	154
अध्याय XIV	मानव संसाधन	175

प्रतिवेदन वर्ष 2022-23 के दौरान, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) ने आईपी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, आईपी जागरूकता बढ़ाने और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करता रहा है। कार्यालय ने प्रतिवेदन वर्ष के दौरान राष्ट्रीय आईपीआर नीति के प्रभावी कार्यान्वयन, आईपी सूचना की पहुंच में सुधार और आईपी प्रणाली को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए। कार्यालय ने शिकायत और फीडबैक प्रणाली को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाने के लिए भी कदम उठाए।

सीजीपीडीटीएम कार्यालय के प्रयासों के परिणामस्वरूप घरेलू अन्वेषकों द्वारा दखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने समाज के सभी वर्गों के बीच आईपी जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए, जिससे समग्र आईपीआर फाइलिंग की संख्या में वृद्धि हुई है। साथ ही, आंतरिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने से कार्यालय के लंबित आईपी आवेदनों में कमी आई है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, विभिन्न आईपीआर के लिए आवेदनों की कुल फाइलिंग एवं प्रक्रिया पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रही है। विवरण निम्नानुसार है:

क. आईपीआर आवेदन दाखिल करने की संख्या 2021-22 में 568049 से बढ़कर 2022-23 में 601789 हो गई है।

ख. पेटेंट आवेदन दाखिल करने में 24.64% की वृद्धि हुई, जो 2021-22 में 66440 से बढ़कर 2022-23 में 80211 हो गई।

ग. पिछले वर्ष की तुलना में पेटेंट आवेदनों के लिए अनुदानित पेटेंट में भी 30073 से 34134 तक 13.5% की वृद्धि देखी गई।

घ. डिजाइन में, नए आवेदनों के परीक्षण में लंबितता को दाखिल करने की तारीख से एक महीने तक कम कर दिया गया है।

ङ जहां तक डिजाइन आवेदन दाखिल करने का संबंध है, पिछले वर्ष की तुलना में फाइलिंग लगभग समान रही, हालांकि, डिजाइन आवेदनों के पंजीकरण और समग्र निपटान में क्रमशः 53.33% और 52.65% की वृद्धि देखी गई।

च. व्यापार चिह्न में, वर्ष 2021-22 में ट्रेडमार्क आवेदन दाखिल करने की संख्या 447805 से बढ़कर 2022-23 में 466580 हो गई।

छ. भौगोलिक उपदर्शन आवेदन दाखिल करने में भी 81.89% की पर्याप्त वृद्धि देखी गई है जो 2021-22 में 116 से बढ़कर 2022-23 में 211 हो गई है।

ज. सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड लेआउट डिज़ाइन (एसआईसीएलडी) एप्लिकेशन की फाइलिंग की संख्या में भी वर्ष 2021-22 में '1' से 2022-23 में '8' तक 700% की वृद्धि देखी गई है।

सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने डिजाइन के ई-प्रमाणपत्र जारी करने और डिजाइन से संबंधित मामलों के लिए फॉर्म और डिजिटल हस्ताक्षरित दस्तावेजों को जमा करने के संबंध में एक सार्वजनिक सूचना भी जारी की। इस सूचना के माध्यम से, जनता को सूचित किया गया कि 01 नवंबर, 2022 से ई-प्रमाणपत्र जारी होना शुरू हो गया है और असाइनमेंट, पावर ऑफ अटॉर्नी की नोटरीकृत प्रति और मूल हलफनामे (यदि कोई हो) के अपवाद के साथ भौतिक फॉर्म और दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता को हटा दिया गया है।

कम से कम 10 लाख विद्यार्थियों को आईपी जागरूकता प्रदान करने के लिए सीजीपीडीटीएम कार्यालय द्वारा वर्ष 2021 में लॉन्च किए गए एनआईपीएएम (राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन) को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसने कार्यालय को इसका दूसरा संस्करण लॉन्च करने के लिए प्रोत्साहित किया। एनआईपीएएम 2.0 ने अपने नए अवतार में, जिसे 31 मार्च, 2023 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम) और पीईसी- टीआईएफ़एसी जैसे विभिन्न भागीदारों से समर्थन मिला, देश भर के 7377 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के 18.62 लाख छात्रों और संकाय सदस्यों को आईपी के विषय में जागरूक किया गया है।

सीजीपीडीटीएम कार्यालय की एक अन्य पहल आईपी मंथन है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा आईपी बिरादरी के बीच विभिन्न आईपी से संबंधित विषयों पर चर्चा की एक शृंखला शामिल है। इस पहल के तहत, प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, आईपी व्यावसायिकों, उद्योग विशेषज्ञों और न्यायपालिका के व्यक्तियों को विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने विभिन्न आईपी से संबंधित मामलों पर हितधारकों के साथ निर्बाध और सीधे संचार के लिए माननीय केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप खुली चर्चा (ओपन हाउस) भी शुरू की है। यह हितधारकों की शिकायतों को दूर करने और भारत में आईपी कार्यालयों के कामकाज पर उनकी बहुमूल्य प्रतिक्रिया और सुझाव प्राप्त करने में सहायक साबित हुआ है।

वर्ष 2022-23 के दौरान की गई गतिविधियों का विवरण इस प्रतिवेदन के अगले अध्यायों में दिया गया है। अद्यतन आईपी कानून, विभिन्न कार्यों के मुख्य अंश और अन्य उपयोगी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट (http:/www.ipindia.gov.in) पर भी उपलब्ध हैं। महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न कार्यालय पारदर्शी और आवेदक-अनुकूल तरीके से सेवाएं प्रदान करके अपनी सार्वजनिक सेवा वितरण को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

(प्रो. (डॉ.) उन्नत पी. पंडित)

महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न

अध्याय- I

बौद्धिक संपदा अधिकार की प्रवृत्ति एक -झलक

परिचय -

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों में विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण हेतु आवेदन दाखिल करने में विगत वर्षों के दौरान उतरोत्तर विकास देखा गया है। विभिन्न बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) हेतु दाखिल कुल आवेदनों में गत वर्ष के (**568049**) की तुलना में इस वर्ष (**601789**) वृद्धि हुई है, जो समग्र 5.94% की वृद्धि दर्शाता है। गत वर्ष की तुलना में पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न व कॉपीराइट व भौगोलिक उपदर्शन में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी है।

बौद्धिक संपदा आवेदन दाखिल करने के संबंध में विगत पांच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत है-

आवेदन	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
पेटेंट	50659	56267	58503	66440	**82811**
डिजाइन	12585	14290	14241	22699	**22698**
व्यापार चिह्न	323798	334805	431213	447805	**466580**
भौगोलिक उपदर्शन	32	42	58	116	**211**
कॉपीराइट	18250	21905	24451	30988	**29466**
अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन (एससीआईएलडी)	शून्य	शून्य	05	01	**23**
कुल	**405324**	**427309**	**528471**	**568049**	**601789**

आईपी आवेदन दाखिल करने के संबंध में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति

	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
पेटेंट	50,659	56,267	58,503	66,440	82,811
डिजाइन	12,585	14,290	14,241	22,699	22,698
व्यापार चिह्न	323,798	334,805	431,213	447,805	466,580
भौगोलिक उपदर्शन	32	42	58	116	211
कॉपीराइट	18,250	21,905	24,451	30,988	29,466
अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन			5	1	23
कुल	405,324	427,309	528,471	568,049	601,789

बौद्धिक संपदा गतिविधियों के संबंध में प्रवृत्ति

क. **पेटेंट:** - इस वर्ष के दौरान, कुल 82811 पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 24.64% की वृद्धि दर्शाता है। पेटेंट आवेदनों की घरेलू फाइलिंग भी बढ़कर 43301 हो गई है, जो 2021-22 में 44.41% की तुलना में कुल फाइलिंग का 52.29% है।

दाखिल, परीक्षित, अनुदानित तथा निपटान किए गए पेटेंट आवेदनों के संदर्भ में पिछले पांच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत है। आवेदनों के निपटान में पेटेंट कार्यालय द्वारा अनुदानित व अस्वीकृत तथा आवेदकों द्वारा परित्यक्त तथा आहरित आवेदन शामिल है।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
दाखिल	50659	56267	58503	66440	**82811**
परीक्षित	85426	80080	73165	66571	**49961**
अनुदानित	15283	24936	28385	30073	**34134**
निपटान	50884	55945	52755	35990*	**60046**

*भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सीमा की निर्धारित अवधि के विस्तार के कारण धारा 21(1) के तहत 15991 आवेदनों का निपटान स्थगित कर दिया गया था।

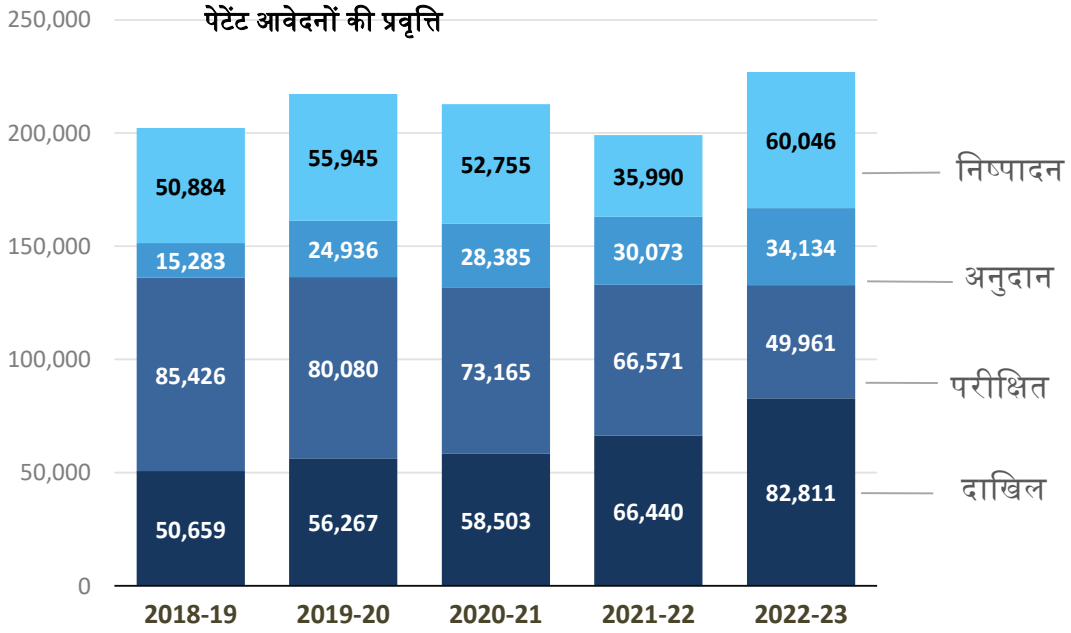

ख .**डिज़ाइन:** इस वर्ष के दौरान, कुल 22698 डिज़ाइन आवेदन दाखिल किए गए जो पिछले वर्ष के समान थे। परीक्षित डिज़ाइन आवेदनों की संख्या 21905 थी, जबकि विगत वर्ष की तुलना में 2022-23 के दौरान डिज़ाइन आवेदनों के पंजीकरण और निपटान में क्रमशः 53.33% और 52.65% की वृद्धि हुई।

डिज़ाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
दाखिल	12585	14290	14242	22699	**22698**
परीक्षित	12661	13642	13847	22120	**21905**
पंजीकृत	9483	12256	9147	15262	**23400**
निपटान	11414	14701	9281	15655	**23897**

ग. **व्यापार चिह्न** : इस वर्ष के दौरान, व्यापार चिह्न के 466580 आवेदन पंजीकरण हेतु दाखिल किए गए और 395405 आवेदनों का परीक्षण किया गया। । 2022-23 के दौरान व्यापार चिह्न पंजीकरण और निपटान की संख्या विगत वर्ष की तुलना में क्रमशः 11.25% और 8.38% कम थी, क्योंकि संविदात्मक श्रमशक्ति को समाप्त कर दिया गया था और नवनियुक्त भर्तियों के कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे।

व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
दाखिल	272974	323798	334805	431213	447805	**466580**
परीक्षित	306259	337541	338551	463912	431520	**395405**
पंजीकृत	300913	316798	294172	255976	261408	**231977**
निपटान	555777	519185	419566	294944	318878	**292154**

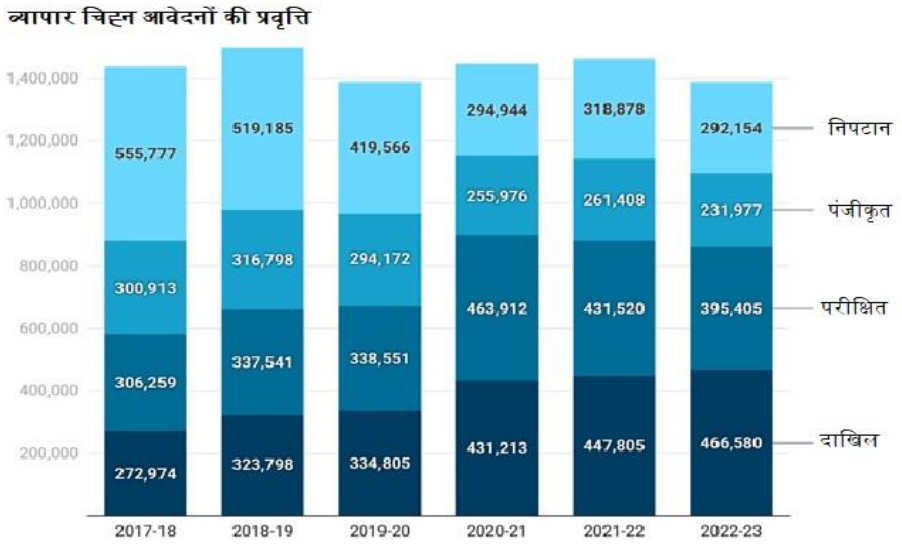

घ. भौगोलिक उपदर्शन : - प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 211 आवेदन दाखिल किए गए ,100 आवेदन परीक्षित किए गए और 55 भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए। विगत पांच वर्षों के दौरान दाखिल, परीक्षित और पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति निम्नवत है-

भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
दाखिल	32	42	58	116	**211**
परीक्षित	43	51	0	46	**100**
पंजीकृत	23	22	05	50	**55**

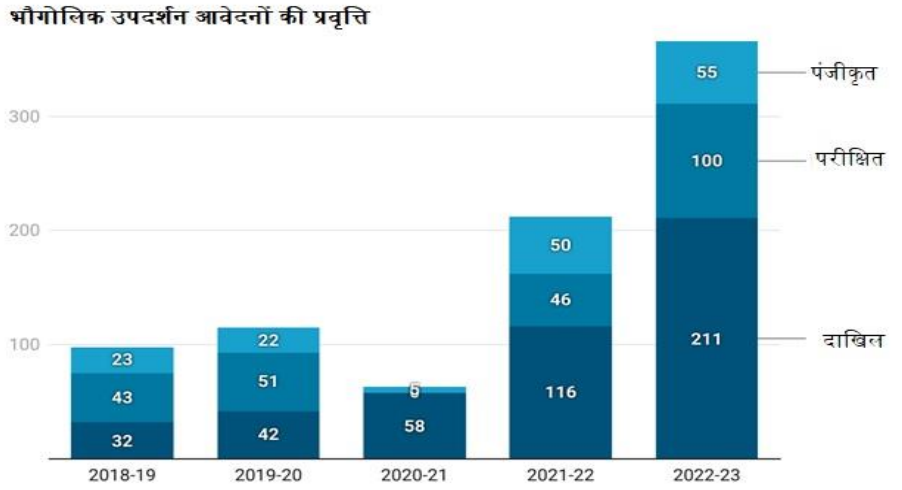

ङ. कॉपीराइट: वर्ष के दौरान कॉपीराइट के पंजीकरण हेतु कुल **29466** आवेदन प्राप्त हुए। कुल **24896** का परीक्षण किया गया और **12082** कॉपीराइट के पंजीकरण (आरओसी) किए गए, जबकि निपटान किए गए कुल आवेदनों की संख्या **21171** रही।

कॉपीराइट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	कुल प्राप्त आवेदन	कुल परीक्षित आवेदन	उत्पन्न किए गए कॉपीराइट के पंजीकरण (आरओसी)	कुल निपटान
2018-19	18250	22658	14625	25943
2019-20	21905	29670	16029	22516
2020-21	24451	21523	16399	19477
2021-22	30988	29106	20673	20820
2022-23	**29466**	**24896**	**12082**	**21171**

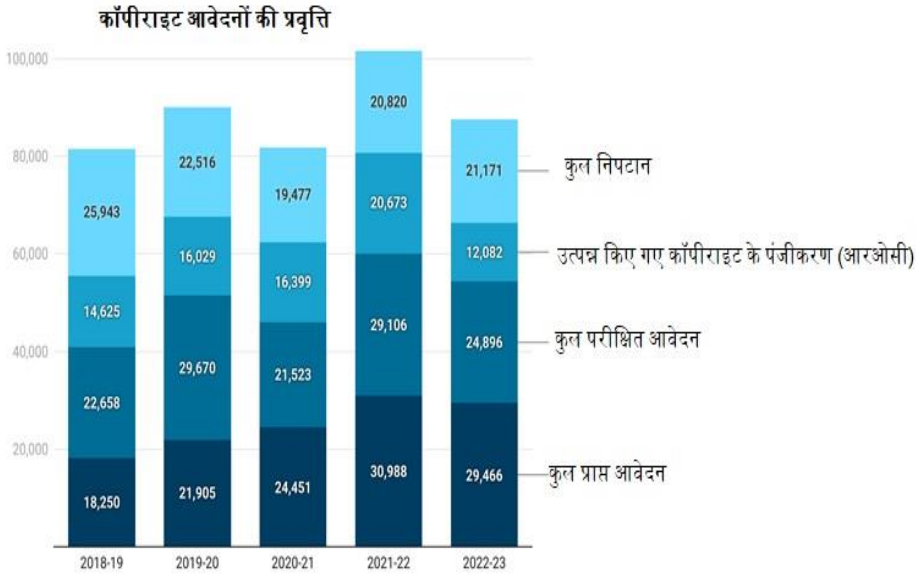

च .**<u>अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक संपदा अधिकार की प्रवृत्ति:</u>**

विगत 5 वर्षों के दौरान अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक संपदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत है। कोष्ठक में प्रदत्त आंकड़े आवेदनों के कुल निपटान को इंगित करते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति (अनुदानित/पंजीकृत और निपटान किए गए)

आईपीआर /वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
पेटेंट	15283 (50884)	24936 (55945)	28385 (52755)	30073 (35990)	**34134 (60046)**
डिज़ाइन	9483 (11332)	12256 (14701)	9147 (9281)	15262 (15655)	**23400 (23897)**
व्यापार चिह्न	316798 (519185)	294172 (419566)	255976 (294944)	261408 (318878)	**231977 (292154)**
भौगोलिक उपदर्शन	23	22	05	50	**55**
अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन (एससीआईएलडी)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	**शून्य**
कॉपीराइट	14625 (25943)	16029 (22516)	16399 (19477)	20673 (20820)	**12082 (21171)**

छ. **प्रकाशन और अनुदान- पूर्व विरोध-**:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पेटेंट अधिनियम,1970 की धारा 11क के तहत **94744** पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा धारा 25(1) के तहत **420** अनुदान-पूर्व विरोध दाखिल हुए जो कुल प्रकाशित आवेदनों का लगभग 0.44% है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व विरोध के लिए दाखिल आवेदनों का ब्यौरा निम्नवत है:

प्रकाशन और अनुदान पूर्व -विरोध

वर्ष	प्रकाशन	अनुदान पूर्व -विरोध
2018-19	41776	426
2019-20	50823	800
2020-21	52764	583
2021-22	69613	481
2022-23	**94744**	**420**

ज. राजस्व और व्यय: वर्ष 2022-23 के दौरान अर्जित कुल राजस्व रु. **1185.04** करोड़ था, जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 8.392% अधिक है, जबकि कुल व्यय रु. **252.05** करोड़ था।

पेटेंट कार्यालय द्वारा अर्जित कुल राजस्व रु. 729.1075 करोड़ था (इसमें आईबी द्वारा आईएसए फीस के रूप में रु. 0.51675 करोड़ शामिल हैं), जबकि डिजाइन कार्यालय से रु. 8.52 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु. 444.6509 करोड़ का राजस्व अर्जित किया (इसमें आईबी से मेड्रिड प्रणाली के तहत अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण हेतु फीस के रूप में रु. 38.538 करोड़ शामिल हैं), जबकि भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने रु. 0.1368 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) और राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) ने रु. 0.2066 करोड़ का राजस्व अर्जित किया।

(i) पिछले वर्षों की तुलना में वर्ष **2022-23** के लिए बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रशासन के संबंध में प्राप्त राजस्व और व्यय का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

राजस्व की तुलना (2020-21, 2021-22 और 2022-23)

वर्ष	**2020-21 (रु. लाख में)**	**2021-22 (रु. लाख में)**	**2022-23 (रु. लाख में)**
पेटेंट	62384.00	66749.31	**72910.76**
डिज़ाइन	655.00	769.12	**852.80**
व्यापार चिह्न रजिस्ट्री	39671.00	41776.58	**44465.09**
कॉपीराइट	248.81	323.85	**241.07**
भौगोलिक उपदर्शन	5.00	8.35	**13.68**
पीआईएस/ आरजीएनआईआईपीएम	12.35	20.48	**20.66**
कुल	**102727.00**	**109323.84**	**118504.05**

धन वापसी के प्रावधान के प्रारम्भ होने के उपरांत पिछले चार वर्षों के दौरान पेटेंट नियम के नियम 7 (4क) के तहत **परीक्षण हेतु अनुरोध की फीस वापसी का विवरण** इस प्रकार है:

वित्त वर्ष	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
वापस की गई राशि **(लाख में रु.)**	472.94	434.41	145.61	182.93	23.542

(ii) 3475.00102.11.01 सीजीपीडीटीएम + 4059.01051.24.00 आईडीसीजीपीडीटीएम के लिए वर्ष 2020-21, 2021-22 और 2022-23 के दौरान व्यय की तुलना:

वर्ष	2020-21 (रु. लाख)	2021-22 (रु. लाख)	2022-23 (रु. लाख)
सीजीपीडीटीएम	20157.68	20407.3576	25205.0784

अध्याय - II

सार्वजनिक सेवा वितरण-दक्षता एवं पारदर्शिता

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) ने देश में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई पहल की हैं, जिनमें आईपी फाइलिंग को प्रोत्साहित करने के लिए आईपी कानूनों में संशोधन, कुशल और पेपरलेस सेवा वितरण प्रणाली को अपनाना और वर्ष 2022-23 के दौरान जनता के बीच बौद्धिक संपदा (आईपी) ज्ञान का प्रसार करना शामिल है। निम्नलिखित परिच्छेद वर्ष के दौरान की गई विभिन्न पहलों की एक झलक प्रस्तुत करते हैं:

1. **पेटेंट:**

1.1 प्रक्रियात्मक सुधार

पेटेंट कार्यालय पारदर्शी तरीके से पेटेंट सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने और उचित अवधि में पेटेंट अधिकारों की सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है। वर्ष के दौरान, सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने पेटेंट कार्यालय के कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए:

क) सुनवाई और स्थगन से संबंधित लंबे समय से लंबित मामलों को शीघ्रता से निपटाने और लंबे समय से लंबित पेटेंट आवेदनों के त्वरित निपटान के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- कार्यालय ने हितधारकों के सहयोग से मुद्दे की प्रकृति, चाहे वह छोटा हो या बड़ा के आधार पर सुनवाई या स्थगन के लिए कम समय अवधि प्रदान करने का प्रयास किया है।
- कार्यालय ने अधिसूचित किया है कि पेटेंट आवेदन के शीघ्र प्रकाशन के लिए अनुरोध के साथ पावर ऑफ अटॉर्नी संलग्न की जाएगी ताकि जांच में अनावश्यक देरी से बचा जा सके।

ख) पेटेंट अधिनियम की धारा 4 (परमाणु ऊर्जा से संबंधित आविष्कार) या धारा 35 (रक्षा उद्देश्यों के लिए प्रासंगिक आविष्कार) के आवेदनों/मामलों को डीएई या डीआरडीओ, जैसा भी मामला हो, को संदर्भित करने की समीक्षा करने और मंजूरी देने के लिए एक आंतरिक समीक्षा समिति का गठन किया गया है। इससे ऐसे पेटेंट आवेदनों की स्क्रीनिंग और प्रसंस्करण को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा और संबंधित धाराओं के अतार्किक उपयोग से बचा जा सकेगा।

ग) आवेदक द्वारा एनबीए अनुमोदनों को समय पर प्रस्तुत करने के लिए एक कार्यालय आदेश जारी किया गया है ताकि अनुमोदन प्रस्तुत करने में देरी के कारण होने वाले विलंब से बचा जा सके। इससे उन पेटेंट आवेदनों के निपटान में तेजी आएगी जो पेटेंट प्रदान करने के लिए किए गए है, लेकिन आवेदकों से एनबीए अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

घ) पेटेंट आवेदन को वर्गीकृत करने और उसे संबंधित क्षेत्र के परीक्षक को सौंपने के लिए एक केंद्रीकृत वर्गीकरण टीम का गठन किया गया है। इससे परीक्षकों/नियंत्रकों द्वारा पुन :आवंटन अनुरोध कम हो जाएंगे और गुणवत्तापूर्ण खोज रिपोर्ट के साथ पेटेंट आवेदनों का उचि, समय पर वितरण और सुचारू निपटान सुनिश्चित होगा।

1.2 आईपी जागरूकता

क. *आजादी का अमृत महोत्सव '* के महत्वपूर्ण अवसर पर ,सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने एक मिशन तैयार किया ,जिसका नाम है ,राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम), जिसका उद्घाटन माननीय सचिव डीपीआईआईटी ने 08 दिसंबर ,2021 को, 15अगस्त 2022 तक कम से कम 10 लाख विद्यार्थियों को आईपी जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से किया।

ख. आईपी कार्यालय द्वारा आईपी प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए किसी शैक्षिक संस्थान द्वारा अनुरोध करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल कार्यालय की वेबसाइट (https://ipindia.gov.in/) पर शुरू किया गया है।

ग. मिशन को जारी रखा गया है और नए सिरे से इसे और मजबूत किया गया है। वर्ष 2022-23 के अंत तक ,मिशन के तहत सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के कुल लगभग 18 लाख विद्यार्थियों और शिक्षकों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया है।

1.3 इन पहलों का प्रभाव

रिपोर्ट अवधि के दौरान पिछले वर्षों की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है। सुधारों की कुछ झलक इस प्रकार है:

क. पेटेंट आवेदन दाखिल करने में 24.64% की वृद्धि हुई है, जो 2021-22 में 66440 से बढ़कर 2022-23 में 82811 हो गई है।

ख. लगातार दूसरे वर्ष भारतीय नागरिकों द्वारा दाखिल पेटेंट आवेदन भारत में विदेशियों द्वारा दाखिल पेटेंट आवेदनों से अधिक रहे हैं।

ग. पेटेंट के लिए दिए गए आवेदनों में 13.5% की वृद्धि हुई है जो 2021-22 के 30073 से बढ़कर 2022-23 में 34134 हो गई है ।

घ. प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में परीक्षण के लिए अनुरोध (आरक्यू)दाखिल करने की तारीख से प्रथम परीक्षण स्तर पर पेटेंट आवेदनों की औसत लंबितता को घटाकर 12 महीने से कम कर दिया गया है।

ङ. कार्यालय ने भारतीय पेटेंट कार्यालय को अंतरराष्ट्रीय खोज प्राधिकरण) आईएसए (और अंतरराष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षा प्राधिकरण) आईपीईए (के रूप में चयनित करते हुए पेटेंट सहयोग संधि) पीसीटी (के तहत दाखिल लगभग सभी अंतरराष्ट्रीय पेटेंट आवेदनों के संबंध में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरराष्ट्रीय खोज और प्रारंभिक परीक्षा रिपोर्ट) आईएसआर (और) आईपीईआर (जारी करने के लिए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन बनाए रखा है। ।

च. आईपी जागरूकता मिशन एनआईपीएएम(एनआईपीएएम) के तहत, 31 मार्च ,2023 तक, देश भर के 7377से अधिक शैक्षणिक संस्थानों से 12. 53+ 6. 09 (वित्त वर्ष2021 -22) = 18. 62 लाख छात्रों और संकाय सदस्यों को आईपी विषय में जागरूक किया गया है।

2. व्यापार चिह्न:

2.1. प्रक्रियात्मक सुधार:

- खोज प्रणाली को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापार चिह्नों के लिए वस्तुओं और सेवाओं के वर्गीकरण के लिए ऑनलाइन खोज सुविधा को वर्ष के दौरान अद्यतन किया गया है।
- परीक्षण के लिए आवेदनों का आवंटन आवेदन दाखिल करने की तिथि के क्रम में स्वचालित रूप से किया जाता है।

2.2. पंजीकरण के लिए प्रक्रिया का स्वचालन:

- पहले की तरह मैन्युअल प्रक्रिया द्वारा पंजीकरण प्रमाणपत्रों के प्रेषण के संबंध में लंबितता से बचने के लिए, व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रक्रिया को स्वचालित कर दिया गया है। परिणामस्वरूप, प्रकाशन के बाद निर्धारित समय पूरा होने के बाद, पंजीकरण प्रमाणपत्र स्वचालित रूप से संसाधित हो जाते हैं और आवेदकों के निर्दिष्ट ईमेल-आईडी पर भेज दिए जाते हैं और व्यापार चिह्न रजिस्ट्री (टीएमआर) द्वारा बनाए गए इलेक्ट्रॉनिक रजिस्टर में भी अपलोड हो जाते हैं। इस बदलाव से इस स्तर पर लंबित मामलों को एक महीने से भी कम करने में मदद मिली है और आवेदकों को भी काफी मदद मिली है।
- नवीनीकरण की प्रक्रिया भी स्वचालित कर दी गई है, जहां नवीनीकरण अनुरोध (निर्धारित समय में दाखिल) संसाधित हो जाता है और वैधता तिथि अद्यतन हो जाती है।
- आधिकारिक वेबसाइटwww.ipindia.gov.in पर प्रत्येक सोमवार को टीएमआर जर्नल में दाखिल और पंजीकृत व्यापार चिह्न आवेदनों के विवरण का ऑनलाइन प्रकाशन इस वर्ष के दौरान प्रारंभ कर और प्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित किया गया।

2.3. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कारण बताओ आवेदन की सुनवाई:

- व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने उचित आईटी उपकरणों के उपयोग को सक्षम करके व्यापार चिह्न अनुप्रयोगों के इलेक्ट्रॉनिक प्रसंस्करण का उपयोग करके समस्या मुक्त निपटान सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन को सुव्यवस्थित किया है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में कारण बताओ आवेदनों की सुनवाई के तरीके में आमूलचूल बदलाव आया है। सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग द्वारा व्यापार चिह्न अनुप्रयोगों के प्रसंस्करण को और अधिक सुव्यवस्थित करने और हितधारकों को सुविधा प्रदान करने के लिए ,सभी कारण बताओ आवेदनों की सुनवाई पूरी तरह से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मोड पर जारी हैं। इसके परिणामस्वरूप व्यापार चिह्न आवेदन प्रसंस्करण में अधिक दक्षता आई है और हितधारकों को उनकी सुविधा के अनुसार अपने कार्यालय या घर से सुनवाई में शामिल होने का अवसर भी मिला है।
- इसके अतिरिक्त ,इस वर्ष ,व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर कारण बताओ सुनवाई के लिए डाइनैमिक कॉज़ लिस्ट प्रदान करना शुरू कर दिया है। प्रत्येक सुनवाई अधिकारी के लिए सुनवाई कक्ष अब डाइनैमिक कॉज़ लिस्ट में दिए गए लिंक के माध्यम से पहुंच के लिए खुला है। इससे सभी हितधारकों तक पहुंच में आसानी हुई है और अब हितधारक सीधे दिए गए लिंक के माध्यम से संबंधित सुनवाई अधिकारी के आभासी सुनवाई कक्ष में प्रवेश कर सकते हैं और अपनी सुनवाई सुविधाजनक और परेशानी मुक्त तरीके से कर सकते हैं ।

3. डिज़ाइन:

- बेहतर कामकाज की सुविधा के लिए नए और संशोधित डिजाइन अनुप्रयोगों के लिए ई-फाइलिंग सुविधा को उन्नत किया गया।
- डिज़ाइन नियमों में पिछला संशोधन 25 जनवरी 2021 ,से लागू हुआ ,जिसमें' स्टार्टअप 'के रूप में मान्यता प्राप्त एक नई श्रेणी शामिल की गई ,जिसे भारतीय इकाई के मामले में स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त है और विदेशी के मामले में आवेदक ,एक इकाई जो स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुसार टर्नओवर और निगमन या पंजीकरण की अवधि के मानदंडों को पूरा करती है और उस आशय की घोषणा प्रस्तुत करती है।
- इसके अलावा ,डिजाइन नियमों के नियम 10 के तहत उप-नियम (1) को प्रतिस्थापित किया गया है और डिजाइनों के पंजीकरण और इन नियमों के उद्देश्यों के लिए अनुच्छेदों को विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित' औद्योगिक डिजाइनों के लिए अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण (लोकार्नो वर्गीकरण) के वर्तमान संस्करण के अनुसार वर्गीकृत किया जा रहा है।
- नए आवेदनों की जांच में लंबितता को दाखिल करने की तारीख से एक महीने तक कम कर दिया गया है।

- वर्ष के दौरान संशोधित आवेदनों की लंबितता को पर्याप्त कम करने के लिए उपाय किए गए हैं।
- WIPO-DAS कोड का उपयोग करके प्राथमिकता वाले दस्तावेज़ जमा करने और जारी करने की सुविधा लागू की गई है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए सुनवाई की गई।
- डिजाइनों का ई-रजिस्टर जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है।
- पंजीकरण के बाद की विभिन्न कार्यवाहियों के प्रसंस्करण की प्रक्रिया को इलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल के माध्यम से कार्यान्वित किया गया है।
- पंजीकृत डिज़ाइनों के लिए ई-प्रमाणपत्र जारी करना शुरू किया गया है।

4. भौगोलिक उपदर्शन:

- वर्ष के दौरान जीआई आवेदनों और जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदनों की जांच और पंजीकरण में लंबित मामलों को निपटाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। परिणामस्वरूप ,वर्ष के दौरान 82 जीआई आवेदन विज्ञापित किए गए, 100 जीआई आवेदनों का परीक्षण किया गया और 55 जीआई पंजीकृत किए गए हैं।
- वित्तीय वर्ष के दौरान 9102 जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदन दाखिल किए गए और 9491 जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदन प्रकाशित किए गए। 11221 जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदनों का परीक्षण किया गया और8218 जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदनों को पंजीकृत किया गया।

5. कॉपीराइट:

- वर्ष के दौरान ,नए आवेदनों की जांच एक महीने तक लंबित रही ,जो नए आवेदनों पर आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए अनिवार्य प्रतीक्षा अवधि है।
- डिजिटलीकरण, पंजीकरण प्रक्रियाओं की री-इंजीनियरिंग, जनशक्ति में वृद्धि और वेबसाइट को अपडेट करने के माध्यम से कॉपीराइट कार्यालय की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के लिए कदम उठाए गए
- **सार्वजनिक इंटरफ़ेस में सुधार और वेबसाइट को अपडेट करना-** पारदर्शिता और हितधारकों की भागीदारी को और बढ़ाने के लिए और आवेदकों को अपने आवेदनों की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने में सक्षम बनाने के लिए, कॉपीराइट कार्यालय ने महीने के दौरान प्राप्त आवेदनों और निपटान और लंबित आवेदनों को कार्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करना शुरू कर दिया है। दाखिल किए

गए आवेदनों की स्थिति, दिए गए पंजीकरण और पंजीकृत कार्य खोजने की सुविधा प्रदान करने के लिए एक डैशबोर्ड तैयार किया गया है।

- कॉपीराइट कार्यालय ने पंजीकरण के लिए प्राप्त आवेदन के विरुद्ध ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करने की सुविधा शुरू की है।
- कॉपीराइट कार्यालय ने कार्यों के निर्बाध पंजीकरण की सुविधा के लिए अपने ऑनलाइन पोर्टल पर अन्य संबंधित दस्तावेजों के साथ साहित्यिक/नाटकीय और कलात्मक कार्यों की सॉफ्ट प्रतियां अपलोड करने का प्रावधान शुरू किया है।
- कॉपीराइट कार्यालय भी वर्चुअल मोड द्वारा कॉपीराइट कार्यालय को जनता के लिए आसानी से सुलभ बनाने की प्रक्रिया में है। जनता को कार्यालय आने से रोकने के लिए कॉपीराइट मामलों में सुनवाई वर्चुअली आयोजित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।
- कॉपीराइट कार्यालय जनता को कॉपीराइट कार्यालय के साथ अपना पत्राचार ऑनलाइन जमा करने की सुविधा प्रदान करने के लिए भी कदम उठा रहा है। इस प्रक्रिया से जनता के समय और धन की बचत होगी और कम समय में उनकी समस्याओं का समाधान भी होगा।
- **निपम (एनआईपीएएम) के तत्वावधान में जन जागरूकता कार्यक्रम:** कॉपीराइट कार्यालय ने शिक्षाविदों/विद्यार्थियों को कॉपीराइट के बारे में जागरूक करने के लिए कई सेमिनार आयोजित किए हैं। इन जागरूकता कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य आम जनता को कॉपीराइट के बारे में जागरूक करना और कॉपीराइट के पंजीकरण की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली के बारे में ज्ञान बढ़ाना है।

6. आईसीटी बुनियादी ढांचा और कार्यात्मक सुधार:

6.1 डेटा सेंटर का नवीकरण:

- सीजीपीडीटीएम के कार्यालय ने प्रसंस्करण और सार्वजनिक सेवा वितरण की गति में सुधार के लिए डेटा सेंटर को नवीनतम तकनीक में अपग्रेड करने के लिए कदम उठाए हैं।

6.2 आवेदकों पर लंबित कार्रवाई के रूप में आवेदन की स्थिति को चिह्नित करना:

- उन आवेदनों की पहचान करने के लिए जिनमें आवेदक की ओर से कार्रवाई लंबित है, नियंत्रकों को आवेदन की स्थिति को 'आवेदकों की ओर से लंबित कार्रवाई' के रूप में लेबल करने के लिए एक नया प्रावधान प्रदान किया गया।

6.3 आंतरिक आईपी पोर्टल में ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण सेट- अप है:

- सुरक्षा और स्वामित्व के विशेषाधिकारों को बनाए रखने एवं आईपी आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए आंतरिक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन के नियंत्रण तक पहुंच के लिए एक ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली विकसित की गई है। यह स्वामी को स्वयं पहुंच का अधिकार सुनिश्चित करता है ,अचूक सुरक्षा प्रदान करता है और किसी अन्य उपयोगकर्ता द्वारा दुरुपयोग करने को रोकता है।

6.4 स्क्रीनिंग और वर्गीकरण मॉड्यूल:

- अधिक व्यापक वर्गीकरण सुनिश्चित करने और अधिक सार्थक अंतर्दृष्टि देने के लिए डेटा को मजबूत करने के लिए, स्क्रीनिंग और वर्गीकरण वर्कफ़्लो को नया रूप दिया गया है। एआई का उपयोग करके आईपीसी निर्दिष्ट करने के स्थान पर, विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों से बनी एक वर्गीकरण टीम अब 01 जनवरी, 2023 से दाखिल पेटेंट आवेदनों को अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण के साथ-साथ सहकारी पेटेंट वर्गीकरण दोनों प्रदान करती है। इसे सुविधाजनक बनाने के लिए, एक नया इंटरफ़ेस विकसित किया गया है जो आईपीसी, सीपीसी, प्रासंगिक खोज क्वेरी, प्रासंगिक दस्तावेजों के उद्धरण, अतिरिक्त विषय क्षेत्रों आदि को कैप्चर करने की अनुमति देता है। इससे परीक्षकों को पेटेंट आवेदनों के उचित आवंटन में काफी मदद मिली है और अधिक उपयोगी डेटा कैप्चर करने में भी मदद मिली है।

6.5 पेटेंट और व्यापार चिह्न एजेंट परीक्षा:

- पेटेंट एजेंट परीक्षा और व्यापार चिह्न एजेंट परीक्षा आयोजित करने के लिए नया पोर्टल डिज़ाइन किया गया है, जो आवेदक को पूरी प्रक्रिया के दौरान अपने आवेदन की स्थिति को सुचारू तरीके से जांचने में सक्षम बनाता है।

6.6 संविदागत जनशक्ति आवेदन पोर्टल (वाईपी और रिसर्च एसोसिएट्स के लिए)

- नियुक्ति प्रक्रिया के निर्बाध प्रबंधन के लिए यंग प्रोफेशनल्स ,अनुसंधान सहयोगियों आदि जैसे संविदा जनशक्ति को काम पर रखने के लिए एक नया पोर्टल डिजाइन किया गया।

6.7 (निपम) 2.0 (टीआईएफ़एसी/आईपी व्यावसायिकों हेतु कार्यक्रम)

- कार्यक्रम के प्रवाह को प्रबंधित करने के लिए एक मॉड्यूल डिज़ाइन किया गया है , जिसमें घटनाओं का लेखा , आईपी पेशेवरों/ टीआईएफ़एसी स्वयंसेवकों द्वारा किए गए कार्यक्रमों की संख्या ,कार्यक्रम के लिए प्रस्तुतियों जैसी सामग्री ,प्रमाणपत्र जारी करना आदि का प्रबंधन किया जाता है।

6.8 एसआईपीपी पोर्टल:

- आईपी मित्र के रूप में पंजीकरण के लिए एक पोर्टल उपलब्ध कराया गया है।

6.9 डिज़ाइन प्रमाणपत्र का ऑनलाइन सृजन:

- प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए मैन्युअल कार्य से स्विच करने के लिए डिज़ाइन आवेदन के स्वीकार किए जाने पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र उत्पन्न करने का प्रावधान प्रदान किया गया है।

7. हितधारक परामर्श बैठकें:

बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर शिकायतों/सुझावों के समाधान के लिए खुला सम्मेलन

आईपी कार्यालय में फीडबैक तंत्र को सुव्यवस्थित करने के लिए, सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने हितधारकों के साथ आईपी संबंधित विभिन्न मामलों के निर्बाध और सीधे संचार के लिए ओपन हाउस आयोजित करने की पहल की है। ओपन हाउस चर्चा 17 अक्टूबर, 2022 से प्रत्येक शुक्रवार(कार्यालय खुला रहने पर) को शाम 4:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक शुरू की गई, जिसमें ओपन हाउस से जुड़ने के लिए एक वेबेक्स लिंक प्रदान किया गया है। इस पहल ने विभिन्न आईपी कार्यालयों से संबंधित विभिन्न आईपी मामलों के लिए हितधारकों द्वारा जमीनी स्तर पर सामना की जा रही कई चुनौतियों का समाधान किया है। आईपी कार्यालयों के कामकाज से संबंधित मुद्दों और हितधारकों की शिकायतों को सबसे प्रभावी ढंग से संभालने के संबंध में बहुमूल्य फीडबैक और सुझावों के परिणामस्वरूप खुले सदन में बड़ी भागीदारी और खुली चर्चा हुई है जो देश में आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है।

इसके अलावा, सीजीपीडीटीएम कार्यालय में हितधारकों के लाभ के लिए आईपी कार्यालयों के कामकाज से संबंधित मुद्दों के संबंध में फीडबैक/सुझाव/शिकायतें दर्ज करने के लिए आईपीओ वेबसाइट पर एक तंत्र स्थापित किया गया है, जिससे मुद्दों का समय पर समाधान हुआ है।

8. फीडबैक तंत्र:

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के एक भाग के रूप में सीजीपीडीटीएम द्वारा आईपीओ शिकायत पोर्टल लॉन्च किया गया:

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह के भाग के रूप में , सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने एक शिकायत पोर्टल https://ipindiaservices.gov.in/ipogrievance प्रारंभ किया गया, जिसमें हितधारक यदि किसी अधिकारी द्वारा उनके आवेदनों के प्रसंस्करण के दौरान उनके सामने आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान की अनावश्यक मांग से व्यथित हैं तो वे अपनी शिकायतें/व्यथाएँ दर्ज कर सकते हैं।

9. आईपीआर में जागरूकता:

- आईपी कार्यालय नियमित रूप से आईपीआर में जागरूकता और सार्वजनिक आउटरीच गतिविधियों में भागीदारी के माध्यम से आईपी प्रक्रियाओं के संबंध में वास्तविक और संभावित आईपी हितधारकों को आईपीआर पर जानकारी और ज्ञान के प्रसार में लगे हुए हैं। राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) का उद्देश्य एक करोड़ विद्यार्थियों को विभिन्न आईपी के बारे में जागरूक करना है और इसने टीआईएफ़एसी, केआईआरएएन और आईपी व्यावसायिकों के साथ साझेदारी की है।

- स्कूलों, विश्वविद्यालयो, प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य हितधारकों के लिए आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों में आईपी अधिकारी नियमित रूप से रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेते हैं।

- आरजीएनआईआईपीएम नियमित रूप से आईपी अधिकारियो, आईपी पेशेवरो, आईपी प्रबंधकों आदि के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और विद्यार्थियों, शिक्षकों, एमएसएमई, स्टार्टअप आदि सहित जनता के लिए अलग से या कानून विश्वविद्यालयों और विश्व बौद्धिक संपदा संगठन(डबल्यूआईपीओ) के सहयोग से बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

10. आईएसआर/आईपीईआर रिपोर्ट:

आईएसए/आईपीईए के रूप में आईपीओ अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट स्थापित करने में समयबद्धता बनाए रखता है और परीक्षकों की खोज रणनीतियों को वाइपो के पेटेंटस्कोप पोर्टल पर प्रकाशित करता है।

11. अंतरराष्ट्रीय समझौते:

सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के प्रयास के साथ, सीजीपीडीटीएम कार्यालय द्वारा विदेश के IP कार्यालयों के साथ द्विपक्षीय/बहुपक्षीय सहयोग के दायरे में विभिन्न पहल की गईं। कार्यालय ने विभिन्न क्षेत्राधिकार में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में जानकारी साझा करने के लिए विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय गतिविधियाँ आयोजित कीं। इसके परिणामस्वरूप अन्य देशों द्वारा अपनाई जाने वाली आईपी प्रणालियों की बेहतर समझ विकसित हुई। बदले में, इस तरह की अंतरराष्ट्रीय सहयोग गतिविधियों के परिणामस्वरूप भारत में आईपीआर प्रणाली के भीतर मौजूद मतभेदों और विशिष्टताओं की बेहतर सराहना हुई, जबकि ट्रिप्स समझौते के तहत उपलब्ध लचीलेपन का अधिकतम संभव उपयोग हो सका। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान, विदेशी आईपी कार्यालयों के साथ ऐसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं और इसका विवरण अध्याय XII (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) में मौजूद है।

12. राजभाषा :

कार्यालय महानियंत्रक भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है। इसके सभी अधीनस्थ कार्यालय राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम, 1976 के प्रावधानों के तहत अपने वैधानिक दायित्वों का निर्वहन करती है। इनके क्रियाकलापों की निरंतर निगरानी महानियंत्रक कार्यालय द्वारा की जाती है और इन सभी कार्यालयों में राजभाषा नीति के सटीक अनुपालन हेतु निर्देश जारी किए जाते हैं।

विगत वर्ष के दौरान महानियंत्रक कार्यालय के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली एवं मुंबई तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, नई दिल्ली को माननीय संसदीय राजभाषा समिति की अगवानी करने का सुअवसर प्राप्त हुआ जब समिति ने इन कार्यालयों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयों ने हिंदी में किए जा रहे कार्यों का प्रदर्शन किया। समिति ने कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष व्यक्त किया और शासकीय संवाद के प्रमुख माध्यम के रूप में हिंदी के सतत संवर्धन की दिशा में कर्यालय के प्रयासों की सराहना की।

13. सूचना का अधिकार:

सीजीपीडीटीएम कार्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। आईपी कार्यालयों के कामकाज में अत्यधिक पारदर्शिता प्राप्त करने के लिए, जनता और हितधारकों को सक्रिय रूप से जानकारी प्रदान करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट पर विभिन्न गतिविधियों के संबंध में सभी प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा, आरटीआई अधिनियम के विधायी प्रयोजन और जनादेश के अनुरूप अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई।

अध्याय -III

पेटेंट

परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2022-23 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 51वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय कोलकाता, नई दिल्ली, मुम्बई तथा चेन्नई में स्थित है, जिनका पेटेंट प्रशासन के लिए देश में विशिष्ट क्षेत्राधिकार है। हालांकि, सभी चार पेटेंट कार्यालय आभासी एकल कार्यालय के रूप में कार्य करते हैं। पेटेंट कार्यालय, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम)के अधीक्षण व प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन देश में हुए आविष्कारों के संरक्षण से संबन्धित पेटेंट अधिनियम 1970 (यथा शांशोधित) के प्रावधानों को लागू करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट विधान के तहत यथाप्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हैं।

1. पेटेंट आवेदन:

2022-23 में दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या **82811** थी जो 2021-22 की फाइलिंग की संख्या 66440 में 24.64% की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष के दौरान, आविष्कार के लगभग सभी क्षेत्रों में मध्यम से उच्च विकास देखा गया है विशेष रूप से कंप्यूटर विज्ञान व इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, यान्त्रिकी व वैद्युतिक। विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित, विगत पाँच वर्षों के आवेदनों की प्रवृत्ति के विस्तृत आँकड़े **परिशिष्ट-ङ** और **ङ1** में दर्शाए गए हैं।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन:

कुल दाखिल 82811 आवेदनों में से, भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 43301 रही जो गत वर्ष से लगभग 46.74% की वृद्धि दर्शाता है, जब ऐसे आवेदनों की संख्या 29508 थी। कुल दाखिल आवेदनों में से दाखिल घरेलू आवेदन गत वर्ष के 44.41% की तुलना में 52.29% है। इस प्रकार, पिछले वर्षों की वृद्धि के अनुरूप, इस वर्ष भी, भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल किए गए आवेदनों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2021-22 के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या (36932) की तुलना में वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या (39510) रही जो 6.98% की वृद्धि दर्शाता है।

(ख) भारतीय आवेदकों द्वारा राज्यवार दाखिल पेटेंट आवेदन:

2022-23 के दौरान, भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों में से, तमिलनाडु प्रथम स्थान पर रहा जबकि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। इस वर्ष कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना और

उत्तराखंड जैसे राज्यों के साथ साथ-दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेशों ने भी अपने पिछले साल की फाइलिंग में वृद्धि की, अतः उन्होने भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल समग्र पेटेंट आवेदनों में अत्यधिक योगदान दिया।

आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं (आवेदनों की संख्या कोष्ठक में दी गयी है) तमिलनाडु **(7686),** महाराष्ट्र **(5626),** उत्तर प्रदेश **(5564),** कर्नाटक **(5408),** पंजाब **(3405),** तेलंगाना **(2438),** दिल्ली **(1960),** उत्तराखंड **(1637),** आंध्र प्रदेश **(1445),** राजस्थान **(1278),** गुजरात **(1215),** हरियाणा **(959),** पश्चिम बंगाल **(808),** मध्य प्रदेश **(646),** उड़ीसा **(567),** चंडीगढ़ **(507),** केरल **(497),** एवं झारखंड **(353)**। राज्य/ केंद्र शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

राज्यवार दाखिल पेटेंट आवेदन

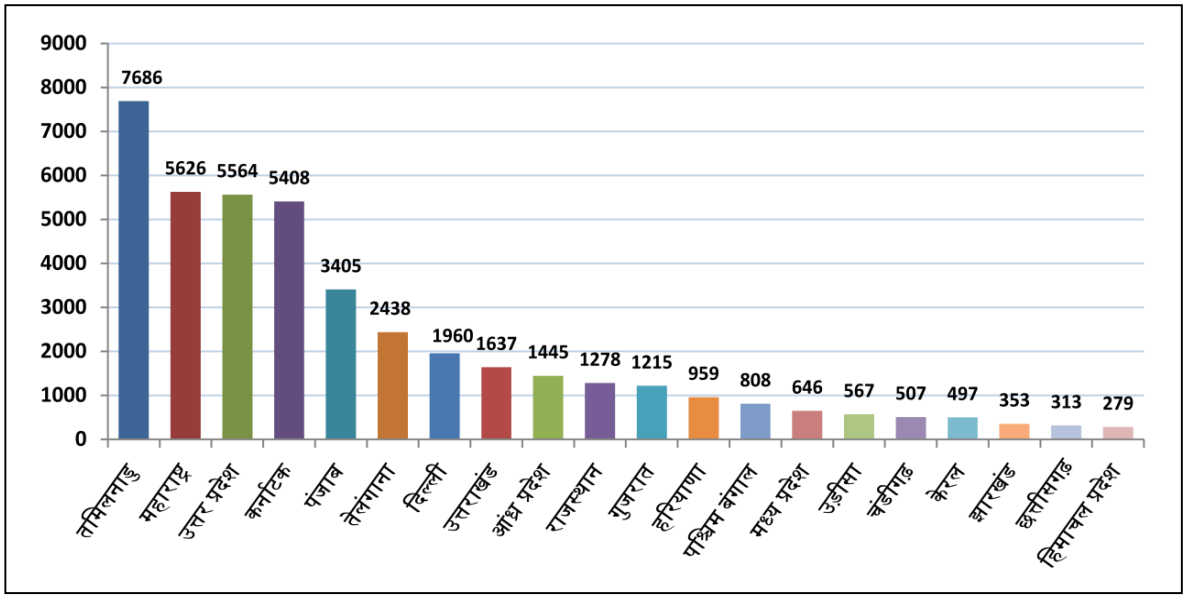

(ग) आवेदनों का श्रेणीवार वितरण:

विगत पाँच वर्षों के दौरान विभिन्न श्रेणियों जैसे प्रकृत व्यक्ति (एनपी), स्टार्टअप (एसयू), लघु अस्तित्व (एसई), शैक्षणिक संस्थान (ईआई) तथा प्रकृत व्यक्ति(ओएनपी) के सिवाय अन्य आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों का विवरण निम्नवत है। यह ध्यान दिया जाए लगभग सभी श्रेणियों में दाखिल आवेदनों में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है।

वर्ष	प्रकृत व्यक्ति (एनपी)		स्टार्टअप (एसयू)		लघु अस्तित्व (एसई)		शैक्ष णक संस्थान (ईआई)		प्रकृत व्यक्ति के सिवाय अन्य		कुल		कुल योग
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी	
2018-19	7250	1193	801	10	607	75	0	0	8347	32376	17005	33654	**50659**
2019-20	8792	1182	1650	2	576	272	0	0	9825	34169	20843	35625	**56468**
2020-21	10844	1053	1598	13	744	53	0	0	11150	33048	24326	34167	**58503**
2021-22	12451	1324	1482	19	985	384	7405	96	7185	35109	29508	36932	**66440**
2022-23	**14599**	**1261**	**2016**	**25**	**1329**	**429**	**19155**	**275**	**6202**	**37520**	**43301**	**39510**	**82811**

आवेदनों का श्रेणीवार वतरण

(घ) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक:

क्र .सं .	कंपनी का नाम	दाखिल आवेदन
1	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	513
2	जैन (मानद विश्वविद्यालय)	229
3	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड	221
4	गल्गोटियस यूनिवर्सिटी	209
5	तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय	176

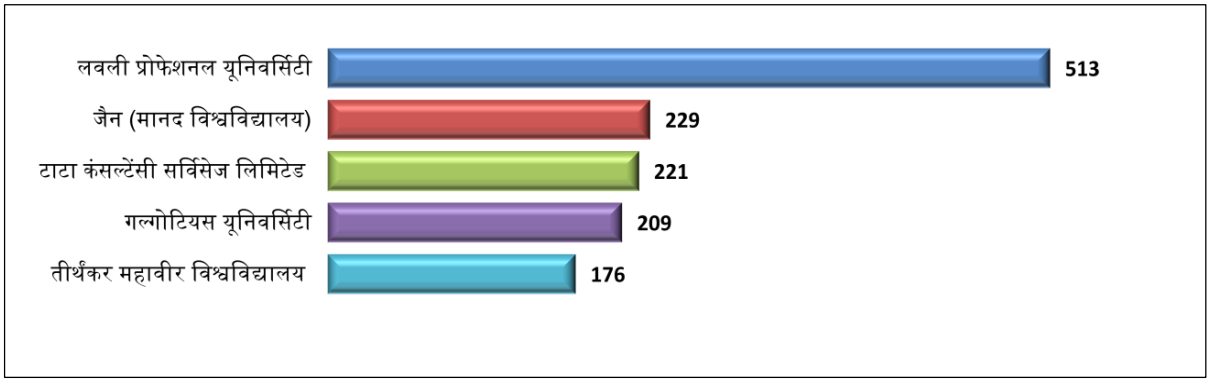

(ङ) वैज्ञानिक अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक :

क्र .सं .	वैज्ञानिक अनुसंधान व विकास संस्थान का नाम	दाखिल आवेदन
1	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (कितसमे)	803
2	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	302
3	शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग & टेक्नॉलॉजी (मानद विश्वविद्यालय)	301
4	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)	231
5	सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज	177
6	शूलिनी जैव प्रौद्योगिकी और प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय	176
7	एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	171
8	कलासलिंगम अनुसंधान और शिक्षा अकादमी	161
9	कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान	150
10	भारतीय विज्ञान संस्थान	84

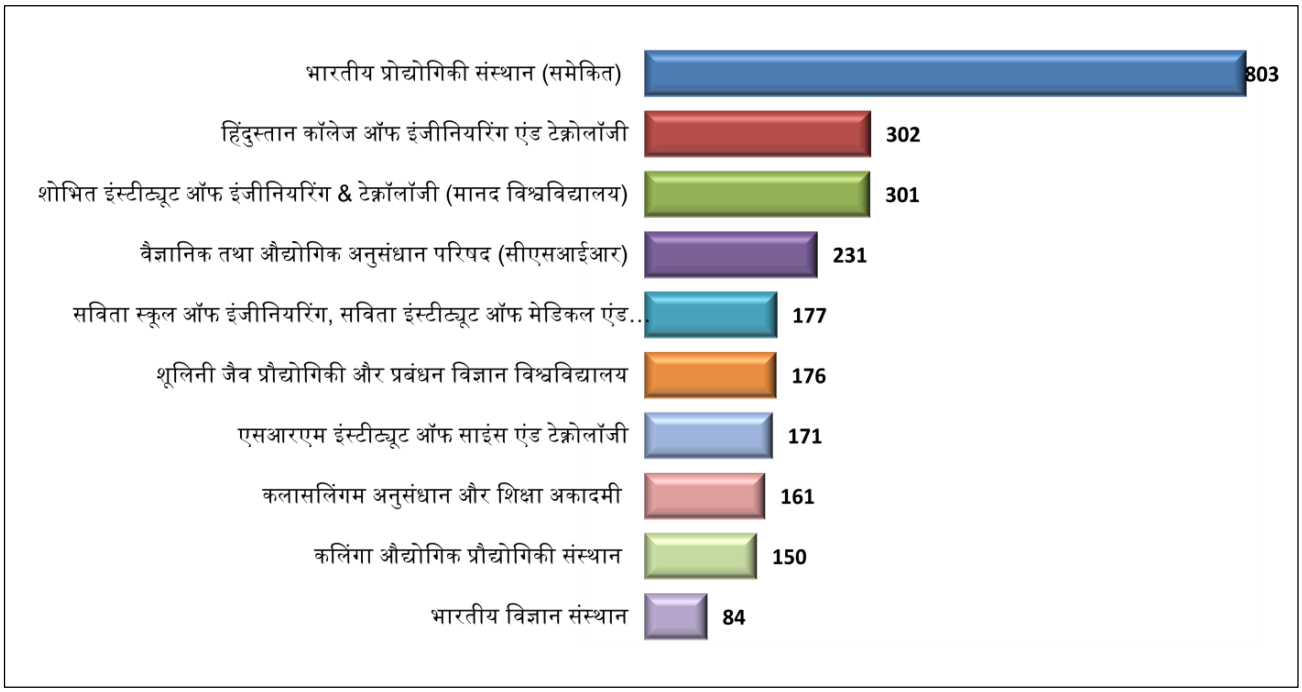

इस वर्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित) शीर्ष पर रहा जिसके बाद हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का स्थान रहा। शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग & टेक्नॉलॉजी (मानद विश्वविद्यालय)व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद क्रमशः तीसरे व चौथे स्थान पर रहे।

(च) शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक:

क्र.सं.	संस्थानों/विश्वविद्यालयों के नाम	दाखिल आवेदन
1	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी	1387
2	जैन (मानद विश्वविद्यालय)	1093
3	गलगोटियास यूनिवर्सिटी	1089
4	तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय	1007
5	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	803
6	चंडीगढ़ विश्वविद्यालय	752
7	चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजिस	733
8	संस्कृति विश्वविद्यालय	600
9	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	302
10	शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग & टेक्नॉलॉजी (मानद विश्वविद्यालय)	301

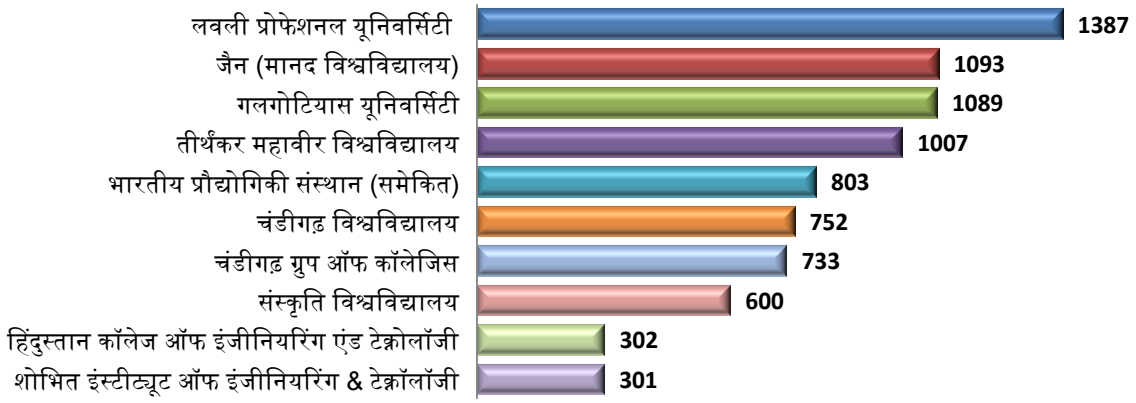

इस श्रेणी में लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय प्रथम स्थान पर रहा। जैन (मानद विश्वविद्यालय) व गलगोटियास विश्वविद्यालय क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे, जबकि तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय व भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित) ने क्रमशः चौथा व पांचवा स्थान प्राप्त किया।

2. विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन:

(क) कन्वेंशन आवेदन:

गत वर्ष के 3299 की तुलना में इस वर्ष के दौरान पेरिस कन्वेंशन के तहत पूर्विक्ता दावा करते हुए दाखिल आवेदनों की कुल संख्या **3351** रही। इस वर्ष के दौरान दाखिल किए गए कन्वेन्शन आवेदनों की संख्या में लगभग 1.57% की वृद्धि हुई है। वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन 3258 थे जो पिछले वर्ष के 3212 से 1.43% अधिक है।

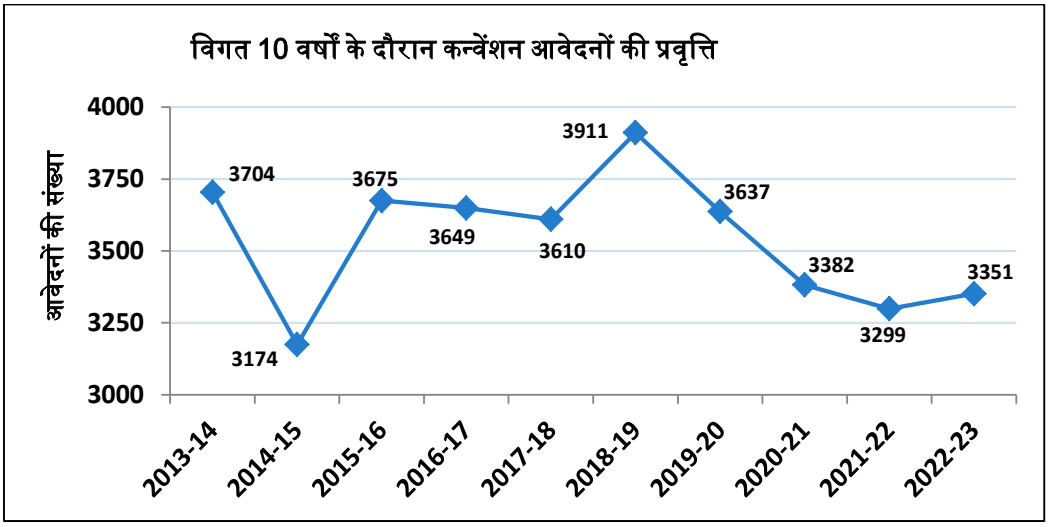

(ख) पी.सी.टी. राष्ट्रीय फेज आवेदन:

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या 32091 रही जो विगत वर्ष की संख्या 29940 की तुलना में लगभग 7.18% की वृद्धि दर्शाता है। आवेदन दाखिल करने वाला शीर्ष देश संयुक्त राज्य अमरीका (12149) रहा। देशानुसार विवरण परिशिष्ट ख1 में प्रदर्शित किया गया है।

पी.सी.टी. राष्ट्रीय फेज आवेदनों के शीर्ष आवेदक (देशानुसार)

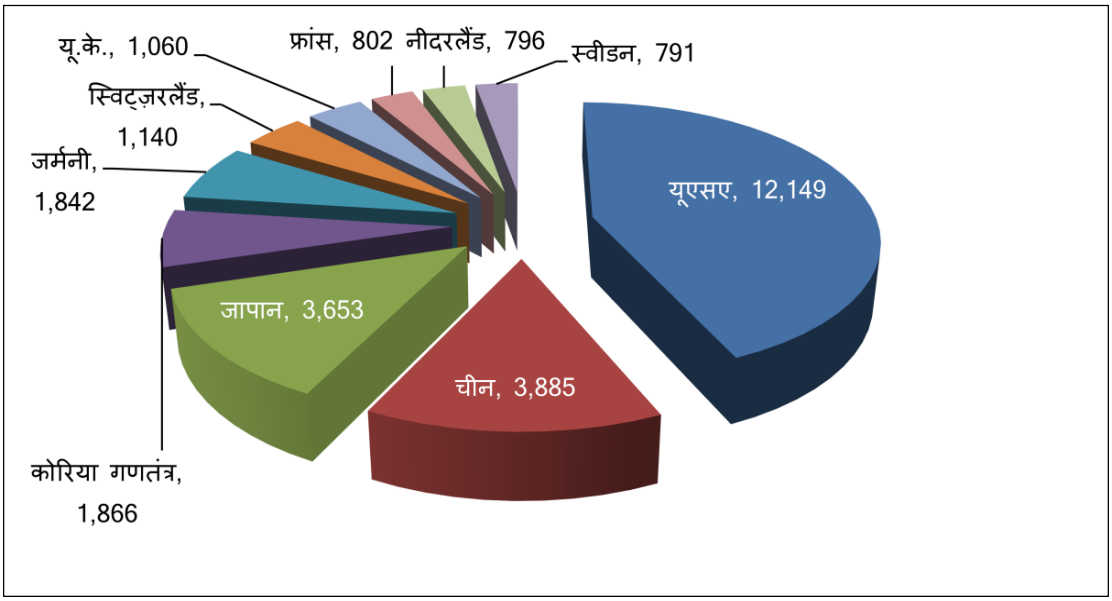

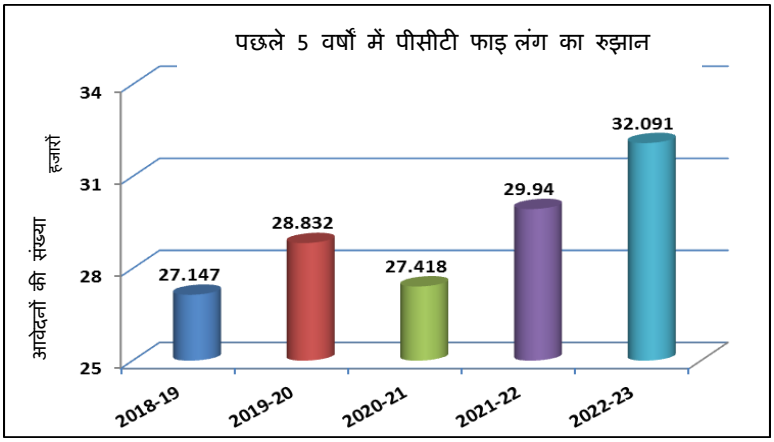

ग) शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक:

निम्नलिखित तालिका उन शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2022-23 के दौरान भारत में पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह देखा गया है कि क्वालकम इंकॉरपोरेटेड इस वर्ष तीन हज़ार चार सौ से अधिक आवेदनों के साथ इस सूची में अग्रणी रहा।

शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक

क्र.सं.	संगठन का नाम	आवेदनों की संख्या
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	3482
2	सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड	979
3	हुआवि टेक्नोलॉजी कलि .	936
4	एप्पल इंक.	575
5	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	434
6	माइक्रोसॉफ्ट टेक्नॉलॉजी लाइसेंसिंग, एलएलसी	428
7	नोकिया टेक्नोलॉजीज़ ओ.वाई	359
8	एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक .	326
9	एलजी एनर्जी सॉल्यूशन, लिमिटेड	288
10	बीजिंग शाओमि मोबाइल सॉफ्टवेयर कं, लिमिटेड	237

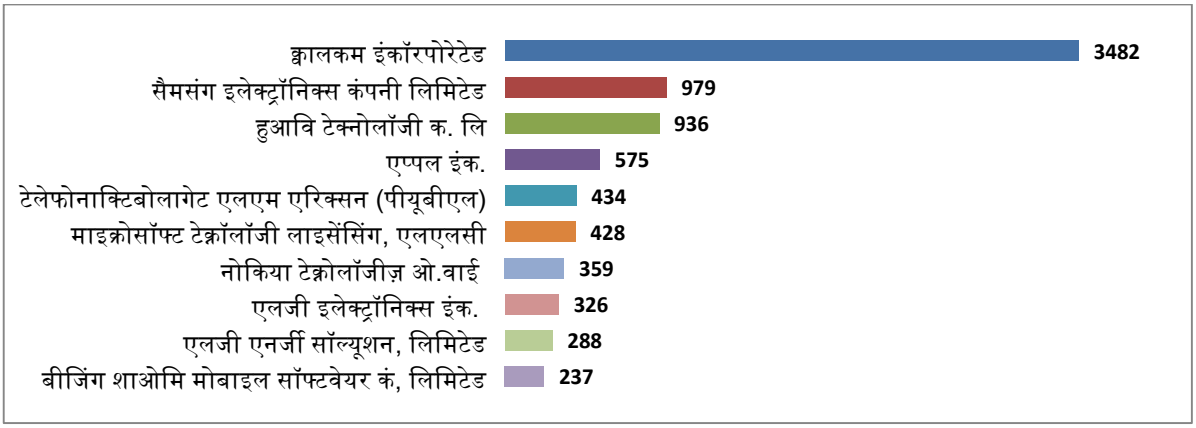

गत वर्ष की तुलना में वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट-ख** (भारत में उद्गम राज्य के अनुसार वर्गीकृत)व **परिशिष्ट-ख1** (उद्गम देश के अनुसार वर्गीकृत)में दर्शाया गया है।

2013-14 से 2022-23 की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट- ग** में दर्शायी गई है।

विगत पाँच वर्ष के दौरान रसायन, विद्युत, यांत्रिक, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य, कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स, आदि पर विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट -ङ तथा ङ1** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. परीक्षित आवेदनों की कुल संख्या:

कार्यालय ने गत वर्ष के **66571** परीक्षित आवेदनों की तुलना में, वर्ष के दौरान **49961** आवेदनों का परीक्षण किया। यह वर्ष 2022-23 में दाखिल परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) की संख्या (48373) के अनुरूप है।

4. परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) का कुल निपटान:

गत वर्ष के 35990 की तुलना में वर्ष के दौरान **60046** परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) का निपटान किया गया, जो निपटान में 66.84% की वृद्धि दर्शाता है। निपटान में अनुदानित, अस्वीकृत, धारा 21(1) के तहत परित्यक्त व आहरित आवेदन शामिल हैं।

5. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट :

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की कुल संख्या 34134 रही, जिनमें से 9239 भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट 2021-22 के दौरान अनुदानित पेटेंट (30073) से 13.5% अधिक रहे।

31 मार्च 2023 तक प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **137333** रही जिनमें से **26165** पेटेंट भारतीयों के नाम थे।

वर्ष 2013-14 से वर्ष 2022-23 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदन तथा पेटेंट अनुदान प्राप्त करने वाले आवेदन एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या परिशिष्ट-घ में प्रदर्शित की गई है।

वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक के विगत पाँच वर्षों के दौरान आविष्कार के विभिन्न क्षेत्रों के तहत अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट – च** व **च1** में प्रदर्शित की गई है।

6. शीघ्र परीक्षण स्थिति:

शीघ्र परीक्षण की सुविधा प्रारम्भ में स्टार्टअप और उन पेटेंट आवेदनों के लिए प्रदान की गई थी, जहां आवेदकों ने अपने संबंधित पीसीटी अंतरराष्ट्रीय आवेदनों के लिए आईएसए / आईपीईए के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय का चयन किया है। पेटेंट नियमों में संशोधन करके आवेदकों की 8 और श्रेणियों को 17 सितंबर, 2019 से इसमें शामिल कर लिया गया है। आवेदकों की नई श्रेणियों में लघु, मध्यम उद्यम, महिला आवेदक, सरकारी विभाग, केंद्रीय, प्रांतीय अथवा राज्य अधिनियम द्वारा स्थापित संस्थान है, जो सरकार के स्वामित्व में है अथवा उसके द्वारा नियंत्रित है, सरकारी कंपनी, सरकार द्वारा पूर्णतः अथवा सारवान रूप से वित्तपोषित संस्थान तथा पेटेंट प्रोसिक्यूशन हाइवे (पीपीएच) के अधीन दाखिल आवेदन शामिल हैं।

शीघ्र परीक्षण हेतु अनुरोधों की फाइलिंग में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है, जिसका कारण है कि इस श्रेणी के तहत आवेदनों का परीक्षण और संसाधन अतिशीघ्र किया जाता है जिससे अधिकांश मामलों में अनुदान / अंतिम निपटान, सामान्य परीक्षण मार्ग में अपेक्षित कुछ वर्षों की अवधि की तुलना में शीघ्र परीक्षण हेतु अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से एक वर्ष के औसत समय के भीतर हो जाता है।

शीघ्र परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोध, परीक्षित व निपटान का विवरण निम्नलिखित सारणी में दिया गया है जिसमें नई श्रेणियों को संचित रूप से "अन्य" के रूप में नामित किया गया है।

वर्ष	शीघ्र परीक्षण हेतु दाखिल अनुरोध				अनुदानित पेटेंट				अस्वीकृत			
	स्टार्ट अप	आईएसआर हेतु आवेदक	अन्य	कुल	स्टार्ट अप	आईएसआर हेतु आवेदक	अन्य	कुल	स्टार्ट अप	आईएसआर हेतु आवेदक	अन्य	कुल
2018-19	294	318	NA	612	102	187	NA	289	34	23	NA	57
2019-20	408	311	304	1023	189	235	5	429	53	57	0	110
2020-21	433	331	802	1566	252	212	283	747	57	48	24	129
2021-22	548	411	1554	2513	49	65	143	257	4	3	14	21
2022-23	713	386	2471	3570	468	335	1283	2086	54	37	141	232
कुल	**2396**	**1757**	**5131**	**9284**	**1060**	**1034**	**1714**	**3808**	**202**	**168**	**179**	**549**

7. भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पीसीटी अंतरराष्ट्रीय आवेदन:

विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्तकर्ता कार्यालय (आरओ/आईएन)के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय में भारतीय आवेदकों द्वारा पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) के तहत दाखिल अंतरराष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या निम्नवत है (इस संख्या में वे अंतरराष्ट्रीय आवेदन शामिल नहीं है जो भारतीय आवेदकों द्वारा सीधे वाइपो के अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो में प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में दाखिल किए गए हैं):

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2018-19	336	630	**966**
2019-20	351	668	**1019**
2020-21	312	652	**964**
2021-22	295	680	**975**
2022-23	**263**	**746**	**1009**

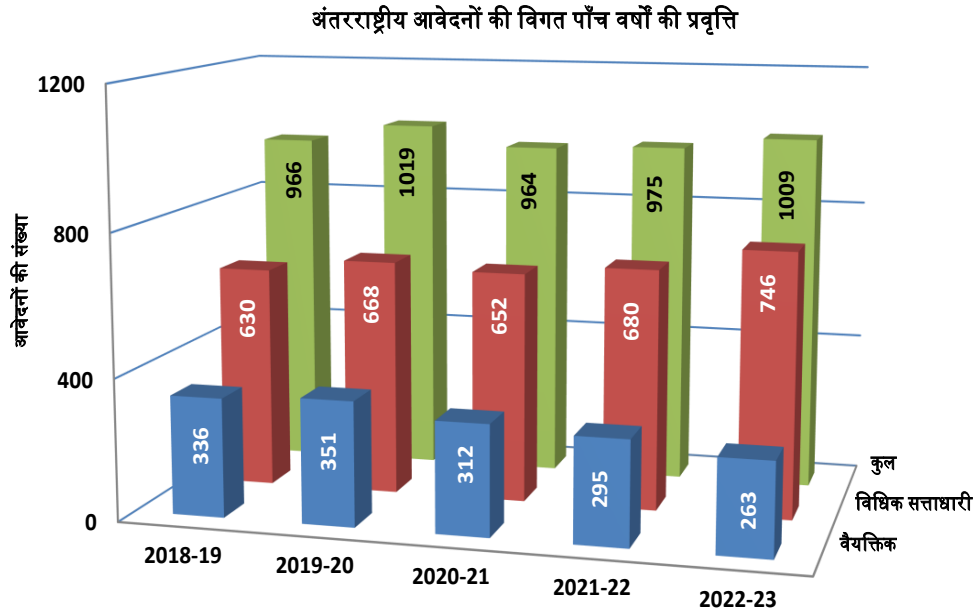

2022-23 के दौरान पीसीटी अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल करने वाले प्रमुख भारतीय योगदानकर्ता थे: टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ।

8. पेटेंट अधिनियम व नियमों के तहत विविध कार्यवाहियाँ:

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: वर्ष के दौरान, पेटेंट अधिनियम की धारा **4** के तहत **721** आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से **30** आवेदन परमाणु ऊर्जा से संबद्ध पाए गए, जबकि **455** आवेदन सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्त हुए तथा वर्ष के अंत तक शेष आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित रहे।

(ख) धारा 11(क) के तहत पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन: वर्ष 2022-23 के दौरान, पेटेंट अधिनियम की धारा 11क के तहत **94744** आवेदन प्रकाशित किए गए, जिनमें **25536** ऐसे आवेदन शामिल हैं जिनके लिए शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध प्राप्त किए गए थे। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित पेटेंट आवेदनों की संख्या संबंधी वर्षानुसार विवरण निम्नवत है:

वर्ष	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
धारा **11** क के तहत प्रकाशन	42281	44297	42462	55362	**69208**
शीघ्र प्रकाशन	4064	6526	10302	14251	**25536**
कुल	**46345**	**50823**	**52764**	**69613**	**94744**

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान अनुदानपूर्व आपत्ति के रूप में **420** आवेदन प्राप्त हुए व **915** अनुदानपूर्व आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत] : वर्ष के दौरान, **69** अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। **45** अनुदानोत्तर आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(ङ) गोपनीयता निदेश (धारा 35 के तहत) : वर्ष के दौरान, **625** पेटेंट आवेदन भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को उन आविष्कारों के रक्षा उद्देश्य से संबद्ध होने विषयक विचार देने हेतु प्रेषित किए गए। वर्ष के दौरान, **517** आवेदनों को सामान्य कार्यवाही हेतु अनुमत्त किया गया। जहां **22** आवेदन को डीआरडीओ द्वारा आगे बढ़ने के लिए अस्वीकृत कर दिया गया, वहीं शेष आवेदन वर्ष के अंत तक डीआरडीओ के विचारार्थ प्रक्रियाधीन थे।

(च) देश से बाहर आवेदन करने की अनुमति (धारा 39 के तहत) : वर्ष के दौरान **8973** ऐसे आवेदन प्राप्त हुए जिनमें फॉर्म 25 पर भारत के बाहर पेंटेट दाखिल करने की अनुमति मांगी गई थी जबकि **8811** आवेदनों के संबंध में अनुमति प्रदान की गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत) :2022-23 के दौरान पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए **191** आवेदन प्राप्त हुए व **102** पेटेंट प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): इस धारा के तहत दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए **2701** मामले प्राप्त हुए व वर्ष के दौरान **1873** आवेदनों का निपटान किया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 146 के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान फॉर्म-27 पर जारी पेटेंट के **4781** कथन प्राप्त किए गए जिनमें से **560** पेटेंट को जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्त सूचना का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है:

	2018-19	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
प्रवृत्त पेटेंट	64686	81279	98839	115916	**137333**
प्राप्त फॉर्म-27	51104	57192	58633	55014	**4781**
जारी रहने के रूप में प्रदर्शित	14277	16181	13924	9616	**560**

(ञ) **अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92क के तहत):** वर्ष 2022-23 के दौरान अनिवार्य लाइसेंस के अनुदान हेतु कोई भी आवेदन प्राप्त **नहीं** हुआ।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान, पेटेंट नियम, 2003 (यथा संशोधित) के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट संबंधी सूचना की आपूर्ति के लिए पेटेंट कार्यालय को **77** अनुरोध प्राप्त हुए।

ठ) पेटेंट अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान **1028** नए पेटेंट अभिकर्ताओं का पंजीकरण किया गया। 31 मार्च 2023 तक पंजीकृत पेटेंट अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या **5279** रही।

9. पेटेंट एजेंट परीक्षा 2022:

पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 126 (1)(ग)(ii) के प्रावधानों के मद्देनजर उक्त परीक्षा आयोजित करने की प्रक्रिया फरवरी, 2020 के महीने में शुरू हुई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी की शुरुआत के कारण यह परीक्षा स्थगित कर दी गई। नवंबर, 2021 में यह प्रक्रिया फिर से शुरू की गई और 7718 उम्मीदवारों ने परीक्षा शुल्क के साथ पंजीकरण कराया। पंजीकरण, शुल्क भुगतान और ई-प्रवेश पत्र जारी करने जैसी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गईं ताकि न्यूनतम शारीरिक संपर्क की आवश्यकता हो। 08/05/2022 को पांच शहरों अर्थात् चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और नागपुर में ऑफ़लाइन मोड में परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। दृष्टिबाधित/शारीरिक रूप से विकलांग (दिव्यांग) उम्मीदवारों को उनके अनुरोध के अनुसार उचित रूप से पाठक/लेखक या अतिरिक्त लेखन समय प्रदान किया गया।

विवरण इस प्रकार है –

क्र. सं.	केंद्र	उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवार	
			पी-I	पी-II
1	अगरचंद मनमुल जैन कॉलेज (ए.एम. जैन कॉलेज), चेन्नई	1980	772	764
2	प्रगति पब्लिक स्कूल, सेक्टर 13, द्वारका, नई दिल्ली	792	259	255
3	माउंट कार्मेल स्कूल, सेक्टर-22, द्वारका, नई दिल्ली	800	363	360
4	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सेक्टर 14, द्वारका, नई दिल्ली	432	174	168
5	बाल भारती पब्लिक स्कूल, सेक्टर 12, द्वारका, नई दिल्ली	871	293	285
6	टेक्नो मेन साल्टलेक, साल्टलेक सिटी, कोलकाता	528	135	135
7	एस. के. सोमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई	500	222	220
8	के.जे. सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई	510	168	167
9	के. जे. सोमैया जूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, मुंबई	871	379	364
10	विज्ञान संस्थान, नागपुर	504	207	203
	कुल	**7718**	**2972**	**2921**

मौखिक परीक्षा 11/07/2022 *से* 13/07/2022,1342 तक चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर स्थित पेटेंट कार्यालयों में आयोजित की गई थी और 1026 उम्मीदवारों ने 60% उत्तीर्ण अंक प्राप्त किए और उन्हें पेटेंट नियम, 2003 (यथा संशोधित) के नियम 110 के अनुसार 'उत्तीर्ण' घोषित किया गया।

10. राजस्व:

पेटेंट कार्यालय ने अधिनियम और नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के लिए शुल्क के माध्यम से लगभग रू.**728** करोड़ का राजस्व अर्जित किया। पेटेंट पर एकत्रित शुल्क का विवरण **परिशिष्ट - छ** में दिया गया है।

11. सामान्य सूचना:

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता, मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान करते रहे। इन सुविधाओं का विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारक तथा अन्य जनता के साथ-साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में अनुसंधानरत विद्वानों ने उपयोग किया।

वर्तमान में पेटेंट कार्यालय, सीडी-रोम्स, पुस्तकों और जर्नल के अतिरिक्त वैज्ञानिक और तकनीकी ई-जर्नल प्राप्त करता है। भारत और विदेश के पेटेंट कार्यालयों के पेटेंट विनिर्देश और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से खोज संचालित करने हेतु हजारों लोग पेटेंट कार्यालय के पुस्तकालयों में आते हैं।

पेटेंट कार्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर प्रदत्त नि:शुल्क ऑनलाइन इंटरनेट खोज सुविधा का हितधारकों और सर्वसाधारण ने भी व्यापक लाभ उठाया।

12. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना:

वर्ष के दौरान, सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए 77 अनुरोध प्राप्त किए गए व अधिनियम में निहित प्रावधानों के अनुसार समय सीमा के भीतर उनका निपटान किया गया।

परिशिष्ट-क

परीक्षक एकस्व का विषयवार वितरण

क्र.सं.	विषय	परीक्षकों की संख्या
1	जैव रसायन	7
2	जैव प्रौद्योगिकी	21
3	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	20
4	रसायन	110
5	सिविल अभियांत्रिकी	8
6	कम्प्यूटर एवं आई टी अभियांत्रिकी	58
7	वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	163
8	खाद्य प्रौद्योगिकी	5
9	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	124
10	धातुकर्म अभियांत्रिकी	11
11	भौतिकी	43
12	पॉलीमर	17
13	वस्त्र	6
	कुल	**593**

परिशिष्ट ख

उद्यम राज्य के अनुसार वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन

राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश	साधारण आवेदन		कन्वेंशन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
अंडमान & निकोबार	4	1	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	1443	934	2	0	0	0
अरुणाचल प्रदेश	8	23	0	0	0	0
असम	211	150	0	0	0	0
बिहार	169	80	0	0	0	0
चंडीगढ़	507	347	0	0	0	1
छत्तीसगढ़	313	120	0	0	0	0
दादरा और नागर हवेली और दमन & दीव	3	7	0	0	0	0
दिल्ली	1916	1657	5	2	39	14
गोवा	52	46	0	1	0	0
गुजरात	1197	1045	4	1	14	21
हरियाणा	951	996	5	0	3	2
हिमाचल प्रदेश	279	268	0	0	0	0
जम्मू और कश्मीर	81	93	0	0	0	0
झारखंड	353	225	0	0	0	0
कर्नाटक	5369	3171	28	18	11	33
केरल	497	453	0	0	0	1
मध्य प्रदेश	645	488	0	0	1	0
महाराष्ट्र	5572	4508	9	10	45	48
मणिपुर	19	11	0	0	0	1
मेघालय	29	26	0	0	0	0
मिजोरम	11	8	0	0	0	0
नागालैंड	4	6	0	0	0	0
उड़ीसा	567	327	0	1	0	0
पुडुचेरी	81	61	0	0	0	0
पंजाब	3405	2197	0	0	0	0
राजस्थान	1271	452	2	0	5	13
सिक्किम	3	9	0	0	0	0
तमिलनाडु	7615	5206	32	49	39	7
तेलगांना	2425	1724	5	3	8	23
त्रिपुरा	35	12	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	5562	3613	1	1	1	8
उत्तराखंड	1637	533	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	808	449	0	1	0	3
कुल	**43042**	**29246**	**93**	**87**	**166**	**175**

परिशिष्ट - ख 1

वर्ष 2021-22 की तुलना में 2022-23 में दाखिल उद्गम देश के अनुसार वर्गीकृत पेटेंट आवेदन

राष्ट्रमंडल देश

देश	साधारण आवेदन		कन्वेंशन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
ऑस्ट्रेलिया	17	8	3	13	250	296
कनाडा	18	40	19	35	331	378
फ़िजी	0	0	0	0	0	1
आयरलैंड	102	109	46	66	128	110
न्यूजीलैंड	4	1	1	0	63	62
पापुआ न्यू ग्युना	1	3	0	0	0	0
समोआ	1	0	0	0	1	0
श्रीलंका	2	0	0	0	4	1
यू.के.	55	60	48	38	1060	974
कुल	**200**	**221**	**117**	**152**	**1837**	**1822**

उत्तर व दक्षिण अमरीका

देश	साधारण आवेदन		कन्वेन्शन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
अर्जेन्टीना	0	1	0	0	5	5
बहामास	0	0	0	0	1	5
बारबाडोस	1	7	1	1	2	7
बरमूडा	0	0	0	0	3	7
ब्राजील	3	3	10	5	71	67
केमन आइलैंड	3	11	12	22	25	20
चिली	1	1	1	0	12	11
कोलंबिया	1	0	0	0	4	4
कोस्टा रीका	1	0	0	0	0	0
क्यूबा	0	0	0	0	3	3
मैक्सिको	0	0	0	0	20	25
पनामा	0	0	0	0	1	1
पेरु	3	6	0	0	0	2
सेंट किट्स एंड नेविस	0	0	0	0	1	1
उरुग्वे	0	0	0	0	0	3
यू.एस.ए.	1787	1770	765	705	12149	9612
वर्जिन आइलैंड्स	0	0	0	0	2	2
उत्तर और दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	16	3	0	0	9	47
कुल	**1816**	**1802**	**789**	**733**	**12308**	**9822**

यूरोप

देश	साधारण आवेदन		कन्वेन्शन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
ऑस्ट्रीया	4	4	7	18	265	241
बेलारूस	0	0	0	0	1	2
बेल्जियम	3	7	6	6	246	253
ब्रिटिश आइल्स	0	0	1	0	2	0
बुल्गारिया	2	4	0	1	4	3
चैनल आइलेंड	0	3	0	0	0	0
साइप्रस	1	0	0	0	4	7
चेक गणराज्य	2	5	0	2	17	27
डेनमार्क	19	18	9	11	321	339
इस्टोनिया	0	0	0	0	2	5
फ़िनलैंड	172	125	43	48	357	293
फ़्रांस	99	56	167	136	802	994
जर्मनी	407	339	313	329	1842	2013
ग्रीस	0	0	0	0	13	19
हॉलैंड	0	2	0	0	0	0
हंगरी	0	0	0	0	17	17
आइस लैंड	1	0	0	0	1	5
इटली	5	9	69	54	490	493
लातविया	0	0	0	0	3	1
लिक्टन्स्टाइन	0	0	0	0	2	10
लग्जमबर्ग	0	0	0	12	106	96
माल्टा	0	0	0	0	3	5
मोनाको	0	0	0	0	3	4
नीदरलैंड्स	133	78	18	7	796	930
नार्वे	11	5	1	0	96	89
पोलैंड	0	1	3	5	41	40
पुर्तगाल	0	0	0	0	19	18
रोमानिया	1	0	0	0	4	8
रूस	1	0	6	10	96	91

स्लोवाकिया	0	0	0	0	4	5
स्लोवेनिया	0	0	0	2	8	3
स्पेन	4	3	48	49	178	161
स्वीडन	22	40	21	18	791	755
स्विट्जरलैंड	160	138	101	88	1140	1108
तुर्की	1	0	1	0	37	40
यूक्रेन	0	0	0	0	4	8
अन्य यूरोपीय देश और यूरोपीय संघ	1	11	4	0	18	17
कुल	**1049**	**848**	**818**	**796**	**7733**	**8100**

परिशिष्ट-ख1 जारी

अफ्रीका

देश	साधारण आवेदन		कन्वेन्शन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
इजिप्ट	1	1	0	0	4	4
कीनिया	1	0	0	0	3	0
मॉरिशस	28	14	0	0	14	2
मोरक्को	0	1	0	2	3	4
नामीबिया	0	0	0	0	1	0
दक्षिण अफ्रीका	4	1	0	0	25	28
सेशल्स	0	0	1	0	0	1
स्वाजीलैंड	0	0	0	0	0	2
अन्य अफ्रीकी देश	28	15	0	0	4	4
कुल	**62**	**32**	**1**	**2**	**54**	**45**

एशिया

देश	साधारण आवेदन		कन्वेन्शन आवेदन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
बाहरीन	3	2	0	0	0	0
चीन	57	73	280	240	3885	3547
हाँग-काँग(चीन)	1	3	6	9	5	14

इंडोनेशिया	6	1	1	1	2	1
ईरान	0	0	0	0	3	7
इजराइल	23	17	14	8	314	344
जापान	73	100	818	791	3653	3942
जॉर्डन	1	2	0	0	0	1
कजाखिस्तान	0	0	0	0	2	0
कुवैत	0	1	0	0	1	1
मलेशिया	6	4	10	9	18	18
ओमान	41	16	0	0	1	1
पाकिस्तान	1	0	1	0	0	0
फिलीपींस	0	0	0	0	2	4
कोरिया गणराज्य	791	733	201	236	1866	1859
सउदी अरब	32	24	1	1	16	4
सिंगापुर	81	25	7	12	155	178
ताइवान	44	22	192	221	23	20
थाइलैंड	6	5	0	1	17	12
यू.ए.ई	15	9	1	0	21	15
उज्बेकिस्तान	2	1	0	0	0	0
वियतनाम	1	0	1	0	2	5
अन्य एशियाई देश	16	14	0	0	7	3
कुल	**1200**	**1052**	**1533**	**1529**	**9993**	**9976**
कुल योग	**47369**	**33201**	**3351**	**3299**	**32091**	**29940**

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वाले द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
भारत में रहने वाले	10941	12071	13066	13219	15550	17005	20843	24326	29508	**43301**
प्रवासी										
साधारण	1228	1461	1915	2084	2290	2777	3156	3565	3955	**4327**
कन्वेन्शन	3704	3174	3675	3649	3610	3911	3637	3382	3212	**3258**
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	27078	26057	28248	26492	26404	26966	28832	27230	29765	**31925**
कुल योग	**42951**	**42763**	**46904**	**45444**	**47854**	**50659**	**56468**	**58503**	**66440**	**82811**

परिशिष्ट -घ

वर्ष 2013-14 से 2022-23 तक की अवधि के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण हेतु अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या धारा 9 (1)	धारा 21 (1) के तहत अननुपालन के कारण परित्यक्त समझे गए आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंट की संख्या		प्रवृत्त पेटेंट की संख्या	
					भारतीय पेटेंटी	विदेशी पेटेंटी	भारतीय पेटेंटी	विदेशी पेटेंटी
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
2013-14	42951	37474	224	6418	634	3592	7464	35168
2014-15	42763	34958	12	6970	684	5294	7561	35695
2015-16	46904	35960	1226	12782	918	5408	7306	37218
2016-17	45444	38578	4357	10408	1315	8532	7660	41105
2017-18	47854	37208	184	24992	1937	11108	8830	47934
2018-19	50659	38665	3779	30458	2511	12772	9787	54899
2019-20	56267	42007	3761	23291	4003	20933	12181	69098
2020-21	58503	42196	295	17944	5629	22756	15687	83211
2021-22	66440	46230	0	1	6397	23676	19700	96216
2022-23	**82811**	**48373**	**0**	**19303**	**9239**	**24895**	**26165**	**111168**

परिशिष्ट -ङ

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत 2018-19 से 2022-23 तक दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र /वर्ष	रसायन	औषध	पॉलीमर विज्ञान व प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर विज्ञान व इलेक्ट्रॉनिक्स	संचार	वैद्युतिक	भौतिकी	जैव चिकित्सा	यांत्रिक अभियांत्रिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-ङ1 देखें)	कुल
2018-19	6560	2683	1100	5540	6308	4703	3659	812	12414	6880	**50659**
2019-20	5198	5622	1309	11126	6862	4587	2646	3508	10359	5050	**56267**
2020-21	8809	80	1508	11930	6660	3743	2842	4911	10540	7480	**58503**
2021-22	5173	5179	858	15575	7314	4286	3007	5288	11969	7791	66440
2022-23	**11715***	**0**	**1739**	**20355**	**8373**	**5666**	**3901**	**6963**	**14582**	**9517**	**82811**

* रासायनिक आवेदनों में फार्मास्युटिकल आवेदन शामिल हैं

परिशिष्ट -ङ 1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2018-19 से 2022-23 तक दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र /वर्ष	जैव-प्रौद्योगिकी	जैव-रसायन	खाद्य	माइक्रो-बायोलॉजी	धातुकर्म व सामग्री विज्ञान	वस्त्र	सिविल	सामान्य अभियांत्रिकी	एग्रो-केमिकल्स	कृषि अभियांत्रिकी	पारंपरिक ज्ञान
2018-19	882	282	430	301	734	881	956	1537	392	411	74
2019-20	1065	442	1111	17	836	693	816	27	19	13	11
2020-21	3368	820	617	0	870	900	827	31	3	11	6
2021-22	3530	906	690	1	1004	793	866	0	1	0	0
2022-23	**3758**	**1697**	**833**	**0**	**1053**	**884**	**1292**	**0**	**0**	**0**	**0**

परिशिष्ट –च

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक अनुदानित पेटेंट की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र /वर्ष	रसायन	औषध	पॉलीमर विज्ञान व प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर विज्ञान व इलेक्ट्रॉनिक्स	संचार	वैद्युतिक	भौतिकी	जैव चिकित्सा	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	अन्य क्षेत्र (परि शष्ट- च1 देखें)	कुल
2018-19	4242	761	701	1074	1414	1253	703	290	2857	1988	**15283**
2019-20	4848	1930	923	2141	2692	2451	1349	565	5301	2736	**24936**
2020-21	6074	1264	1745	2049	2857	2637	1396	703	6348	3312	**28385**
2021-22	4279	3317	893	2459	3238	3084	1609	982	6832	3380	30073
2022-23	**6958***	**0**	**1237**	**3718**	**3795**	**3489**	**1971**	**1165**	**8663**	**3138**	**34134**

* रासायनिक आवेदनों में फार्मास्युटिकल आवेदन शामिल हैं

परिशिष्ट-च1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2018-19 से 2022-23 तक अनुदानित पेटेंट की संख्या

आविष्कार का क्षेत्र /वर्ष	जैव-प्रौद्योगिकी	जैव-रसायन	खाद्य	माइक्रो-बायोलॉजी	धातुकर्म व सामग्री विज्ञान	वस्त्र	सिविल	सामान्य अभियांत्रिकी	एग्रो-केमिकल्स	कृषि अभियांत्रिकी
2018-19	457	161	76	104	272	212	155	303	215	33
2019-20	357	188	114	152	363	493	280	446	289	54
2020-21	574	236	169	151	634	443	412	378	236	79
2021-22	611	232	234	140	571	430	464	420	170	108
2022-23	**903**	**244**	**293**	**0**	**698**	**498**	**502**	**0**	**0**	**0**

परिशिष्ट - छ

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त शुल्क

क्र.सं.	एकत्रित शुल्क का संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रु.)
1	1- अनंतिम/पूर्ण विनिर्देश के साथ पेटेंट के लिए नया आवेदन पृष्ठों व दावों की संख्या का निरीक्षण	2,40,85,39,630
2	2- अनंतिम विनिर्देश के बाद पूर्ण -फॉर्म 2 पृष्ठों व दावों की संख्या का निरीक्षण	3,23,18,090
3	4(i)- धारा 53(2) व 142(4), नियम 13(6), 80(1क) व 130 के अंतर्गत समय विस्तार हेतु अनुरोध पर - फॉर्म 4	1,21,59,760
4	4(ii)- नियम 24 ख के उपनियम (5) के अंतर्गत समय विस्तार हेतु अनुरोध पर- फॉर्म 4	5,24,53,100
5	6- उत्तर दिनांकन के लिए आवेदन	11,32,480
6	8(i)- आवेदक का प्रतिस्थापन /परिवर्तन -फॉर्म 6	1,65,97,520
7	8(ii)- उत्तरजीवी /अन्य पक्ष के नाम पर कार्यवाही करने का अनुरोध	55,200
8	9- विरोध की सूचना - फॉर्म 7 (अनुदानोत्तर)	6,27,200
9	10- सुनवाई में उपस्थिति हेतु सूचना – कोई फॉर्म नहीं	4,21,700
10	11- किसी पेटेंट में आविष्कारक के रूप में उल्लेख -फॉर्म 8	34,34,160
11	12- शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध -फॉर्म 9	7,39,42,600
12	13-पेटेंट संशोधन हेतु आवेदन- फॉर्म 10	43,200
13	पेटेंट का नवीकरण	3,54,29,50,030
14	18(i)- अनुदान पूर्व आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	3,95,58,080
15	18(ii)- अनुदानोत्तर आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	6,35,200
16	18(iii)- नाम/पता/राष्ट्रीयता/सेवार्थ पते में संशोधन -फॉर्म 13	1,66,39,430
17	19- संशोधन/प्रत्यावर्तन/परित्याग का विरोध – फॉर्म 14	2,400
18	20- पेटेंट का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 15	12,23,550
19	21- प्रत्यावर्तन हेतु अतिरिक्त शुल्क	9,20,300
20	22- पेटेंट परित्याग का प्रस्ताव	25,000
21	24- पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए -फॉर्म 16	1,94,60,750
22	25- पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के बदलाव के लिए	66,13,820
23	26- अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु	4,94,400
24	28(i)- 18 महीने के प्रकाशन के उपरांत परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	70,75,03,200
25	28(ii)- त्वरित परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	2,55,19,200
26	32- पेटेंट अभिकर्ता के रूप में पंजीकरण -फॉर्म 22	33,19,900

27	33- अभिकर्ता परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनुरोध	2,12,15,945
28	34(i)- रजिस्टर में अभिकर्ता नाम जारी रखना -प्रथम वर्ष	8,30,160
29	34(ii)- रजिस्टर में अभिकर्ता नाम जारी रखना -द्वितीय वर्ष से	55,68,960
30	35- पेटेंट अभिकर्ता के लिए अनुलिपि प्रमाण पत्र	1,750
31	36- रजिस्टर में अभिकर्ता के नाम का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 23	87,300
32	37- लिपिकीय त्रुटियों का सुधार	26,71,520
33	38- नियंत्रक के निर्णय की समीक्षा हेतु आवेदन -फॉर्म 24	8,02,600
34	39- भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने हेतु अनुमति -फॉर्म 25	3,18,65,500
35	40 – प्रतिलिपि पेटेंट हेतु आवेदन (एलपी)	9,600
36	41- धारा 72 के अधीन सत्यापित प्रति अथवा धारा 147 व नियम 133(1) के अधीन प्रमाण पत्र	1,57,89,240
37	42- कार्यालय प्रतियों के प्रमाणन हेतु, प्रत्येक मुद्रण	16,000
38	43- रजिस्टर की जांच हेतु अनुरोध	14,870
39	44- सूचना हेतु अनुरोध	1,65,600
40	46-पूर्विक्ता दस्तावेज़ दाखिल करने में देरी /अनियमितता ठीक करने /देरी ठीक करने हेतु याचिका	12,96,58,650
41	47-दस्तावेज़ की छायाप्रति की आपूर्ती	12,260
42	48- अंतरराष्ट्रीय आवेदन हेतु पारेषण शुल्क	66,100
43	49- पूर्विक्ता दस्तावेज़ की सत्यापित प्रति तैयार करना	96,710
44	विविध - फॉर्म 30	2,04,341
45	गैर राजस्व	5,42,794
46	सूचना का अधिकार	520
47	4(iii) नियम 24(ग) के उप नियम 11 के अंतर्गत समय के विस्तार हेतु अनुरोध – फॉर्म 4	2,26,000
48	नियम 24 ख के अधीन परीक्षण हेतु अनुरोध का शीघ्र परीक्षण में परिवर्तन – फॉर्म 18 क	4,05,44,000
49	नियम 129 क के अंतर्गत सुनवाई के स्थगन हेतु अनुरोध	2,32,33,100
50	धारा 72 के अधीन सत्यापित प्रतियाँ अथवा धारा 147 व नियम 133 (2) के अंतर्गत प्रमाण पत्र	52,90,770
51	आवेदक के प्रकार में परिवर्तन से संबन्धित बकाया शुल्क	84,72,760
52	दावे, पृष्ठ, संशोधन के उपरांत सीक्वेंस लिस्टिंग में वृद्धि से संबन्धित शुल्क	2,91,19,400
53	1. विरोधी का लिखित कथन एवं साक्ष्य (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क) / 2. हलफ़नामा (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क)	22,000

54	1. पेटेंटी का लिखित कथन एवं साक्ष्य (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क)/2. हलफ़नामा (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क)	37,320
55	1. आवेदक का लिखित कथन एवं साक्ष्य (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क)/2. हलफ़नामा (चौथी अनुसूची की प्रविष्टि संख्या 6 में देय शुल्क)	800
56	कार्यालय कार्रवाई का उत्तर (अनिवार्य)	12,34,810
57	गैर राजस्व (वेतन गैर-योजना)	4,41,035
58	गैर राजस्व (कार्यालय व्यय गैर-योजना)	7,74,595
59	अन्य प्राप्ति	2,70,243
60	विविध – फॉर्म 30(नियम (6)6के अधीन याचिका)	31,256
	कुल	**7,28,59,08,409**

अध्याय –IV

पेटेंट सहयोग संधि

परिचय

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा प्रशासित पेटेंट सहयोग संधि सदस्य देशों के आवेदकों को 153 देशों में पेटेंट अनुदान हेतु एकल अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल करने की सुविधा प्रदान करता है। इसका एक और लाभ यह है कि यह प्रत्येक देश में राष्ट्रीय चरण में प्रवेश करने से पूर्व अंतरराष्ट्रीय खोज रिपोर्ट (आईएसआर) और वैकल्पिक रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण रिपोर्ट (आईपीईआर) प्रदान करता है। आईएसआर और आईपीईआर को उच्च गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विनियमित मानकों के अनुसार विश्व के पेटेंट कार्यालयों में से एक कार्यालय द्वारा स्थापित किया जाता है, जो पेटेंट आवेदनों की जांच करने में अत्यधिक अनुभवी है और जिसे विशेष रूप से वाइपो द्वारा अंतरराष्ट्रीय खोज और प्रारंभिक परीक्षण के लिए नियुक्त किया गया है। भारतीय पेटेंट कार्यालय को पीसीटी के तहत अंतरराष्ट्रीय खोज प्राधिकरण (आईएसए) और अंतरराष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकरण (आईपीईए) नियुक्त किया गया है।

1. पीसीटी के तहत प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय:

प्रवासी या भारत का नागरिक पीसीटी के तहत भारतीय पेटेंट कार्यालय के माध्यम से प्राप्तकर्ता कार्यालय (आरओ/आईएन) अथवा वाइपो के अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो के माध्यम से प्राप्तकर्ता कार्यालय (आरओ/आईबी) के रूप में अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल कर सकता है।

(क) आरओ/आईएन और आरओ/आईबी के माध्यम से भारत के नागरिकों / प्रवासियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति:

वर्ष	आरओ/आईएन			आरओ/आईबी			कुल योग
	आवेदक का प्रकार		कुल	आवेदक का प्रकार		कुल	(आरओ/आईएन व आरओ/आईबी)
	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी		वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी		
2018-19	336	630	966	503	558	1061	2027
2019-20	351	668	1019	325	540	865	1884
2020-21	312	652	964	339	512	851	1815
2021-22	295	680	975	378	580	958	1933
2022-23	**263**	**746**	**1009**	**620**	**548**	**1168**	**2177**

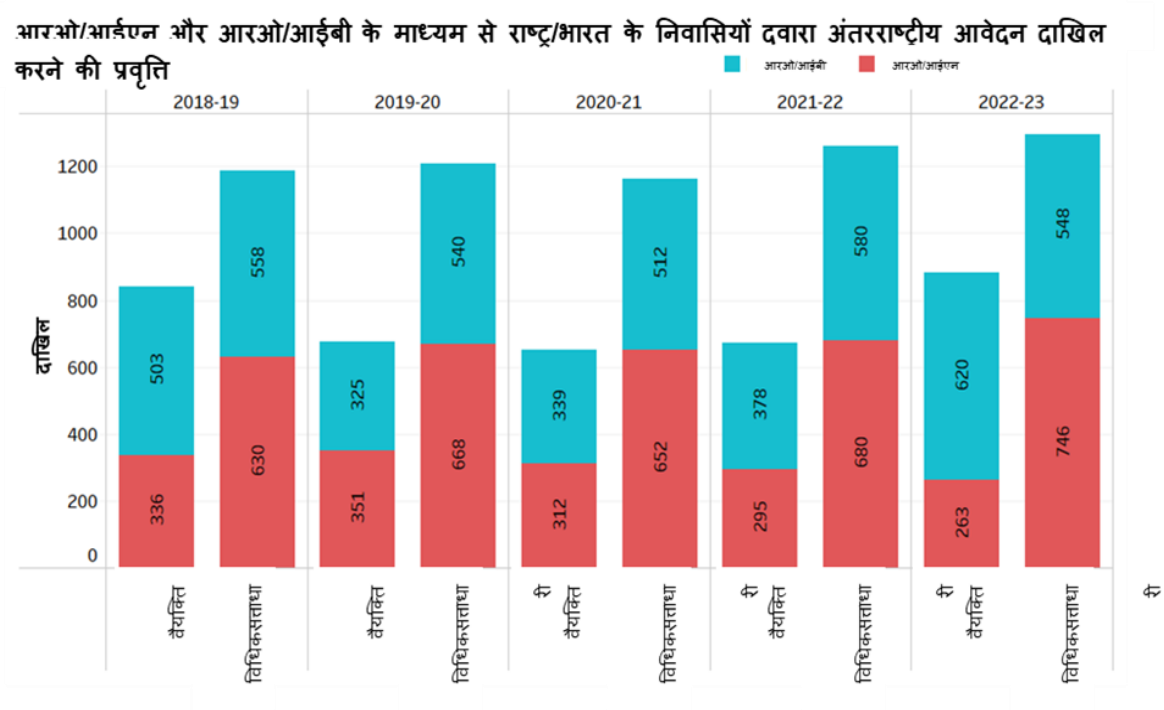

(ख) **ईपीसीटी के माध्यम से दाखिल आवेदन:**

आरओ/आईएन दिल्ली, चेन्नई, मुंबई और कोलकाता में पेटेंट कार्यालयों के काउंटरों पर कागज पर या डब्ल्यूआईपीओ द्वारा प्रस्तावित ईपीसीटी फाइलिंग पोर्टल के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल करने की सुविधा प्रदान करता है। आरओ/आईबी के माध्यम से फाइलिंग कागज पर या ईपीसीटी का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक रूप से भी की जा सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक रूप से ईपीसीटी के माध्यम से आरओ/आईएन में दाखिल अंतरराष्ट्रीय आवेदन:

वर्ष	**संख्या**	**आरओ/आईएन में कुल दाखिल का प्रतिशत**
2018-19	916	95%
2019-20	976	98%
2020-21	951	98.6%
2021-22	971	99.58%
2022-23	**1000**	**99%**

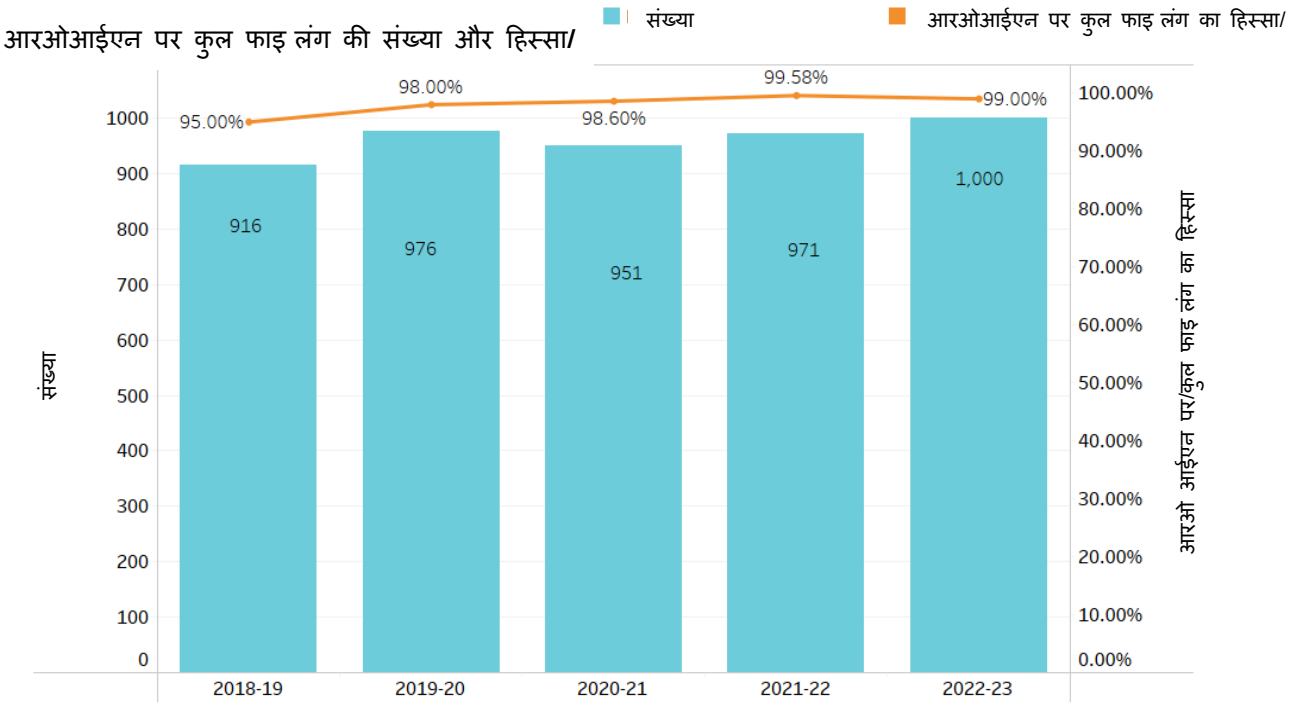

(ग) इलेक्ट्रॉनिक कार्यवाही व समयबद्धता:

आरओ/आईएन अंतरराष्ट्रीय आवेदनों पर आगे की कार्यवाही के लिए ईपीसीटी का उपयोग करता है और ईपीसीटी के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से रिकॉर्ड प्रतियां और खोज प्रतियां प्रेषित करता है। अप्रैल 2017 से इन कार्यों को आईपीओ दिल्ली में केंद्रीकृत किया गया है। ईसर्च प्रतियां आरओ/आईएन द्वारा 8 में से 7 आईएसए को प्रेषित की जाती हैं जिन्हें भारतीय आवेदकों के लिए सक्षम घोषित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय फाइलिंग तिथि से 4 सप्ताह की निर्धारित समय सीमा के भीतर वायपो के अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो में रिकॉर्ड प्रतियां भेजने में समयबद्धता को 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में 100% कायम रखा गया।

2022-23 में भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल 10 शीर्ष पीसीटी (आरओ/आईएन)

क्र. सं.	आवेदक का नाम	कुल फाइलिंग
1	टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड	88
2	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद	51
3	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	22
4	टेलीफोनैक्टीबोलगेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	22
5	भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान (समेकित)	21
6	डॉ रेड्डीस लेबोरेटरिस लिमिटेड	19
7	सेंट-गोबेन ग्लास फ्रांस	13
8	एमएसएन लेबोरेटरिस प्राइवेट लिमिटेड	11
9	नैटको फार्मा लिमिटेड	10
10	ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	9

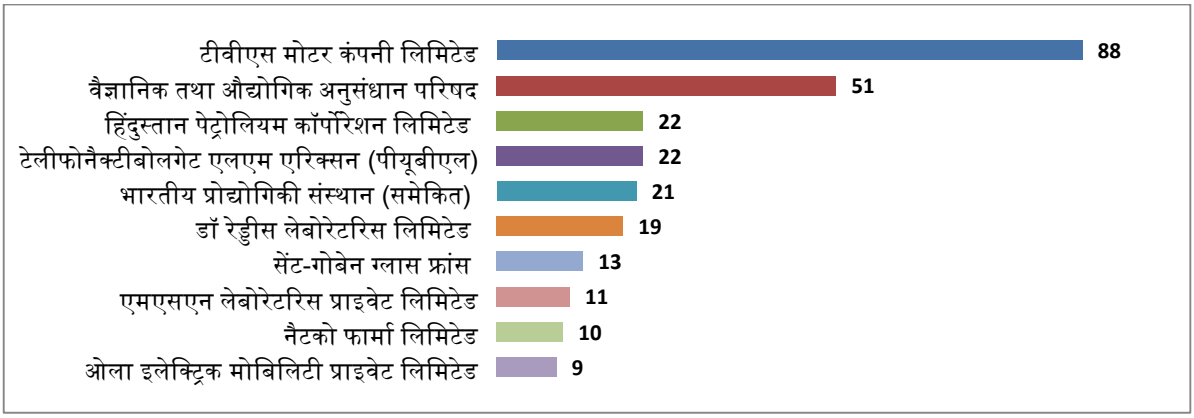

2. **पीसीटी के तहत अंतरराष्ट्रीय खोज प्राधिकरण (आईएसए) व अंतरराष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण (आईपीईए) के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय:**

भारतीय पेटेंट कार्यालय को वायपो द्वारा पीसीटी के तहत अंतरराष्ट्रीय खोज और प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकरण के रूप में कार्य करने हेतु मान्यता प्रदान की गई है और इसने 15 अक्टूबर 2013 से कार्य करना प्रारम्भ किया है। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, भारत, ईरान और जापान के नागरिकों / निवासियों द्वारा दाखिल अंतरराष्ट्रीय आवेदनों के लिए आईपीओ सक्षम आईएसए/आईपीईए था।

क) आईएसए /आईएन में खोज प्रतियों (दाखिल, निपटान, आहरित व वर्ष के दौरान के दौरान लंबित) संबंधी वर्ष-वार विवरण:

वर्ष	दाखिल	निष्पादित	आहरित	वर्ष के दौरान लंबित
2014-15	519	502	4	129
2015-16	711	621	1	218
2016-17	940	983	0	175
2017-18	1213	1156	1	231
2018-19	1738	1639	3	327
2019-20	1654	1640	2	339
2020-21	1780	1793	1	325
2021-22	2016	1959	1	381
2022-23	**1933**	**1973**	**7**	**334**

ख) आईपीईए/आईएन में प्राप्त मांगों (दाखिल, निष्पादित, आहरित व वर्ष के दौरान लंबित) संबंधी वर्ष-वार विवरण:

वर्ष	दाखिल	निष्पादित	आहरित	वर्ष के दौरान लंबित
2014-15	11	0	1	10
2015-16	24	14	1	19
2016-17	30	28	1	20
2017-18	49	29	0	40

2018-19	61	54	1	46
2019-20	65	87	1	23
2020-21	79	69	5	28
2021-22	58	58	4	24
2022-23	**58**	**56**	**4**	**22**

ग) आईएसए/आईपीईए में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली:

भारतीय पेटेंट कार्यालय (आईपीओ) ने पीसीटी के तहत अंतरराष्ट्रीय खोज और प्रारंभिक परीक्षण दिशा निर्देशों के अनुसार आईएसए/आईपीईए के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की है। आईएसए/आईपीईए का गुणवत्ता सेल में विभिन्न विषय के विशेषज्ञ परीक्षक व नियंत्रक शामिल होते हैं, रिपोर्ट की स्थापना व आवेदक तथा वायपो को इसकी रिपोर्ट प्रेषित करने से पूर्व, रिपोर्ट की गुणवत्ता की जाँच करते हैं।

घ) समयबद्धता:

यदि आवेदकों द्वारा ईमेल उपलब्ध कराया गया है तो आईपीओ ईमेल द्वारा अंतरराष्ट्रीय खोज और प्रारम्भिक परीक्षण रिपोर्ट प्रेषित करता है और वायपो के साथ स्थापित सुरक्षित ट्रांसमिशन चैनल पीसीटी के ई-आईडी माध्यम से वायपो को रिपोर्ट प्रसारित करता है। आवेदकों को रिपोर्ट की सूचना इसकी स्थापना की तारीख पर तुरंत ही प्रेषित की जाती है। सभी रिपोर्ट आईएसए में विहित समय के भीतर ही स्थापित की जाती हैं।

ङ) खोज रणनीतियों का प्रकाशन:

आईपीओ ने विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के पेटेंट्सस्कोप सर्च पोर्टल पर प्रकाशन हेतु उन अंतरराष्ट्रीय आवेदनों की खोज रणनीतियों को साझा करना प्रारम्भ किया है जिनके लिए 1 जनवरी, 2018 से रिपोर्ट स्थापित की गई है। भारत इस सेवा को प्रारम्भ करने वाले 23 प्राधिकरणों में से सातवां अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण है। पारदर्शिता और जवाबदेही की दिशा में यह आईपीओ द्वारा महत्वपूर्ण कदम है जो आईपीओ द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के प्रति आवेदकों में विश्वास भरता है। पूर्ण खोज रणनीतियाँ आवेदक के साथ-साथ अन्य कार्यालयों के परीक्षकों के लिए भी उपयोगी हैं ताकि उद्धरणों को खोजने के लिए आईएसए के परीक्षक द्वारा किए गए प्रयास के स्तर का मूल्यांकन किया जा सके।

च) आईपीओ को आईएसए /आईपीईए के रूप में चयन करने वाले आवेदक:

पीसीटी अंतरराष्ट्रीय आवेदनों के आवेदक जो भारत, ईरान और जापान के नागरिक/प्रवासी हैं, भारतीय पेटेंट कार्यालय को आईएसए/आईपीईए के रूप में चुन सकते हैं। आईएसए/ आईपीईए के रूप में आईपीओ का चयन करने वाले आवेदकों में वैयक्तिक आविष्कारक, स्टार्ट अप, प्रमुख अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय, भारतीय बहु-राष्ट्रीय समूह, विदेशी बहु-राष्ट्रीय फर्मों की भारतीय इकाइयाँ और भारतीय आविष्कारक या भारतीय कंपनियों के साथ सह आवेदक के रूप में विदेशी कंपनियाँ शामिल हैं।

2022-23 के दौरान आईएसए के रूप में आईपीओ का चयन करने वाले शीर्ष आवेदक

क्र. सं.	आवेदक का नाम	कुल आवेदन
1	टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड	71
2	जियो (जेआईओ) प्लेटफ़ॉर्म लिमिटेड	67
3	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद	65
4	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	50
5	टेलीफोनैक्टीबोलगेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	25
6	एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज लिमिटेड	20
7	डॉ रेड्डीस लेबोरेटरिस लिमिटेड	19
8	भारतीय विज्ञान संस्थान	14
9	सेंट-गोबेन ग्लास फ्रांस	14
10	एमएसएन लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड	12
11	सेंटर ऑफ एक्सलेन्स इन वायर्लेस टेक्नालजी	11
12	ओला इलैक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड	10

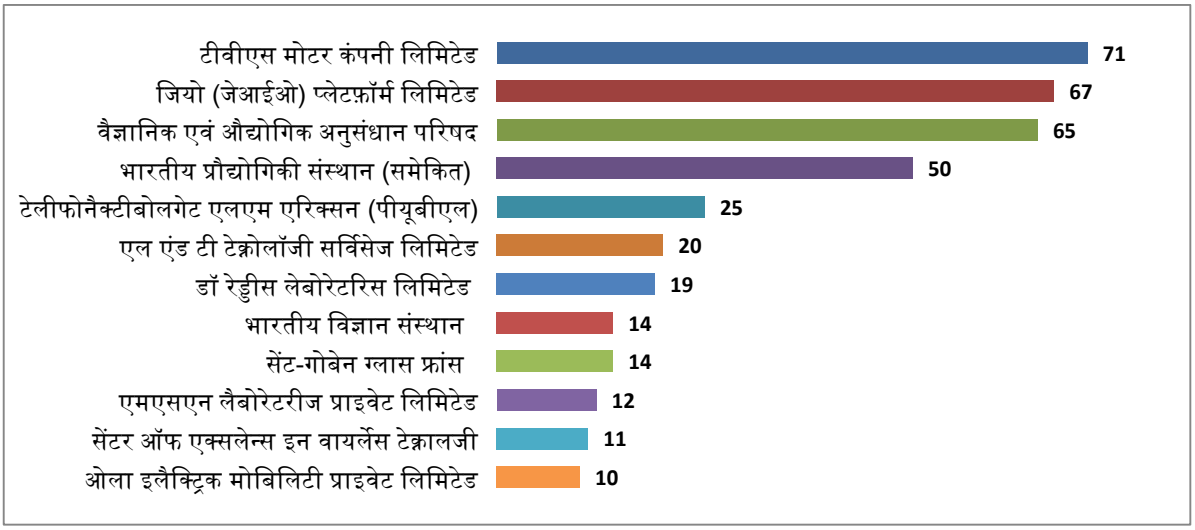

अध्याय-V

डिजाइन

परिचय –

भारत में औद्योगिक डिजाइन का पंजीकरण और संरक्षण डिजाइन अधिनियम 2000 तथा तत्संबंधी डिजाइन नियम 2001 द्वारा प्रशासित होता है जो 11 मई 2001 से लागू हुआ। डिजाइन नियम 2001 को डिजाइन नियम (संशोधन) 2008, 2014, डिजाइन नियम (संशोधन) 2021 द्वारा संशोधित किया गया। औद्योगिक डिजाइन नए आकार की नई मूल विशेषताओं के निर्माण, आकृति , सतह विन्यास , सतह अलंकरण , किसी वस्तु पर पंक्तियों अथवा रंगों की संरचना जो निर्मित होने के उपरांत केवल आँखों से परखी जा सके उसे मान्यता प्रदान करता है।

डिजाइन नियमों में नवीनतम संशोधन 25 जनवरी , 2021 से लागू हुआ, जिसमें 'स्टार्टअप' के रुप में मान्यता प्राप्त एक नई श्रेणी सम्मिलित की गई है, जो भारतीय इकाई के मामले में स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सक्षम प्राधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त हो एवं विदेशी आवेदक के मामले में, आवेदक को स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुसार टर्नोवर और निगमन या पंजीकरण की अवधि के मानदंडों को पूरा करने के साथ-साथ इस आशय का घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी। यह नवीनतम श्रेणी 'प्रकृत व्यक्ति' (व्यक्तियों), लघु इकाई (इकाईयों) एवं 'अन्य , अकेले या प्रकृत व्यक्ति (व्यक्तियों) और /या स्टार्टअप और या लघु इकाई के साथ पहले से मौजूद श्रेणियों के अतिरिक्त है। लघु इकाई या स्टार्टअप के लिए शुल्क को भी संशोधित कर प्रकृत व्यक्ति (व्यक्तियों) के शुल्क के समान कर दिया गया है।

इसके अतिरिक्त , नियम 10 के उपनियम (1) को भी प्रतिस्थापित किया गया है तथा डिजाइन के पंजीकरण और नियमों के प्रयोजन के लिए वस्तुओं को " विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (वायपो) द्वारा प्रकाशित औद्योगिक डिजाइन हेतु अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली (लोकार्नो प्रणाली) के 'वर्तमान संस्करण' के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा।

1. **दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदन –**

   प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, डिजाइन पंजीकरण हेतु दाखिल किए गए आवेदनों की संख्या **22698** रही एवं **23400** डिजाइन पंजीकृत किए गए। डिजाइन आवेदन दाखिल करने एवं उनके पंजीकरण की प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गई है-

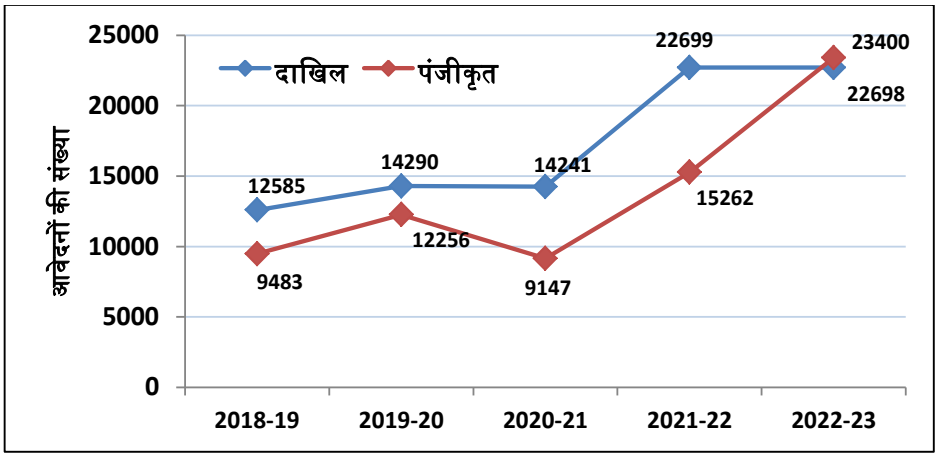

1.1 भारत एवं विदेशों से उद्गामित आवेदन –

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान भारत से उद्गामित आवेदनों की संख्या **19245**, थी जबकि **3453** डिजाइन आवेदन विदेशों से प्राप्त हुए। कुल दाखिल आवेदनों में से भारत से आवेदन 85% रहे। डिजाइन आवेदनों को दाखिल करने एवं आवेदन के उद्गम के आधार पर इसके पंजीकरण की प्रवृत्ति को ग्राफ द्वारा नीचे दर्शाया गया है-

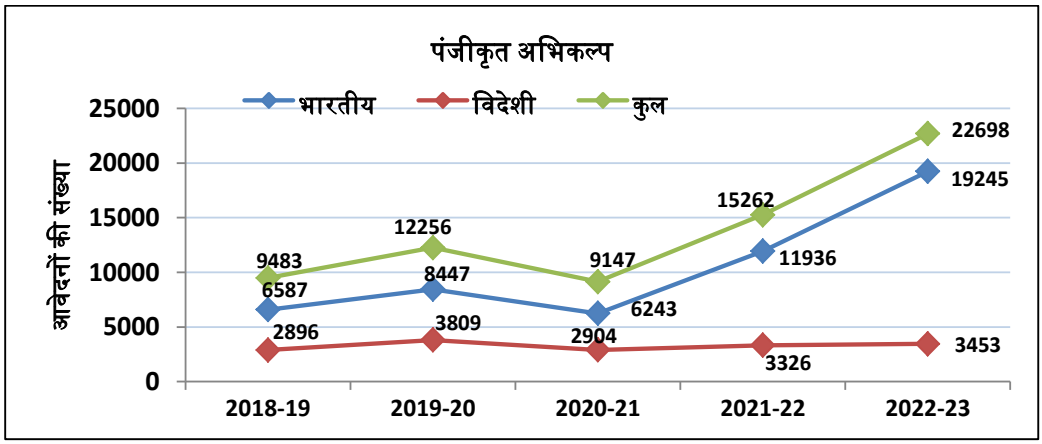

1.2 भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन -

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की कुल संख्या **19245** रही, जिनमें से 3683 आवेदनों के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर रहा। 2336 आवेदनों के साथ गुजरात ने दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि 2330 आवेदनों के साथ तमिलनाडु ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शीर्ष 20 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र जिनसे आवेदन दाखिल प्राप्त हुए है उसका ग्राफिक प्रतिनिधित्व नीचे दर्शाया गया है।

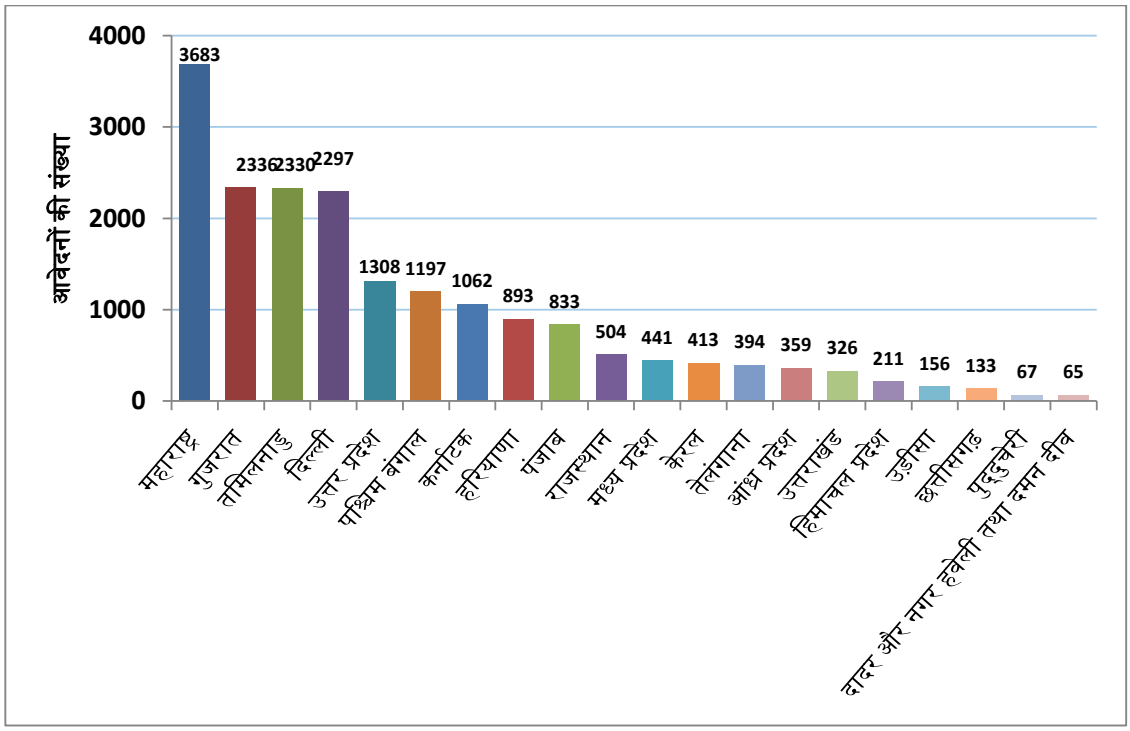

अग्रणी भारतीय आवेदक सव्यसाची कलकत्ता एलएलपी (916), चितकारा विश्वविद्यालय (पंजाब) (354), रिलैक्सो फुटवियर्स लिमिटेड (221), हैवेल्स इंडिया लिमिटेड (212), हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (191) आदि थे।

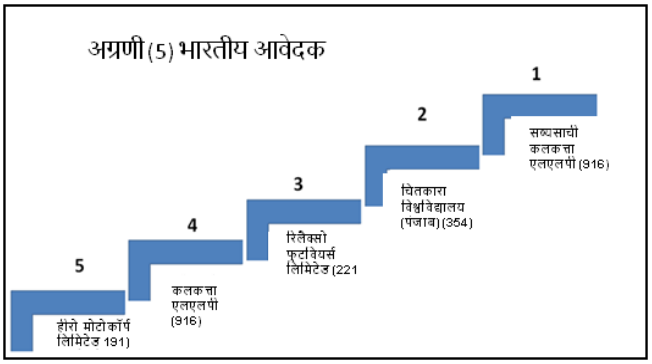

1.3 विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन-

विदेशों से उद्गमित 3453 आवेदनों के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका अधिकतम आवेदनों (891) के साथ अग्रणी रहा, जिसके बाद क्रमशः चीन (362), जर्मनी (287), जापान (287), कोरिया गणराज्य (271), स्विट्जरलैंड (189), यूके (160), फ्रांस (148), नीदरलैंड (183) और इटली (83) का स्थान है। डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 44 के अंतर्गत पारस्परिक व्यवस्था के तहत प्राथमिकता का दावा करने वाले शीर्ष 20 देशों से 2955 आवेदन प्राप्त हुए जिनका ग्राफिक विवरण नीचे दर्शाया गया है :

विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल शीर्ष 20 देश/क्षेत्रवार आवेदन

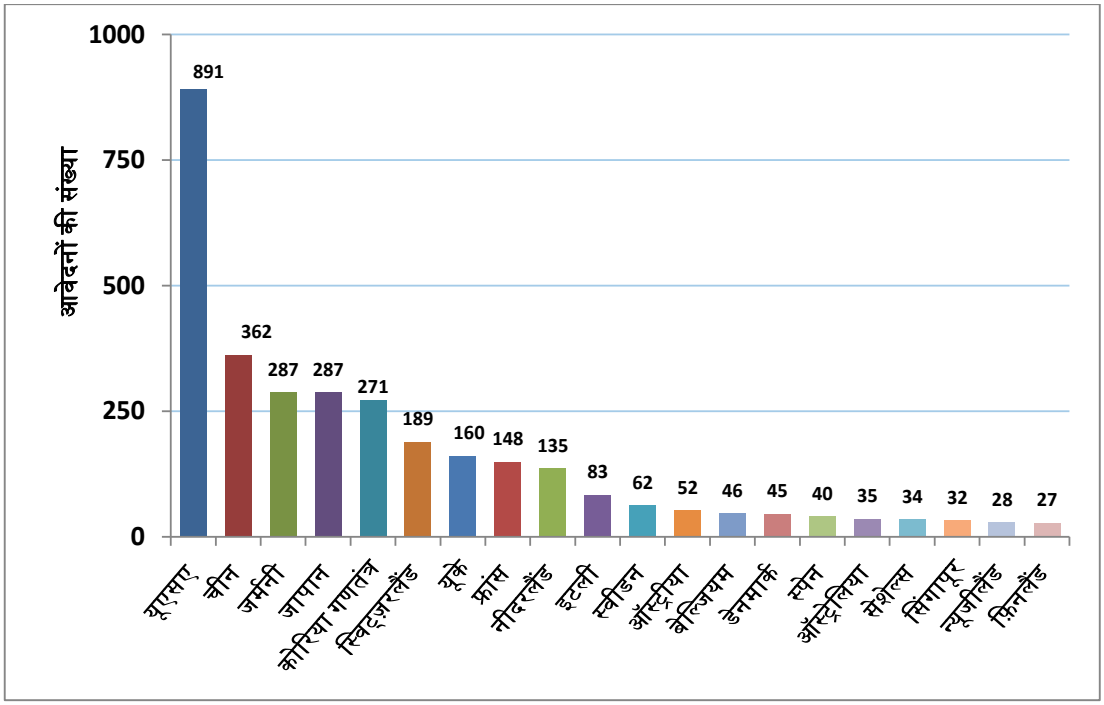

डिजाइन आवेदन दाखिल करने वाले अग्रणी विदेशी आवेदकों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड (121), हंसग्रोहे एसई (98), एप्पल इंक (70), फिलिप्स डोमेस्टिक अप्लायंसेज होल्डिंग बी.वी.(55) , कोनिनक्लिजके फिलिप्स एनवी (50) आदि शामिल थे।

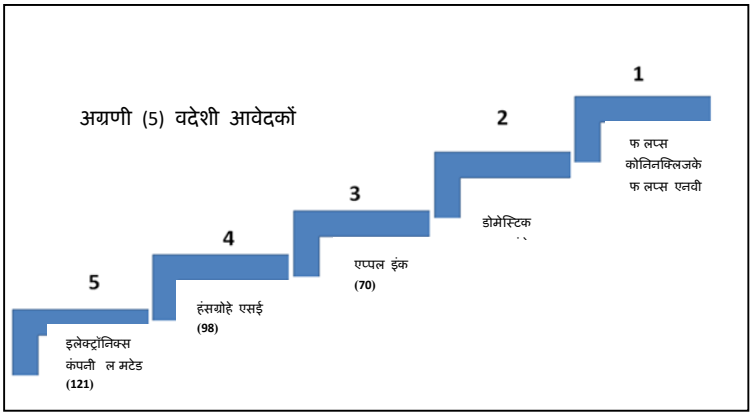

1.4 वर्गीकरण के अनुसार पंजीकृत डिजाइन आवेदन

भारत से उद्गमित आवेदनों में से, 2485 आवेदन वर्ग 02 (वस्त्र वस्तु व बिसाती वस्तु के अंतर्गत) दाखिल किए गए, जिसके बाद वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 1985, वर्ग 24 (चिकित्सा और प्रयोगशाला उपकरण) के अंतर्गत 1443 जिसके बाद वर्ग 15 (मशीनें) के अंतर्गत 1383, वर्ग 23 (द्रव वितरण उपकरण आदि) के अंतर्गत 1329, वर्ग 09 (माल के परिवहन या हैंडलिंग के लिए पैकेजिंग और कंटेनर) के अंतर्गत 1169 , वर्ग 06 (फर्निशिंग) के अंतर्गत 1072, वर्ग 07 (घरेलू समान अन्यत्र निर्दिष्ट नहीं) के अंतर्गत 1053,इत्यादि । दूसरी तरफ, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान विदेशों से उद्गमित आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति ये है: वर्ग 14 (रिकॉर्डिंग, संचार या संचार प्राप्ति उपकरण) के अंतर्गत 467 आवेदन, वर्ग 24 (चिकित्सा और प्रयोगशाला उपकरण) के अंतर्गत 384 ,वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 357, वर्ग 09 (माल के परिवहन या हैंडलिंग के लिए पैकेजिंग और कंटेनर) के अंतर्गत 275 , वर्ग 23 (द्रव वितरण उपकरण आदि) के अंतर्गत 265, वर्ग 10 (घड़ियां और घड़ियाँ और अन्य मापने वाले उपकरण, जाँच और सिग्नलिंग उपकरण) के अंतर्गत 211 आवेदन दाखिल किए गए। शेष आवेदन अन्य वर्गों में दाखिल किए गए। भारतीय और विदेशी आवेदकों की ओर से दाखिल आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गई है:

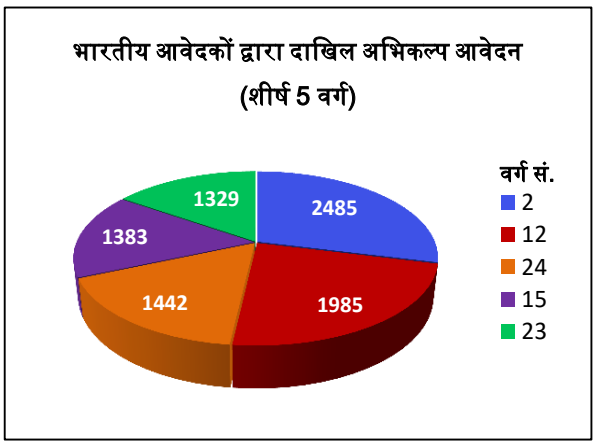

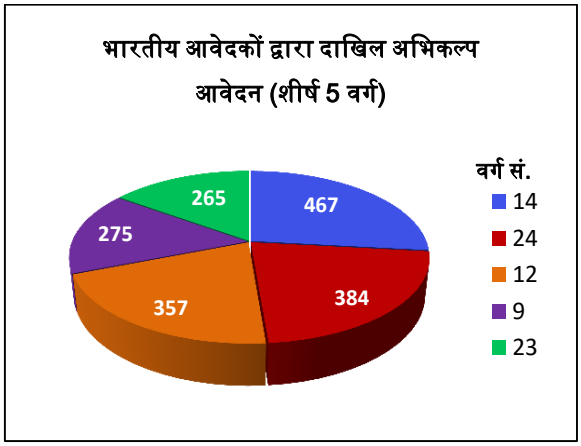

भारतीय और विदेशी आवेदनों के लिए विस्तृत श्रेणीवार फाइलिंग प्रवृत्ति

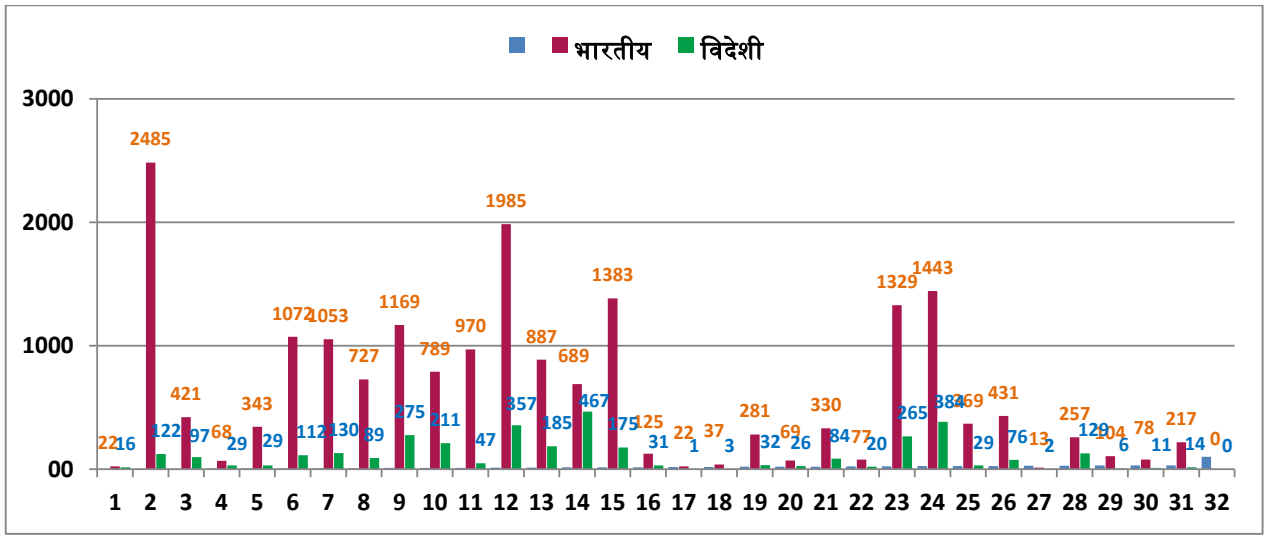

2. पंजीकृत डिजाइन आवेदन:

2.1. भारत व विदेशी उद्गम द्वारा डिजाइन पंजीकरण:

कुल पंजीकृत 23400 डिजाइन में से, 18170 पंजीकृत डिजाइन भारत से उद्गमित थे तथा 5230 विदेशों से उद्गमित थे। भारत व विदेशों से उद्गमित पंजीकरणों की प्रवृत्ति नीचे दर्शाई गयी है:

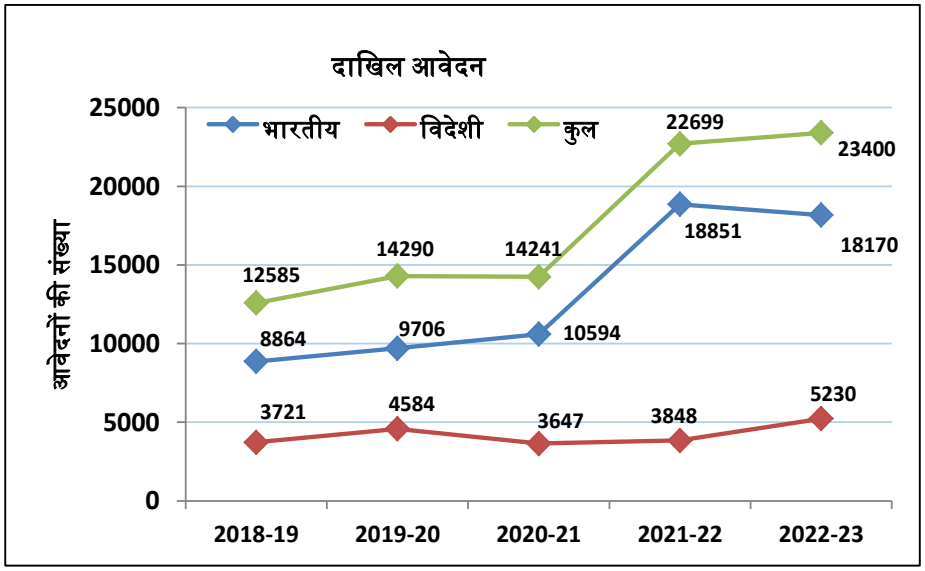

2.2. भारतीय उद्गम द्वारा डिजाइन पंजीकरण:

वर्ष के दौरान, भारतीय आवेदकों द्वारा पंजीकृत आवेदनों की 18170 संख्या में से, 3817 पंजीकरणों के साथ महाराष्ट्र प्रथम स्थान पर रहा। गुजरात 2761 पंजीकरणों के साथ द्वितीय स्थान पर रहा जबकि दिल्ली 2217 पंजीकरणों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। शीर्ष घ राज्य क्षेत्रों सेसं/राज्यों 20उद्गमित आवेदनों का ग्राफिक वर्णन नीचे दर्शाया गया है -

शीर्ष 20 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार पंजीकृत डिज़ाइन

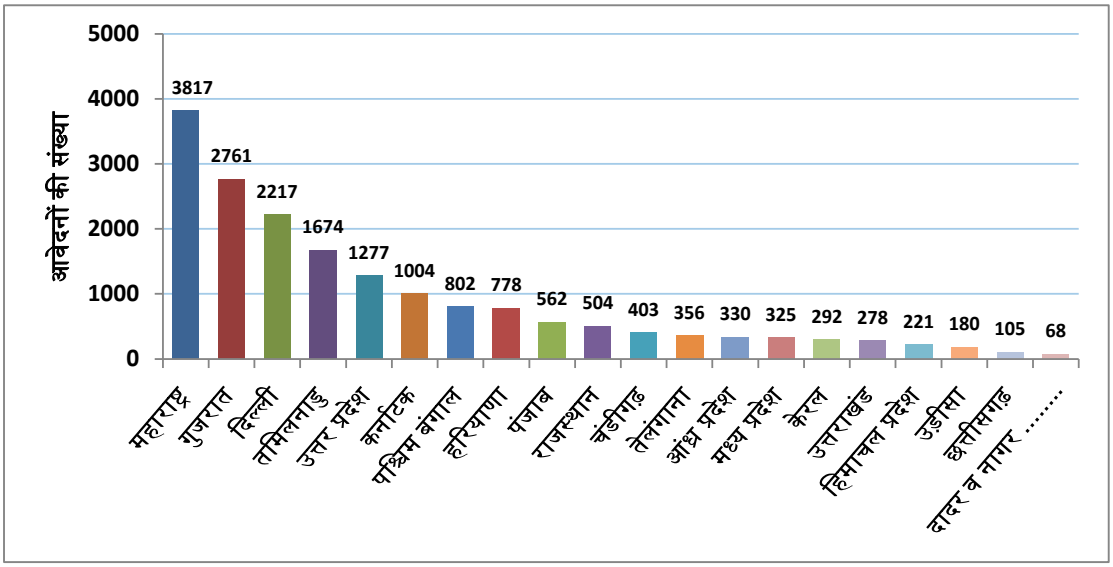

साथ ही, डिजाइन पंजीकरण वाले प्रमुख भारतीय आवेदक के नाम हैं- सब्यसाची कलकत्ता एलएलपी (486), चितकारा इनोवेशन इनक्यूबेटर फाउंडेशन (329), रिलैक्सो फुटवियर लिमिटेड (286), हैवेल्स इंडिया लिमिटेड (219), माइकल अराम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (173), हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (132), चितकारा विश्वविद्यालय (पंजाब) (131), हरप्रीत नरूला (128), शूलिनी यूनिवर्सिटी ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट स्टडीज (107), आदि।

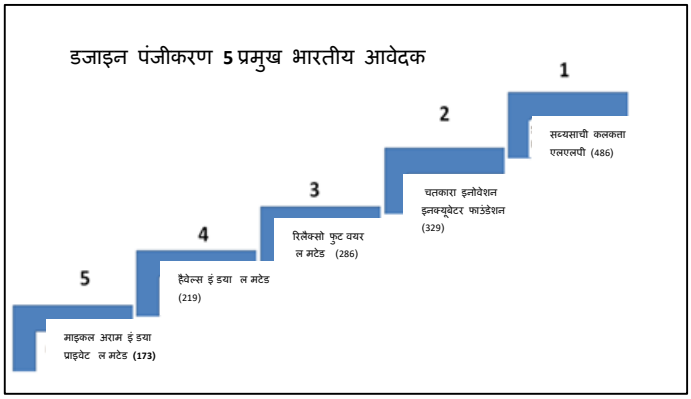

2.3. विदेशी उद्गम द्वारा डिजाइन पंजीकरण:

विदेशों से उद्गमित 5230 आवेदनों में से यू.एस.ए. अधिकतम आवेदनों की संख्या (1269) के साथ अग्रणी रहा जिसके बाद क्रमश: चीन (836), कोरिया गणराज्य (438), जापान (399), जर्मनी (344), यूनाइटेड किंगडम (309) तथा नीदरलैंड (302) का स्थान रहा। शीर्ष 20 देशों/ क्षेत्रों से उद्गमित पंजीकृत डिजाइन का ग्राफिक वर्णन नीचे दर्शाया गया है-

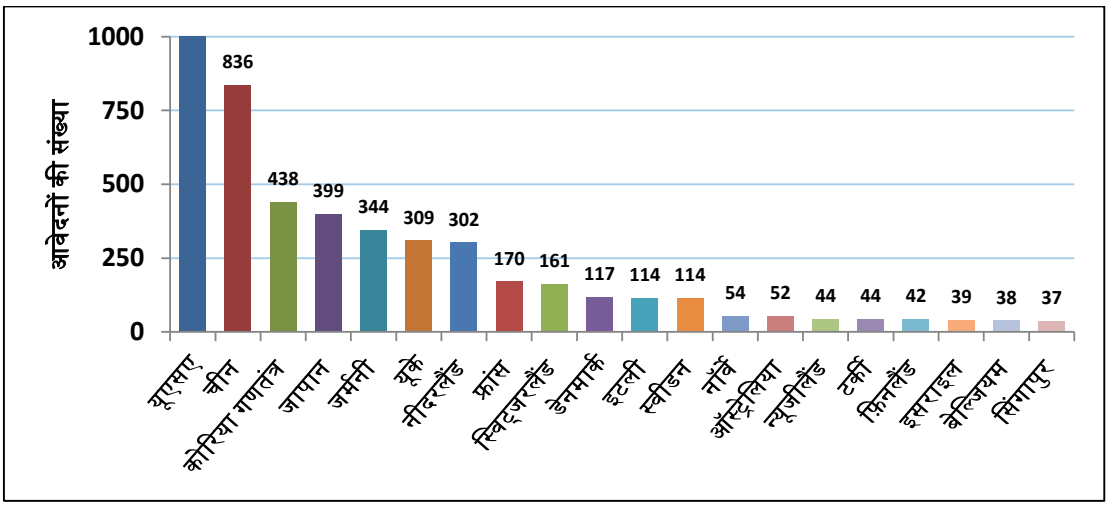

अग्रणी विदेशी आवेदक जिन्होंने डिजाइन आवेदन पंजीकृत किए वे थे - एचटीएल फर्नीचर (चीन) कंपनी लिमिटेड (273), कोनिङ्क्लिके फिलिप्स एन.वी. (225), सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड (200), बीजिंग शाओमि मोबाइल सॉफ्टवेयर कंपनी लिमिटेड (111), पैरी मर्रे एंड कंपनी लिमिटेड (78), हंसग्रोहे एसई (72), यूनिलीवर ग्लोबल आईपी लिमिटेड (61), गुआंग्डोंग ओप्पो मोबाइल टेलीकम्युनिकेशंस कॉर्प लिमिटेड (58), आदि।

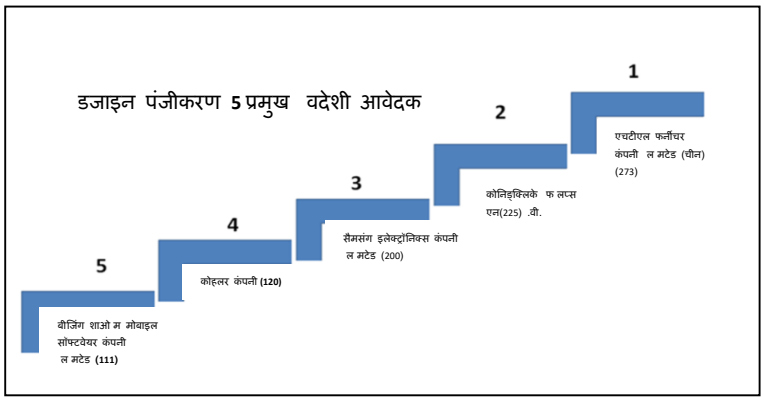

2.4. वर्गीकरण के अनुसार पंजीकृत डिजाइन आवेदन:

भारतीय उद्यम के पंजीकृत डिजाइन के वर्गानुसार वितरण में वर्ग 02 (वस्त्र व बिसाती वस्तु) के अंतर्गत 2446, वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 1755, वर्ग 23 (तरल वितरण उपकरण) के अंतर्गत 1458, वर्ग 09 (माल के परिवहन और उसकी उठाई-धराई के लिए पैकेज और आधान) के अंतर्गत 1278, वर्ग 24 (डॉक्टरों, अस्पतालों और प्रयोगशालाओं के लिए उपकरण और यंत्र) के अंतर्गत 1185 , वर्ग 15 (मशीनें,) के अंतर्गत 1155, वर्ग 6 (फर्निशिंग) के तहत 1095, वर्ग 07 (घरेलू सामान) के अंतर्गत 1063, वर्ग 13 (बिजली के उत्पादन, वितरण के लिए उपकरण) के अंतर्गत 897, वर्ग 08 (उपकरण और हार्डवेयर) के अंतर्गत 722, वर्ग 10 (घड़ियां और घड़ियां और अन्य मापने वाले उपकरण, जांच और सिग्नलिंग उपकरण) के अंतर्गत 705 , जबकि, विदेशी आवेदनों के संबंध में पंजीकृत डिजाइन के वितरण में शामिल है - वर्ग 14 (रिकॉर्डिंग, संचार या संचार प्राप्ति उपकरण) के अंतर्गत 609 , वर्ग 23 (द्रव वितरण उपकरण) के अंतर्गत 472 , वर्ग 12 (यातायात या उत्तोलन के साधन) के अंतर्गत 462 , वर्ग 09 (माल के परिवहन और उसकी उठाई-धराई के लिए पैकेज और आधान) के अंतर्गत 456, वर्ग 24 (डॉक्टरों, अस्पतालों और प्रयोगशालाओं के

लिए उपकरण और यंत्र) के अंतर्गत 446, वर्ग 6 (फर्निशिंग) के अंतर्गत 382 आदि। शेष आवेदन अन्य वर्गों में पंजीकृत किए गए।

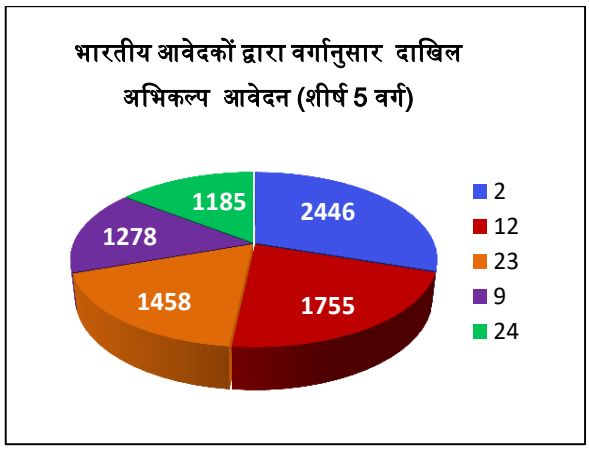

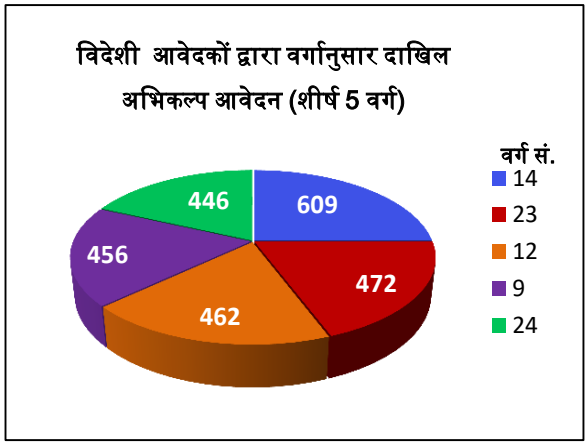

भारतीय और विदेशी आवेदनों के लिए विस्तृत श्रेणीवार पंजीकरण नीचे प्रस्तुत किया गया है:

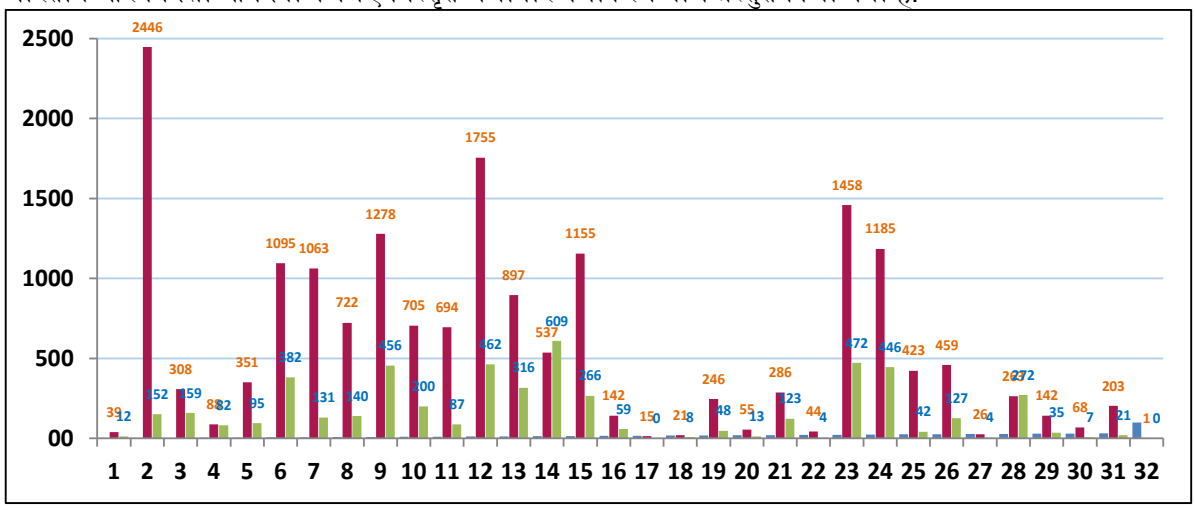

3. डिजाइन आवेदनों का परीक्षण

प्रतिवेदन अवधि के दौरान, डिजाइन के पंजीकरण हेतु कुल 21905 आवेदनों का परीक्षण किया गया जिनमें से 11927 आवेदनों की प्रथम परीक्षण रिपोर्ट (एफ़ईआर) भेजने की आवश्यकता थी। वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन की संख्या 23400 रही। पंजीकरण के अलावा, 290 आवेदनों को अस्वीकृत किया गया तथा 207 आवेदन परित्यक्त किए गए।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पंजीकृत डिजाइन में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 2607 आवेदन प्राप्त किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 1091 पंजीकृत डिजाइन का आगामी 5 वर्षों के लिए नवीकरण किया गया। हालांकि, शेष मामलों पर

कार्यवाही प्रारंभ की गई है। वर्ष के दौरान, डिजाइन के प्रत्यावर्तन के लिए 82 आवेदन दाखिल किए गए जिनमें से 73 आवेदनों का प्रत्यावर्तन कर दिया गया। शेष आवेदनों पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

5. विविध कार्यवाहियाँ:

क. डिजाइन का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, पंजीकृत डिजाइन के निरस्तीकरण के लिए 183 आवेदन दाखिल हुए। जिनमें वर्ष के दौरान 51 पर निर्णय जारी किए गए जिनमें से 22 मामलों पर, याचिका की अनुमित दी गई और 29 मामलों पर, याचिका को खारिज कर दिया गया।

ख. पंजीकृत डिजाइन का निरीक्षण [धारा 17 (1) के तहत : पंजीकृत डिजाइन आवेदनों के निरीक्षण हेतु 02 याचिका प्राप्त हुई।

ग. नाम और पते आदि में परिवर्तन [नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान नाम, पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 2593 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 1621 मामलों का निपटान कर आदेश जारी किया गया। शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है।

घ. डिजाइन रजिस्टर में सेवा के लिए दो पतों की प्रविष्टि हेतु अनुरोध [धारा 10 के तहत]: वर्ष के दौरान डिजाइन रजिस्टर में सेवार्थ पते के लिए दो पतों की प्रविष्टि हेतु 538 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 485 मामलों का निपटान किया गया। शेष मामलों में कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है।

ङ .धारा शनके तहत समनुदे 31 व धारा 30: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, 1883 समनुदेशन के आवेदन दाखिल हुए, जिनमें से 464 का निपटान किया गया व आदेश जारी किए गए। शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है। वित्तीय वर्ष के दौरान धारा 31 के अंतर्गत 02 आवेदन प्राप्त हुए और कार्रवाई शुरू की गई।

च .खोज सूचना [धारा के तहत 18]: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, धारा 18 के तहत 159 मामले दाखिल हुए व सभी का निपटान कर दिया गया।

छ .लिपिकीय त्रुटि का परिमार्जन [नियम **29** के तहत]: प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, लिपिकीय त्रुटि के परिमार्जन हेतु **09** अनुरोध प्राप्त हुए और वर्ष के दौरान सभी का निपटान कर दिया गया।

ज .नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: - वर्ष के दौरान, 568 अनुरोध दाखिल किए गए जिनमें से 530 आवेदनों का निपटान कर दिया गया। शेष मामलों में कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

झ. स्टार्ट-अप इंटेलेक्चुयल प्रॉपर्टी प्रोटेक्शन (एसआईपीपी) सुविधाप्रदाता (फेसीलीटेटर): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, डिजाइन आवेदनों को दाखिल करने और/या पंजीकरण के लिए सुविधाप्रदाता शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए सुविधाकर्ताओं द्वारा 275 दावे किए गए; जिनमें से 181 दावों का निपटान किया गया और शेष आवेदनों पर कार्रवाई प्रारम्भ कर दी गई है।

6. प्रवृत्त डिजाइन: प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक प्रवृत्त पंजीकृत डिजाइन की संख्या 112692. रही।

7. राजस्व: - वर्ष के दौरान, डिजाइन अधिनियम 2000 तथा उसके अधीन बने नियमों के तहत डिजाइन आवेदनों तथा अन्य कार्यवाहियों के संबंध में रू. 8,52,80,500/- (आठ करोड़ बावन लाख अस्सी हजार पांच सौ रुपये मात्र) का कुल राजस्व पेटेंट कार्यालय (कोलकाता, दिल्ली,मुंबई एवं चेन्नई कार्यालयों) से अर्जित हुआ। विवरण इस प्रकार है:

पेटेंट कार्यालय	राजस्व (में .रु)
कोलकाता	8,23,99,000
दिल्ली	17,65,000
मुंबई	6,80,500
चेन्नई	4,36,000
कुल	**8,52,80,500**

पेटेंट कार्यालय राजस्व (रूपए में)

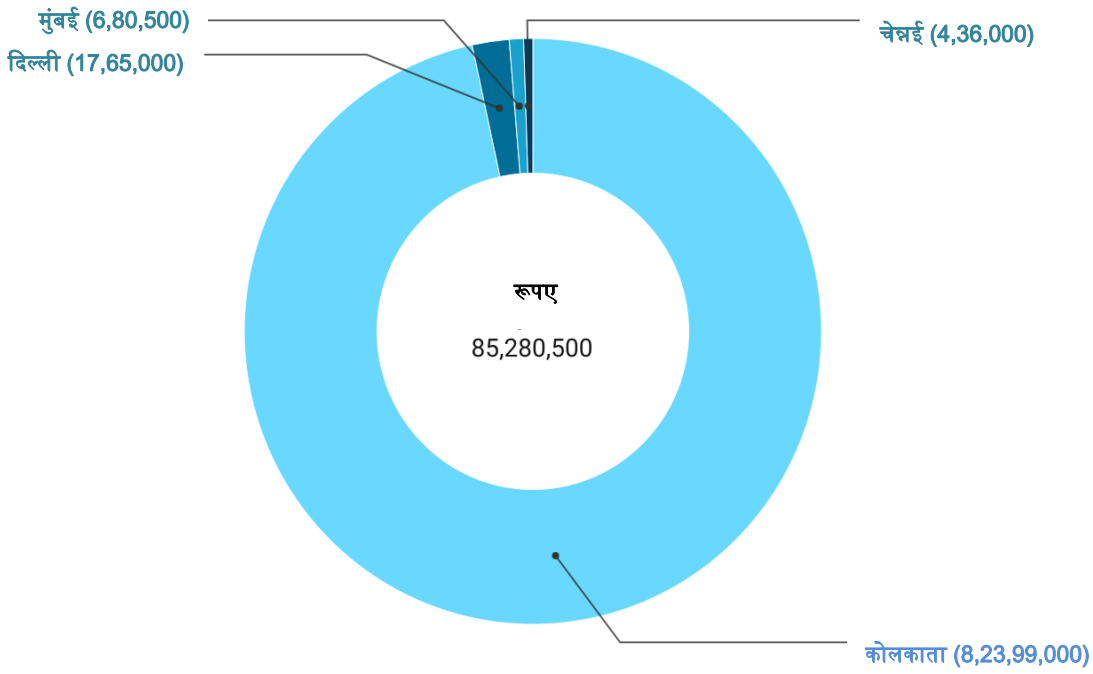

वर्ष 2018-19 से 2022-23 के दौरान उत्पन्न राजस्व की प्रवृत्ति

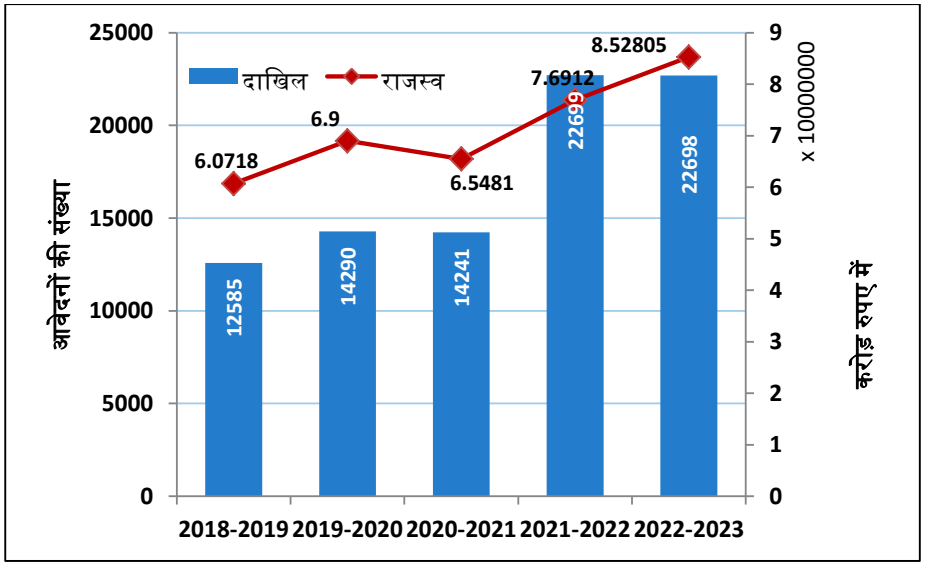

2022-23 के दौरान अधिनियम एवं नियमों के अंतर्गत विभिन्न कार्यवाही के संबंध में प्राप्त शुल्क

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रु.)	राशि (रु.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 धारा 5 एवं 44 के तहत डिजाइन पंजीकरण हेतु आवेदन (दिल्ली, मुंबई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)	22698	1000, 4000	4,94,69,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	2607	2000, 8000	1,99,08,000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत डिजाइन का प्रत्यावर्तन	82	1000, 4000	4,54,000
धारा 30 व 31 के तहत समनुदेशन	1885	500, 200 2000, 800	17,31,400
धारा 19 के तहत डिजाइन का निरस्तीकरण	183	1500 6000	5,26,500
धारा 26 और 17(2) के तहत सत्यापित प्रति	568	500, 2000	3,95,500
डिजाइन अधिनियम, 2000 व डिजाइन नियम 2001 के तहत अन्य विविध शुल्क; दिल्ली, मुंबई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)		प्रथम अनुसूची के अनुसार	79,83,900
कुल योग			**8,52,80,500**

अध्याय-VI

व्यापार चिह्न

यह अध्याय इस प्रतिवेदन वर्ष में व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 149 के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में 63वां वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम लागू होने का उद्देश्य देश में वाणिज्य वस्तुओं पर धोखाधड़ी वाले चिह्नों के उपयोग को रोकने के लिए वस्तुओं और सेवाओं के लिए व्यापार चिह्न का पंजीकरण और उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है। व्यापार चिह्न पंजीकृत स्वत्वधारी को वैधानिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई करने में सक्षम बनाता है। यह उन सामान्य विधिक अधिकार के अतिरिक्त है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा व्यापार चिह्न नियम, 2002 15 सितंबर, 2003 को लागू हुए। व्यापार चिह्न नियम, 2002 को 6 मार्च, 2017 से व्यापार चिह्न नियम, 2017 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री का मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित हैं।

देश में सामान्य रूप से बौद्धिक सम्पदा अधिकार और विशेष रूप से व्यापार चिह्न के बारे में बढ़ती जागरूकता के कारण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री (टीएमआर) के कार्य और जिम्मेदारियां उत्तरोत्तर बढ़ रही हैं। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के तहत सेवा चिह्नों, प्रसिद्ध चिह्नों, सामूहिक चिह्नों, बहु-वर्ग दाखिल करने के प्रावधान आदि की सुरक्षा की शुरूआत और भारत के मैड्रिड प्रोटोकॉल में शामिल होने के बाद व्यापार चिह्न के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के प्रावधान के साथ यह भूमिका और विस्तारित हो गई है।

1. 2022-23 के दौरान गतिविधियों का रुझान :

वर्ष 2022-23 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियाँ निम्नलिखित तालिका में प्रदान की गई हैं। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति से पता चलता है कि इस वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या वर्ष 2021-22 में 447805 से बढ़कर **466580** हो गई है। इसी अवधि के दौरान 231977 व्यापार चिह्न पंजीकरण हुए हैं। दाखिल, परीक्षित और पंजीकृत आवेदनों की संख्या के संबंध में गतिविधियों का विवरण **परिशिष्ट I** में दिया गया है।

क्र.सं.	गतिविधियाँ	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
1.	पंजीकरण के लिए दाखिल आवेदनों की संख्या	323798	334805	431213	447805	466580
2.	व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	396063	378147	339356	310196	237203

3.	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या	316798	294172	255976	261408	231977
4	पंजीकरण के अलावा अन्यथा निपटाए गए परीक्षित आवेदनों की संख्या (अर्थात अस्वीकृति, परित्याग और वापसी)	202387	125394	38978	57470	60177
5	नवीनीकृत किए गए पंजीकरणों की संख्या	62497	70583	73100	69968	90295
6.	पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के बाद किए गए परिवर्तनों की प्रविष्टि हेतु निष्पादित अनुरोधों की संख्या	47251	32596	29214	22957	13079
7.	कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 45(1) के तहत जारी किए गए प्रमाण पत्र	2760	7362	9032	5437	5197

2. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति:

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल आवेदनों की प्रवृत्ति में 2022-23 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री को प्राप्त आवेदनों की संख्या 2021-22 में 447805 से बढ़कर 2022-23 में **466580** हो गई है। वहीं, विदेशी आवेदकों के आवेदनों की संख्या 2021-22 में 13721 से थोड़ी कम होकर 2022-23 में **13255** हो गई है।

इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान, मैड्रिड प्रणाली के तहत विदेशी आवेदकों के **14366** अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण व्यापार चिह्न के संरक्षण हेतु भारत को नामित किए गए थे। इन अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों का परीक्षण किया गया और इन पर राष्ट्रीय आवेदनों के रूप में आगे की कार्यवाही की गयी।

I. 2018-19 से 2022-23 तक दाखिल आवेदनों का रुझान:

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2018-19	310116	13682	323798
2019-20	320940	13865	334805
2020-21	418594	12619	431213
2021-22	434084	13721	447805
2022-23	**453325**	**13255**	**466580**

2018-19 से 2022-23 तक दाखिल व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

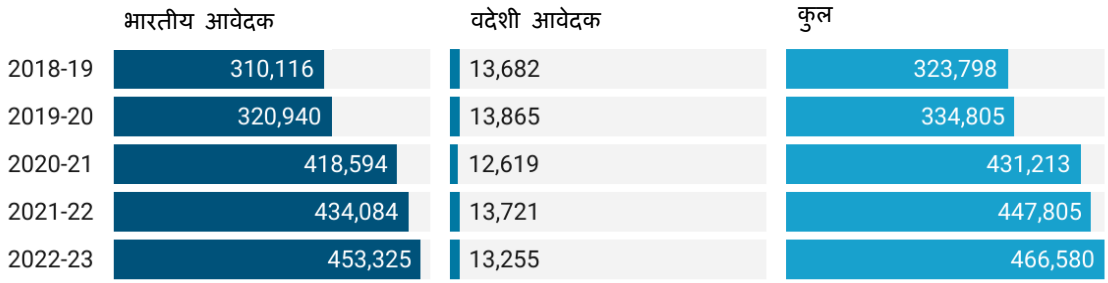

ii. भारतीयों द्वारा दाखिल व्यापार चिह्न आवेदन (राज्यवार):

वर्ष के दौरान भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल कुल **453325** आवेदनों में से, महाराष्ट्र 85539 आवेदनों के साथ पहले स्थान पर रहा। 64648 आवेदनों के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है, जबकि 47141 आवेदनों के साथ गुजरात तीसरे स्थान पर है। विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के आवेदकों से प्राप्त आवेदनों की संख्या उनके ग्राफीय वर्णन के साथ नीचे दर्शाई गई है:

राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	दाखिल आवेदनों की संख्या
अंडमान और निकोबार	52
आंध्र प्रदेश	5946
अरुणाचल प्रदेश	68
असम	2534
बिहार	6645
चंडीगढ़	3030
छत्तीसगढ़	3051
दादरा व नागर हवेली	122
दमन व दीव	116
दिल्ली	64648
गोवा	1259
गुजरात	47141
हरियाणा	26095
हिमाचल प्रदेश	2102
जम्मू व कश्मीर	1822
झारखंड	2371
कर्नाटक	26986
केरल	16812
लक्षद्वीप	6
मध्य प्रदेश	13672
महाराष्ट्र	85539
मणिपुर	126
मेघालय	73

मिजोरम	28
नागालैंड	57
ओडिशा	2916
पुदुचेरी	399
पंजाब	15709
राजस्थान	21631
सिक्किम	80
तमिलनाडु	26337
तेलंगाना	17817
त्रिपुरा	171
उत्तर प्रदेश	38143
उत्तराखंड	3813
पश्चिम बंगाल	16008
कुल	**453325**

भारत के राज्य/केंद्र शासित प्रदेश द्वारा दाखिल व्यापार चिह्न आवेदनों की संख्या (2022-23)

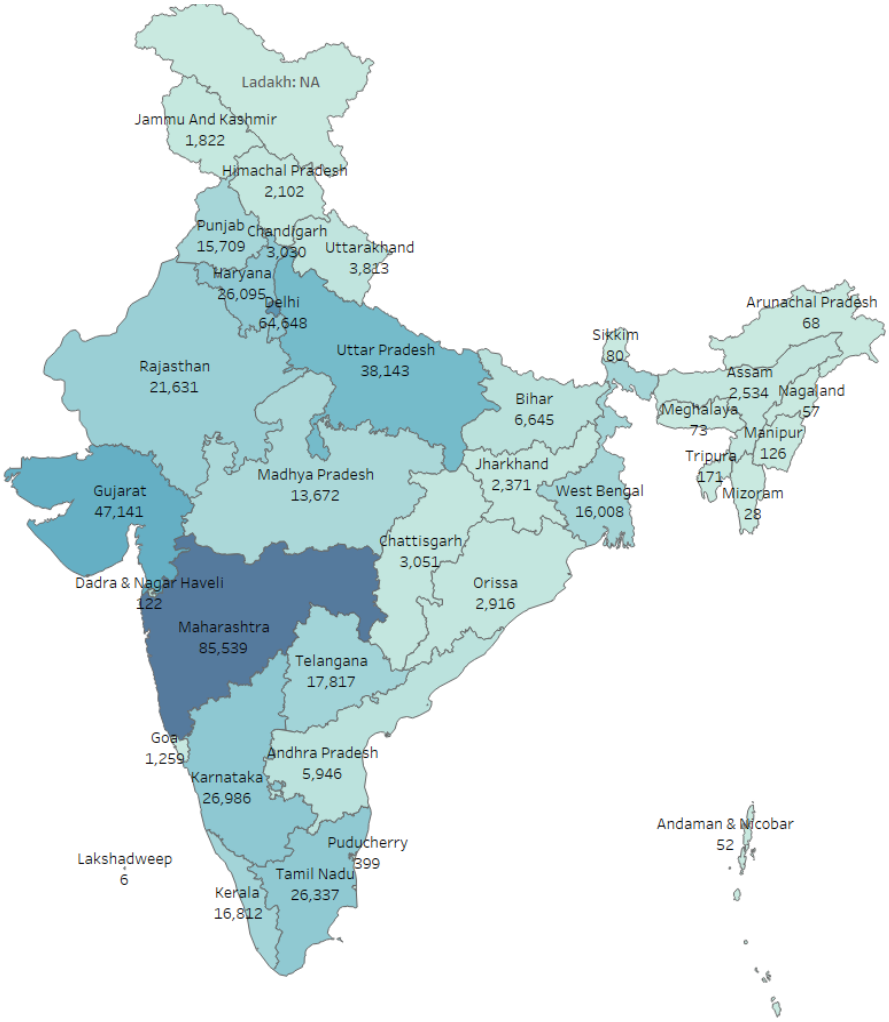

iii. विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन :

वर्ष 2022-23 के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **13255** थी। शीर्ष 20 विदेशी देशों द्वारा दाखिल किए गए आवेदनों की संख्या निम्नलिखित तालिका में प्रदान की गई है और साथ ही नीचे ग्राफिक रूप से दर्शाई गई है:

आवेदन दाखिल करने के लिए शीर्ष 20 विदेशी देश

देश का नाम	दाखिल आवेदनों की संख्या
संयुक्त राज्य अमेरिका	4244
चीन	1658
सिंगापुर	735
यूनाइटेड किंगडम	688
संयुक्त अरब अमीरात	461
कोरिया गणराज्य	378
जापान	374
जर्मनी	302

हांगकांग	263
स्विट्ज़रलैंड	263
कनाडा	214
ऑस्ट्रेलिया	210
ब्रिटिश वर्जिन आइसलैण्ड्स	178
ताइवान, चीन प्रांत	159
फ्रांस	145
नीदरलैंड	128
इटली	125
मेक्सिको	101
इंग्लैंड और वेल्स	97
दक्षिण अफ्रीका	96
अन्य	2436
कुल	**13255**

आवेदन दाखिल करने के लिए शीर्ष 20 विदेशी देश

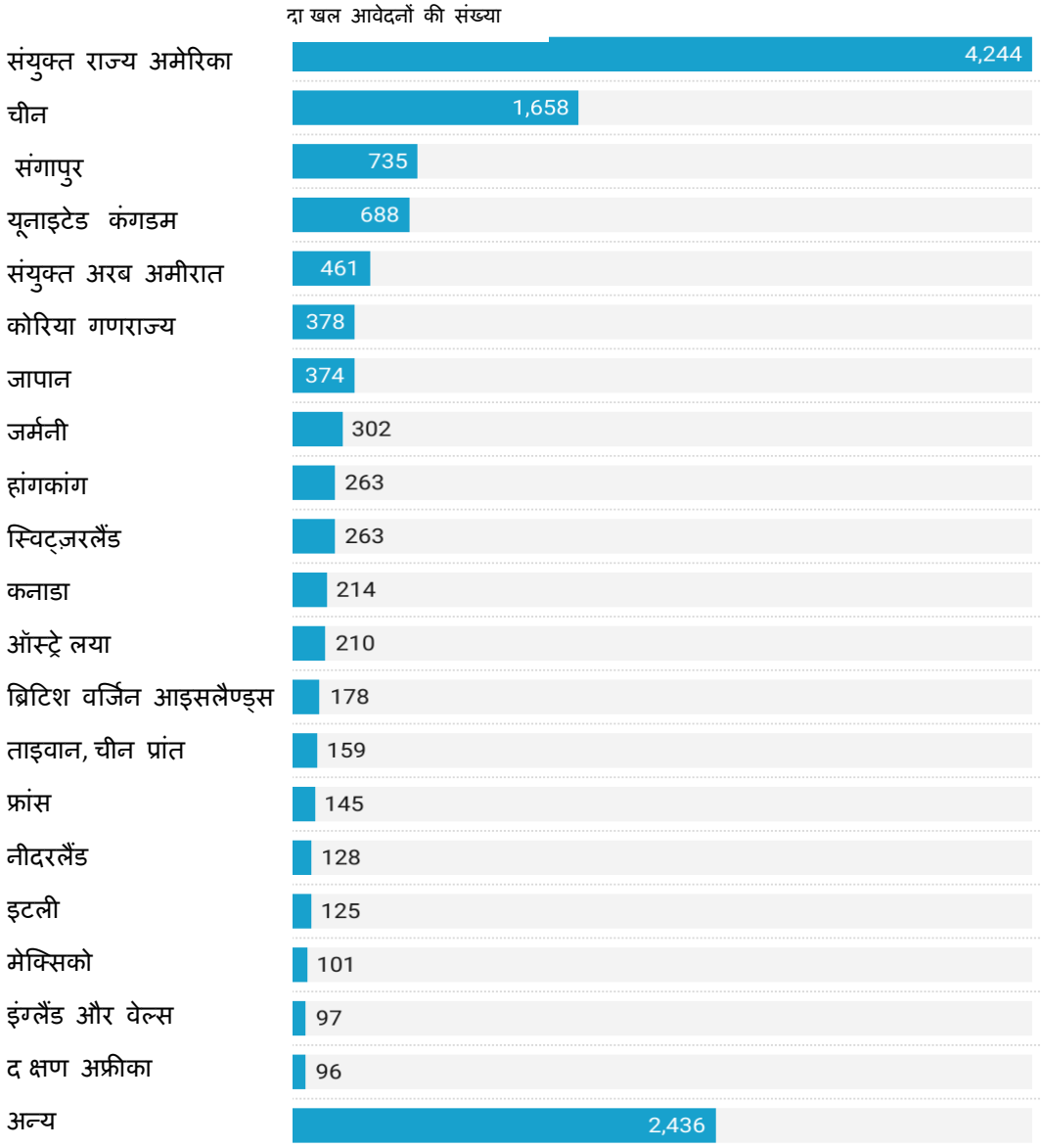

iv. दाखिल किए गए आवेदनों की वर्गवार प्रवृत्ति :

नीचे दी गई तालिका वर्ष 2022-23 के दौरान दाखिल व्यापार चिह्न आवेदनों की वर्ग-वार प्रवृत्ति का विवरण प्रदान करती है। पिछले वर्ष की तरह, इस वर्ष भी, प्राप्त आवेदनों की सबसे बड़ी संख्या वर्ग 5 (फार्मास्यूटिकल्स, पशु चिकित्सा और स्वच्छता पदार्थ, आदि) में वस्तुओं के संबंध में थी।

जिन वर्गों में आवेदन दाखिल किए गए थे उनका विवरण % भाग के साथ नीचे दिया गया है:

कक्षा	वस्तुओं/सेवाओं का विवरण	आवेदनों की संख्या	%शेयर करना
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग किए जाने वाले रासायनिक उत्पाद।	7617	1.60
2	पेंट और वार्निश	2384	0.50

3	इत्र, सौंदर्य प्रसाधन, आदि।	21900	4.60
4	औद्योगिक तेल और ग्रीस (खाद्य तेल के अलावा), आदि।	2287	0.48
5	औषधीय, फार्मास्यूटिकल्स, पशु चिकित्सा और स्वच्छता पदार्थ, आदि।	73404	15.43
6	बिना गढ़ी और आंशिक रूप से गढ़ी गई सामान्य धातु और उनकी मिश्रधातुएँ, आदि।	6011	1.26
7	मशीनें और मैकेनिक उपकरण, मोटर्स, आदि।	8252	1.73
8	हाथ उपकरण और उपकरण, आदि	1884	0.40
9	वैज्ञानिक, समुद्री, सर्वेक्षण और विद्युत उपकरण, आदि।	26059	5.48
10	सर्जिकल, मेडिकल, डेंटल और पशु चिकित्सा उपकरण, उपकरण, आदि।	5398	1.13
11	प्रकाश व्यवस्था, हीटिंग आदि के लिए स्थापना।	9805	2.06
12	वाहन और उनके पार्ट, उपकरण, भूमि, वायु और जल द्वारा गति	5731	1.20
13	आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और प्रक्षेप्य आदि।	388	0.08
14	बहुमूल्य धातुएँ और उनकी मिश्रधातुएँ, आदि।	6944	1.46
15	संगीत वाद्ययंत्र (बात करने वाली मशीनों और वायरलेस उपकरण के अलावा)	368	0.08
16	कागज और कागज के लेख, स्टेशनरी, मुद्रित सामग्री, आदि।	7970	1.68
17	गुट्टापेर्चा , इंडिया रबर, आदि।	3804	0.80
18	चमड़ा और चमड़े की नकल, आदि।	5151	1.08
19	भवन निर्माण सामग्री इत्यादि।	6751	1.42
20	फर्नीचर, दर्पण, आदि	7276	1.53
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि।	7892	1.66
22	रस्सियाँ, डोरियाँ, आदि।	1128	0.24
23	सूत और धागे	702	0.15
24	टिशू (खंडित वस्तुएँ), आदि।	6152	1.29
25	बूट, जूते और चप्पल सहित कपड़े	36200	7.61
26	लेस और कढ़ाई, रिबन और चोटी आदि।	1391	0.29
27	कालीन, कालीन, चटाई आदि।	1240	0.26
28	खेल और खेलने की चीजें, आदि।	4811	1.01
29	मांस, मछली, मुर्गीपालन, आदि।	13647	2.87
30	कॉफ़ी, चाय, कोको, आदि।	25441	5.35
31	कृषि, बागवानी और वानिकी उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में शामिल नहीं हैं	8084	1.70
32	बीयर, एले और पोर्ट, खनिज और वातित जल और अन्य गैर-अल्कोहलिक पेय अन्य वर्गों में शामिल नहीं हैं	6459	1.36
33	वाइन, स्पिरिट और लिकर	2655	0.56
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों का सामान, माचिस	2859	0.60

35	विज्ञापन, व्यवसाय प्रबंधन, व्यवसाय प्रशासन, कार्यालय कार्य	47074	9.89
36	बीमा, वित्तीय मामले, मौद्रिक मामले, रियल एस्टेट मामले	9073	1.91
37	भवन निर्माण मरम्मत स्थापना सेवाएँ	7084	1.49
38	दूरसंचार	4926	1.04
39	माल यात्रा के परिवहन, पैकेजिंग और भंडारण की व्यवस्था	5293	1.11
40	सामग्री का ट्रीटमेंट	1994	0.42
41	शिक्षा; प्रशिक्षण, मनोरंजन प्रदान करना; खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ	23299	4.90
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएँ और उनसे संबंधित अनुसंधान और डिज़ाइन, औद्योगिक विश्लेषण और अनुसंधान सेवाएँ; कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	16835	3.54
43	खाद्य और पेय उपलब्ध कराने के लिए सेवाएँ; अस्थायी आवास	17100	3.59
44	चिकित्सा सेवाएं; पशु चिकित्सा सेवाएँ; मनुष्यों या जानवरों के लिए स्वच्छ और सौंदर्य देखभाल; कृषि, बागवानी और वन्य सेवाएँ	10036	2.11
45	कानूनी सेवाओं; संपत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा सेवाएँ; व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दूसरों द्वारा प्रदान की गई व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएँ	5050	1.06

टिप्पण: *बहु-वर्ग आवेदन दाखिल करने का प्रावधान है क्योंकि एक ही आवेदन में एक से अधिक वर्ग की वस्तुओं और सेवाओं का उल्लेख किया जा सकता है। वर्ग-वार आवेदन के संबंध में उपरोक्त जानकारी के उद्देश्य से, बहु-वर्गीय आवेदनों में प्रत्येक वर्ग पर अलग से विचार किया जाता है*।

V. दाखिल किए गए आवेदनों की शाखा-वार प्रवृत्ति:

वर्ष 2022-23 के दौरान, सबसे अधिक आवेदन रजिस्ट्री की दिल्ली शाखा (**164866)** में दाखिल किए गए, इसके बाद मुंबई **(105070**), चेन्नई (**95685**), अहमदाबाद (**69438**) और कोलकाता (**31521**) की शाखाओं में आवेदन किए गए ।

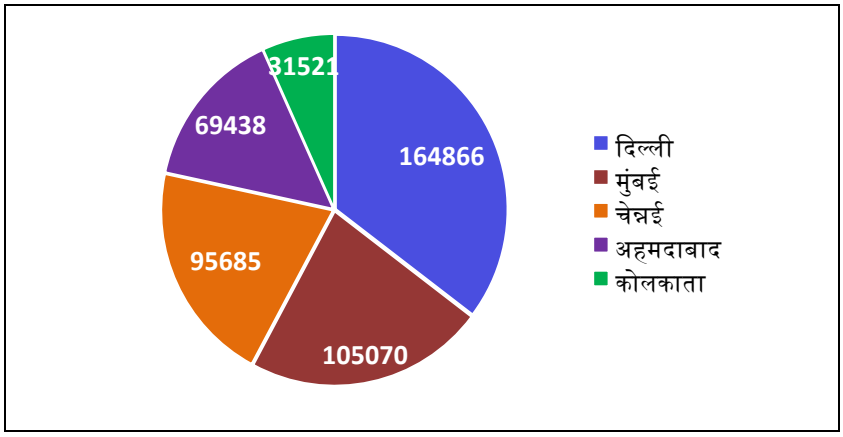

3. व्यापार चिह्न का पंजीकरण और अन्य गतिविधियाँ:

वर्ष 2022-23 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या **231977** रही। 31 मार्च 2023 तक पंजीकृत व्यापार चिह्न की कुल संख्या **2860157** थी।

वर्ष के दौरान अन्य गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:

- **90295** पंजीकृत व्यापार चिह्न का नवीनीकरण किया गया,
- व्यापार चिह्न (अन्य व्यक्तियों को उनके समनुदेशन सहित) के संबंध में पंजीकरण के बाद परिवर्तन के लिए **66975** अनुरोध प्राप्त हुए और **13079** अनुरोधों का निपटान किया गया।
- कानूनी कार्यवाही में उपयोग के लिए या विदेश में पंजीकरण प्राप्त करने के अनुरोध पर **21653** प्रमाणपत्र जारी किए गए,
- कलात्मक कार्यों को कॉपीराइट के रूप में पंजीकृत करने के लिए कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 45(1) के तहत **5197** प्रमाणपत्र जारी किए गए।

इस वर्ष रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न जर्नल में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए 237203 आवेदन प्रकाशित किए, जबकि पिछले वर्ष के दौरान 310196 आवेदन प्रकाशित किए गए थे। पिछले पांच वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न का रुझान **परिशिष्ट II** में दिया गया है।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न अधिनियम और नियम के अधीन अर्ध न्यायिक कार्यवाहियाँ भी संचालित की जिनमें मुख्यत: विरोध और परिशोधन की कार्यवाहियाँ थी। वर्ष 2022-23 के दौरान 55775 विरोध की सूचना और 3829 आवेदन व्यापार चिह्न के पंजीकरण को रद्द या अलग करके व्यापार चिह्न के रजिस्टर में परिशोधन के लिए दाखिल किए गए और ऐसे 36995 मामलों का पूर्णतया निष्पादन कर दिया गया। दाखिल और निपटाए गए ऐसे मामलों का विवरण **परिशिष्ट III** में दिया गया है।

4. पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या का वर्गवार विवरण:

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2022-23 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गवार विवरण प्रदान करती है। यह देखा गया है कि वर्ग 5 के तहत सबसे अधिक 32320 व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए, जो कुल पंजीकरण का 13.93% है, इसके बाद वर्ग 35 आता है जो 10.38% है।

कक्षा	वस्तुओं/सेवाओं का विवरण	आवेदनों की संख्या	% भाग
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग किए जाने वाले रासायनिक उत्पाद।	3963	1.71
2	पेंट और वार्निश	1197	0.52
3	इत्र, सौंदर्य प्रसाधन, आदि।	9586	4.13
4	औद्योगिक तेल और ग्रीस (खाद्य तेल के अलावा), आदि।	1192	0.51
5	औषधीय, फार्मास्यूटिकल्स, पशु चिकित्सा और स्वच्छता पदार्थ, आदि।	32320	13.93
6	बिना गढ़ी और आंशिक रूप से गढ़ी गई सामान्य धातु और उनकी मिश्रधातुएँ, आदि।	2969	1.28
7	मशीनें और मैकेनिक उपकरण, मोटर्स, आदि।	4201	1.81
8	हाथ उपकरण और उपकरण, आदि	1072	0.46
9	वैज्ञानिक, समुद्री, सर्वेक्षण और विद्युत उपकरण, आदि।	12969	5.59
10	सर्जिकल, मेडिकल, डेंटल और पशु चिकित्सा उपकरण, उपकरण, आदि।	3113	1.34
11	प्रकाश व्यवस्था, हीटिंग आदि के लिए स्थापना।	4995	2.15
12	वाहन और उनके हिस्से, उपकरण, भूमि, वायु और जल द्वारा गति	2736	1.18
13	आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और प्रक्षेप्य आदि।	203	0.09
14	बहुमूल्य धातुएँ और उनकी मिश्रधातुएँ, आदि।	3409	1.47
15	संगीत वाद्ययंत्र (बात करने वाली मशीनों और वायरलेस उपकरण के अलावा)	227	0.10
16	कागज और कागज से संबंधित आर्टिकल , स्टेशनरी, मुद्रित सामग्री, आदि।	4289	1.85
17	गुट्टापेर्चा , इंडिया रबर, आदि।	1813	0.78
18	चमड़ा और चमड़े की नकल, आदि।	2591	1.12
19	भवन निर्माण सामग्री इत्यादि।	3405	1.47
20	फर्नीचर, दर्पण, आदि	3643	1.57
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि।	4505	1.94
22	रस्सियाँ, डोरियाँ, आदि।	643	0.28
23	सूत और धागे	454	0.20
24	टिशू (खंडित वस्तुएँ), आदि।	3410	1.47
25	बूट, जूते और चप्पल सहित कपड़े	18016	7.77
26	लेस और कढ़ाई, रिबन और चोटी आदि।	839	0.36
27	कालीन, कालीन, चटाई आदि।	689	0.30
28	खेल और खेलने की चीजें, आदि।	2692	1.16
29	मांस, मछली, मुर्गीपालन, आदि।	6298	2.71
30	कॉफ़ी, चाय, कोको, आदि।	12486	5.38

31	कृषि, बागवानी और वानिकी उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों में शामिल नहीं हैं	4177	1.80
32	बीयर, एले और पोर्ट, खनिज और वातित जल और अन्य गैर-अल्कोहलिक पेय अन्य वर्गों में शामिल नहीं हैं	2931	1.26
33	वाइन, स्पिरिट और लिकर	1265	0.55
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों का सामान, माचिस	1406	0.61
35	विज्ञापन, व्यवसाय प्रबंधन, व्यवसाय प्रशासन, कार्यालय कार्य	24074	10.38
36	बीमा, वित्तीय मामले, मौद्रिक मामले, रियल एस्टेट मामले	4096	1.77
37	भवन निर्माण मरम्मत स्थापना सेवाएँ	3590	1.55
38	दूरसंचार	2300	0.99
39	माल यात्रा के परिवहन, पैकेजिंग और भंडारण की व्यवस्था	2616	1.13
40	सामग्री का ट्रीट्मन्ट	1151	0.50
41	शिक्षा; प्रशिक्षण, मनोरंजन प्रदान करना; खेल और सांस्कृतिक गतिविधियाँ	11457	4.94
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएँ और उनसे संबंधित अनुसंधान और डिज़ाइन, औद्योगिक विश्लेषण और अनुसंधान सेवाएँ; कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	8414	3.63
43	खाद्य और पेय उपलब्ध कराने के लिए सेवाएँ; अस्थायी आवास	7455	3.21
44	चिकित्सा सेवाएं; पशु चिकित्सा सेवाएँ; मनुष्यों या जानवरों के लिए स्वच्छ और सौंदर्य देखभाल; कृषि, बागवानी और वन्य सेवाएँ	4711	2.03
45	कानूनी सेवाओं; संपत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा सेवाएँ; व्यक्तियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दूसरों द्वारा प्रदान की गई व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएँ	2409	1.04

टिप्पण: *बहुवर्ग आवेदन दाखिल करने का प्रावधान है (अर्थात एक से अधिक वर्ग की वस्तु तथा सेवाओं के लिए एकल आवेदन)व तदनुसार,सभी वर्गों की वस्तुओं व सेवाओं के लिए एकल पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। उपरोक्त जानकारी के उद्देश्य से, वर्गानुसार आवेदनों के संबंध में, बहु-वर्गीय आवेदनों में प्रत्येक वर्ग पर अलग से विचार किया जाता है।*

5. राजस्व

वर्ष 2022-23 के दौरान, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने 444.6509 करोड़ रुपये (मैड्रिड सिस्टम के तहत अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के लिए आईबी से शुल्क के रूप में प्राप्त 38.538 करोड़ रुपये सहित) का राजस्व उत्पन्न किया, जबकि पिछले वर्ष यह 417.765 करोड़ रुपये रहा।

परिशिष्ट I

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों में रुझान

	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
दाखिल	323978	334805	431213	447805	**466580**
परीक्षित	337541	338551	463912	431520	**395405**
पंजीकृत	316798	294172	255976	261408	**231977**

पिछले 5 वर्षों के लिए व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति की ग्राफिकल प्रस्तुति

दाखिल, परीक्षित और पंजीकृत आवेदन

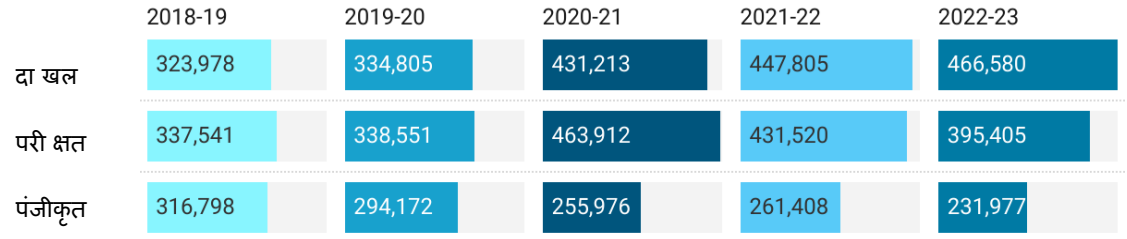

परिशिष्ट II

पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रकाशित व्यापार चिह्नों की संख्या

क्र.सं.	वर्ष	जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या
1	2018-19	396063
2	2019-20	378147
3	2020-21	339356
4	2021-22	310196
5	**2022-23**	**237203**

परिशिष्ट III

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक विभिन्न कार्यालयों में दाखिल विरोध/परिशोधन आवेदनों और उनके निपटान का विवरण

व्यापार चिह्न कार्यालय	दाखिल विरोध/परिशोधन	निष्पादित मामले
अहमदाबाद	10772	6276
चेन्नई	11278	7165

दिल्ली	19936	9364
कोलकाता	4834	3621
मुंबई	11692	10289
आईआर डिविजन	1092	280

ट्रेड मार्क कार्यालय: दाखिल विरोध/परिशोधन आवेदनों और उनके निपटान

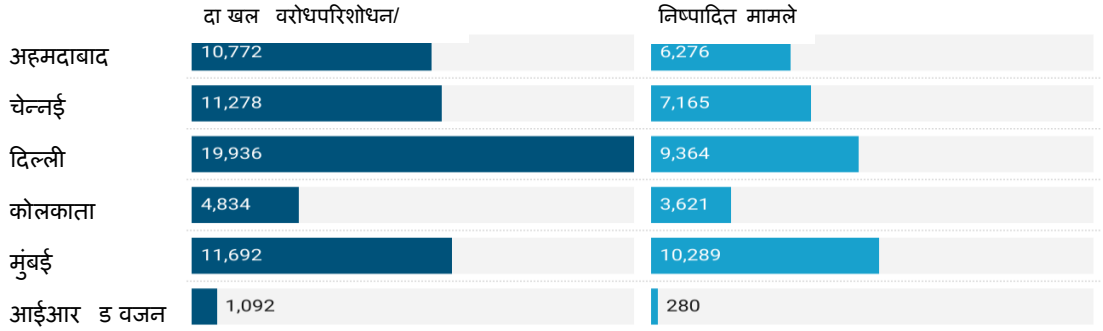

पिछले पांच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्र.सं. नहीं।	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्नों की संख्या
1	2018-19	316798
2	2019-20	294172
3	2020-21	255976
4	2021-22	261408
5	**2022-23**	**231977**

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या

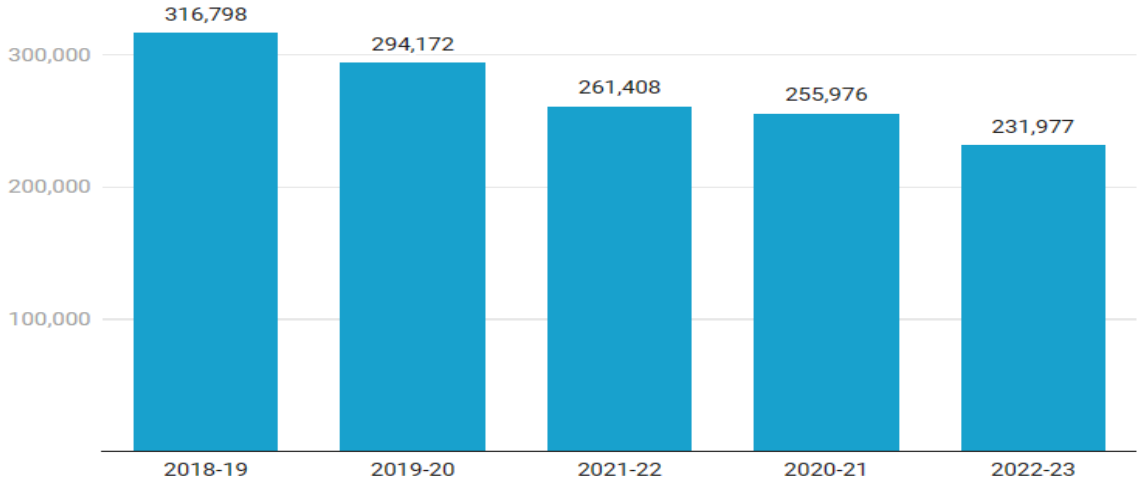

अध्याय-VII

चिह्नों के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण हेतु मैड्रिड प्रणाली

परिचय

मैड्रिड प्रणाली कई देशों में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए एकल प्रक्रिया प्रदान करती है। यह दो संधियों द्वारा शासित होती है नामतः, 'द मैड्रिड एग्रीमेंट कंसर्निंग द इन्टरनेशनल रजिस्ट्रेशन ऑफ मार्क्स' (संक्षेप में इसे मैड्रिड समझौते के नाम से जाना जाता है) और 'प्रोटोकॉल रिलेटिंग टू द मैड्रिड एग्रीमेंट' (संक्षेप में इसे मैड्रिड प्रोटोकॉल के नाम से जाना जाता है)।

इन संधियों को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो (आईबी) द्वारा प्रशासित किया जाता है।

1. **मैड्रिड प्रोटोकॉल में भारत के शामिल होने की पृष्ठभूमि:**

- 08 फरवरी, 2007 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'मार्क्स' के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण से संबंधित मैड्रिड प्रोटोकॉल में भारत को शामिल होने को अपनी मंजूरी दे दी।
- 21 सितंबर, 2010 को, ट्रेड मार्क्स अधिनियम, 1999 में संशोधन किया गया था, जिसमें 'मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के माध्यम से ट्रेडमार्क की सुरक्षा से संबंधित विशेष प्रावधान' अधिनियम में शामिल किए गए थे।
- ट्रेड मार्क्स (संशोधन) नियम, 2013 को लागू करने के लिए 14 जनवरी 2013 को राजपत्र में प्रकाशित किया गया था।
- मैड्रिड प्रोटोकॉल के प्रावधान भारत में 08 जुलाई 2013 से लागू हुए।

मैड्रिड सिस्टम (विशेष रूप से मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत) के तहत 'मार्क्स' के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण की प्रक्रिया इस प्रकार वर्णित की गई है:

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत पंजीकरण

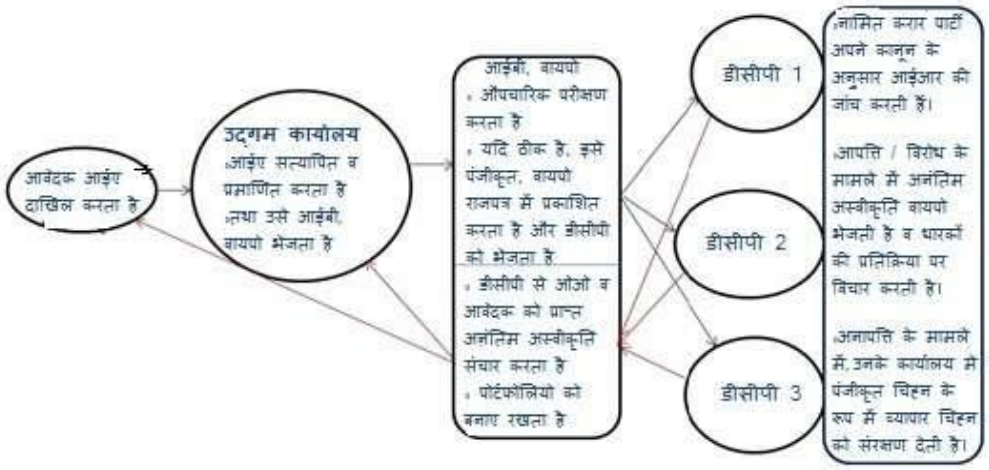

2. भारत में मैड्रिड प्रणाली का कार्यान्वयन:

2.1. अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण विंग:

'अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण विंग' मुंबई स्थित 'व्यापार चिह्न रजिस्ट्री' के प्रधान कार्यालय में स्थापित किया गया है। यह 'विंग' मुख्य रूप से भारतीय उद्यमियों से प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण किए जाने वाले आवेदनों के संबंध में मैड्रिड प्रणाली के तहत "उद्गम कार्यालय" (ऑफिस ऑफ ऑरिजिन) के रूप में और अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में मैड्रिड प्रणाली के तहत "नामित करार पार्टी कार्यालय" (ऑफिस ऑफ द डेज़ीग्नेटिंग कोंट्रेक्टिंग पार्टी) के रूप में विदेशी आवेदक के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के संबंध में, जहां भारत को चिह्न के संरक्षण के लिए नामित किया गया है, अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करता है।

उद्गम कार्यालय के रूप में, अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण विंग इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित कार्य करता है:

- भारतीय उद्यमियों से फॉर्म एमएम 2 पर अंतरराष्ट्रीय आवेदन प्राप्त करना, ऐसे आवेदनों के संबंध में उनके साथ ऑनलाइन संवाद करना और टीएमआर की व्यापक ई-फाइलिंग सेवाओं के माध्यम से आवेदकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करना।
- ऐसे अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को सत्यापित और प्रमाणित करना और उन्हें वायपो को प्रेषित करना।
- अनियमितताओं के मामले में, यदि भारतीय कार्यालय द्वारा अग्रेषित अंतरराष्ट्रीय आवेदनों के संबंध में वायपो द्वारा सूचित किया जाता है, तो संबंधित आवेदकों से संपर्क कर ज्ञात हुए अनियमितताओं के विषय में वायपो को उत्तर देना ।

- यदि व्यापार चिह्न आवेदन या भारत में पंजीकरण जिसके आधार पर अंतरराष्ट्रीय आवेदन दाखिल किया गया था,समाप्त हो जाता है,तो वायपो को अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के प्रभाव को समाप्त करने के विषय में सूचित करना।
- साप्ताहिक आधार पर एफटीपी सर्वर के माध्यम से, भारत से किए जा रहे या होने वाले अंतरराष्ट्रीय आवेदनों के साथ-साथ भारत को नामित किए जा रहे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में वायपो के साथ सभी पत्राचार करना।

2.2. मैड्रिड प्रणाली के अंतर्गत व्यापार चिह्न का अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण – भारतीय आवेदन :

वर्ष 2022-23 के अंत तक, भारतीय व्यापार चिह्न कार्यालय में मैड्रिड सिस्टम के तहत व्यापार चिह्न के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण हेतु **2893** आवेदन प्राप्त हुए थे,जिनमें से **2741** आवेदन को सत्यापित, प्रमाणित और वायपो को प्रेषित किए गया, इन आवेदनों में से **2098** मार्क्स आवेदन को वाईपो द्वारा पंजीकृत किए गए।

भारतीय उद्यमियों के भारतीय कार्यालय द्वारा वायपो को प्राप्त और प्रेषित किए गए अंतरराष्ट्रीय आवेदनों की संख्या और पिछले 5 वर्षों में मैड्रिड सिस्टम के तहत वाईपो के द्वारा उनके पंजीकरण इस प्रकार हैं:

वर्ष	अंतरराष्ट्रीय आवेदन प्राप्त हुए	वाईपो द्वारा अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण किया गया
2018-19	414	238
2019-20	445	418
2020-21	338	309
2021-22	396	340
2022-23	**495**	**299**

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारतीय उद्यमियों के अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड मार्क आवेदनों की प्रवृत्ति

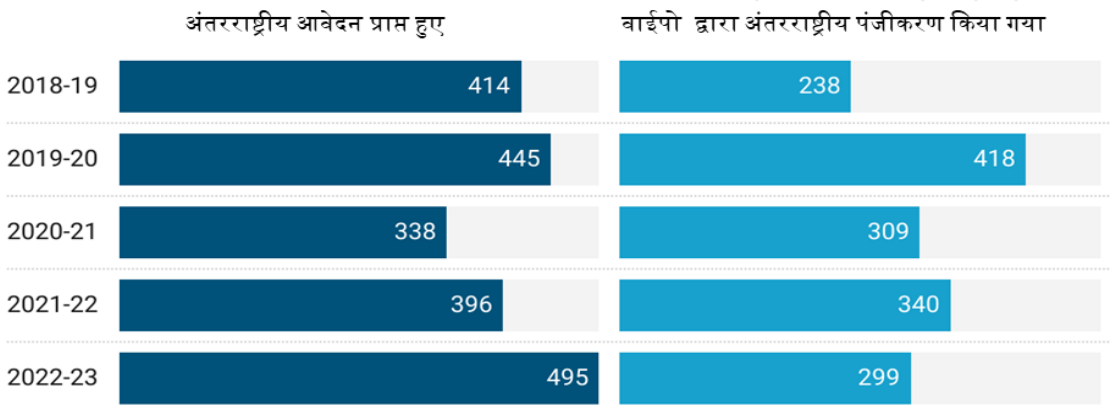

2.3. नामित करार पार्टी कार्यालय के रूप में, अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण विंग इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित कार्य करता है:

- वायपो द्वारा भारतीय कार्यालय को अधिसूचित अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण का विवरण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री डाटाबेस में स्थानांतरित करना, और राष्ट्रीय आवेदन के समान आईआरडीआई के रूप में प्रतिरूप रिकॉर्ड बनाना
- अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में वाईपो अधिसूचनाओं के अनुसार टीएमआर रिकॉर्ड को अपडेट करना, जैसे धारक के नाम या पते में परिवर्तन करना, अस्वीकार करना, अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के तहत वस्तुओं/सेवाओं को प्रतिबंधित करना, अस्वीकार करना आदि।
- व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों का परीक्षण करना व यदि अधिनियम के अनुसार भारत में चिह्न को संरक्षण नहीं प्रदान किया जा सकता है तो वायपो को अनंतिम अस्वीकृति की सूचना भेजना।
- हमारे राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, ऐसे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण धारकों की ओर से प्रस्तुत अनंतिम अस्वीकृति के विरुद्ध प्रतिक्रिया पर ध्यान देना और यदि आवश्यक हो, तो कारण बताओ सुनवाई का समय निर्धारित करना।
- हमारे राष्ट्रीय व्यापार चिह्न जर्नल में स्वीकृत मामलों को प्रकाशित करना।
- इस प्रकार प्रकाशित अंतरराष्ट्रीय डेज़िग्नेशन के खिलाफ विरोध, यदि कोई हो तो उसे प्राप्त करना और वाईपो को विरोध के आधार पर अनंतिम अस्वीकृति भेजना, अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण धारक की ओर से काउंटर स्टेटमेंट प्राप्त करना और कानून के अनुसार विरोध कार्यवाही का संचालन करना।
- ऐसे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में रजिस्ट्रार के आदेशों के खिलाफ दाखिल अपील/रिट याचिकाओं के मामले में कार्यालय का प्रतिनिधित्व करना,
- अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में वाईपो को अंतिम/फाइनल (साथ ही आगे के निर्णय, यदि कोई हो) के विषय में सूचित करना।

2.4. वर्ष 2022-23 के दौरान गतिविधियाँ- अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण:

- वाईपो ने भारत में ट्रेडमार्क की सुरक्षा के लिए **14366** अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के लिए भारतीय कार्यालय को सूचित किया था,
- इन सभी अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों का एक मिरर रिकॉर्ड आईआरडीआई के रूप में बनाया गया था और **14206** आईआरडीआई की जांच की गई थी,
- **8274 मामलों** के संबंध में जांच के आधार पर अनंतिम अस्वीकार वाईपो को सूचित किया गया था,
- **857** अनंतिम अस्वीकार के विषय में वाईपो को सूचित किया गया।

- **276** विरोधों का अंततः निस्तारण किया गया ,
- व्यापार चिह्न अधिनियम के तहत सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद **7137** अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के मामले में संरक्षण वाईपो को भेजा गया था; **7137** में से **4055** अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के संबंध में , आवेदकों को इस कार्यालय से संपर्क करने की भी आवश्यकता नहीं हुई और ऐसे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के तहत मार्क्स को भारत में सुरक्षा प्रदान की गई ।
- **66** अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों को भारत में मार्क की सुरक्षा देने से इनकार कर दिया गया।

वाईपो द्वारा अधिसूचित अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों की संख्या और सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद पिछले 5 वर्षों के भीतर वाईपो को भेजे गए ऐसे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के तहत मार्क्स की सुरक्षा का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	वाईपो से प्राप्त अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण की अधिसूचना	भारतीय कार्यालय द्वारा प्रदत्त अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों का संरक्षण
2018-19	14778	18038
2019-20	14001	14699
2020-21	12913	9943
2021-22	15109	6971
2022-23	**14366**	**7137**

पिछले 5 वर्षों में WIPO द्वारा अधिसूचित अंतर्राष्ट्रीय ट्रेडमार्क पंजीकरण की प्रवृत्ति

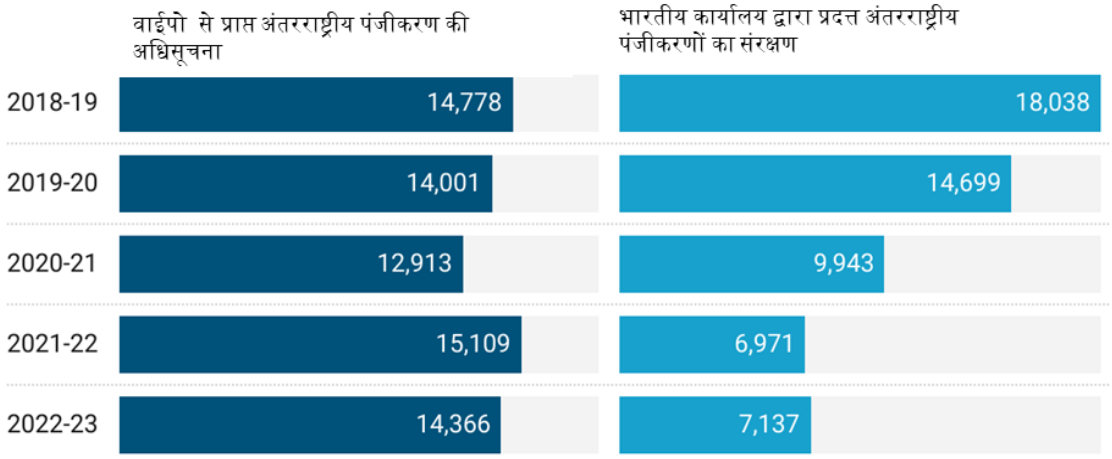

3. **राजस्व:**

भारतीय कार्यालय को वायपो से मैड्रिड प्रणाली के तहत अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों के संबंध में राजस्व प्राप्त होता है, जहाँ ऐसे अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के नवीकरण के साथ-साथ भारत में चिह्न का संरक्षण मांगा गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान, भारतीय कार्यालय ने चिह्नों के संरक्षण के लिए भारत को नामित करने वाले अंतरराष्ट्रीय पंजीकरणों के शुल्क के रूप में रू 38.5385 करोड़ प्राप्त किए।

अध्याय-VIII

भौगोलिक उपदर्शन

परिचय

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री (जीआईआर) एक वैधानिक संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित वस्तुओं के पंजीकरण और उन्हें बेहतर संरक्षण प्रदान के साथ-साथ भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 के अधीन प्रशासन करना है, जिसे 15 सितंबर 2003 को लागू किया गया था। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय चेन्नई में स्थित है।

'रजिस्ट्री कार्यालय' भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है तथा ऐसे कार्यक्रमों में भाग लेता रहा है। चाय, कॉफी, मसाले, कृषि और बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ, दुग्ध उत्पाद, प्राकृतिक वस्तुएँ, स्पिरिट एवं मद्य के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

1. कार्य निष्पादन की प्रमुख विशेषताएँ:-

रजिस्ट्री ने 15 सितंबर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त करना प्रारम्भ किया है। 31 मार्च, 2023 तक रजिस्ट्री ने कुल **1072** (एक हजार बहत्तर) जीआई आवेदन प्राप्त किए हैं।

रजिस्ट्री को मई 2009 से भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारम्भ किया हैं तथा रजिस्ट्री ने 31 मार्च, 2023 तक **22671** (बाईस हजार छह सौ इकहत्तर) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

15 सितम्बर, 2003 से अब तक कुल **475** (चार सौ पचहत्तर) भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) पंजीकृत किए गए हैं। कुल **15304** (पंद्रह हजार तीन सौ चार) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक कार्यालय ने **211** भौगोलिक उपदर्शन आवेदन व **9102** भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं। इनमें से **55** भौगोलिक उपदर्शन और **8218** भौगोलिक उपदर्शन अधिकृत आवेदन इसी अवधि के दौरान पंजीकृत किए गए हैं।

2. भौगोलिक उपदर्शन आवेदन:-

31 मार्च, 2023 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदन की स्थिति

दाखिल भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	1072
पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	475

31 मार्च, 2023 तक प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का स्थिति वार ब्यौरा

भौगोलिक उपदर्शन आवेदन पंजीकृत	475
भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्रक्रिया में हैं	464
विरोध के तहत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	02
भौगोलिक उपदर्शन आवेदन एवं अन्य निपटान	131
कुल भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त हुए	**1072**

31 मार्च, 2023 तक प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का स्थितिवार ब्यौरा

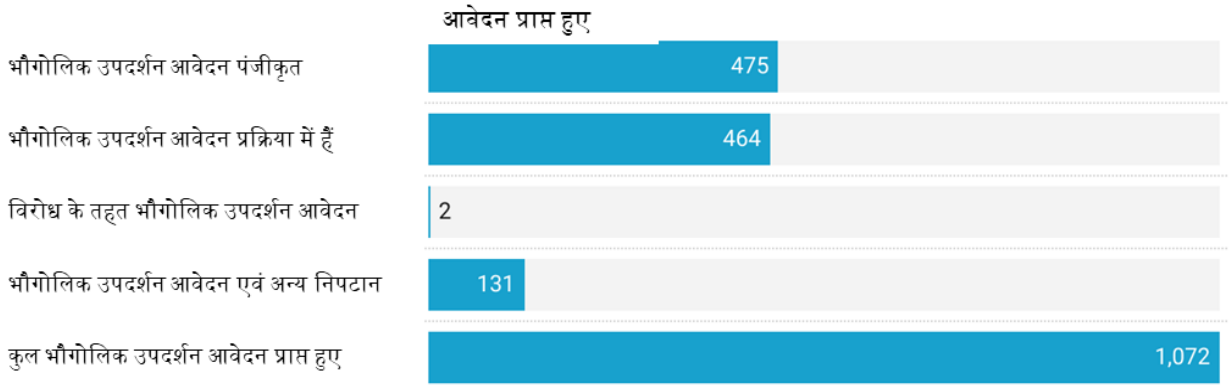

31 मार्च, 2023 तक दाखिल किए गए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का वर्ष वार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003-04	6
2004-05	29
2005-06	16
2006-07	33
2007-08	37
2008-09	44
2009-10	40
2010-11	27
2011-12	148
2012-13	24
2013-14	75
2014-15	47
2015-16	17
2016-17	32
2017-18	38
2018-19	32
2019-20	42
2020-21	58
2021-22	116
2022-23	211
कुल	**1072**

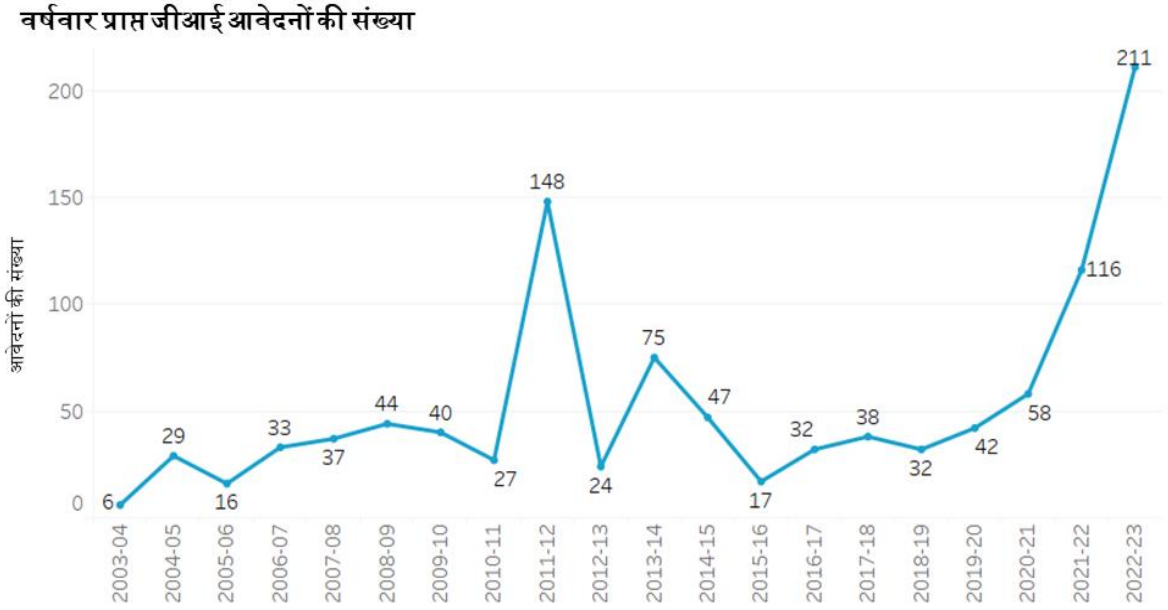

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 2(च) के अनुसार 31 मार्च, 2023 तक पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का वस्तुओं के अनुसार विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 2 (च) के अनुसार वस्तु	भौगोलिक उपदर्शन के लिए प्राप्त हुए आवेदन	पंजीकृत उपदर्शन की संख्या
हस्तकला (कपड़ा सहित)	494	252
कृषि	314	149
निर्मित	164	40
खाद्य सामग्री	85	31
प्राकृतिक	15	3
कुल	**1072**	**475**

जीआई अधिनियम, 1999 के 2 (एफ) धारा के अनुसार, माल के लिए जीआई आवेदन प्राप्त और पंजीकृत किए गए

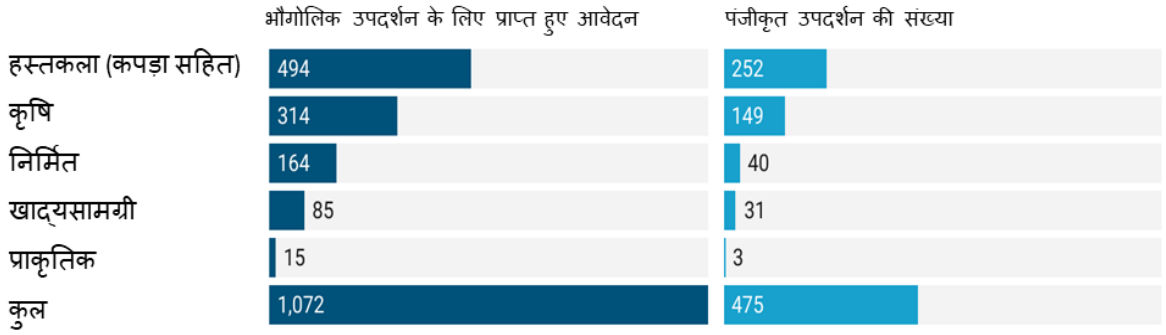

31 मार्च, 2023 तक राज्यवार पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन

राज्य/इकाई	पंजीकृत जीआई की संख्या
आंध्र प्रदेश	17
अरुणाचल प्रदेश	2
असम	11
बिहार	15
छत्तीसगढ	7
गोवा	5
गुजरात	17
हिमाचल प्रदेश	10
भारत (बहु राज्य) - (कर्नाटक और महाराष्ट्र)	1
भारत (केरल और तमिलनाडु)	1
भारत (केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु)	1
भारत - (महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश)	1
भारत (उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश)	1
भारत (मणिपुर और नागालैंड)	1
भारत - (महाराष्ट्र, गुजरात, दादरा और नगर हवेली, दमन दीव)	1
भारत (पंजाब / हरियाणा / हिमाचल प्रदेश / दिल्ली / उत्तराखंड / उत्तर प्रदेश / जम्मू और कश्मीर)	1
भारत (पंजाब, हरियाणा और राजस्थान)	1
भारत (आंध्र प्रदेश और ओडिशा)	1
भारत (कर्नाटक और केरल)	2
भारत (तेलंगाना और आंध्र प्रदेश)।	1
भारत (सिक्किम और पश्चिम बंगाल)	1
जम्मू एवं कश्मीर	9
झारखंड	1

कर्नाटक	44
केरल	35
लद्दाख	3
मध्य प्रदेश	20
महाराष्ट्र	31
मणिपुर	6
मेघालय	2
मिजोरम	7
नगालैंड	4
ओडिशा	17
पुदुचेरी	2
राजस्थान	15
सिक्किम	1
तमिलनाडु	55
तेलंगाना	16
त्रिपुरा	1
उतार प्रदेश	45
उत्तराखंड	8
पश्चिम बंगाल	21
भारत के अलावा अन्य देशों से	34
कुल	**475**

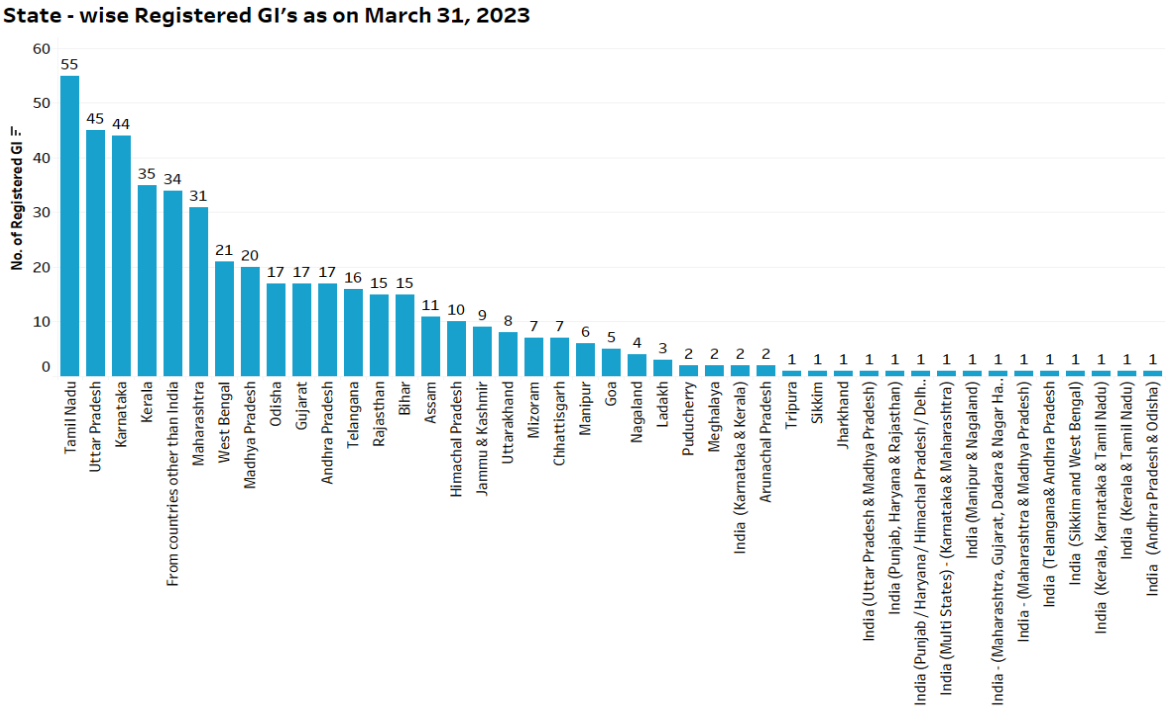

3. प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन:-

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त करने का प्रावधान **2003** से उपलब्ध था किन्तु मई **2009** से रजिस्ट्री ने भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त करना प्रारम्भ किया तथा रजिस्ट्री ने **31** मार्च, **2023** तक **22671** (बाईस हजार छह सौ इकहत्तर) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

31 मार्च, 2023 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्ष वार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003-04	0
2004-05	0
2005-06	0
2006-07	0
2007-08	0
2008-09	0
2009-10	101
2010-11	124
2011-12	145
2012-13	1070
2013-14	471
2014-15	262
2015-16	176
2016-17	1548
2017-18	823
2018-19	662
2019-20	1476
2020-21	966
2021-22	5745
2022-23	**9102**
कुल	**22671**

प्राप्त जीआई अधिकृत उपयोगकर्ता आवेदनों की वर्षवार संख्या

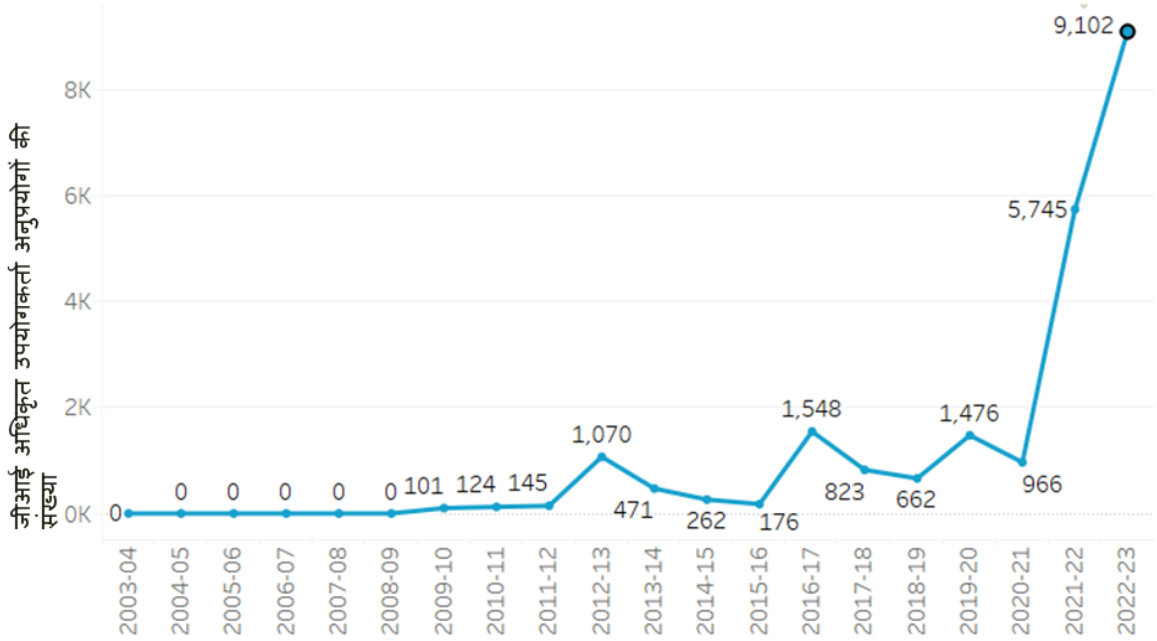

31 मार्च, 2022 तक भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	15304
परीक्षित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	3456
पूर्व-परीक्षित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	0
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	3833
विरोध के अधीन भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	2
विलय किए गए भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	26
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	**22671**

31 मार्च, 2023 तक भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वस्तुओं के अनुसार विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	**प्राप्त भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या**	**पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या**
हस्तकला (वस्त्र सहित)	10983	6092
कृषि	10998	8760
विनिर्मित	198	177
खाद्य पदार्थ	473	268

प्राकृतिक	19	7
कुल	**22671**	**15304**

31 मार्च, 2023 तक भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वस्तुओं के अनुसार विवरण

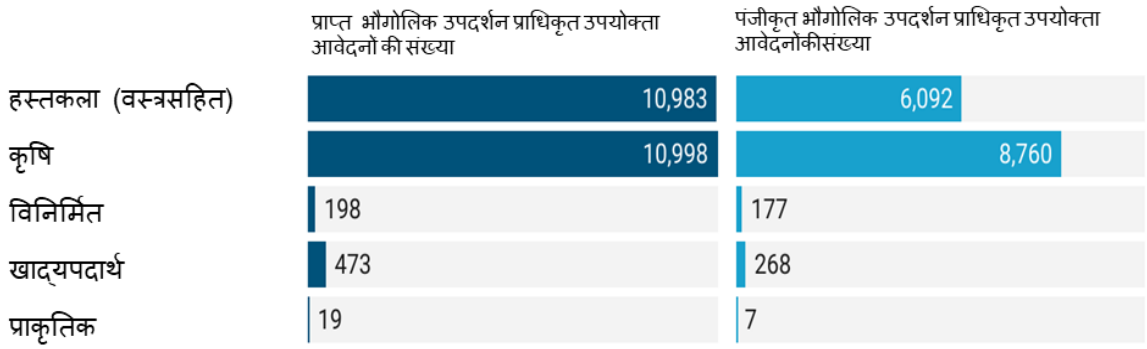

4. राजस्व:

भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के तहत बनाए गए नियम भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों और अन्य कार्यवाहियों से प्रतिवेदन वर्ष के दौरान भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री, चेन्नई कार्यालय को 13,68,000/- (तेरह लाख अड़सठ हजार रुपये मात्र) कुल राजस्व शुल्क के रूप में प्राप्त हुए।

अध्याय IX

कॉपीराइट

परिचय:

कॉपीराइट या प्रतिलिप्यधिकार किसी कार्य का मालिकाना अधिकार है जिससे वह कार्य के उपयोग को नियंत्रित कर सकता है व उसके उपयोग से आर्थिक रूप से लाभान्वित होता है। इस तरह के कार्य साहित्यिक (संकलन और सॉफ्टवेयर सहित), नाटकीय, संगीत, कलात्मक, सिनेमैटोग्राफ फिल्मों और साउंड रिकॉर्डिंग के रूप में मानव मस्तिष्क का निर्माण हैं।

प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत प्रतिलिप्यधिकार का प्रशासन किया जाता है, जिसमें समय-समय पर संशोधन करके विधि को तीव्र विकास के अनुरूप बनाया गया है।

1. प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय:

प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय की स्थापना 1958 में प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 9(1) के तहत की गई थी। प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय का मुख्य कार्य प्रतिलिप्यधिकार का पंजीकरण करना है। प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय द्वारा बनाए रखा गया प्रतिलिप्यधिकार का रजिस्टर प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम 1957 के तहत पंजीकृत कार्यों के बारे में आम जनता को जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा,प्रतिलिप्यधिकार के रजिस्टर का निरीक्षण, विवरण में परिवर्तन, उससे उद्धरण लेना, प्रतिलिप्यधिकार का प्रशासन जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। कॉपीराइट सोसायटी आदि भी प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय के क्षेत्राधिकार में हैं। सीजीपीडीटीएम को प्रतिलिप्यधिकार के पदेन रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय ने पंजीकरण के लिए प्राप्त आवेदन के विरुद्ध ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करने की सुविधा शुरू की है। आवेदक सुनवाई के समय आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा कर सकता है। जैसा कि प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम , 1957 की धारा 13 के तहत प्रदान किया गया है ,प्रतिलिप्यधिकार कार्यों के निम्नलिखित वर्गों में मौजूद है।

(i) मूल साहित्यिक ,नाटकीय ,संगीतमय और कलात्मक कृतियाँ;
(ii) सिनेमैटोग्राफ़िक फ़िल्में ;और
(iii) ध्वनि रिकॉर्डिंग।

प्रतिलिप्यधिकार किसी कार्य का निर्माण होते ही अस्तित्व में आ जाता है और प्रतिलिप्यधिकार प्राप्त करने के लिए किसी औपचारिकता को पूरा करने की आवश्यकता नहीं होती है। हालाँकि, प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम की धारा 48 के अनुसार, प्रतिलिप्यधिकार के पंजीकरण का प्रमाण पत्र और उसमें दर्ज की गई प्रविष्टियाँ विधिक न्यायालय में प्रतिलिप्यधिकार के स्वामित्व से संबंधित विवाद के संदर्भ में प्रथम दृष्टया साक्ष्य के रूप में काम करती हैं।

आवेदन पत्र, शुल्क संरचना, प्रतिलिप्यधिकार नियम, 2013 के संबंधित उद्धरण सहित पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में विवरण, प्रतिलिप्यधिकार की आधिकारिक वेबसाइट, अर्थात http://copyright.gov.in पर उपलब्ध हैं।

2. प्रतिलिप्यधिकार का स्वामित्व:

प्रतिलिप्यधिकार कानून द्वारा प्रदत्त अधिकार विशिष्ट हैं यद्यपि ये सीमित अवधि के लिए हैं। ऐसे कार्य का कार्य के स्वामी के प्राधिकार/अनुमति के बिना कोई भी उपयोग प्रतिलिप्यधिकार का उल्लंघन माना जा सकता है (प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम के तहत कुछ सीमाएँ और अपवाद प्रदान किए गए हैं।) कानून यह भी सुनिश्चित करता है कि एक बार विशेष अधिकार रखने की अवधि समाप्त हो जाने पर, आम जनता को कार्य तक सहज पहुंच मिलनी चाहिए।

3. प्रतिलिप्यधिकार सोसायटी:

भारत में पंजीकृत प्रतिलिप्यधिकार सोसायटी निम्नलिखित हैं:

- इंडियन परफॉर्मिंग राइट्स सोसाइटी (आईपीआरएस) - ऐसे संगीत कार्यों से जुड़े संगीत और साहित्यिक कार्यों के लिए।
- भारतीय रिप्रोग्राफ़िक अधिकार संगठन (आईआरआरओ) - फोटोग्राफी कार्यों के लिए।
- इंडियन सिंगर्स राइट्स एसोसिएशन (आईएसआरए) - गायकों के कलाकारों के अधिकारों और उनसे जुड़ी अन्य सहायक गतिविधियों के लिए।
- रिकॉर्डेड म्यूजिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (आरएमपीएल) - ध्वनि रिकॉर्डिंग कार्यों के लिए।

4. अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/संधि/समझौते:

विदेशों में भारतीय कार्यों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए, भारत प्रतिलिप्यधिकार और संबंधित अधिकारों पर निम्नलिखित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सदस्य बना हुआ है:

- बर्न कन्वेन्शन फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ लिटररी एंड आर्टिस्टिक वर्क्स,
- यूनिवर्सल कॉपीराइट कन्वेन्शन,
- ट्रेड रिलेटिड एस्पेक्ट्स ऑफ इंटलेक्चुयल प्रॉपर्टी राइट्स (ट्रिप्स) समझौता,
- मरक्केश ट्रीटी टू फेसिलिटेट एक्सेस टू पब्लिश्ड वर्क्स बाय विज़ुयली इंपेयर्ड पर्सन्स एंड प्रिंट डिसेबिलिटीज़,
- वायपो कॉपीराइट ट्रीटी (डबल्यूसीटी),
- वायपो परफोरमन्सेस एंड फोनोग्राम्स ट्रीटी (डबल्यूपीपीटी)

5. नव गतिविधियां:

भारत सरकार ने दिनांक 30 मार्च, 2021 के जीएसआर 225(ङ) के अंतर्गत राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से प्रतिलिप्यधिकार (संशोधन) नियम, 2021 को अधिसूचित किया है। संशोधन निम्नलिखित महत्वपूर्ण बदलाव लाया है:

- प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय की वेबसाइट पर प्रतिलिप्यधिकार जर्नल के प्रकाशन के संबंध में एक नया प्रावधान लाया गया है, जिससे आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की आवश्यकता समाप्त हो गई है।
- सॉफ़्टवेयर कार्यों के पंजीकरण के लिए अनुपालन आवश्यकताओं को काफी हद तक कम कर दिया गया है, जिसमें आवेदक स्रोत कोड के पहले10 और अंतिम10 पृष्ठ, या 20 पृष्ठों से कम होने पर संपूर्ण स्रोत कोड दाखिल कर सकता है, जिसमें कोई ब्लॉक्ड या संशोधित भाग न हो।
- प्रतिलिप्यधिकार सोसायटी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक पारदर्शिता रिपोर्ट तैयार करने और सार्वजनिक करने की आवश्यकता होगी।
- जवाबदेही और पारदर्शिता को प्रोत्साहित करने के लिए, अवितरित रॉयल्टी राशि से निपटने और रॉयल्टी के संग्रह और वितरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक और ट्रेस करने योग्य भुगतान विधियों के उपयोग के प्रावधान पेश किए गए हैं।

6. प्रतिलिप्यधिकार में रुझान:

प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय ने उपयोगकर्ताओं की पारदर्शिता और डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ाने के अपने प्रयास में "प्रतिलिप्यधिकार सोसायटी के पंजीकरण/नवीनीकरण फॉर्म **(VIII)** और फॉर्म **(IX)"** और "परफॉर्मर्स सोसायटी के पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए (फॉर्म **XI)** और (फॉर्म **XII)"** के लिए ई-फाइलिंग सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है।

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 29466 आवेदन प्राप्त हुए और 24896 आवेदन परीक्षित किए गए। परीक्षण के दौरान पाई गई विसंगतियों को सुधार के लिए आवेदकों को सूचित किया गया। 2022-23 में उत्पन्न रजिस्टर ऑफ सर्टिफिकेट (आरओसी) की संख्या 12082 रही। 2018-19 से 2022-23 तक के सांख्यिकीय आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

वर्ष	कुल प्राप्त आवेदन	कुल परीक्षित आवेदन	उत्पन्न रजिस्टर ऑफ सर्टिफिकेट (आरओसी)	कुल निपटान
19-2018	18250	22658	14625	25943
20-2019	21905	29670	16029	22516
21-2020	24451	21523	16399	19477
22-2021	30988	29106	20673	20820
23-2022	**29466**	**24896**	**12082**	**21171**

कॉपीराइट आवेदनों की प्रवृत्ति

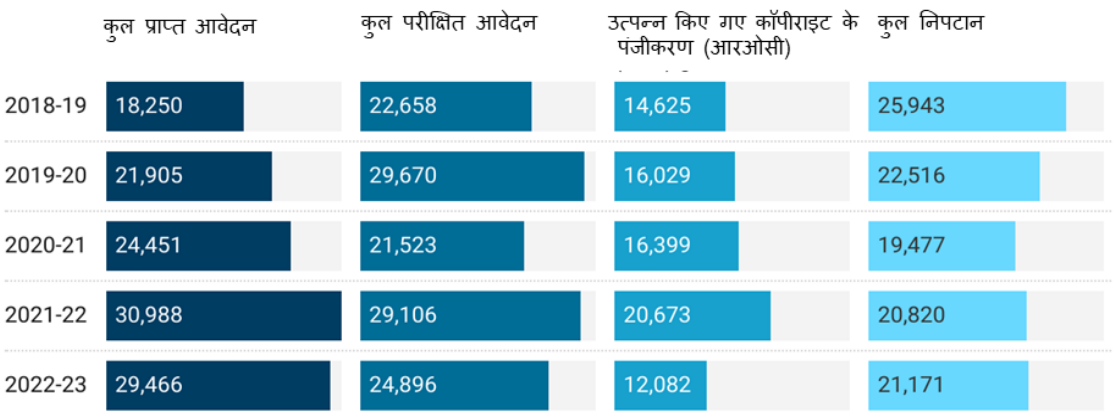

वर्ष 2022-23 के दौरान वर्गवार उत्पन्न रजिस्टर ऑफ सर्टिफिकेट (आरओसी)

क्र.सं.	वर्ग	आरओसी
1	कलात्मक	2965
2	सिनेमैटोग्राफ फिल्म	115
3	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	812
4	साहित्यिक/नाटकीय	7267
5	संगीत	35
6	ध्वनि रिकॉर्डिंग	888
	कुल	**12082**

वर्ष 2022-23 के दौरान वर्गवार उत्पन्न रजिस्टर ऑफ सर्टिफिकेट (आरओसी)

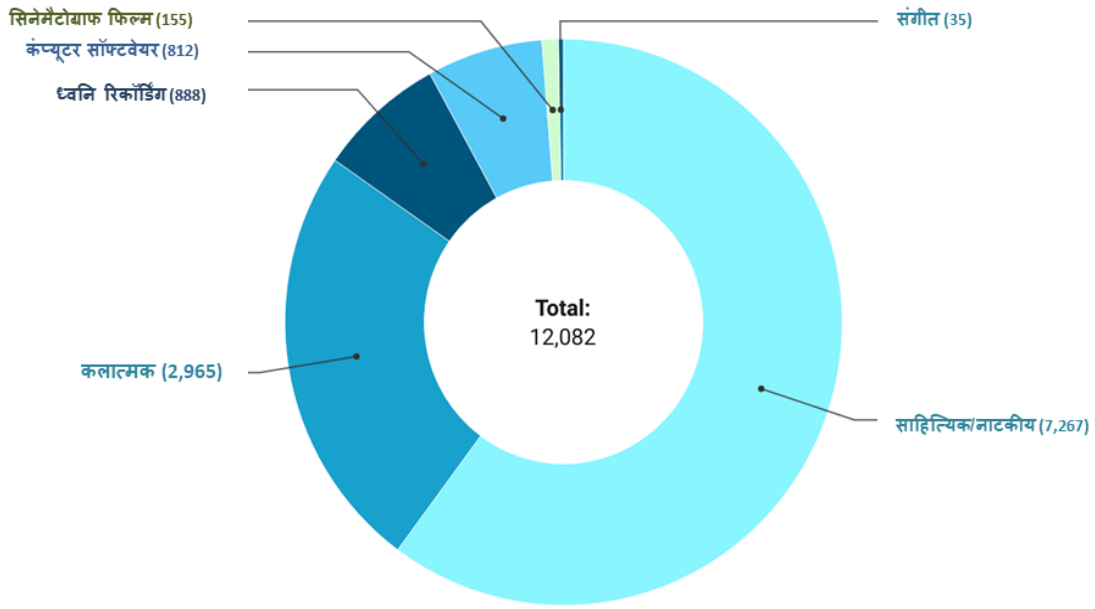

7. प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय की प्रमुख उपलब्धियाँ:

- ऑनलाइन आवेदन दाखिल करना कुल आवेदनों के 96% के स्तर पर पहुंच गया है।
- प्रतिलिप्यधिकार के रजिस्टर (फॉर्म XV) में दर्ज "प्रतिलिप्यधिकार के विवरण में परिवर्तन का पंजीकरण "के लिए ई-फाइलिंग सुविधा शुरू की गई है।
- "प्रतिलिप्यधिकार सोसायटी के पंजीकरण/नवीनीकरण (फॉर्म VIII) और (फॉर्म IX)" और "परफॉर्मर्स सोसायटी के पंजीकरण/नवीनीकरण (फॉर्म XI) और (फॉर्म XII)" के लिए ई-फाइलिंग सुविधा बनाई गई है।
- प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय के ई-फाइलिंग पोर्टल में गैर-कर रसीद पोर्टल शुरू किया जा रहा है।

- प्रतिलिप्यधिकार के लिए दाखिल प्रस्तावित कार्य के विरुद्ध तीसरे पक्ष की आपत्तियों के संबंध में कार्यालय द्वारा प्रतिलिप्यधिकार आधिकारिक वेबसाइट पर एक विंडो प्रदान करके एक नया प्रावधान पेश किया गया है, जिसमें प्रस्तावित आवेदक के विरुद्ध ऐसी आपत्तियां दर्ज की जा सकती हैं। इसे कागज बचाने और डिजिटल इंडिया अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हरित पहल के क्रम में पेश किया गया है।
- अवितरित रॉयल्टी से संबंधित प्रावधानों के संबंध में पारदर्शिता को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय आधिकारिक वेबसाइट पर एक रेडियो बटन प्रदान करने का प्रयास कर रहा है, जिसमें पंजीकृत सोसाइटी के विरुद्ध अनियमितताओं के विरुद्ध ऐसी आपत्तियां/शिकायतें पीड़ित सदस्य द्वारा दर्ज की जा सकती हैं।
- प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय ने पंजीकरण के लिए प्राप्त आवेदनों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई की सुविधा शुरू की है।

8. राजस्व:

प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 और नियमों के तहत प्रतिलिप्यधिकार आवेदनों और अन्य कार्यवाहियों के संबंध में शुल्क के माध्यम से वर्ष के दौरान प्रतिलिप्यधिकार कार्यालय से कुल राजस्व रु. 2,41,07,210/- (दो करोड़ इकतालीस लाख सात हजार दो सौ दस रुपये मात्र) अर्जित हुआ।

अध्याय-X

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

परिचय:

यह अध्याय अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम 2000 की धारा 88 के तहत अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री (एसआईसीएलडीआर) द्वारा की गई गतिविधियों के बारे में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (एसआईसीएलडी अधिनियम) अर्धचालक एकीकृत परिपथ (आईसी) डिजाइनों को संरक्षण प्रदान करता है। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अर्धचालकों, धातुओं, डाईइलेक्ट्रिक (इंसुलेटर) व अन्य सामग्री की कई परतों को मिलाकर सब-स्ट्रेट पर बनाए (फेब्रीकेट किए) जाते हैं। एसआईसीएलडी अधिनियम और नियम एकीकृत परिपथ अभिन्यास के रूप में इन परतों के त्रिआयामी विन्यास को संदर्भित करते हैं।

एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के पंजीकरण के लिए मानदंड यह है कि वह होना चाहिए:-

- मूल
- विशिष्ट
- किसी भी अन्य अभिन्यास डिजाइन से अलग होने में सक्षम
- भारत में अथवा किसी भी कन्वेंशन देश में कहीं भी व्यावसायिक रूप से उपयोग नहीं किया गया हो।

1. अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री (एसआईसीएलडीआर):

एकीकृत परिपथों के विन्यास डिजाइन संबंधी आवेदन बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के पंजीकरण के लिए रजिस्ट्री में दाखिल किए जाते हैं। इस रजिस्ट्री का क्षेत्राधिकार सम्पूर्ण भारत है। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन (एसआईसीएलडी) अधिनियम तथा एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन (एसआईसीएलडी) नियम, 2001 में निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार रजिस्ट्री एकीकृत परिपथ के विन्यास डिजाइन का परीक्षण करती है व अर्धचालक एकीकृत परिपथ के मूल विन्यास डिजाइन को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करती है।

अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम और अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का प्रशासन पूर्व में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के नियंत्रण में था, लेकिन 17 मार्च, 2016 की अधिसूचना द्वारा अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 और अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के प्रशासन को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग जिसका नाम अब उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) है, उसमें

स्थानांतरित कर दिया गया तथा कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के नियंत्रण में लाया गया। अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री अब बौद्धिक संपदा भवन, द्वारका नई दिल्ली से कार्य कर रही है।

2. उपलब्धियां:

प्रतिवेदन वर्ष 2022-23 के दौरान, आठ (08) सेमीकंडक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट लेआउट-डिज़ाइन आवेदन पंजीकरण के लिए प्राप्त हुए, और उनकी प्रारंभिक जांच पूरी हो गई है। साथ ही, वर्ष 2022-23 के दौरान दस (10) आवेदनों का परीक्षण किया गया, जिनकी स्वीकृति पर आपत्ति पत्र जारी किए गए। इसके अलावा, पंजीकरण के लिए तीन (03) आवेदन स्वीकार किए गए और विज्ञापित किए गए, और चार (04) आवेदन स्वीकार नहीं किए गए/परित्यक्त किए गए।

अब तक, अभिन्यास डिजाइन के लिए दो (2) पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं: (i) डिजाइन संख्या 1(I)/2013 भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के नाम से दिनांक 20 जनवरी, 2015, शीर्षक - "8 पोर्ट माइक्रो-कंट्रोलर (बीई.80501)"; तथा (ii) डिजाइन संख्या 2(I)/2016 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नाम से दिनांक 24 मई, 2016, शीर्षक - "50-60 गीगाहट्र्ज सब हार्मोनिक आईक्यू मिक्सर"।

प्रतिवेदन वर्ष 2022-23 तक चौदह (23) अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन आवेदन पंजीकरण हेतु दाखिल किए गए हैं।

3. एससीआईएलडी रजिस्ट्री की जनशक्ति संरचना

एससीआईएलडी रजिस्ट्री में निम्नलिखित पद अनुमोदित हुए हैं:

क्र. सं.	पदनाम	पद (पदों) की संख्या	ग्रेड पे के साथ पूर्व संशोधित वेतनमान
1.	पंजीकार	एक	पीबी4 + जीपी रु.8700
2.	तकनीकी अधिकारी	एक	पीबी2 + जीपी रु.5400
3.	निजी सचिव	एक	पीबी2 + जीपी रु.4600

अध्याय XI

राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) तथा पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस)

परिचय

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी गतिविधियाँ पिछले कई वर्षों से देश में निरंतर बढ़ रही हैं। आईपीआर के सृजन, उपयोग व सार्थक समुपयोजन में कई जटिल समस्याएं शामिल हैं। देश में आईपीआर संबंधित ज्ञान में सुधार लाने और आईपीआर में हितधारकों के कौशल को उन्नत करने हेतु राष्ट्रीय केंद्र की आवश्यकता को महसूस करते हुए भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, शोध और शिक्षण हेतु उच्च कोटि के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में नागपुर में राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) की स्थापना की गई है।आरजीएनआईआईपीएम –परीक्षक,एकस्व एवं अभिकल्प हेतु प्रशिक्षण, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय (आईपीओ) के अधिकारियों हेतु न्यायिक प्रशिक्षण, परीक्षक-व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन व अन्य आईपीओ अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा यह विभिन्न उपयोक्ता समुदायों हेतु बौद्धिक सम्पदा आईपी प्रशिक्षण/शिक्षण व आईपीआर प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

उद्देश्य:

आरजीएनआईआईपीएम की स्थापना देश में बौद्धिक संपदा (आईपी) व्यवस्था की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ राष्ट्रीय हितों की रक्षा हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ स्थापित किया गया है। वर्तमान में, आरजीएनआईआईपीएम का प्राथमिक उद्देश्य आईपी अधिकारियों व विभिन्न प्रकार के हितधारकों को प्रशिक्षण प्रदान करना एवं आईपीआर विषय में जागरूकता पैदा करना है।

समग्र उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

- बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की आंतरिक प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करना व उन्हें पूर्ण करना तथा बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति के उद्देश्यों को लागू करने हेतु विश्वविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों आदि में बौद्धिक सम्पदा जागरूकता पैदा करने व प्रशिक्षित आईपी जनशक्ति के सृजन हेतु सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- आईपी व्यावसायिकों, आईपी प्रबंधकों, अनुसंधान एवं विकास वैज्ञानिकों, सरकारी संस्थान व अन्य व्यक्तियों आदि जैसे आईपी उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण देना।
- आईपीआर पर अल्पकालिक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।

- आईपी उपयोगकर्ताओं जिनमें विश्वविद्यालय, शैक्षिक संस्थान और विभिन्न संगठन शामिल हैं उनके आईपी प्रणाली की सामान्य जागरूकता और समझ को बढ़ावा देना,
- बौद्धिक सम्पदा अधिकार के सृजन, वाणिज्यिकरण और प्रबंधन में शामिल हितधारकों- उपयोक्ता समुदायों, सरकारी कर्मियों आदि को आधारभूत शिक्षा देना।
- देश में सभी प्रकार के बौद्धिक सम्पदा हितधारकों के लिए व प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर आईपीआर के प्रशिक्षण और शिक्षण की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना।

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

आरजीएनआईआईपीएम बौद्धिक संपदा अधिकारों अर्थात पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न, भौगोलिक उपदर्शन, कॉपीराइट एवं एसआईसीएलडी आदि के वास्तविक और संभावित उपयोगकर्ताओं की पेटेंट व अन्य आईपी प्रणाली की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। इनसे व्यावसायिक, स्टार्टअप-, विधि व्यवसाय, भावी पेटेंट आईपीआर अभिकर्ता(एजेंट), अनुसंधान एवं विकास संगठन, उद्योग, लघु व मध्यम उद्यमी, विद्याविद, केन्द्रीय /राज्य सरकारी /सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, वैयक्तिक आविष्कारक गण लाभान्वित होते हैं।

आरजीएनआईआईपीएम निम्नलिखित के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है :

- नवनियुक्त आईपीओ के अधिकारी,
- आईपीओ के अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या कार्यक्रम,
- आईपीओ के अधिकारियों के लिए न्यायिक प्रशिक्षण,
- आईपी पर अल्पकालिक सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम,
- संस्थानों, संगठनों, आईपीआर से संबन्धित संगठनों के लिए बौद्धिक सम्पदा विषय पर कार्यशालाएँ/ संगोष्ठियाँ/ जागरूकता कार्यक्रम,
- वाइपो व अन्य संगठनों के साथ संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

2022-23 के दौरान उपलब्धियां

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 823 कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें से 1/2/3-दिन या 1-सप्ताह की अवधि के 41 भुगतान वाले ऑनलाइन और ऑफलाइन सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। आरजीएनआईआईपीएम द्वारा निपाम -1.0 (राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन) और निपाम -2.0 (राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन) के तहत हितधारकों के लाभ के लिए 773 ऑनलाइन/ऑफ़लाइन जागरूकता कार्यशालाएँ भी आयोजित की गई। प्रतिवेदन वर्ष में 01 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं 08 विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसका विवरण इस प्रकार है:

• ट्रेड मार्क्स और जीआई के नव नियुक्त परीक्षकों के लिए 5 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• अनुबंध के आधार पर नियुक्त टीएमआर के सुनवाई अधिकारियों के लिए 4 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• पेटेंट और डिज़ाइन के नियंत्रक के लिए 2-सप्ताह का डिज़ाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• आईपीओ प्रशासन/लेखा अधिकारियों के लिए 2 सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• ट्रेड मार्क्स और जीआई के नवनियुक्त सहायक रजिस्ट्रारों के लिए 2 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

• सभी आईपी अधिकारियों के लिए 1 दिवसीय लिंग संवेदीकरण कार्यक्रम।

• सीनियर रिसर्च एसोसिएट्स (एस. आर. ए), रिसर्च एसोसिएट्स (आर.ए) और यंग प्रोफेशनल्स (वाई.पी) के लिए 1-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम

• पेटेंट और डिज़ाइन के परीक्षकों, पेटेंट और डिज़ाइन के सहायक नियंत्रकों और पेटेंट और डिज़ाइन के उप नियंत्रकों के लिए 2 सप्ताह का न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।

	सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम						विभागीय प्रशिक्षण			सेमिनार / सार्वजनिक संस्थान के लिए कार्यशाला/ जागरूकता कार्यक्रम	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या	कुल
साल	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि												
	1 दिन	2 दिन	3 दिन	पांच दिन	6 दिन	2 सप्ताह	6 सप्ताह	1-21 दिन	(ऑन-जॉब) प्रशिक्षण				
2018-2019	16	14	3	4	6	2	--	6	--	39	2	5763	92
2019-2020	14	14	10	3	6	2	1	1	--	41	3	5655	95
2020-2021 (केवल ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम कोविड - 19 महामारी को देखते हुए	17	1	1	3	--	-	1	3	1	128	1	21077	156

आयोजित किए गए)													
2021-2022 (कोविड-19 महामारी को देखते हुए कई ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए)	12	19	8	9	--	1	1	3	--	358	2	79136	413
2022-2023	4	19	13	5	--	--	--	8	--	772	1	174217	822
कुल	**63**	**67**	**35**	**24**	**12**	**5**	**3**	**21**	**1**	**1338**	**9**	**285848**	**1578**

वर्ष 2018 -19 से 2022-23 तक आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

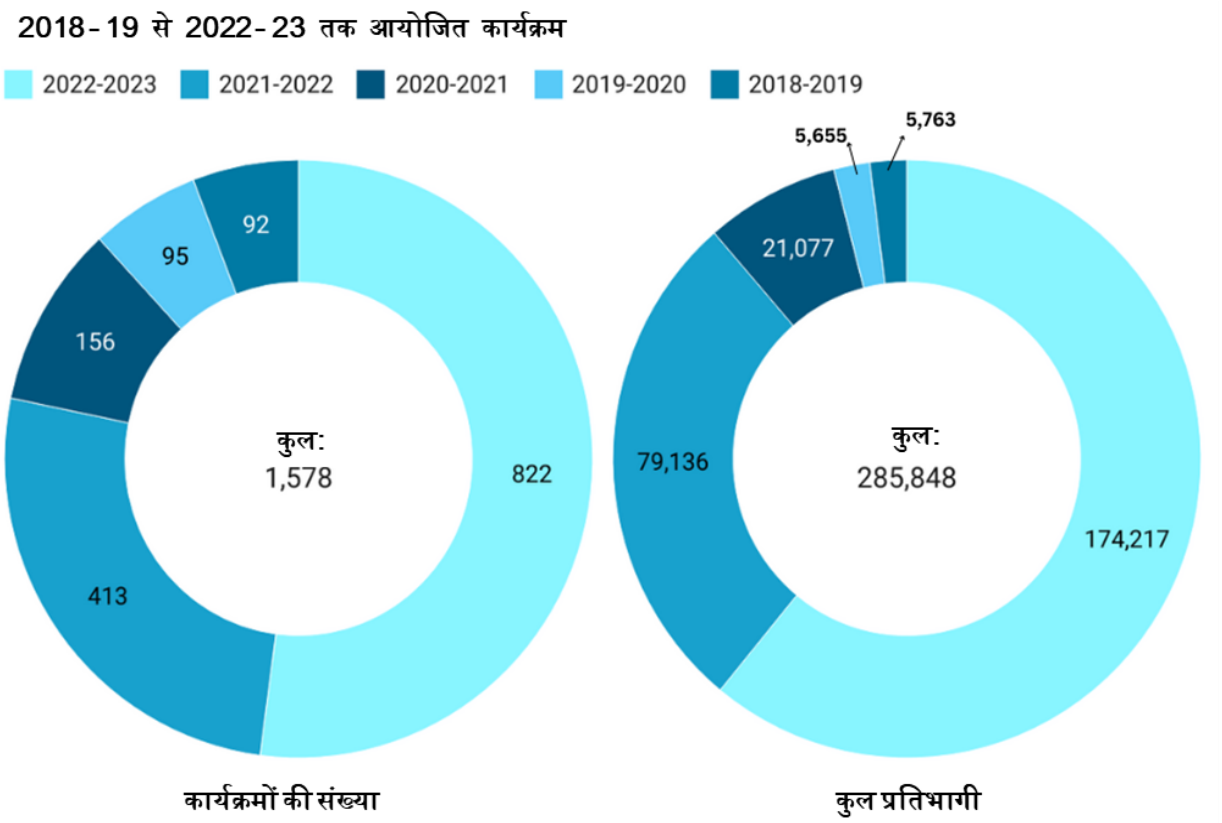

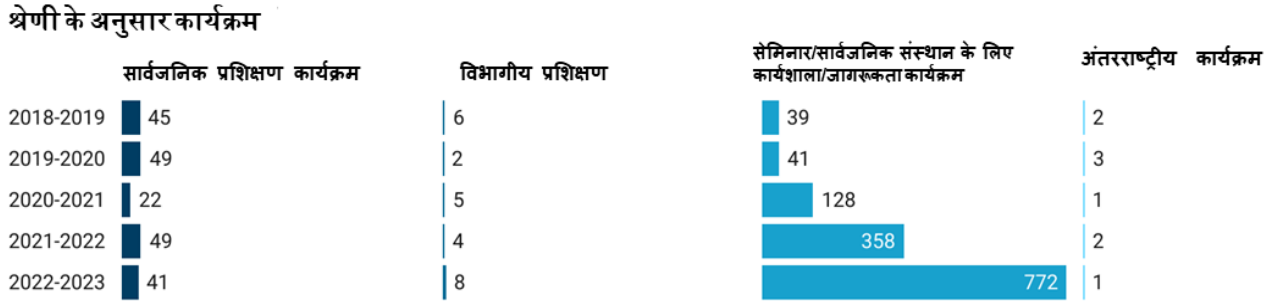

नोट :

- 2020-21 में कोविड-19 महामारी के प्रकोप कारण केवल ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- 2021-22 में कोविड-19 महामारी को देखते हुए कई ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य:

प्रशिक्षण के संकाय सदस्य के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री कार्यालय के बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधित विषय के विशेषज्ञ थे तथा देश के जाने-माने विभिन्न प्रसिद्ध संगठनों जिसमें आईपी न्यायवादी (अटॉर्नी), आईपी विशेषज्ञ आदि भी शामिल थे।

2022-23 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का विवरण:

क. विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम:

तिथि	विवरण
25 अप्रैल से 27 मई, 2022 तक	ट्रेड मार्क्स और जीआई के नवनियुक्त परीक्षकों- 51 प्रतिभागियों के लिए पांच सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम- संकाय सदस्य - श्री अभिषेक कुमार पांडे, श्री आशीष कुमार पांडे, श्री आर.ए तिवारी, सुश्री दीपमाला पी. मठपति, श्री प्रशांत भैरप्पनवार, श्री फिलिप अब्राहम, श्री दीपक परमार, श्री जगदीश स्वरूप, श्री अमित कुमार, श्री बी.सी राठौड़, श्री जी.आर राघवेंद्र , श्री अजय साहनी
2 मई से 27 मई 2022 तक	ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री के अनुबंध आधार पर नियुक्त सुनवाई अधिकारियों के लिए चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम - 29 प्रतिभागी। संकाय सदस्य- श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री योगेश रहांगाडाले, श्री अनिल धवास, श्री अविनाश प्रभुणे, श्री अभिषेक कुमार पांडे, श्री आशीष कुमार पांडे, श्री आर.ए तिवारी, सुश्री दीपमाला पी. मठपति, श्री प्रशांत भैरप्पनवार, श्री फिलिप अब्राहम, श्री दीपक परमार, श्री जगदीश स्वरूप, श्री अमित कुमार, श्री बी.सी राठौड़, श्री जीआर राघवेंद्र, श्री अजय साहनी
13 जून से 24 जून, 2022 तक	पेटेंट कार्यालय, चेन्नई में एकस्व और अभिकल्प नियंत्रकों के लिए डिज़ाइन प्रशिक्षण - 10 प्रतिभागी। संकाय सदस्य - श्री एम. ठाकुर, डॉ. ए. चटर्जी, डॉ. जे.के प्रधान, श्री बी. घोष
11 जुलाई से 22 जुलाई, 2022 तक	प्रशासन/वित्त से संबंधित आईपीओ स्टाफ के लिए 2-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम - 62 प्रतिभागी। संकाय सदस्य - श्री मनीष शुक्ला, श्री अर्ले हरि कुमार, सुश्री समीना खान, श्री बी. शिवकुमार, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री एल.वी शिंदे, डॉ. भास्कर उराडे, डॉ. श्रीमती सुनीता बेटगेरी, श्री तुषार इंगले, श्री रोहित कुमार, श्री अविनाश प्रभुणे, श्री जगन्नाथन, श्री अभिजीत केलकर, डॉ. प्रवीर वरदाकर, डॉ. मनोज कुमार
26 सितंबर से 7 अक्टूबर, 2022	ट्रेड मार्क्स और जीआई के नवनियुक्त सहायक रजिस्ट्रार - 17 प्रतिभागियों के लिए 2 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम। संकाय - डॉ. पवन कुमार पांडे, श्री अनिल कुमार शर्मा, श्री एस. के पांडे, श्री आर.ए तिवारी, डॉ. बीसी राठौड़, सुश्री रीमा अयंगर, श्री मोहम्मद हबीबुल्ला, डॉ. शैवाल सत्यार्थी, डा. पृथ्वीपाल कौर सिंधु, श्री योगेश पाई , सुश्री क्लिट्टी शाजू , श्रीमती. कयालविज़ी बी, श्री एन. बाबू
8 दिसंबर, 2022	आई.पी.ओ के लिए 1 दिवसीय लिंग संवेदीकरण ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम - 333 प्रतिभागी। संकाय सदस्य - श्री अनिल कुमार शर्मा, सुश्री समीना खान
12 दिसंबर से 16 दिसंबर, 2022	सीनियर रिसर्च एसोसिएट (एस.आरए), रिसर्च एसोसिएट (आर.ए) और यंग प्रोफेशनल्स (वाई.पी.एस) के लिए 1-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम - 15 प्रतिभागी। संकाय- डॉ. दिनेश पाटिल, श्री विजय डोये, श्री पी.के. जैन, डॉ. जे.के. प्रधान, सुश्री क्लिट्टी शाजू, सुश्री दीपमाला पी. माथापति, श्री प्रशांत भैरप्पनवार, श्री. ए.पी.श्रीवास्तव, डॉ. पृथीपाल कौर सिद्धू, श्री एन. के मोहंती, श्री कमल सिंह गूंदली
15 दिसंबर से 28 दिसंबर, 2022 तक	उप नियंत्रकों, एकस्व और अभिकल्प, सहायक नियंत्रकों एकस्व और अभिकल्प और आईपीओ कार्यालय के पेटेंट और डिज़ाइन के परीक्षकों - 848 प्रतिभागियों के लिए बौद्धिक संपदा-पेटेंट विषय पर 2 सप्ताह का न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम। संकाय- डॉ. डब्लू.एम धुमाने, श्री एस.चन्द्रशेखरन, डॉ. तानिया सेबेस्टियन, श्री अनिल कुमार शर्मा, डॉ . के.एस कर्दम, डॉ . एस.के मित्रा , श्री मनीष शुक्ला, श्री डी. पी. एस परमार, श्री शिवम कौशिक, श्री अमन सिन्हा, श्री सत्येन्द्र कुमार पांडे, श्री एन.के मोहंती, डॉ. वी.के उन्नी , श्री अमोघ राय, डॉ. (प्रो.) उन्नत पी. पंडित

नवनियुक्त ट्रेडमार्क परीक्षक

ट्रेड मार्क्स के अनुबंध के आधार पर सुनवाई अधिकारी

बौद्धिक संपदा कार्यालय के स्टाफ के लिए प्रशासन/वित्त संबंधित प्रशिक्षण

टीएम एवं जीआई के नवनियुक्त सहायक रजिस्ट्रार

बौद्धिक संपदा कार्यालय के लिए लिंग संवेदीकरण ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

एस.आर.ए, आर.ए और वाई.पी.एस के लिए 1-सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम

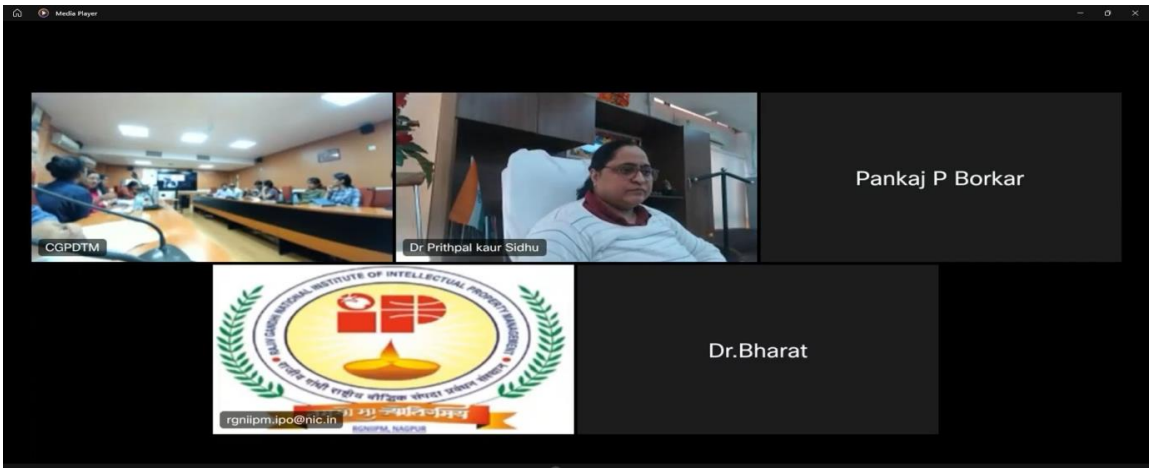

आईपीआर विषय पर 2 सप्ताह का न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

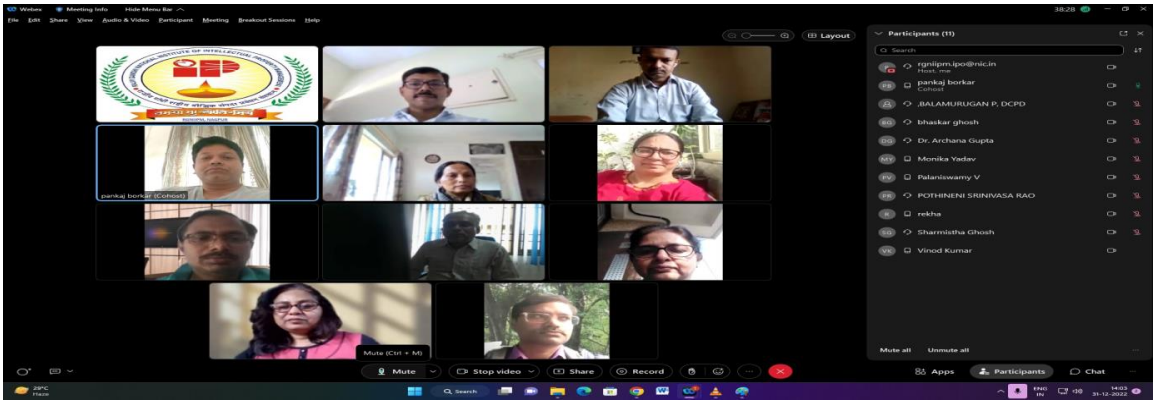

ख. वायपो-भारत प्रशिक्षण कार्यक्रम:

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने वाइपो अकादमी और एम एन एल यू, नागपुर के सहकार्यता से 23 मई से 4 जून, 2022 के दौरान आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर में दो सप्ताह के लिए ऑनलाइन वाइपो-इंडिया समर स्कूल का आयोजन किया है, जिसमें कुल 72 प्रतिभागियों ने उक्त वाइपो-इंडिया ऑनलाइन समर स्कूल में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय सदस्य थे - श्री डी. कैलब गेब्रियल, श्री अनंत पी. श्रीवास्तव, श्री एन के मोहंती, डॉ पी पी सिंह, डॉ. अनिंद्य सरकार, सुश्री सुन ह्वा ली, श्री आइजैक रुटेनबर्ग, श्री हेमन्त खोसला, डॉ दयानंद मूर्ति, डॉ. रमन मित्तल, श्री आर. ए. तिवारी, सुश्री दीपमाला पी. मठपति, श्री डी. एल. बारिक, श्री प्रशांत के. भैरप्पावर, डॉ. रागिनी खुबलकर, डॉ. एस. पी. राठौड़, सुश्री राजेश्वरी एच., श्री अजय पनवार, अभिवक्ता अनुपम त्रिवेदी, डॉ. के. वी. प्रभु, सुश्री नागरत्ना, डॉ. वी. के. उन्नी, डॉ. वी. सी. विवेकानन्दन, श्री एस. चन्द्रशेखरन, एडवोकेट हरि सुब्रमण्यम, सुश्री टोमोको मियामोतो, डॉ. टी. रामकृष्ण, डॉ. डब्ल्यू. एम. धुमाने, डॉ. नंदिनी सी. पी., श्री शिमंगा कोंगोलो श्री अधीश नार्गोलकर, सुश्री बिन्दु शर्मा, एडवोकेट अंकित साहनी, श्री फिलिप अब्राहम, डॉ. उनान्ज़ा गुलज़ार, एडवोकेट शैलेन्द्र भंडारे, डॉ. मोहन दीवान।

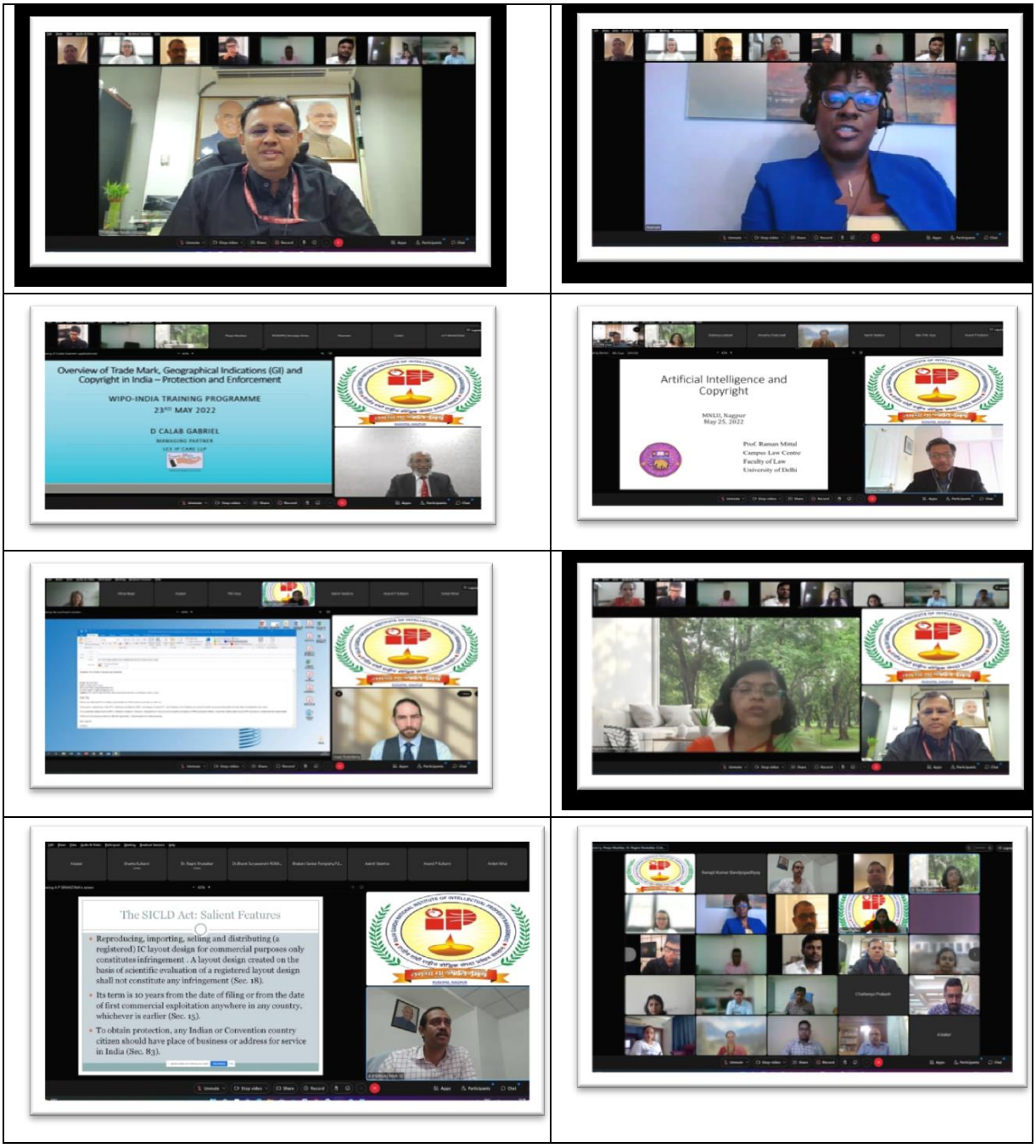

ग. सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम:

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने आम जनता के लिए बौद्धिक सम्पदा के विभिन्न पहलुओं जिनमें ये विषय शामिल हैं- आईपीआर का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट कार्यवाही, पेटेंट खोज सूचना और पेटेंट विनिर्देश का परिचय, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, आईपी लाइसेंसिंग की प्राथमिक जानकारी, समनुदेशन, मुक़दमेबाज़ी, फॉर्म व फीस, ई-फाइलिंग, पीसीटी प्रक्रिया,डिजाइन, व्यापार चिह्न, भौगोलिक उपदर्शन, एस.आई.सी.एल.डी.आर और कॉपीराइट प्रक्रिया आदि विषयों पर 1 दिवसीय, 2 दिवसीय, 3 दिवसीय एवं 5 दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए हैं।

28-30 जून, 2022 सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

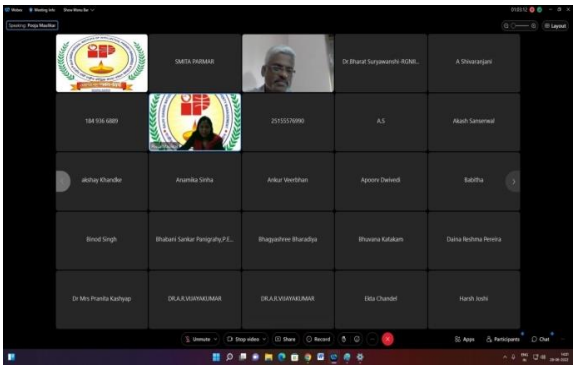

19-23 सितम्बर., 2022 सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

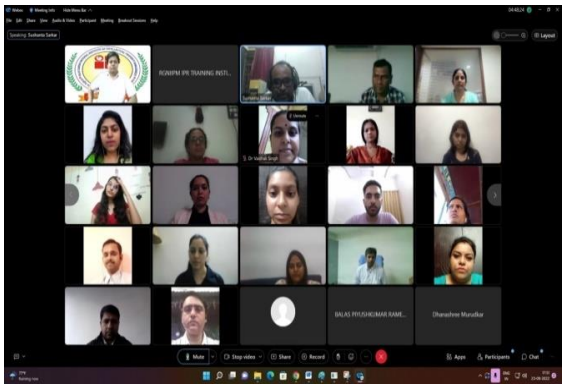

19-21 अक्टूबर, 2022 सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

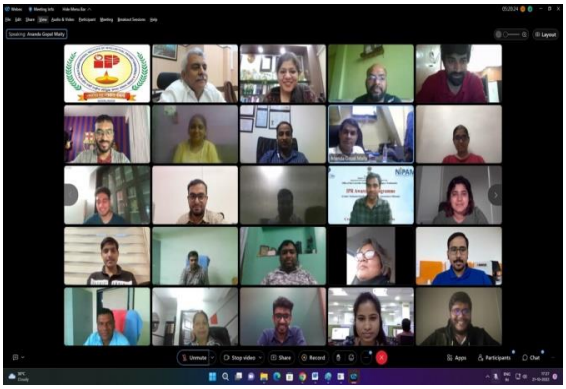

21-25 नवंबर, 2022 सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

13-17 दिसम्बर, 2022 (1 सप्ताह) सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

22-26अगस्त., 2022 सार्वजनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

i] **एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**:

1-दिवसीय कार्यक्रम में आईपीआर का संक्षिप्त परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट कार्यवाही, पेटेंट खोज सूचना और पेटेंट विनिर्देश का मसौदा तैयार करने पर संक्षिप्त परिचय तथा आईपी लाइसेंसिंग, समनुदेशन, मुकदमेबाजी, प्रवर्तन आदि विषयों पर प्राथमिक जानकारी शामिल है।

ii] **दो/तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**:

2/3-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, शामिल किए गए विषय बौद्धिक सम्पदा अधिकार का महत्व, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदनों के प्रकार, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, पेटेंट विनिर्देश का लेख, फॉर्म व फीस, ई-फाइलिंग, पीसीटी प्रक्रिया आदि विषय होते हैं। तीन दिन के प्रशिक्षण में, पेटेंट विनिर्देश व्यवहार, दावा मसौदा तैयार करने और उनकी व्याख्या, पेटेंट आवेदन दाखिल करने के व्यवहार और अन्य दस्तावेज भी शामिल किए गए हैं, उन पर विशेष फोकस दिया जाता है।

iii] **पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम**:

यह कार्यक्रम पेटेंट प्रणाली के सभी पहलुओं पर विस्तार से ध्यान केंद्रित करने के लिए आयोजित किया जाता है। यह कार्यक्रम इच्छानुसार 1/2/3/5 दिवसीय कार्यक्रमों में विभाजित करके भी आयोजित किया जाता है; ताकि यदि कोई अपनी रुचि के विषय के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना चाहे, तो वह उक्त दिनों का चयन कर सकता है। पेटेंट प्रणाली के सभी प्रमुख पहलू, अर्थात बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, आईपी प्रबंधन, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य व आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट विनिर्देश का लेख व दावे, पेटेंट विनिर्देश का प्रारूपन, विरोध, उल्लंघन, लाइसेंस, पेटेंट खोज आदि विषय इस कार्यक्रम में सम्मिलित किए जाते हैं।

iv] **2-सप्ताह का उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम**:

यह विशेष रूप से तैयार किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम उन व्यावसायिकों के लिए है जो आईपी के क्षेत्र में अपनी जीविका चुनने के इच्छुक हैं। यह कार्यक्रम विशेषज्ञ संकाय की सहायता से आईपीआर के सभी पहलुओं पर उनकी अवधारणाओं को स्पष्ट करने में उनकी मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम में सभी बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) जैसे पेटेंट, डिज़ाइन, व्यापार चिह्न, भौगोलिक उपदर्शन व कॉपीराइट आदि शामिल हैं, जिसमें भारत और विदेश में आवेदन दाखिल करना, पीसीटी अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों का प्रसंस्करण, पेटेंट विनिर्देश और दावे, विरोध, उल्लंघन, लाइसेंस, आईपीआर का वाणिज्यीकरण, आईपी प्रबंधन, आईपी खोज अभ्यास आदि विषय शामिल हैं।

2022-23 में आयोजित जन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण:

क्र. सं.	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या	संगठन
1	6-10 जून, 2022	50	यशवंत राव चव्हाण विज्ञान संस्थान, सतारा के लिए एक सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
2	24 जून, 2022	21	ऑनलाइन मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम
3	28-29 जून, 2022	6	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी दाखिल करने की प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
4	28-30 जून, 2022	99	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया/अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी दाखिल करने की प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन, यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया' पर 3-दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।

5	29-30 जून, 2022	17	'अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी फाइलिंग प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन, यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया' पर 2-दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम।
6	18-22 जुलाई, 2022	42	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया' पर एक सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी दाखिल करने की प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन; यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करना; ट्रेडमार्क फ़ाईलिंग करना और मैड्रिड (अंतर्राष्ट्रीय) फ़ाईलिंग दाखिल करना; भारत में जीआई और एसआईसीएलडी फाइलिंग'।
7	18-20 जुलाई, 2022	16	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया' पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी दाखिल करने की प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन; यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करना।
8	19-20 जुलाई, 2022	4	'अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी फाइलिंग प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करना
9	18-19 जुलाई, 2022	22	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी दाखिल करने की प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन'
10	20-21 जुलाई, 2022	5	यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करने पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; ट्रेडमार्क फ़ाईलिंग दाखिल करना और मैड्रिड (अंतर्राष्ट्रीय) आवेदन फ़ाईलिंग करना'
11	21-22 जुलाई, 2022	28	'ट्रेडमार्क फाइलिंग और मैड्रिड (इंटरनेशनल) फाइलिंग' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; भारत में जीआई और एसआईसीएलडी फाइलिंग'
12	19-21 जुलाई, 2022	2	'अंतरराष्ट्रीय पेटेंट आवेदन, पीसीटी फाइलिंग प्रक्रिया और कन्वेन्शनल पेटेंट आवेदन' पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करना; ट्रेडमार्क फ़ाईलिंग करना और मैड्रिड (अंतरराष्ट्रीय) फ़ाईलिंग करना'
13	20-22 जुलाई, 2022	2	यूएसपीटीओ, ईपीओ, जेपीओ जैसे अन्य देशों में पेटेंट दाखिल करने पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; ट्रेडमार्क फ़ाईलिंग दाखिल करना और मैड्रिड (अंतरराष्ट्रीय) फ़ाईलिंग करना; भारत में जीआई और एसआईसीएलडी फाइलिंग'
14	22 अगस्त, 2022	5	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, परीक्षण, फॉर्म भरने पर अभ्यास' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
15	22-23 अगस्त, 2022	4	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, परीक्षण, फॉर्म भरने पर अभ्यास' पर 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम; पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी'
16	22-24 अगस्त, 2022	6	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, परीक्षण, फॉर्म भरने पर अभ्यास'; पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी; पेटेंट खोज, आईपीसी, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास' आदि विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
17	22-26 अगस्त, 2022	33	आईपीआर पर एक सप्ताह का व्यावसायिक कौशल विकास कार्यक्रम
18	23 अगस्त, 2022	1	'पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

19	23-25 अगस्त, 2022	1	'पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी; पेटेंट खोज, आईपीसी, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास; पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन का व्यावहारिक अभ्यास' आदि विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
20	24-25 अगस्त, 2022	1	'पेटेंट खोज, आईपीसी, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास'; पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन का व्यावहारिक अभ्यास' आदि विषय पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
21	24-26 अगस्त, 2022	2	'पेटेंट खोज, आईपीसी, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास,' पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन का व्यावहारिक अभ्यास; पेटेंट की अन्य कार्यवाही जैसे अवधि, नवीनीकरण, पेटेंट की कार्यप्रणाली, विरोध आदि, पेटेंट व्यावसायीकरण' आदि विषयों पर 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम;
22	22 और 26 अगस्त, 2022	1	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, परीक्षण, फॉर्म भरने पर अभ्यास'; पेटेंट की अन्य कार्यवाही जैसे अवधि, नवीनीकरण, पेटेंट की कार्यप्रणाली, विरोध आदि, पेटेंट व्यावसायीकरण' आदि विषय पर 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
23	19-23 सितंबर, 2022	69	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की आवश्यकताएं, पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडीज'; पेटेंट पूर्व कला खोज, केस अध्ययन; पेटेंट दावा, केस अध्ययन; भारत में डिज़ाइन फ़ाइलिंग आवश्यकताएँ' खोज आदि विषयों पर एक सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
24	19-21 सितम्बर, 2022	6	'भारत में पेटेंट फाइलिंग आवश्यकताएँ, पेटेंट विशिष्टता, पेटेंट पूर्व कला खोज, केस अध्ययन' विषय पर 3-दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
25	21-23 सितम्बर, 2022	4	'पेटेंट प्रायर आर्ट सर्च, केस स्टडीज' पेटेंट दावा, केस अध्ययन; भारत में डिज़ाइन फ़ाइलिंग, खोज आवश्यकताएँ' आदि विषयों पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम;
26	19-20 सितंबर, 2022	6	'भारत में पेटेंट फाइलिंग आवश्यकताएँ, पेटेंट विशिष्टता, केस अध्ययन' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
27	20-21 सितंबर, 2022	1	'पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडीज; पेटेंट पूर्व कला खोज, केस अध्ययन, आदि विषयों पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम;
28	22-23 सितम्बर, 2022	11	'पेटेंट दावा, केस स्टडीज' पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम; भारत और खोज में डिज़ाइन फ़ाइलिंग आवश्यकताएँ'
29	21-22 सितंबर, 2022	1	'पेटेंट प्रायर आर्ट सर्च, केस स्टडीज' पेटेंट दावा, केस अध्ययन' आदि विषय पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम;
30	20-22 सितंबर, 2022	2	'पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडीज',पेटेंट पूर्व कला खोज, केस अध्ययन; पेटेंट दावा, केस अध्ययन' आदि विषयों पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
31	13-14 अक्टूबर, 2022	52	सी आर एम विश्वविद्यालय बेंगलुरु के लिए 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
32	19-21 अक्टूबर, 2022	114	'भारत में टीएम फाइलिंग आवश्यकताएं, टीएम विरोध, सुधार, केस अध्ययन, मैड्रिड टीएम फाइलिंग आवश्यकताएं, परीक्षण आदि विषयों पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
33	19-20 अक्टूबर, 2022	22	'भारत में टीएम फाइलिंग आवश्यकताएं, टीएम विरोध, सुधार, केस अध्ययन' आदि विषय पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
34	20-21 अक्टूबर, 2022	6	'टीएम विरोध, सुधार, केस अध्ययन, मैड्रिड टीएम फाइलिंग आवश्यकताएं, परीक्षण आदि विषय पर 2 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम
35	16 नवंबर, 2022	23	आरजीएनआईआईपीएम और आईसीएआर-सेंट्रल साइट्रस रिसर्च इंस्टीट्यूट, नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से 'आईपीआर: पेटेंट, डिजाइन और

			फाइलिंग प्रक्रिया' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
36	21-25 नवंबर, 2022	42	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की आवश्यकताएं, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, पेटेंट आवेदन का परीक्षण, महत्वपूर्ण फॉर्म भरने पर अभ्यास/पेटेंट विशिष्टता, केस अध्ययन/पेटेंट खोज, आईपीसी, कैसे खोज करें?, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास' / पेटेंट विशिष्टता का व्यावहारिक अभ्यास / दावा लेखन / पेटेंट व्यावसायीकरण, आईपी नीति आदि / भारत में कॉपीराइट दाखिल करने की आवश्यकताएं, भारत में डिजाइन दाखिल करने की आवश्यकताएं, पेटेंट की अन्य कार्यवाही जैसे अवधि, नवीनीकरण, पेटेंट का काम, विरोध आदि विषय पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम
37	24-25 नवंबर, 2022	1	'पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन के व्यावहारिक अभ्यास',पेटेंट की अन्य कार्यवाही जैसे अवधि, नवीनीकरण, पेटेंट का कार्य, विरोध आदि, पेटेंट व्यावसायीकरण, लाइसेंसिंग' आदि विषय पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम;
38	21-22 नवंबर, 22	4	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की आवश्यकताएं, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, पेटेंट आवेदन की जांच, महत्वपूर्ण फॉर्म भरने पर अभ्यास' पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी' आदि विषय पर 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम;
39	21-23 नवंबर, 2022	3	'भारत में पेटेंट दाखिल करने की आवश्यकता, पेटेंट योग्यता, फॉर्म, शुल्क, पेटेंट आवेदन की जांच, महत्वपूर्ण फॉर्म भरने पर अभ्यास' पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी; पेटेंट खोज, आईपीसी, कैसे खोजें, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास आदि विषय पर 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम; '
40	22-24 नवंबर, 2022	2	'पेटेंट विशिष्टता, केस स्टडी,पेटेंट खोज, आईपीसी, खोज कैसे करें, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास; पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन का व्यावहारिक अभ्यास आदि विषय पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
41	23-24 नवंबर, 2022	1	'पेटेंट खोज, आईपीसी, कैसे खोज करें, पूर्व कला खोज पर व्यावहारिक अभ्यास', पेटेंट विशिष्टता, दावा लेखन का व्यावहारिक अभ्यास आदि विषय पर 2-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

घ. आरजीएनआईआईपीएम द्वारा राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (निपम) और आईपीआर विषय पर कार्यशाला:

वर्ष 2022-23 के दौरान, आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने 772 आईपीआर कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें 172042 प्रतिभागियों को पेटेंट, डिजाइन, ट्रेड मार्क्स और आईपीआर के अन्य पहलुओं के महत्व को समझने के लिए प्रशिक्षण दिया गया था। राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (निपम) कार्यक्रम के तहत विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के लिए ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किए गए जिसमें छात्रों और संकायों ने भाग लिया। उक्त कार्यक्रम/कार्यशालाएँ वर्ष भर आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न संगठनों, संस्थानों एवं अन्य शैक्षणिक विभागों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी लाभान्वित हुए, जिनका विवरण इस प्रकार है:

तारीख	प्रतिभागी	संगठन
1 अप्रैल, 2022	505	विवेकानन्द कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी महिलाओं के लिए, तिरुचेंगोडे, तमिलनाडु
1 अप्रैल, 2022	156	वनस्पति विज्ञान विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय, डिचपल्ली, निज़ामाबाद
2 अप्रैल, 2022	34	ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल
4 अप्रैल, 2022	318	नंदुरबार तालुका विधायक समिति लॉ इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एजुकेशन एंड रिसर्च कॉलेज नंदुरबार, महाराष्ट्र

5 अप्रैल, 2021	150	डॉ. विश्वनाथ कराड एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे
6 अप्रैल, 2022	218	भारती विद्यापीठ का प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान, मुंबई
6 अप्रैल, 2022	87	बीके श्रॉफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स और एमएच श्रॉफ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, मुंबई
6 अप्रैल, 2022	165	यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (वाईसीसीई), नागपुर
6 अप्रैल, 2022	243	एमईएस गरवारे कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पुणे
7 अप्रैल, 2022	467	शिवप्रसाद सदानंद जयसवाल कॉलेज (कला, वाणिज्य एवं विज्ञान) अर्जुनी मोरगांव, गोंदिया
7 अप्रैल, 2022	192	केजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर
7 अप्रैल, 2022	25	आई.सी.एफ.ए.आई लॉ स्कूल, हैदराबाद
8 अप्रैल, 2022	181	मेडिकल बायोकैमिस्ट्री विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, तारामणि, चेन्नई
8 अप्रैल, 2022	23	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर) , मोहाली
8 अप्रैल, 2022	86	श्रीमती किशोरीताई भोयर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कैम्पटी, नागपुर
9 अप्रैल, 2022	74	आण्विक जीवविज्ञान और जेनेटिक इंजीनियरिंग विभाग, आरटीएमएनयू, नागपुर
11 अप्रैल, 2022	122	सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी , पुणे
11 अप्रैल, 2022	261	मनोहरभाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गोंदिया
11 अप्रैल, 2022	199	अर्थशास्त्र विभाग, श्री रेणुकादेवी कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, माहुर, नांदेड़
12 अप्रैल, 2022	59	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा
12 अप्रैल, 2022	169	महिला कला, वाणिज्य एवं गृह विज्ञान महाविद्यालय, जलगांव
13 अप्रैल, 2022	316	गोखले एजुकेशन सोसायटी का एनबी ठाकुर लॉ कॉलेज, नासिक
13 अप्रैल, 2022	463	कर्पगम एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
13 अप्रैल, 2022	82	डॉ. डीवाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे
13 अप्रैल, 2022	177	दादासाहेब बालपांडे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, नागपुर
18 अप्रैल, 2022	306	आरएसआर रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई
18 अप्रैल, 2022	365	गवर्नमेंट लोचन प्रसाद पांडे महाविद्यालय, सारंगढ़, रायपुर, छत्तीसगढ़
19 अप्रैल, 2022	140	सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, सतपाला, मुंबई
19 अप्रैल, 2022	277	निर्मला महिला कॉलेज, कोयंबटूर
19 अप्रैल, 2022	75	श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, मध्य प्रदेश
19 अप्रैल, 2022	295	निर्मला महिला कॉलेज, कोयंबटूर
20 अप्रैल, 2022	908	संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती
21 अप्रैल, 2022	163	रेवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु
21 अप्रैल, 2022	151	स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, फिल्म एंड टेलीविजन स्टडीज, मेरठ
21 अप्रैल, 2022	269	कृषि महाविद्यालय, फ़तेहपुर शेखावाटी, सीकर, राजस्थान
22 अप्रैल, 2022	159	जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, गुड़गांव
22 अप्रैल, 2022	244	मॉडल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोट भलवाल, जम्मू
22 अप्रैल, 2022	120	जी वेंकटस्वामी नायडू कॉलेज, कोविलपट्टी, तमिलनाडु
22 अप्रैल, 2022	172	वीएसपीएम कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, नागपुर
26 अप्रैल, 2022	68	जेडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, नागपुर
26 अप्रैल, 2022	145	श्रीमती किशोरीताई भोयर कॉलेज ऑफ फार्मेसी कामती, नागपुर
26 अप्रैल, 2022	60	आण्विक जीवविज्ञान और जेनेटिक इंजीनियरिंग विभाग, आरटीएमएनयू, नागपुर
26 अप्रैल, 2022	215	एल.डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद
26 **अप्रैल**, 2022	328	सौराष्ट्र विश्वविद्यालय स्टार्ट-अप और उद्यमिता परिषद, गुजरात
27 अप्रैल, 2022	109	श्री दादाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस इंदौर रोड, खंडवा, मध्य प्रदेश
27 अप्रैल, 2022	466	जैनसंस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर

27 अप्रैल, 2022	258	मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी (एम.ए.एच.ई), मणिपाल, कर्नाटक
28 अप्रैल, 2022	253	उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी
28 अप्रैल, 2022	97	लखीमपुर कॉमर्स कॉलेज, असम
28 अप्रैल, 2022	69	डॉ. अम्बेडकर महाविद्यालय, दीक्षा भूमि, नागपुर
28 अप्रैल, 2022	224	मैट्स यूनिवर्सिटी, आरंग, रायपुर, छत्तीसगढ़
29 अप्रैल, 2022	119	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर, झारखंड
29 अप्रैल, 2022	37	निलिस टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड, बेंगलुरु
29 अप्रैल, 2022	203	जी.एच रायसोनी स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, नागपुर
29 अप्रैल, 2022	150	हिस्लाप कॉलेज, नागपुर
29 अप्रैल, 2022	349	स्कूल ऑफ स्टडीज इन इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर
30 अप्रैल, 2022	119	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
2 मई, 2022	161	कामधेनु विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
2 मई, 2022	87	भिवराबाई सावंत प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे
2 मई, 2022	519	श्री बिंजानी सिटी कॉलेज, नागपुर
2 मई, 2022	361	विवेकानन्द कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुचेंगोडे, तमिलनाडु
4 मई, 2022	81	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, अवसारी, पुणे
4 मई, 2022	205	आई.ई.ई.ई छात्र शाखा, श्रीनिवास विश्वविद्यालय, मंगलुरु, कंप्यूटर विज्ञान और सूचना विज्ञान महाविद्यालय (सीसीआईएस)
5 मई, 2022	444	गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हरियाणा
5 मई, 2022	97	ताई गोलवलकर साइंस कॉलेज, रामटेक, नागपुर
6 मई, 2022	116	आबासाहेब गरवारे कॉलेज, पुणे
6 मई, 2022	58	कैरियर कॉलेज, भोपाल
6 मई, 2022	398	श्री बालाजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बी.आई.एच.ई.आर, क्रोमपेट, चेन्नई
6 मई, 2022	142	नटवरलाला मणिकलाला दलाल कॉलेज ऑफ आर्ट्स कॉमर्स लॉ एंड मैनेजमेंट, एनएमडी कॉलेज गोंदिया
6 मई, 2022	30	वसंतराव नाइक राज्य कृषि विस्तार प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर
10 मई, 2022	167	आई.आई.एम.टी यूनिवर्सिटी, मेरठ, यूपी
11 मई, 2022	93	रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मेरठ
12 मई, 2022	116	कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (KISS), भुवनेश्वर, ओडिशा
12 मई, 2022	259	गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर
13 मई, 2022	98	रायपुर प्रौद्योगिकी संस्थान, भिलाई
13 मई, 2022	69	शहीद ज्ञान तिम्या जिला परिषद हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, गोरेगांव, गोंदिया
13 मई, 2022	30	रक्षा उद्योग के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम, एनएडीपी, नागपुर
13 मई, 2022	185	लायलपुर खालसा कॉलेज, जालंधर, पंजाब
17 मई, 2022	345	बल्लारपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चंद्रपुर
17 मई, 2022	104	डिगबोई महिला महाविद्यालय, असम
18 मई, 2022	113	सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
18 मई, 2022	109	एक्मन बिजनेस स्कूल, नोएडा
18 मई, 2022	222	प्रत्युषा इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुवल्लूर, तमिलनाडु
19 मई, 2022	322	मातोश्री विमलाबाई देशमुख महाविद्यालय, अमरावती
19 मई, 2022	128	नेवजाबाई हितकर्णी कॉलेज, ब्रम्हपुरी, महाराष्ट्र
20 मई, 2022	139	मरुधर केसरी जैन महिला कॉलेज, वानीयंबडी, तमिलनाडु

23 मई, 2022	153	एसडीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसडीएमसीईटी), धारवाड़, कर्नाटक
23 मई, 2022	106	इंदिरा गांधी सीनियर कॉलेज, सिडको, नांदेड़
24 मई, 2022	156	वसंतराव नाइक गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज (मॉरिस कॉलेज), नागपुर
24 मई, 2022	296	बापटला कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बापटला, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
24 मई, 2022	102	पेरियार कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
25 मई, 2022	151	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस स्टडीज (आई.आई.बी.एस), बेंगलुरु
25 मई, 2022	268	कलासलिंगम एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन, तमिलनाडु
26 मई, 2022	303	एसएन मोर कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स एंड श्रीमती जीडी सराफ साइंस कॉलेज, तुमसर, महाराष्ट्र
26 मई, 2022	237	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, विल्लुपुरम, चेन्नई
27 मई, 2022	244	नंदिनी नगर महाविद्यालय फार्मेसी कॉलेज, गोंदिया
27 मई, 2022	255	जीएचएच खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, लुधियाना, पंजाब
30 मई, 2022	106	ए.ए.एफ.टी यूनिवर्सिटी ऑफ मीडिया एंड आर्ट्स, रायपुर, छत्तीसगढ़
30 मई, 2022	114	पीजी और आईसी रिसर्च के लिए जीएच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
31 मई, 2022	439	मयूरभंज स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (एम.एस.ई), लक्ष्मीपोसी, भुवनेश्वर
31 मई, 2022	103	संताजी महाविद्यालय, नागपुर
31 मई, 2022	90	बद्रुका कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड आर्ट्स, काचीगुडा, हैदराबाद
3 जून, 2022	141	एच.आई.एम.टी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, ग्रेटर नोएडा
6 जून, 2022	143	अविनाश कॉलेज ऑफ कॉमर्स, कुकटपल्ली, हैदराबाद
6 जून, 2022	61	गोकाराजू रंगाराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जीआरआईईटी), हैदराबाद
6 जून, 2022	62	एटीओस फाउंडेशन ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, पुणे
7 जून, 2022	308	नवसह्याद्री एजुकेशन सोसाइटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (एन.ई.एस.जी.आई), पुणे
8 जून, 2022	221	केएसआरएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कडपा, आंध्र प्रदेश
8 जून, 2022	251	देव समाज कॉलेज फॉर वुमेन, चंडीगढ़
8 जून, 2022	246	एसडी कॉलेज, होशियारपुर, पंजाब
9 जून, 2022	110	कंबन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस फॉर वुमेन, तिरुवन्नमलाई, तमिलनाडु
9 जून, 2022	87	साधु वासवानी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज फॉर गर्ल्स, पुणे
9 जून, 2022	183	जीएचजी खालसा कॉलेज, गुरुसर सधार, लुधियाना
10 जून, 2022	224	विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर
10 जून, 2022	86	गोवा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गोवा
10 जून, 2022	68	दिगंबरराव बिंदू कॉलेज, भोकर, नांदेड़
13 जून, 2022	99	आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, सिकंदराबाद
13 जून, 2022	90	सुराणा कॉलेज, बेंगलुरु
13 जून, 2022	176	एसएनएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर
14 जून, 2022	141	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा
15 जून, 2022	509	तात्यासाहेब कोरे इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, वारननगर, कोल्हापुर
15 जून, 2022	102	श्री सारदा महिला कॉलेज, सेलम, तमिलनाडु
15 जून, 2022	184	मीनाक्षी महिला कॉलेज, चेन्नई
15 जून, 2022	290	आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा

15 जून, 2022	35	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
16 जून, 2022	21	रक्षा उद्योग, एन.ए.डीपी, नागपुर के लिए कार्यकारी विकास कार्यक्रम
16 जून, 2022	75	शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, नागपुर
16 जून, 2022	243	हिंदू कॉलेज ऑफ फार्मेसी, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
16 जून, 2022	31	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अरियुर, पुडुचेरी
16 जून, 2022	234	डॉ. एन.जी.पी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
16 जून, 2022	154	टेरना पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट (TERNA) कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानाबाद, औरंगाबाद
17 जून, 2022	283	स्कूल ऑफ लॉ, मानव रचना विश्वविद्यालय, फ़रीदाबाद
17 जून, 2022	493	जी नारायणअम्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, हैदराबाद
17 जून, 2022	256	श्री सनातन धर्म गर्ल्स कॉलेज, बठिंडा
20 जून, 2022	21	रक्षा उद्योगों के लिए दूसरा कार्यकारी विकास कार्यक्रम, एन.ए.डीपी, नागपुर
20 जून, 2022	145	एस.बी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च, नागपुर
20 जून, 2022	340	सेंट फ्रांसिस कॉलेज, बेंगलुरु
20 जून, 2022	517	थेइवानई अम्मल कॉलेज फॉर वुमेन, विल्लुपुरम, तमिलनाडु
21 जून, 2022	132	सत्यबामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई
21 जून, 2022	80	गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज फॉर वुमेन, चंडीगढ़
21 जून, 2022	425	एस.एन.एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड हेल्थ साइंस, कोयंबटूर
22 जून, 2022	367	गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, लखनऊ
22 जून, 2022	565	श्री नारनजीभाई लालभाई पटेल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, उमरख, गुजरात
22 जून, 2022	254	कोलंबिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर, छत्तीसगढ़
22 जून, 2022	325	अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर एच.एस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
23 जून, 2022	293	फैबटेक टेक्निकल कैंपस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, सांगोला, महाराष्ट्र
23 जून, 2022	24	महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एमएनएलयू), मुंबई
23 जून, 2022	658	सीके पीठावाला इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च, सूरत
23 जून, 2022	123	रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, जालना
23 जून, 2022	163	एन.के.पी साल्वे इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च सेंटर, नागपुर
24 जून, 2022	180	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी
24 जून, 2022	288	यूनिवर्सल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, गुंटूर, आंध्र प्रदेश
24 जून, 2022	102	महिलाओं के लिए कावेरी कॉलेज, त्रिची
24 जून, 2022	185	गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर
27 जून, 2022	136	एनएमडीसी डीएवी पॉलिटेक्निक, दंतेवाड़ा, छत्तीसगढ़
27 जून, 2022	197	काइज़ेन एडुप्लस सोसाइटी (केईएस) आई.ई.एम.एस बी-स्कूल, हुबली, कर्नाटक
27 जून, 2022	202	फार्मास्युटिकल शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, बोरगांव (मेघे), वर्धा
28 जून, 2022	26	यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर और एन.एल.यू, नागपुर
28 जून, 2022	141	फार्मेसी कॉलेज, नासिक
28 जून, 2022	92	ए.आई.एस. एस.एम.एस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
28 जून, 2022	56	बी.एम कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदौर
28 जून, 2022	57	विद्या विकास आर्ट्स कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, समुद्रपुर, महाराष्ट्र
28 जून, 2022	128	एस.बी पाटिल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, निगडी, पुणे
28 जून, 2022	94	जैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग बेलगावी, कर्नाटक
28 जून, 2022	1028	श्री इंदु कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, शेरिगुडा, तेलंगाना
29 जून, 2022	132	अक्किनेनी नागेश्वर राव कॉलेज, गुडीवाड़ा, आंध्र प्रदेश

29 जून, 2022	560	राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक
30 जून, 2022	233	जी.एच रायसोनी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर फाउंडेशन, नागपुर
30 जून, 2022	114	पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, वडोदरा, गुजरात
30 जून, 2022	53	कर्नाटक राज्य अक्कामहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर, कर्नाटक
30 जून, 2022	115	अनंत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
1 जुलाई, 2022	262	जेके इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग, बिलासपुर
04 जुलाई, 2022	45	श्री बैद्यनाथ ग्रुप ऑफ कंपनीज, नागपुर
04 जुलाई, 2022	201	पशु चिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर
05 जुलाई, 2022	48	संदीप विश्वविद्यालय, नासिक
06 जुलाई, 2022	338	ए.आई.एस.एस.एम.एस इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, पुणे
06 जुलाई, 2022	397	ज्योति निवास कॉलेज ऑटोनॉमस, बेंगलुरु
07 जुलाई, 2022	488	आर.एम धारीवाल सिंहगढ़ मैनेजमेंट स्कूल, पुणे
08 जुलाई, 2022	184	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना
08 जुलाई, 2022	66	प्रियदर्शिनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
11 जुलाई, 2022	139	राउरकेला प्रबंधन अध्ययन संस्थान, राउरकेला
11 जुलाई, 2022	726	अनंत लक्ष्मी प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान, आंध्र प्रदेश
12 जुलाई, 2022	184	अमल ज्योति कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कूवापल्ली, केरल
12 जुलाई, 2022	236	शांतिराम इंजीनियरिंग कॉलेज (एसआरईसी), कुरनूल
12 जुलाई, 2022	388	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
12 जुलाई, 2022	589	नेहरू कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, थिरुमलायमपालयम
13 जुलाई, 2022	148	होली क्रॉस कॉलेज, अगरतला
13 जुलाई, 2022	163	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू
13 जुलाई, 2022	124	देवांग पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, आनंद, गुजरात
13 जुलाई, 2022	542	अन्नामाचार्य प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान, राजमपेट, आंध्र प्रदेश
14 जुलाई, 2022	115	फार्मेसी संस्थान, टूबा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भोपाल
14 जुलाई, 2022	44	डॉ. सुधीर चंद्र सूर डिग्री इंजीनियरिंग कॉलेज, कोलकाता
14 जुलाई, 2022	203	जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर और बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
14 जुलाई, 2022	341	आदित्य इंजीनियरिंग कॉलेज, बीड
14 जुलाई, 2022	90	आई.आई.एम.टी इंजीनियरिंग कॉलेज, मेरठ
15 जुलाई, 2022	224	सेंट जॉन इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च, पालघर
15 जुलाई, 2022	120	सिंहगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एंड रिसर्च, पुणे
18 जुलाई, 2022	78	जेडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, नागपुर
19 जुलाई, 2022	741	विगनन्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
19 जुलाई, 2022	542	पी.एस.जी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
20 जुलाई, 2022	104	अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ
20 जुलाई, 2022	188	कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
20 जुलाई, 2022	606	वेलालर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, थिंडल, तमिलनाडु
20 जुलाई, 2022	46	एस.आर.एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई
20 जुलाई, 2022	108	राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज (आरएससीसीएस), कलामासेरी, कोच्चि, केरल
20 जुलाई, 2022	133	स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, भिलाई, छत्तीसगढ़
21 जुलाई, 2022	119	कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
21 जुलाई, 2022	141	श्री पुष्पम कॉलेज ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, तंजावुर
21 जुलाई, 2022	610	भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे

21 जुलाई, 2022	256	ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार
22 जुलाई, 2022	499	महेंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नमक्कल, तमिलनाडु
22 जुलाई, 2022	131	ढोले पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, वाघोली, पुणे
22 जुलाई, 2022	188	कॉन्फ्लुएंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, राजनांदगांव, रायपुर, छत्तीसगढ़
22 जुलाई, 2022	77	कोयंबटूर प्रौद्योगिकी संस्थान, कोयंबटूर, तमिलनाडु
23 जुलाई, 2022	123	एचआर पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, शिरपुर
25 जुलाई, 2022	151	के.एल.ई.एफ कॉलेज ऑफ लॉ, केएल यूनिवर्सिटी, गुंटूर
25 जुलाई, 2022	106	गवर्नमेंट महिला डिग्री कॉलेज, कठुआ
25 जुलाई, 2022	83	खालसा कॉलेज अमृतसर, पंजाब
25 जुलाई, 2022	865	सागी राम कृष्णम राजू इंजीनियरिंग कॉलेज, आंध्र प्रदेश
26 जुलाई, 2022	19	भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बेंगलुरु
26 जुलाई, 2022	585	एथिराज कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई
26 जुलाई, 2022	406	श्री भगत प्रसाद सिंह मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बिहार
26 जुलाई, 2022	231	एस.आर.एम कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु
26 जुलाई, 2022	292	के.जे सोमैया कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी, मुंबई
26 जुलाई, 2022	77	श्री शंकराचार्य तकनीकी परिसर, भिलाई, छत्तीसगढ़
26 जुलाई, 2022	164	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज भद्रवाह, डोडा, जम्मू और कश्मीर
26 जुलाई, 2022	118	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली
26 जुलाई, 2022	230	यदुपति सिंघानिया प्रौद्योगिकी संस्थान, निमाबेड़ा, राजस्थान
26 जुलाई, 2022	257	एम.पी सिन्हा साइंस कॉलेज, मुजफ्फरपुर
26 जुलाई, 2022	431	एथिराज कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई
26 जुलाई, 2022	211	महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा
27 जुलाई, 2022	19	वी.आई.टी विश्वविद्यालय, वेल्लोर, तमिलनाडु
27 जुलाई, 2022	208	जी.एच रायसोनी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नागपुर
27 जुलाई, 2022	453	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई
27 जुलाई, 2022	188	मुरगांव एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, वास्को, गोवा
27 जुलाई, 2022	744	त्यागराजर पॉलिटेक्निक कॉलेज, सेलम
27 जुलाई, 2022	207	डॉ. आर.एन लाहोटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर, सुल्तानपुर, महाराष्ट्र
27 जुलाई, 2022	300	प्रियदर्शिनी जेएल कॉलेज ऑफ फार्मेसी, नागपुर
28 जुलाई, 2022	68	के.के वाघ पॉलिटेक्निक, नासिक
28 जुलाई, 2022	194	केएलई सोसाइटी, बीवी बेलाड लॉ कॉलेज, बेलगावी, कर्नाटक
28 जुलाई, 2022	173	श्री महवीरा फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, मूडबिद्री, कर्नाटक
28 जुलाई, 2022	264	एम.आई.ई.आर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जम्मू
28 जुलाई, 2022	120	महर्षि मार्कंडेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय, मुलाना, अंबाला, हरियाणा
28 जुलाई, 2022	137	चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना, बिहार
28 जुलाई, 2022	108	औषधि विज्ञान विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
29 जुलाई, 2022	819	एम. कुमारसामी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, करूर, तमिलनाडु
29 जुलाई, 2022	262	माउंट कार्मेल कॉलेज, बेंगलुरु
29 जुलाई, 2022	363	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
29 जुलाई, 2022	98	आबेदा इनामदार सीनियर कॉलेज, पुणे

29 जुलाई, 2022	159	वी.वी वन्नियापेरुमल कॉलेज फॉर वुमेन विरुधुनगर, तमिलनाडु
29 जुलाई, 2022	250	एस.एम.बीटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, धामनगांव, नासिक
29 जुलाई, 2022	150	इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज इन एजुकेशन, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चुरू, राजस्थान
29 जुलाई, 2022	90	डेयरी विज्ञान एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
1 अगस्त, 2022	273	जी.एच रायसोनी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, (सिविल इंजीनियरिंग), नागपुर
1 अगस्त, 2022	106	स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
1 अगस्त, 2022	87	वी.एस.एम.एस.आर.के इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, निपानी, कर्नाटक
1 अगस्त, 2022	255	गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार, बिहार
1 अगस्त, 2022	454	एसके सोमैया कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई
2 अगस्त, 2022	804	एस.एस.टी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, उल्हासनगर
2 अगस्त, 2022	170	इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस रिसर्च, द यूनिवर्सिटी ऑफ इनोवेशन, गांधीनगर, गुजरात
2 अगस्त, 2022	151	आम्रपाली इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हलद्वानी
2 अगस्त, 2022	54	वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ
2 अगस्त, 2022	221	जे.एस.पी.एम भिवराबाई सावंत प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान, वाघोली, पुणे
3 अगस्त, 2022	161	भवनस भगवानदास पुरोहित विद्या मंदिर, श्रीकृष्णनगर, नागपुर
3 अगस्त, 2022	364	वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत
3 अगस्त, 2022	53	महात्मा ज्योतिबा फुले महाविद्यालय, अमरावती
3 अगस्त, 2022	21	बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मेसरा, देवघर, झारखंड
3 अगस्त, 2022	60	जी.एच रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
3 अगस्त, 2022	133	संदीप इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर, नासिक
3 अगस्त, 2022	270	एस.आर.एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, अभियांत्रिकी विभाग। इंजी., चेन्नई
3 अगस्त, 2022	267	कलिंगा स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर
3 अगस्त, 2022	80	श्रेयार्थ विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
4 अगस्त, 2022	275	विद्या प्रतिष्ठान कमलनयन बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, बारामती
4 अगस्त, 2022	117	विद्याभारती कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अमरावती
4 अगस्त, 2022	217	एम.आई.टी कला, डिजाइन और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पुणे
4 अगस्त, 2022	97	बी.एल.जे गवर्नमेंट (पीजी) कॉलेज पुरोला उत्तरकाशी, उत्तराखंड
4 अगस्त, 2022	418	स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज, KIMSDU, कराड
4 अगस्त, 2022	199	अपोलो कॉलेज, दुर्ग
5 अगस्त, 2022	141	डी.ए.वी कॉलेज, जालंधर
5 अगस्त, 2022	500	तोलानी मैरीटाइम इंस्टीट्यूट (टीएमआई), तलेगांव, पुणे
5 अगस्त, 2022	135	इंदिरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पुणे
5 अगस्त, 2022	301	मालिबा फार्मेसी कॉलेज, उका तरसदिया विश्वविद्यालय, बारडोली, झारखंड
5 अगस्त, 2022	103	ऋषिहुड यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा
5 अगस्त, 2022	80	इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड न्यूट्रिशन, रांची
5 अगस्त, 2022	700	एम.आई.टी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, पुणे
5 अगस्त, 2022	243	एशियन बिजनेस स्कूल, उत्तर प्रदेश
6 अगस्त, 2022	125	रेवा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु

8 अगस्त, 2022	56	सोमैया आयुर्विहार, के.जे सोमैया कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मुंबई
8 अगस्त, 2022	167	श्री रामकृष्ण क्रीड़ा जूनियर कॉलेज, एच.वी.पी.एम, अमरावती
8 अगस्त, 2022	196	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, महासमुंद, छत्तीसगढ़
10 अगस्त, 2022	180	कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कराड
10 अगस्त, 2022	111	अल-अमीन कॉलेज, एडथला, केरल
10 अगस्त, 2022	121	एस.बी.आर.आर महाजन फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, मैसूरु
10 अगस्त, 2022	210	गोस्वामी गणेश संतान धर्म कॉलेज, चंडीगढ़
10 अगस्त, 2022	258	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी
10 अगस्त, 2022	95	गृह विज्ञान महाविद्यालय, निर्मला निकेतन, मुंबई
10 अगस्त, 2022	267	सरस्वती शिशु मंदिर, महासमुंद, छत्तीसगढ़
12 अगस्त, 2022	279	गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, छपोराडीह, महासमुंद, छत्तीसगढ़
12 अगस्त, 2022	320	गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, सिरपुर, महासमुंद, छत्तीसगढ़
16 अगस्त, 2022	40	आर.जी.एन.आई.आई.पी.एम**, नागपुर में आई.पी.आर कार्यशाला**
17 अगस्त, 2022	151	तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश
17 अगस्त, 2022	461	विद्या प्रतिष्ठान'स कमलनयन बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बारामती, महाराष्ट्र (आईटी, कंप्यूटर और एड्स विभाग)
17 अगस्त, 2022	874	दयानंद सागर एकेडमी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, बेंगलुरु
17 अगस्त, 2022	30	पोदार इंटरनेशनल स्कूल, गोधानी, नागपुर
18 अगस्त, 2022	319	विद्या प्रतिष्ठान कमलनयन बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बारामती, महाराष्ट्र (मैकेनिकल एंड सिविल विभाग)
18 अगस्त, 2022	674	एस.आर.एम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु
20 अगस्त, 2022	80	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस स्टडीज (आईआईबीएस), बेंगलुरु
22 अगस्त, 2022	273	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
22 अगस्त, 2022	348	संदीप इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज नासिक
23 अगस्त, 2022	188	टी. जॉन कॉलेज, बेंगलुरु
23 अगस्त, 2022	236	पारुल विश्वविद्यालय, गुजरात
24 अगस्त, 2022	755	सुगुना कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर
24 अगस्त, 2022	70	भारत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
24 अगस्त, 2022	102	केमेट्स सिद्धांत कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सुडुम्ब्रे, पुणे
25 अगस्त, 2022	28	संताजी महाविद्यालय, नागपुर
25 अगस्त, 2022	622	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर
25 अगस्त, 2022	44	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
26 अगस्त, 2022	161	विश्वकर्मा विश्वविद्यालय, पुणे
26 अगस्त, 2022	52	पेसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर
26 अगस्त, 2022	59	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज त्राल, कश्मीर
26 अगस्त, 2022	948	पंसकुरा बनमाली कॉलेज, कनकपुर, पंसकुरा आरएस, पश्चिम बंगाल
27 अगस्त, 2022	249	आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली
29 अगस्त, 2022	242	श्री रामसरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, (एस.आर.एम.सी.ई.एम), लखनऊ
29 अगस्त, 2022	90	उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
29 अगस्त, 2022	209	वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी
29 अगस्त, 2022	160	त्रिपुरा गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, अगरतला
29 अगस्त, 2022	89	अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन

29 अगस्त, 2022	41	उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग
30 अगस्त, 2022	268	लक्ष्मीनारायणदेव कॉलेज ऑफ फार्मेसी, भरूच, गुजरात
1 सितंबर, 2022	287	गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, उडुमलपेट, तमिलनाडु
1 सितंबर, 2022	248	वाई.बी चव्हाण कॉलेज ऑफ फार्मेसी, औरंगाबाद
2 सितंबर, 2022	63	एन.एस.एस कॉलेज, प्राणी विज्ञान विभाग, ओट्टापलम, केरल
2 सितंबर, 2022	345	डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार
5 सितंबर, 2022	86	आर.एम.डी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
6 सितंबर, 2022	70	आदर्श विज्ञान, जेबी आर्ट्स और बिड़ला वाणिज्य महाविद्यालय धामनगांव रेलवे, अमरावती
6 सितंबर, 2022	324	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
6 सितंबर, 2022	236	संदीप विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र
6 सितंबर, 2022	966	गुरु गोबिंद सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नासिक
6 सितंबर, 2022	144	तेलकुला जलय्या पोलिसेट्टी सोमसुंदरम कॉलेज (टीजेपीएस) कॉलेज, गुंटूर
6 सितंबर, 2022	123	तुलजाराम चतुरचंद कॉलेज, बारामती
7 सितंबर, 2022	42	गुणवत्ता आश्वासन नियंत्रणालय (सैन्य विस्फोटक), पुणे
7 सितंबर, 2022	464	राजकीय पॉलिटेक्निक, लखीसराय, बिहार
7 सितंबर, 2022	32	कृषि महाविद्यालय, पारुल विश्वविद्यालय, लिम्दा, वडोदरा
7 सितंबर, 2022	28	स्कूल ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, नागपुर
8 सितंबर, 2022	86	श्रीनाथजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, राजस्थान
8 सितंबर, 2022	335	गणपत विश्वविद्यालय, गुजरात
8 सितंबर, 2022	367	डॉ. सुभाष विश्वविद्यालय, जूनागढ़
8 सितंबर, 2022	148	बी.के बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
9 सितंबर, 2022	463	श्री लाभुभाई त्रिवेदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी - एसएलटीआईईटी, गुजरात
9 सितंबर, 2022	150	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय
9 सितंबर, 2022	28	एस.ए.जी.ई यूनिवर्सिटी, भोपाल
12 सितंबर, 2022	151	डी.ए.वी कॉलेज, अमृतसर
12 सितंबर, 2022	170	श्री राम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बानमोर, मध्य प्रदेश
13 सितंबर, 2022	262	प्रो. राम मेघे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन, बडनेरा, अमरावती
13 सितंबर, 2022	114	राष्ट्रीय टूल रूम प्रशिक्षण केंद्र (एनटीटीसी) दिमापेशुर, नागालैंड
13 सितंबर, 2022	171	सीतयोग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बिहार
13 सितंबर, 2022	143	बृंदावन कॉलेज, बेंगलुरु
13 सितंबर, 2022	100	विवेकानन्द कॉलेज, कोल्हापुर
14 सितंबर, 2022	133	पिंपरी चिंचवड़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
14 सितंबर, 2022	141	मल्ला रेड्डी फार्मेसी कॉलेज, सिकंदराबाद
14 सितंबर, 2022	390	हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
14 सितंबर, 2022	432	सुंदर दीप इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद
14 सितंबर, 2022	303	तल्ला पद्मावती कॉलेज ऑफ फार्मेसी, वारंगल
14 सितंबर, 2022	81	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय
14 सितंबर, 2022	37	राजकीय महिला महाविद्यालय, पटना
14 सितंबर, 2022	117	लाला लाजपतराय प्रबंधन संस्थान, हिसार, हरियाणा
15 सितंबर, 2022	377	डॉ. डी.वाई पाटिल प्रतिष्ठान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सलोखेनगर, कोल्हापुर.

15 सितंबर, 2022	250	डॉ. डीवाई पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन, तालेगांव, पुणे
15 सितंबर, 2022	373	एस.ए कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, चेन्नई
15 सितंबर, 2022	176	ओरिएंटल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, भोपाल
15 सितंबर, 2022	48	अन्नासाहेब डांगे कॉलेज ऑफ डी फार्मेसी, आष्टा, सांगली
15 सितंबर, 2022	219	वाणी एवं श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए, हरियाणा कल्याण सोसायटी, पंचकुला
15 सितंबर, 2022	11	ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग मनासागंगोथु, मैसूरु
16 सितंबर, 2022	25	बीर टिकेंद्रजीत विश्वविद्यालय, इंफाल, मणिपुर
16 सितंबर, 2022	289	श्री ईश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर, तमिलनाडु
16 सितंबर, 2022	525	कोशीज़ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बेंगलुरु
16 सितंबर, 2022	491	वीटी चोकसी सार्वजनिक लॉ कॉलेज, सूरत
16 सितंबर, 2022	77	पर्यावरण प्रबंधन एवं नीति अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु
16 सितंबर, 2022	151	आई.आई.आई.टी, सूरत
16 सितंबर, 2022	98	श्री मुक्तानन्द महाविद्यालय, गंगापुर
16 सितंबर, 2022	152	वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, सोलापुर
16 सितंबर, 2022	172	विवेकानन्द कॉलेज, दिल्ली
17 सितंबर, 2022	81	आई.आई.टी धनबाद, झारखंड
19 सितंबर, 2022	132	जानकी देवी बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, पुणे
19 सितंबर, 2022	368	कावेरी कॉलेज फॉर वुमेन, त्रिची, तमिलनाडु
19 सितंबर, 2022	372	गुलज़ार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लुधियाना
19 सितंबर, 2022	236	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, आंध्र प्रदेश
19 सितंबर, 2022	107	आई.एम.एस इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद
19 सितंबर, 2022	167	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, बाड़मेर, राजस्थान
20 सितंबर, 2022	150	श्रीमती राधादेवी गोयनका महिला कॉलेज, अकोला
20 सितंबर, 2022	413	श्री विले पार्ले केलवानी मंडल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, धुले
20 सितंबर, 2022	62	एन.आई.टी, उत्तराखंड
20 सितंबर, 2022	89	जी.एन.ए यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
20 सितंबर, 2022	307	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, (बीपीआईटी), नई दिल्ली
20 सितंबर, 2022	224	अल्फा आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, चेन्नई
21 सितंबर, 2022	108	राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम
21 सितंबर, 2022	162	एम.ई.एस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
21 सितंबर, 2022	105	आई.एफ.आई.एम कॉलेज, बेंगलुरु
21 सितंबर, 2022	88	वसंत कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, वाराणसी
21 सितंबर, 2022	141	पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, जेएयू, जूनागढ़
21 सितंबर, 2022	120	डॉ. जीवराज मेहता प्रौद्योगिकी संस्थान, आनंद, गुजरात
21 सितंबर, 2022	185	भारती विद्यापीठ, पुणे
21 सितंबर, 2022	266	सेंट मार्टिन इंजीनियरिंग कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना
22 सितंबर, 2022	100	लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा, पंजाब
22 सितंबर, 2022	162	बी.आई.टी सिंदरी, उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग, झारखंड सरकार
22 सितंबर, 2022	113	जी.एस.एफ.सी विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात
22 सितंबर, 2022	166	पी.के.पी मंगलवेधेकर प्रबंधन संस्थान, सोलापुर
22 सितंबर, 2022	186	चलपति इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज (स्वायत्त), गुंटूर, आंध्र प्रदेश
22 सितंबर, 2022	40	मोरादाबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), मोरादाबाद

22 सितंबर, 2022	205	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
22 सितंबर, 2022	684	इरोड कॉलेज ऑफ फार्मेसी, इरोड, तमिलनाडु
22 सितंबर, 2022	303	इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरापुर, रेवाड़ी, हरियाणा
23 सितंबर, 2022	186	पेरी प्रौद्योगिकी संस्थान, मन्निवक्कम, तमिलनाडु
23 सितंबर, 2022	76	प्रबंधन विभाग, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी
23 सितंबर, 2022	363	श्री सत्य साईं प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सीहोर, मध्य प्रदेश
23 सितंबर, 2022	232	डॉ. के.एन मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोदीनगर, उत्तर प्रदेश
23 सितंबर, 2022	208	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन विभाग, कोयंबटूर
23 सितंबर, 2022	65	ओरिएंटल कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल
26 सितंबर, 2022	341	सीआईपीईटी : इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोच्चि
27 सितंबर, 2022	29	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, श्रीनगर
27 सितंबर, 2022	359	एस.सी.एम.एस इंस्टीट्यूट ऑफ बायोसाइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी आर एंड डी, कोचीन, केरल
27 सितंबर, 2022	139	शाह और एंकर कच्छी इंजीनियरिंग कॉलेज SAKEC, चेंबूर, मुंबई
27 सितंबर, 2022	70	एस.एस.एम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कश्मीर
27 सितंबर, 2022	343	पनिमलार इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
27 सितंबर, 2022	53	पिल्लई कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस (स्वायत्त), न्यू पनवेल
27 सितंबर, 2022	301	पी.ए.सी रामासामी राजा पॉलिटेक्निक कॉलेज, तमिलनाडु
28 सितंबर, 2022	181	भारतीय प्लाइवुड उद्योग अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, आई.पी.आई.आर.टी.आई बेंगलुरु
28 सितंबर, 2022	123	महर्षि मार्कंडेश्वर प्रबंधन संस्थान (एमएमआईएम), अंबाला, हरियाणा
28 सितंबर, 2022	214	केडीके कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, नागपुर
28 सितंबर, 2022	194	बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, जयपुर, राजस्थान
28 सितंबर, 2022	484	मधुबेन और भानुभाई पटेल प्रौद्योगिकी संस्थान, आनंद, गुजरात
28 सितंबर, 2022	39	विमल ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, केरल
29 सितंबर, 2022	137	हिंदी विद्या प्रचार समितियाँ, एचवीपीएस लॉ कॉलेज, मुंबई
29 सितंबर, 2022	25	श्री राम मूर्ति स्मारक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, बरेली, उत्तर प्रदेश
29 सितंबर, 2022	270	डॉ बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, रायगढ़
29 सितंबर, 2022	172	वसंतीदेवी पाटिल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, कोल्हापुर
29 सितंबर, 2022	212	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, कवयित्री बहिनाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव, महाराष्ट्र
29 सितंबर, 2022	132	डी.एवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फ़रीदाबाद
29 सितंबर, 2022	22	स्कूल ऑफ लॉ, जीएच रायसोनी इंस्टीट्यूट, नागौर
29 सितंबर, 2022	309	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर
30 सितंबर, 2022	15	ऑर्डिनेंस फैक्ट्री, नालन्दा, बिहार
30 सितंबर, 2022	106	बाबू बनारसी दास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, लखनऊ
30 सितंबर, 2022	202	स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा
30 सितंबर, 2022	166	आदित्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, सुरमपालम, आंध्र प्रदेश
30 सितंबर, 2022	65	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, उरावकोंडा-अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश
30 सितंबर, 2022	310	एस.एस जैन सुबोध पीजी कॉलेज, जयपुर
30 सितंबर, 2022	383	अमृता कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु

30 सितंबर, 2022	101	लायलपुर खालसा कॉलेज टेक्निकल कैंपस, जालंधर, पंजाब
3 अक्टूबर, 2022	645	देश भगत विश्वविद्यालय, पंजाब
3 अक्टूबर, 2022	1008	पद्मश्री विखे पाटिल कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस, प्रवरनगर, अहमदनगर, महाराष्ट्र
4 अक्टूबर, 2022	27	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान (एनआईडीएमपी), भोपाल
4 अक्टूबर, 2022	77	संदीप विश्वविद्यालय, नासिक
6 अक्टूबर, 2022	286	एच.के कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई
6 अक्टूबर, 2022	123	बंसल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भोपाल
7 अक्टूबर, 2022	318	कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, यूवी पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग गणपत विश्वविद्यालय, गुजरात
7 अक्टूबर, 2022	62	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर
7 अक्टूबर, 2022	146	पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, जयपुर
7 अक्टूबर, 2022	43	गोखले एजुकेशन सोसाइटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन रिसर्च, परेल, मुंबई
7 अक्टूबर, 2022	294	विग्नान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वुमेन, विशाखापत्तनम
7 अक्टूबर, 2022	15	इंडियन चैंबर ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, नागपुर
7 अक्टूबर, 2022	141	माउंट सियोन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
7 अक्टूबर, 2022	390	आदिप्रशक्ति कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तमिलनाडु
8 अक्टूबर, 2022	214	ग्रेट ब्रिटेन हाई स्कूल, नागपुर
8 अक्टूबर, 2022	73	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर कॉलेज ऑफ लॉ, नागपुर
8 अक्टूबर, 2022	414	रोटरी क्लब-यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
8 अक्टूबर, 2022	75	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर
10 अक्टूबर, 2022	408	रघु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश
10 अक्टूबर, 2022	168	अक्षय कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
10 अक्टूबर, 2022	138	ए.डी पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गुजरात
10 अक्टूबर, 2022	115	पटना वीमेंस कॉलेज, पटना
10 अक्टूबर, 2022	147	एबीएमएसपी का अनंतराव पवार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड रिसर्च, पुणे
10 अक्टूबर, 2022	325	शांतिराम इंजीनियरिंग कॉलेज, नंद्याल, आंध्र प्रदेश
10 अक्टूबर, 2022	51	नॉर्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू), मेघालय, शिलांग
10 अक्टूबर, 2022	689	श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर, तमिलनाडु
11 अक्टूबर, 2022	138	मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद
11 अक्टूबर, 2022	122	शिवा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, चंद्रपुर, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश
11 अक्टूबर, 2022	493	ईश्वरी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
11 अक्टूबर, 2022	183	हिंदुस्तान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, तमिलनाडु
11 अक्टूबर, 2022	198	विवा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विरार, मुंबई
11 अक्टूबर, 2022	296	एनआईटी पॉलिटेक्निक, नागपुर
11 अक्टूबर, 2022	1140	अन्नाई कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, तमिलनाडु
12 अक्टूबर, 2022	190	अंजुमन-ए-इस्लाम कालसेकर टेक्निकल कैंपस, नवी मुंबई।
12 अक्टूबर, 2022	69	डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, लोनारे, रायगढ़
12 अक्टूबर, 2022	191	श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू और कश्मीर
12 अक्टूबर, 2022	295	चेब्रोलु हनुमय्या इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, गुंटूर, आंध्र प्रदेश

12 अक्टूबर, 2022	173	प्रसाद वी. पोटलुरी सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश
12 अक्टूबर, 2022	304	अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
12 अक्टूबर, 2022	568	वी. एस. बी इंजीनियरिंग कॉलेज, करूर, तमिलनाडु
12 अक्टूबर, 2022	385	करपगा विनायगा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
17 अक्टूबर, 2022	142	कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केआईटी), कानपुर
17 अक्टूबर, 2022	201	केएसआर इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च, तमिलनाडु
17 अक्टूबर, 2022	179	सेंट्रल टूल रूम, लुधियाना
17 अक्टूबर, 2022	569	पेमराज सारदा कॉलेज, अहमदनगर
17 अक्टूबर, 2022	136	कैपिटल इंजीनियरिंग कॉलेज, ओडिशा
17 अक्टूबर, 2022	440	जय श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज, तिरुपुर, तमिलनाडु
18 अक्टूबर, 2022	377	सनाका एजुकेशनल ट्रस्ट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (SETGOI), दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
18 अक्टूबर, 2022	211	जेप्पियार इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, श्रीपेरंबुदूर, तमिलनाडु
18 अक्टूबर, 2022	121	जेएसएस एकेडमी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, बेंगलुरु
18 अक्टूबर, 2022	98	श्री सारदा महिला कॉलेज, सेलम, तमिलनाडु
18 अक्टूबर, 2022	328	रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, भिलाई
18 अक्टूबर, 2022	76	अलीगढ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, अलीगढ
18 अक्टूबर, 2022	248	किंग्स कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग चेन्नई
19 अक्टूबर, 2022	275	कुट्टुकरन पॉलिटेक्निक कॉलेज, केरल
19 अक्टूबर, 2022	194	वीएनआर विज्ञान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
19 अक्टूबर, 2022	233	अन्ना आदर्श कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई
19 अक्टूबर, 2022	281	मटुरी वेंकट सुब्बा राव (एमवीएसआर) इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद
19 अक्टूबर, 2022	1509	सासूरी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुपुर, तमिलनाडु
20 अक्टूबर, 2022	235	सविता स्कूल ऑफ लॉ, चेन्नई
20 अक्टूबर, 2022	78	रसायन विज्ञान विभाग, केआरटी कला, बीएच वाणिज्य और विज्ञान (केटीएचएम) कॉलेज, नासिक
20 अक्टूबर, 2022	178	घनश्यामदास सराफ कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, मुंबई
20 अक्टूबर, 2022	188	श्री साई राम इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
20 अक्टूबर, 2022	60	बद्री प्रसाद लोधी शासकीय महाविद्यालय, रायपुर
21 अक्टूबर, 2022	274	बी. एम. एस कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, बेंगलुरु, कर्नाटक
21 अक्टूबर, 2022	219	एथिराज कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई
21 अक्टूबर, 2022	98	नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, हरियाणा
28 अक्टूबर, 2022	149	गुरूग्राम विश्वविद्यालय, गुरूग्राम
1 नवंबर, 2022	58	अनेकांत इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एआईएमएस), बारामती
1 नवंबर, 2022	136	सेंट मदर थेरेसा इंजीनियरिंग कॉलेज, तूतीकोरिन, तमिलनाडु
2 नवंबर, 2022	448	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, श्रीपेरंबुदूर, तमिलनाडु
2 नवंबर, 2022	377	फार्मेसी संस्थान, टूबा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, भोपाल
3 नवंबर, 2022	213	वाणिज्य विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, नागालैंड
4 नवंबर, 2022	268	सरोजिनी नायडू वनिता महा विद्यालय, हैदराबाद
9 नवंबर, 2022	78	महाराष्ट्र बटालियन, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), नागपुर
9 नवंबर, 2022	643	वी. एस. एम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रामचन्द्रपुरम, आंध्र प्रदेश
9 नवंबर, 2022	122	एस. एस. एस. एस कॉलेज ऑफ कॉमर्स फॉर वुमेन, अमृतसर
9 नवंबर, 2022	65	कालिंदी कॉलेज, प्राणीशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
9 नवंबर, 2022	681	आदित्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सुरमपालम, आंध्र प्रदेश

10 नवंबर, 2022	235	आई. सी. एफ. ए. आई विश्वविद्यालय, देहरादून
10 नवंबर, 2022	163	सेंट जोसेफ इंजीनियरिंग कॉलेज, वामनजूर, मैंगलोर
11 नवंबर, 2022	185	यशवंतराव चव्हाण विज्ञान संस्थान (स्वायत्त), सतारा
11 नवंबर, 2022	167	कस्तूरीभा गांधी फार्मेसी कॉलेज, तमिलनाडु
14 नवंबर, 2022	19	मातृ सेवा संघ इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वर्क, नागपुर
14 नवंबर, 2022	132	आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश
15 नवंबर, 2022	64	बज बज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोलकाता
15 नवंबर, 2022	144	हिमाचल फार्मेसी कॉलेज, सोलन, हिमाचल प्रदेश
15 नवंबर, 2022	154	श्री मथुरादास मोहोटा कॉलेज ऑफ साइंस, नागपुर
16 नवंबर, 2022	785	मामासाहेब मोहोल कॉलेज, पुणे
16 नवंबर, 2022	170	प्रेरणा कॉमर्स कॉलेज, नागपुर
16 नवंबर, 2022	107	किर्लोस्कर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पुणे
17 नवंबर, 2022	71	श्री आयुर्वेद महाविद्यालय, नागपुर
17 नवंबर, 2022	220	जी मेडगौड़ा प्रौद्योगिकी संस्थान, भारती नगर, कर्नाटक
21 नवंबर, 2022	57	सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई
21 नवंबर, 2022	276	गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, कचांदुर, बालोद, छत्तीसगढ़
22 नवंबर, 2022	120	एसीपीएम डेंटल कॉलेज, धुले
22 नवंबर, 2022	40	गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़
23 नवंबर, 2022	57	हिस्लोप कॉलेज, नागपुर
23 नवंबर, 2022	29	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर
24 नवंबर, 2022	78	प्रियदर्शिनी लोकमान्य तिलक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च (PLTIMSR), नागपुर
28 नवंबर, 2022	101	भारतीय कृष्ण विद्या विहार, नागपुर
28 नवंबर, 2022	94	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, सुंबल, जम्मू और कश्मीर
28 नवंबर, 2022	526	श्रीनिवासन कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस (एमबीए प्रोग्राम), पेरम्बलुर, तमिलनाडु
28 नवंबर, 2022	49	सेंट विंसेंट पल्लोटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नागपुर
28 नवंबर, 2022	15	ब्लू बर्ड एसोसिएशन, नागपुर
29 नवंबर, 2022	97	राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
30 नवंबर, 2022	343	वीवी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, गुडलवल्लेरू, आंध्र प्रदेश
30 नवंबर, 2022	85	बायोसाइंस विभाग, एमईएस कॉलेज, मरामपल्ली, केरल
30 नवंबर, 2022	145	विकास कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई
30 नवंबर, 2022	98	सोमलवार हाई स्कूल रामदासपेठ, नागपुर
30 नवंबर, 2022	350	जेडीटी इस्लाम कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कोझिकोड, केरल
1 दिसंबर, 2022	19	जवाहर नवोदय विद्यालय, पश्चिम, मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल
2 दिसंबर, 2022	210	आईआईएम, कोलकाता
5 दिसंबर, 2022	114	एएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, खन्ना, पंजाब
5 दिसंबर, 2022	150	बॉम्बे हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, इंदौर
6 दिसंबर, 2022	136	आईसीएफएआई लॉ स्कूल, त्रिपुरा
7 दिसंबर, 2022	238	सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, नागपुर
7 दिसंबर, 2022	36	अब्दुल मजीद सेंट्रल एजुकेशन सोसाइटी, इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, लोनारा, नागपुर
8 दिसंबर, 2022	133	एसबी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च, नागपुर
9 दिसंबर, 2022	37	वीएनआईटी, नागपुर
12 दिसंबर, 2022	237	झूलेलाल प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर
12 दिसंबर, 2022	250	केजी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कोयंबटूर
13 दिसंबर, 2022	606	गुरु श्री शांतिविजय जैन कॉलेज फॉर वुमेन, चेन्नई

13 दिसंबर, 2022	73	जवाहर नवोदय विद्यालय, बिहार
13 दिसंबर, 2022	149	श्री कृष्णराव पांडव पॉलिटेक्निक कॉलेज, नागपुर
14 दिसंबर, 2022	94	प्रियदर्शनी जेएल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
15 दिसंबर, 2022	281	प्रियदर्शनी भगवती कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
15 दिसंबर, 2022	217	प्रतिभा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे
15 दिसंबर, 2022	202	जेएसपीएम का जयवंतराव सावंत कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, हडपसर, पुणे
16 दिसंबर, 2022	108	जीएस कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड आर्ट्स, नागपुर
16 दिसंबर, 2022	184	दयानंद महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, कानपुर
21 दिसंबर, 2022	219	श्रीसक्तिमायेइल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड रिसर्च, नमक्कल, तमिलनाडु
21 दिसंबर, 2022	63	महिला कला, वाणिज्य और विज्ञान लेडी अमृताबाई कॉलेज एवं रत्नीदेवी पुरोहित कॉलेज ऑफ होम साइंस, नागपुर
22 दिसंबर, 2022	130	ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई
22 दिसंबर, 2022	136	नर्सिंग कॉलेज, भारती विद्यापीठ, मुंबई
23 दिसंबर, 2022	192	रथिनम कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, ईचनारी, तमिलनाडु
23 दिसंबर, 2022	70	प्रोग्रेसिव लॉयर्स मीट, नागपुर
26 दिसंबर, 2022	71	एक्रोपोलिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च, इंदौर
27 दिसंबर, 2022	423	बापटला कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बापटला, आंध्र प्रदेश
28 दिसंबर, 2022	261	कुँवर सत्य वीरा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, बिजनौर, उत्तर प्रदेश
29 दिसंबर, 2022	421	शरनबास्व विश्वविद्यालय, कालाबुरागी, कर्नाटक
29 दिसंबर, 2022	26	दत्ता मेघे आयुर्वेद कॉलेज, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, नागपुर
30 दिसंबर, 2022	876	कोंगु आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, इरोड, तमिलनाडु
2 जनवरी, 2023	133	श्री अयप्पा कॉलेज फॉर वुमेन, कन्याउरामी, तमिलनाडु
3 जनवरी, 2023	150	यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पेरियानाइकनपालयम, कोयंबटूर तमिलनाडु
3 जनवरी, 2023	589	कोम्मुरी प्रताप रेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद
4 जनवरी, 2023	223	चेट्टीनाड एकेडमी ऑफ रिसर्च एंड एजुकेशन (CARE), चेंगलपट्टू, तमिलनाडु
4 जनवरी, 2023	384	ए.सी.एस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु
4 जनवरी, 2023	218	बालाजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान विभाग, अनंतपुर, आंध्र प्रदेश
4 जनवरी, 2023	491	फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी विभाग, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, एडमास यूनिवर्सिटी, कोलकाता
4 जनवरी, 2023	958	थेइवानई अम्मल कॉलेज फॉर वुमेन, विल्लुपुरम, तमिलनाडु
4 जनवरी, 2023	259	दीवान वीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, मेरठ
5 जनवरी, 2023	160	श्रीनिधि इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, तेलंगाना
5 जनवरी, 2023	478	मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद
5 जनवरी, 2023	264	श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर
5 जनवरी, 2023	686	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, चित्तूर, आंध्र प्रदेश
5 जनवरी, 2023	110	इन्फिनिटी मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग कॉलेज, सागर, मध्य प्रदेश
5 जनवरी, 2023	68	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, नागपुर
6 जनवरी, 2023	375	पनिमलार इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
6 जनवरी, 2023	184	व्यावसायिक उत्कृष्टता एवं प्रबंधन संस्थान, गाजियाबाद
6 जनवरी, 2023	268	विष्णु इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (वीआईपीईआर), नरसापुर, तेलंगाना
6 जनवरी, 2023	75	सेंट उर्सुला गर्ल्स हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, सिविल लाइन्स, नागपुर
6 जनवरी, 2023	136	सेंट जेवियर्स कॉलेज फॉर विमेन, अलुवा, केरल
7 जनवरी, 2023	185	एलनहाउस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

		विभाग, कानपुर
9 जनवरी, 2023	390	वेल टेक हाईटेक इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई, तमिलनाडु
9 जनवरी, 2023	559	सेंट जोसेफ स्कूल, नागपुर
10 जनवरी, 2023	275	जवाहर नवोदय विद्यालय, कल्याणी, नादिया
10 जनवरी, 2023	390	भवन का विवेकानन्द कॉलेज ऑफ साइंस ह्यूमैनिटीज एंड कॉमर्स, सिकंदराबाद, तेलंगाना
11 जनवरी, 2023	276	नालंदा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, उड़ीसा
11 जनवरी, 2023	75	महाराष्ट्र महाविद्यालय, निलंगा
11 जनवरी, 2023	307	श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, रायपुर
11 जनवरी, 2023	220	आईएसएफ कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पंजाब
12 जनवरी, 2023	289	आईआईएमटी विश्वविद्यालय, मेरठ
12 जनवरी, 2023	163	बॉन सेकोर्स महिला कॉलेज, तंजावुर
12 जनवरी, 2023	300	सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज, गांधीनगर, गुजरात
13 जनवरी, 2023	179	डॉ. सुधीर चंद्र सूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, कोलकाता
14 जनवरी, 2023	79	यूपीयू सरकार. पॉलिटेक्निक, दुर्ग
16 जनवरी, 2023	23	आर्य इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर
18 जनवरी, 2023	855	जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
18 जनवरी, 2023	41	महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र (एमसीईडी), हिंग्ना, नागपुर
18 जनवरी, 2023	61	गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, अमरावती
19 जनवरी, 2023	399	एम. ओ. पी वैष्णव कॉलेज फॉर वुमेन (स्वायत्त), चेन्नई
19 जनवरी, 2023	161	गोविंदराम सेकसरिया कॉलेज ऑफ कॉमर्स, वर्धा
19 जनवरी, 2023	111	दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, इंजीनियरिंग संकाय।एवं प्रौद्योगिकी, वर्धा
19 जनवरी, 2023	357	राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
20 जनवरी, 2023	96	अंजलाई अम्मल महालिंगम इंजीनियरिंग कॉलेज, कोविलवेन्नी, तमिलनाडु
20 जनवरी, 2023	366	सीएमआर इंजीनियरिंग कॉलेज, कंडलाकोया, तेलंगाना
20 जनवरी, 2023	32	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सेंट पॉल्स कॉलेज, बेंगलुरु
21 जनवरी, 2023	96	ठाकुर रामनारायण कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, मुंबई
21 जनवरी, 2023	32	एडुराइट कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कर्नाटक
23 जनवरी, 2023	550	आसन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, चेन्नई
23 जनवरी, 2023	116	एआईएसएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, पुणे
23 जनवरी, 2023	285	एचएसबीपीवीटी, भारत सरकार, फार्मेसी संकाय भूगांव, पुणे
23 जनवरी, 2023	99	आरबीवीआरआर महिला कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हैदराबाद
24 जनवरी, 2023	163	केजे सोमैया कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स, मुंबई
24 जनवरी, 2023	75	न्यूमैन कॉलेज, थोडुपुझा, केरल
24 जनवरी, 2023	92	श्री आदिचुंचनगिरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बीजी नगर, कर्नाटक
25 जनवरी, 2023	611	श्रीनिवास रामानुजन प्रौद्योगिकी संस्थान, अनंतपुरमु, आंध्र प्रदेश
25 जनवरी, 2023	1658	एक्सेल इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु
25 जनवरी, 2023	453	श्रम साधना बॉम्बे ट्रस्ट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक., जलगांव
27 जनवरी, 2023	460	नल्लामुथु गौंडर महालिंगम कॉलेज पोलाची, तमिलनाडु
27 जनवरी, 2023	493	मुथयम्मल पॉलिटेक्निक संस्थान, रासीपुरम, तमिलनाडु
28 जनवरी, 2023	50	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर
30 जनवरी, 2023	123	इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस, मुंबई
30 जनवरी, 2023	584	श्री वेंकटेश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, चेन्नई

30 जनवरी, 2023	446	सेंट अलॉयसियस कॉलेज, वसई, महाराष्ट्र
31 जनवरी, 2023	158	वॉक्ससेन विश्वविद्यालय, हैदराबाद
31 जनवरी, 2023	51	डॉ. एमजीआर शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, एपीजे अब्दुल कलाम उत्कृष्टता केंद्र, चेन्नई
31 जनवरी, 2023	286	गवर्नमेंट कुलदीप निगम हायर सेकेंडरी स्कूल (एटीएल), नर्रा, छत्तीसगढ़
31 जनवरी, 2023	480	स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, शिपिंग एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट, वेल्स इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, चेन्नई
31 जनवरी, 2023	294	समर्थ कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बुलढाणा
31 जनवरी, 2023	187	श्री शिवाजी कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, राजुरा
1 फरवरी, 2023	196	आरके सारदा विद्या मंदिर, रायपुर, छत्तीसगढ़
1 फरवरी, 2023	85	पद्मश्री डॉ. वीबी कोल्टे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बुलडाणा
2 फरवरी, 2023	162	एसवीएमआईटी, भरूच, गुजरात
2 फरवरी, 2023	445	रघु इंजीनियरिंग कॉलेज, विशाखापत्तनम
2 फरवरी, 2023	86	सौ लीना किशोर ममीदवार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, चंद्रपुर
2 फरवरी, 2023	109	मोहन लाल दयाल विनय मंदिर स्कूल, राजस्थान
3 फरवरी, 2023	144	आईआईआईटी, नागपुर
3 फरवरी, 2023	102	एमजे कॉलेज, दुर्ग, छत्तीसगढ़
3 फरवरी, 2023	93	केडीके कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर
3 फरवरी, 2023	163	दादासाहेब बालपांडे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, नागपुर
3 फरवरी, 2023	73	ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, मुंडले इंग्लिश मीडियम स्कूल, नागपुर
3 फरवरी, 2023	134	गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज, सिजयपुर, कर्नाटक
4 फरवरी, 2023	134	जवाहरलाल दर्डा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, यवतमाल
6 फरवरी, 2023	151	यशवंतराव चव्हाण कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (वाईसीसीई), नागपुर
6 फरवरी, 2023	57	एमिटी यूनिवर्सिटी, छत्तीसगढ़
7 फरवरी, 2023	588	एनएसएचएम नॉलेज कैंपस - दुर्गापुर, कोलकाता
7 फरवरी, 2023	68	नीरी, नागपुर
7 फरवरी, 2023	226	सिंहगढ़ टेक्निकल एजुकेशन सोसायटी, पुणे
8 फरवरी, 2023	677	स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोइन्फॉर्मेटिक्स, डीवाई पाटिल डीम्ड यूनिवर्सिटी, बेलापुर, नवी मुंबई
8 फरवरी, 2023	228	विश्वनिकेतन आई एम ई ई टी, खालापुर, रायगढ़
8 फरवरी, 2023	152	महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा
9 फरवरी, 2023	84	कृपानिधि कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बेंगलुरु
9 फरवरी, 2023	88	इनक्यूबिन फाउंडेशन, आरटीएमएनयू, नागपुर
9 फरवरी, 2023	113	नागपुर पशु चिकित्सा महाविद्यालय, नागपुर
9 फरवरी, 2023	172	आदर्श आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, गढ़चिरौली
9 फरवरी, 2023	147	डीबीएफ दयानंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, सोलापुर
10 फरवरी, 2023	283	पुणे इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंप्यूटर टेक, पुणे
10 फरवरी, 2023	271	महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ फार्मेसी, निलंगा
10 फरवरी, 2023	55	गवर्नमेंटएचएस स्कूल, बालादकछार, छत्तीसगढ़
13 फरवरी, 2023	40	जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर
13 फरवरी, 2023	231	स्वामी विवेकानन्द स्कूल ऑफ डिप्लोमा, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल
13 फरवरी, 2023	94	अन्नासाहेब गुंडेवार कॉलेज, नागपुर
14 फरवरी, 2023	136	केडीके इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर
14 फरवरी, 2023	76	प्रबंधन विकास संस्थान, मुर्शिदाबाद

14 फरवरी, 2023	550	गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश
14 फरवरी, 2023	100	ईवा स्टालिन बिजनेस स्कूल, चेन्नई, तमिलनाडु
15 फरवरी, 2023	231	सेठ विशंभर नाथ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसवीएनआईईटी), लखनऊ
15 फरवरी, 2023	258	शिक्षा विभाग, विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
15 फरवरी, 2023	409	आईटीएम विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, ग्वालियर
15 फरवरी, 2023	104	नेविल वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, पुणे
15 फरवरी, 2023	195	आदर्श कॉलेज ऑफ फार्मेसी, आंध्र प्रदेश
15 फरवरी, 2023	200	ब्रेनवेयर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
16 फरवरी, 2023	114	मानव स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग. एवं टेक., अकोला
16 फरवरी, 2023	115	एस. सी. एम. एस स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक., एर्नाकुलम
16 फरवरी, 2023	174	तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई
16 फरवरी, 2023	89	रसायन विज्ञान विभाग, एमईएस अबासाहेब गरवारे कॉलेज, पुणे
17 फरवरी, 2023	99	केयर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, त्रिची
17 फरवरी, 2023	207	आईएसटीडी चंडीगढ़
17 फरवरी, 2023	229	संजीवनी कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, कोपरगांव, अहमदनगर
17 फरवरी, 2023	177	श्री एमडी शाह महिला कॉलेज, मलाड, मुंबई
17 फरवरी, 2023	68	आईसीएफएआई लॉ स्कूल, हैदराबाद।
20 फरवरी, 2023	337	श्री सारदा महिला कॉलेज, सेलम
21 फरवरी, 2023	70	संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती
22 फरवरी, 2023	30	राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर
23 फरवरी, 2023	27	जवाहरलाल नेहरू एल्यूमिनियम अनुसंधान विकास और डिजाइन केंद्र, नागपुर
23 फरवरी, 2023	73	भारती विद्यापीठ, मातोश्री बयाबाई श्रीपतराव कदम कन्या महाविद्यालय कडेगांव, सांगली
23 फरवरी, 2023	1351	मैरी लक्ष्मण रेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, हैदराबाद
17 फरवरी, 2023	197	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश
17 फरवरी, 2023	79	स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब
24 फरवरी, 2023	482	श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज श्री आनंदपुर साहिब, पंजाब
24 फरवरी, 2023	45	स्नातकोत्तर शिक्षण विभाग, आरटीएमएनयू, नागपुर
24 फरवरी, 2023	112	ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलुरु
24 फरवरी, 2023	516	भारती कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मांड्या, कर्नाटक
24 फरवरी, 2023	62	कॉस्मेटिक प्रौद्योगिकी विभाग, एलएडी कॉलेज, सेमिनरी हिल्स नागपुर
27 फरवरी, 2023	52	कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स विभाग, अल-बदर डेंटल कॉलेज और अस्पताल गुलबर्गा, कर्नाटक
27 फरवरी, 2023	72	लक्ष्मीनारायण प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर
27 फरवरी, 2023	111	सामान्य विभाग, एसएसएस जैन महिला कॉलेज, टी. नगर, चेन्नई
27 फरवरी, 2023	245	श्री शंकरलाल सुंदरबाई शसुन जैन महिला कॉलेज, चेन्नई
27 फरवरी, 2023	84	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, एमएएफएसयू, उदगीर, लातूर
28 फरवरी, 2023	178	अटल सामुदायिक नवप्रवर्तन केंद्र - एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा
28 फरवरी, 2023	760	एसटीईएस-श्रीमती. काशीबाई नवले कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, वडगांव, पुणे
28 फरवरी, 2023	241	डॉ. राजेंद्र गोडे प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान संस्थान, अमरावती
28 फरवरी, 2023	276	सौ. वेणुताई चव्हाण पॉलिटेक्निक (एसवीसीपी), पुणे

28 फरवरी, 2023	87	महात्मा फुले कला वाणिज्य और सीतारामजी चौधरी विज्ञान महाविद्यालय, वरुड, अमरावती
1 मार्च, 2023	409	सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान (एसएटीआई) विदिशा, मध्य प्रदेश
1 मार्च, 2023	342	पशु चिकित्सा महाविद्यालय, केवीएएफएसयू, हसन, कर्नाटक
1 मार्च, 2023	225	डॉ. अन्नासाहेब जीडी बेंडाले महिला महाविद्यालय, जलगांव
2 मार्च, 2023	287	अधियामान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (स्वायत्त), होसुर
2 मार्च, 2023	156	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान ग्वालियर, मध्य प्रदेश
2 मार्च, 2023	65	सेंट फ्रांसिस डी सेल्स कॉलेज (एसएफएस) कॉलेज, नागपुर
2 मार्च, 2023	151	सेठ हीराचंद मुथा कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस, कल्याण (पश्चिम), मुंबई
3 मार्च, 2023	389	गरवारे कॉलेज ऑफ कॉमर्स, पुणे
3 मार्च, 2023	49	अशोकराव माने कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कोल्हापुर
3 मार्च, 2023	89	गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़
8 मार्च, 2023	40	इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई
9 मार्च, 2023	370	माइक्रोबायोलॉजी विभाग, अमेरिकन कॉलेज, मदुरै
10 मार्च, 2023	89	के.जे कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग. एवं अनुसंधान, पुणे
10 मार्च, 2023	234	आर. एम. जी कॉलेज, साओली, चंद्रपुर
13 मार्च, 2023	137	अंजुमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नागपुर
13 मार्च, 2023	273	गवर्नमेंट फार्मेसी कॉलेज, अमरावती
14 मार्च, 2023	37	आईएसआर, आईपीएस अकादमी इंदौर, मध्य प्रदेश
14 मार्च, 2023	469	श्री विष्णु इंजी. महिला कॉलेज, आंध्र प्रदेश
15 मार्च, 2023	654	पाथफाइंडर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एजुकेशन एंड रिसर्च, वारंगल
15 मार्च, 2023	22	महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र, एमआईडीसी, हिंगना, नागपुर
15 मार्च, 2023	31	आईसीएआर- राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़
15 मार्च, 2023	128	नागपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर
16 मार्च, 2023	444	श्री साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई
16 मार्च, 2023	543	आई.आई.एम.टी यूनिवर्सिटी, मेरठ
17 मार्च, 2023	199	पी. आर पोटे पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, अमरावती, महाराष्ट्र
20 मार्च, 2023	323	श्री सार्वजनिक फार्मेसी कॉलेज, मेहसाणा, गुजरात
21 मार्च, 2023	90	टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, दिल्ली
21 मार्च, 2023	16	एम. सी. ई. डी उद्योग भवन, नागपुर
21 मार्च, 2023	112	मानव स्कूल ऑफ पॉलिटेक्निक, व्याला, अकोला
21 मार्च, 2023	128	जेबी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, देहरादून, उत्तराखंड
23 मार्च, 2023	45	कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड, केरल
23 मार्च, 2023	205	एम. ई. आर. आई, दिल्ली
24 मार्च, 2023	542	यशवंतराव चव्हाण कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, वाशिम, महाराष्ट्र
24 मार्च, 2023	101	फार्मेसी संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा
27 मार्च, 2023	112	डॉ ए. पी. जे अब्दुल कलाम सरकार. कॉलेज, दादरा, सिलवासा
28 मार्च.2023	124	टी.पी.सी.टी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, उस्मानाबाद
29 मार्च, 2023	156	गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक खैरागढ़, छत्तीसगढ़
30 मार्च, 2023	186	सहृदय कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, त्रिशूर, केरल
कुल	**172042**	

निपम कार्यक्रमों के छायाचित्र

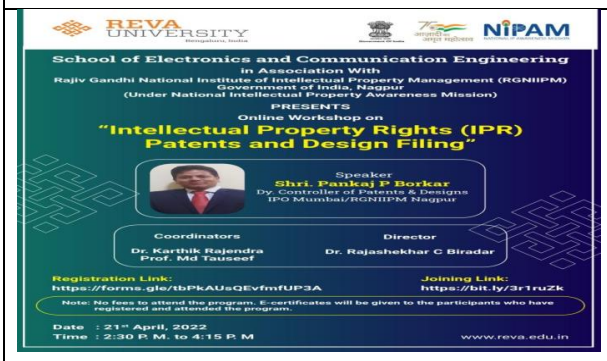

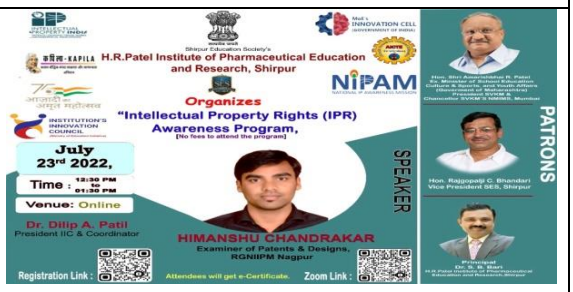

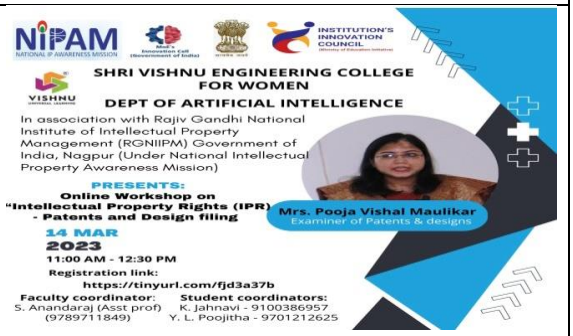

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

विश्व आईपी दिवस समारोह:

26 अप्रैल, 2022 को विश्व आईपी दिवस के अवसर पर, प्रतिभागियों के बीच आईपी को बढ़ावा देने एवं विचारों के आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से तकनीकी सत्र आयोजित किया गया । इस

अवसर पर संकाय सदस्यों, छात्रों आदि के बीच आईपीआर विषय पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वेबिनार के माध्यम से आरजीएनआईआईपीएम द्वारा की गई पहल बेहद सफल रही।

16 अगस्त, 2022 को आरजीएनआईआईपीएम की 20वीं वर्षगांठ का जश्न:

आर. जी. एन. आई. आई. पी. एम, नागपुर, सी.जी.पी.डी.टी.एम के कार्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है। संस्थान ने आईपीआर से संबंधितों विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करने की सेवाओं के 20 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। एक संस्थान के रूप में अपनी स्थापना की तारीख से 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, 16 अगस्त, 2022 को देश भर के सभी आई.पी.ओ कार्यालय और आरजीएनआईआईपीएम की एक ऑनलाइन बैठक बुलाई गई थी, जिसमें श्री अनुराग जैन, सचिव डी.पी.आई.आई.टी और डॉ. (प्रो.) उन्नत पी. पंडित, महानियंत्रक एकस्व अभिकल्प, व्यापार चिह्न सम्मिलित थे। उन्होंने अपने सम्बोधन में आरजीएनआईआईपीएम द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और भारत में राष्ट्रीय महत्व के एक नोडल प्रशिक्षण संस्थान के रूप में आर.जी.एन.आई.आई.पी.एम की स्थापना के लिए प्रस्तावित योजना पर भी प्रकाश डाला।

पेटेंट सूचना पद्धति:

1980 में भारत सरकार ने नागपुर में, पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) कार्यालय की स्थापना विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन बनाए रखने ताकि अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, उद्योगों, व्यवसायी उद्यमों, आविष्कारकों और भारत के अन्य उपयोक्ताओं की प्रौद्योगिकीय सूचना की आवश्यकता पूर्ण की जा सके व पेटेंट में निहित प्रौद्योगिकी सूचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। पेटेंट सूचना पद्धति उपयोगकर्ताओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यालय में उपलब्ध पेटेंट दस्तावेजों की प्रतिलिपि प्रदान करके पेटेंट आपूर्ति सेवा प्रदान करती है।

राजस्व:

राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान,नागपुर द्वारा आईपीआर के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, अनुसंधान और शिक्षा के संबंध में शुल्क के रूप में प्रतिवेदन वर्ष में कुल राजस्व रू. **20,66,083/-** (केवल बीस लाख छियासठ हजार तिरासी रुपये) प्राप्त हुए।

अध्याय -XII

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

परिचय

यह अध्याय प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अंतरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में हुई प्रगति से संबंधित है। वर्ष 2022-23, के दौरान, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने कई पहल कीं, जो अन्य आईपी कार्यालयों के साथ बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में निर्देशित थीं। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण आईपी से संबंधित मुद्दों पर डब्ल्यूआईपीओ और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आयोजित चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया।। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, अन्य देशों के आईपी कार्यालयों के साथ आईपी के क्षेत्र में नए समझौता ज्ञापन (एमओयू) और कार्य योजनाओं पर द्विपक्षीय स्तर पर हस्ताक्षर किए गए। विदेशी बौद्धिक संपदा कार्यालयों के सहयोग से कार्य योजनाओं के अंतर्गत कई पारस्परिक रूप से लाभकारी गतिविधियों का संचालन किया गया।

I. द्विपक्षीय सहयोग:

1. डेनिश पेटेंट व व्यापार चिह्न कार्यालय (डीकेपीटीओ):

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, दोनों कार्यालयों ने कार्य योजना के तहत पेटेंट, औद्योगिक डिजाइन और ट्रेडमार्क के क्षेत्र में सक्रिय रूप से गतिविधियों का संचालन किया, जिसमें दोनों पक्षों ने अपने अपने अभ्यासों को प्रस्तुत किया। पूर्व कार्य योजना की समाप्ति के परिणामस्वरूप, 18 नवंबर, 2022को एक नई कार्य योजना पर कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न और डीकेपीटीओ के बीच हस्ताक्षर किए गए।

2. यूरेशियन पेटेंट कार्यालय (ईएपीओ):

बेंगलुरु में 20 फरवरी, 2023 को विश्व बौद्धिक सम्पदा फोरम के अवसर पर ईएपीओ अध्यक्ष, और महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के बीच एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित की गई। आईपी कार्यालयों के प्रमुखों ने आईपी कार्यालयों और रुचि के संभावित क्षेत्रों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीके पर व्यापक चर्चा की।

3. संयुक्त राज्य पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालय (यूएसपीटीओ):

यूएसपीटीओ और डीपीआईआईटी के बीच समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन के उद्देश्य से, यूएसपीटीओ और डीपीआईआईटी के बीच एक कार्य योजना पर सहमति हुई जो 16 मई, 2022 को लागू हुई। कार्य योजना केअंतर्गत आयोजित गतिविधियों में विपक्ष, गुणवत्ता नियंत्रण उपायों, मानव संसाधनों के क्षमता निर्माण से संबंधित चर्चाएं शामिल थीं। कार्यालयों ने गुवाहाटी और इम्फाल में भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित संयुक्त कार्यक्रम भी सहयोगपूर्वक आयोजित किए।

4. **यूरोपीय संघ बौद्धिक संपदा संगठन (ईयूआईपीओ)–**

भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), और यूरोपीय संघ बौद्धिक संपदा कार्यालय (ईयूआईपीओ) के बीच बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में 11.05.2022 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला के दौरान गहन चर्चा की गई।

5. **जापान पेटेंट कार्यालय**:

महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न और जापानी कंपनियों के बौद्धिक संपदा समूह (आईपीजी) के बीच एक बैठक आयोजित की गई जिसमें कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने कार्यालय के अंतर्गत हुए हाल के विकास कार्यों के बारे में बताया।

6. वायपो:

नई दिल्ली में 'आईपी फॉर डेव्लपमेंट – लर्निंग फ्रोम द वाइपो बेस्ट प्रैक्टिसिस' पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री श्रुति सिंह, संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने की और इसमें डब्ल्यूआईपीओ के एशिया और प्रशांत विभाग के निदेशक श्री एंड्रयू माइकल ओंग ने भाग लिया। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

II. वायपो (डब्ल्यूआईपीओ) के सदस्य देशों की सभाएं - बैठकों की 63वीं श्रृंखला:

1. 2022-23के दौरान, डब्ल्यूआईपीओ महासभा और डब्ल्यूआईपीओ के सदस्य देशों की सभाओं में निम्नलिखित भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया:

क) श्री अनुराग जैन, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी),वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, मुंबई।

ख) श्री इन्द्र मणि पांडे, राजदूत, स्थायी प्रतिनिधि, स्थायी मिशन, जिनेवा

ग) सुश्री प्रियंका चौहान, राजदूत, उपस्थायी प्रतिनिधि, स्थायी मिशन, जिनेवा

घ) सुश्री श्रुति सिंह, संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी),वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय , नई दिल्ली।

ङ) प्रो.(डॉ.) उन्नत पी. पंडित, महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) , कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, मुंबई।

च) डॉ. दिनेश पी. पाटिल , उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प , कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम),उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, मुंबई।

छ) डॉ. अमरेन्द्र समल, उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम),उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, मुंबई।

ज) डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, उप पंजीकार व्यापार चिह्न, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली।

झ) सुश्री गरिमा पॉल, प्रथम सचिव, स्थायी मिशन, जिनेवा ।

ञ) श्री पवन कुमार बाढे, प्रथम सचिव, स्थायी मिशन, जिनेवा ।

ट) श्री सुखदीप सिंह, सहायक नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प, कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली।

2. भारत की ओर से, उद्घाटन वक्तव्य श्री अनुराग जैन, सचिव, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग ने दिया। यह कहा गया कि पिछले दशक में भारत के ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था और समाज में परिवर्तन के साथ आईपी परिदृश्य और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी महत्वपूर्ण वृद्धि को देखा गया है। विगत वर्षों में घरेलू आईपी दाखिल करने में, विशेष रूप से पेटेंट में 46% की वृद्धि के साथ उल्लेखनीय सुधार हुआ। भारत ने सदस्य देशों से असहमतियों को सुलझाने और पारंपरिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के संरक्षण के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी साधन को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। इसके अलावा, डिजाइन कानून और प्रसारण संधियों के शीघ्र समापन के लिए समर्थन भी दोहराया गया । भारत ने भारत में डब्ल्यूआईपीओ के बाहरी कार्यालय की मेजबानी करने के लिए अपनी तत्परता की पुष्टि की जो एक संतुलित और प्रभावी अंतरराष्ट्रीय आईपी प्रणाली के विकास का नेतृत्व करेगा। सभी डब्ल्यूआईपीओ कार्यों और समितियों और कार्यों में एक समान भौगोलिक वितरण को ध्यान में रखने की आवश्यकता को भी दोहराया गया।

3. एससीसीआर रिपोर्ट (कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों पर सभी स्थायी समिति रिपोर्ट) पर, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूआईपीओ प्रसारण संगठन संधि (एससीसीआर/42/3) का संशोधित मसौदा तैयार करने के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्षों और सुविधाप्रदाताओं के प्रयासों की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य की चर्चाओं के लिए तत्पर होकर प्रसारण संगठनों के संरक्षण के लिए एक संतुलित संधि को शीघ्र ही अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के विकास और अभिसरण के प्रभाव को संबोधित करता है। जिससे विकासशील और अल्प-विकसित देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप सीमाओं और सीमाओं के पार प्रसारण संकेतों के अनधिकृत उपयोग की संभावनाएँ पैदा हो रही हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कॉपीराइट धारकों के हितों की रक्षा करते हुए निष्पक्ष और संतुलित तरीके से डिजिटल माध्यमों के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, अन्य दिव्यांग व्यक्तियों और पुस्तकालयों, संग्रहालयों और अभिलेखागारों के कार्यों के संरक्षण, प्रजनन, पहुंच और सीमा पार आदान-प्रदान के सामाजिक कल्याण के मुद्दों को संबोधित करना भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

4. एससीपी रिपोर्ट (पेटेंट के कानून पर स्थायी समिति पर रिपोर्ट) पर, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने उत्कृष्ट प्रलेखन के लिए सचिवालय को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने मसौदा संदर्भ दस्तावेज़ में विदेशी जहाजों, विमानों और भूमि वाहनों पर लेखों के उपयोग के संबंध में अपवाद को शामिल करने का स्वागत किया, जिसे सचिवालय द्वारा

चौंतीसवे सत्रमें प्रस्तुत किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारत का मानना है कि पूर्व-अनुदान विरोध प्रणाली,अनुमत्त पेटेंट की गुणवत्ता में सुधार करने की दिशा में प्रभावी ढंग से योगदान करती है जिसके अंतर्गत तीसरे पक्ष को प्रासंगिक जानकारी को रिकॉर्ड पर रखने की अनुमति है। यह भी कहा गया कि भारत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से संबंधित सूचना-साझाकरण सत्रों में भाग लेने के लिए बहुत उत्सुक है, क्योंकि टीआरआईपीएस के अधिदेशों में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी शामिल है जिसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और उसका प्रचार-प्रसार करना है और विशेष रूप से विकासशील देशों में प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण को बढ़ावा देना है।

5. 'डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) को अपनाने के लिए एक राजनयिक सम्मेलन के आयोजन से संबंधित मामलों' के मुद्दे पर, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने डिजाइन कानून संधि के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि संधि का उद्देश्य सरलीकृत डिजाइन पंजीकरण प्रक्रियाओं को पेश करना और डब्ल्यूआईपीओ सदस्य राज्यों के औद्योगिक डिजाइन कानूनों के लिए कुशल डिजाइन संरक्षण के लिए समाधान का एक अच्छा उपाय है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भारत ने संधियों की चर्चा में भाग लिया है और महत्वपूर्ण योगदान दिया है और यह विश्वास है कि महासभा के आदेश के तहत 2023 में राजनयिक सम्मेलन बुलाने पर निर्णय लेने के लिए, महासभा अगले सत्र में इस मामले पर कोई ठोस निर्णय लेगी। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने मसौदा डिजाइन कानून संधि के पाठ में लेखों के माध्यम से तकनीकी सहायता और प्रकटीकरण आवश्यकताओं के प्रावधानों के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की। यह कहा गया कि क्षमता निर्माण और एलडीसी और विकासशील देशों को संधि के प्रस्तावित पाठ के अनुरूप अपने घरेलू औद्योगिक डिजाइन कानून को अनुकूल कर उसे सक्षम बनाने हेतु ये लेख अत्यधिक वांछनीय रहे।

6. विकास और बौद्धिक संपदा संबंधी समिति (सीडीआईपी) की रिपोर्ट और विकास एजेंडा सिफारिशों के कार्यान्वयन की समीक्षा पर, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने सीडीआईपी के अध्यक्ष और महानिदेशक को उनकी रिपोर्ट के लिए धन्यवाद दिया। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि समिति कई प्रासंगिक परियोजनाओं और गतिविधियों पर काम कर रही है, जो आईपी के विभिन्न क्षेत्रों को पूरा करती है और उन्हें सफल विकास एजेंडा परियोजना प्रस्तावों के लिए उपकरण पर विषय अत्यधिक महत्व का लगता है क्योंकि यह नए डीए परियोजना प्रस्तावों को लागू करने और सदस्य राज्यों से अच्छी तरह से संरचित प्रस्तावों को आगे बढ़ाने में एक गाइडबुक के रूप में काम करेगा, जो स्थानीय चिंताओं और विभिन्न हितधारकों द्वारा उनके क्षेत्र में सामने आने वाली आईपी चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। । यह कहा गया कि सीडीआईपी का एक ऐसा सफल परिणाम टीआईएससी है, जो स्थानीय नवाचार को प्रोत्साहित करने और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भारत जैसे देशों में बहुत महत्वपूर्ण रहा है, जो एक दूसरे के साथ बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करता है। प्रतिनिधिमंडल ने टीआईएससी नेटवर्क के विस्तार और लाभार्थियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करने में

डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) की भूमिका की सराहना की। डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) के विकास प्रयास और विकास एजेंडा का कार्यान्वयन। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वे प्रत्यक्ष और टिकाऊ घरेलू प्रभाव के साथ डीए से संबंधित परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए तत्पर हैं और डीए के साथ-साथ एसडीजी को आगे बढ़ाने में समिति के महत्वपूर्ण कार्य में रचनात्मक भागीदारी की पुष्टि की।

7. बौद्धिक संपदा और पारंपरिक संसाधन, पारंपरिक ज्ञान और लोकगीत (आईजीसी) पर अंतर-सरकारी समिति की रिपोर्ट पर, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए आईजीसी अध्यक्ष और सचिवालय को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधिमंडल ने पारंपरिक संसाधनों पर आईजीसी में बाद की चर्चाओं के लिए संदर्भ दस्तावेज के रूप में नॉन-पेपर तैयार करने के लिए पूर्व अध्यक्ष को भी धन्यवाद दिया। प्रतिनिधि मंडल ने इस तथ्य की सराहना की कि नॉन-पेपर में आईजीसी 42 में भारत के प्रतिनिधिमंडल द्वारा की गई सिफारिशों पर उचित विचार किया गया। यह कहा गया कि भारत अनिवार्य प्रकटीकरण आवश्यकताओं की स्थापना का प्रबल समर्थक है और इसे पूर्व अध्यक्ष द्वारा नॉन-पेपर संशोधित मसौदे में दर्शाया गया है। प्रतिनिधिमंडल को आशा है कि आनुवंशिक संसाधनों के समेकित पाठ में भी वही भावना प्रतिबिंबित होगी। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आईसीजी में चर्चाएँ सार्थक लेकिन सीमित रहीं और आशा है कि सचिवालय तदर्थ विशेषज्ञ समूह और सदस्य राज्यों के साथ आभासी गतिविधियों में संलग्न होकर आनुवंशिक संसाधनों पर आईसीजी के कार्य में तीव्रता लाएगा। इस संबंध में तदर्थ विशेषज्ञ समूह की स्थापना सकारात्मक विकास है। प्रतिनिधिमंडल ने सदस्य राज्यों (दोनों मांगकर्ता और गैर-मांगकर्ता) को मुख्य मुद्दों पर आम समझ तक पहुंचने तथा अंतरराष्ट्रीय कानूनी साधन पर सहमत होने को प्रोत्साहित किया ताकि आईसीजी आगामी महासभा में राजनयिक सम्मेलन बुलाने के लिए रचनात्मक सिफारिश करने की स्थिति में हो। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 2022/23 के अंतर्गत द्विवार्षिक बैठक में पारंपरिक ज्ञान एवं पारंपरिक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के प्रारूप आलेखों पर होने वाली चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेने का भी आश्वासन दिया।

8. डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) मानकों पर समिति (सीवीएस) पर रिपोर्ट, भारत के प्रतिनिधिमंडल ने दस्तावेज को तैयार करने के लिए सचिवालय को उसके अथक कार्य और प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। यह कहा गया कि आईपी कार्यालयों के बीच बौद्धिक संपदा में ये मानक बहुत महत्वपूर्ण और सामान्य ढांचे के हैं जो डेटा प्रसंस्करण और सूचना के प्रसार की सुविधा प्रदान करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) मानकों अर्थात् डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) मानक एसटी 26, 27 एसटी 37 और एसटी 88 के हालिया संशोधन का स्वागत किया। साथ ही, डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) तकनीकी सहायता और सदस्य राज्यों के बीच डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) मानकों के बारे में जागरूकता फैलाने के प्रयासों की भी समान रूप से सराहाना की गई । प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) अपने जागरूकता कार्यक्रमों का भौगोलिक विस्तार करेगा ताकि हितधारकों को इन गतिविधियों से लाभ मिल सके।

9. कार्यक्रम एवं बजट समिति की रिपोर्ट पर, प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम एवं बजट समिति के अध्यक्ष , भारत के राजदूत श्री इंद्र मणि पाण्डेय को चुनाव एवं समिति पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष और सदस्य राज्यों द्वारा विचारार्थ विषयों के प्रारंभिक मसौदे पर हुई प्रगति को देखकर प्रसन्न थे और आशा व्यक्त की कि समिति अपने कार्य में तीव्रता लाएगी और पीबीसी के पैंतीसवें सत्र में विचारार्थ विषयों को अंतिम रूप देगी।यह कहा गया कि विचारार्थ विषय समावेशी मामला से संबंधित होना चाहिए और मार्गदर्शक सिद्धांत के अनुरूप होना चाहिए।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि मूल्यांकन प्रत्येक कार्यालय के व्यक्तिगत प्रदर्शन संकेतकों के विश्लेषण पर आधारित होना चाहिए और इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि यह नए बाहरी कार्यालयों को खोलने के लिए पहले से जमा किए गए आवेदनों को प्रभावित न करे। प्रतिनिधिमंडल ने इस एजेंडा मद पर लाभकारी चर्चा की उम्मीद की और विचार-विमर्श में रचनात्मक रूप से भाग लिया।

III. डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) सभा के अवसर पर द्विपक्षीय बैठकें

डब्ल्यूआईपीओ (वाइपो) सभा के अवसर पर महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) और विविध आईपी कार्यालयों के अध्यक्षों के बीच कई द्विपक्षीय बैठकें आयोजित की गई जिसमें आईपी पारिस्थितिकी तंत्र और भविष्य में सहयोग को सुदृढ करने के प्राथमिक एजेंडे शामिल थे।इस पारस्परिक चर्चा के मुख्य अंश निम्नलिखित हैं -

1. **यूरोपीयन संघ बौद्धिक संपदा कार्यालय–**

   दोनों पक्षों ने अपने-अपने पक्षों की स्थिति और विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के प्रतिक्रिया स्वरुप उठाए गए कदमों पर चर्चा की ताकि निर्बाध सेवा वितरण को सुनिश्चित किया जा सके। दोनों पक्षों ने अपने कार्यालयों के बीच कार्य योजना को अंतिम रूप देने की दिशा में काम करने का निर्णय लिया।

2. **भूटान** - दोनों पक्षों ने समझौता ज्ञापन और कार्य योजना के रूप में द्विपक्षीय सहयोग हेतु रूपरेखा तैयार करने और आईपी भूटान के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

3. **यूनाइटेड किंगडम बौद्धिक संपदा कार्यालय –**दोनों पक्षों के आईपी अधिकारियों ने आवेदनों के दाखिल करने में आई वृद्धि पर चर्चा की और मौजूदा कार्य योजना के नवीकरण की दिशा में कार्य करने की इच्छा को व्यक्त किया जो पर्याप्त रूप से लचीला है और पार्टियों को विभिन्न मुद्दों पर कार्य में निरंतर बने रहने का अवसर प्रदान करता है।

4. **इस्लामी गणतंत्र ईरान- :**कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने भारत में आईपी नियमों में हाल ही में किए गए बदलावों के बारे में सूचित किया तथा ईरान के आईपी कार्यालयों के कर्मचारियों की मेजबानी करने की इच्छा व्यक्त की। ईरान द्वारा इस प्रस्ताव का स्वागत किया गया ।

5. **यूरेशियन पेटेंट कार्यालय:** यूरेशियन पेटेंट कार्यालय ने पीसीटी के अंतर्गत भारतीय आवेदकों के लिए आईएसए/आईपीईए के रुप में कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। यूरेशियन पेटेंट कार्यालय ने भारत के साथ मिलकर पीपीएच से संबंधित कार्य करने की भी इच्छा व्यक्त की।भारत ने सहयोग ढांचे के निर्माण हेतु इस दृढ़ – संकल्प की सराहना की।

6. **जापान पेटेंट कार्यालय:** दोनों पक्षों ने कार्यालयों के मध्य सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला और आशा व्यक्त की कि दोनों कार्यालय आपसी सहयोग को उच्च स्तर तक ले जाने में सक्षम होंगे।

7. **ऑर्गेनाइज़ेशन अफ़्रीकेन डे ला प्रोप्राइटे इंटेलेक्टुएल (ओएपीआई):**- महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने स्कूलों में विचार प्रयोगशालाओं (टिंकरिंग लैब्स) के बारे में बताया कि किस तरह से इससे छात्रों में नवाचार की संस्कृति को विकसित करने में मदद मिली है। ओएपीआई बौद्धिक संपदा अधिकारों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने हेतु शीघ्र ही समझौता ज्ञापन और कार्य योजना पर हस्ताक्षर करने के लिए उत्सुक है।

8. **कनाडा (सीआईपीओ):** कनाडा पक्ष की तरफ से कहा गया कि कनाडा से भारत में व्यापार चिह्न के आवेदन दाखिल करने में **100** प्रतिशत की वृद्धि हुई है और बताया गया कि भारत से शीर्ष आईपीआर दाखिल करने वाले टीसीएस**,** सीएसआईआर**,** सीआईपीएलए**,** रैनबैक्सी और वॉकहार्ट हैं। महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने त्वरित परीक्षा, शुल्क में कमी, एसआईपीपी योजना और निपम (एनआईपीएएम) जैसे उठाए गए कदमों के बारे में बताया,जिसके परिणामस्वरूप सामूहिक रूप से जागरूकता का स्तर बढ़ा है और भारत में आईपीआर दाखिल करने में वृद्धि हुई है।

9. **ताजिकिस्तान**- ताजिकिस्तान ने 2021 में अपनी राष्ट्रीय आईपी रणनीति पेश की, जिसमें कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के साथ समझौता ज्ञापन और कार्य योजना पर हस्ताक्षर करने की इच्छा व्यक्त की। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने आईपीआर के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग हेतु औपचारिक रूपरेखा का प्रस्ताव देकर ताजिकिस्तान के प्रस्ताव का स्वागत किया।

10. **बौद्धिक संपदा के लिए सऊदी प्राधिकरण (एसएआईपी)-** एसएआईपी ने एक- दूसरे से सीखने के लिए इस क्षेत्र में अधिक बारीकी से काम करने का प्रस्ताव रखा। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने एसएआईपी के इस प्रस्ताव का स्वागत किया और दोनों कार्यालयों के बीच सहयोग हेतु लचीला ढ़ाचा तैयार करने के प्रस्ताव का समर्थन किया।

11. **फ्रांस**: आईएनपीआई, ने अपने एमओओसी के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी, जिसे प्रतिभागियों द्वारा बहुत सराहा गया है। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने कहा कि फ्रांस में जिस तरह से भौगोलिक उपदर्शनों का पोषण और संवर्धन किया जा रहा है वह सराहनीय है। कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न ने आईएनपीआई को राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा संस्थान के बारे में जानकारी दी जो नियमित रूप से हितधारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

12. **स्वीडिश बौद्धिक संपदा कार्यालय:** स्वीडिश पक्ष ने सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए वर्तमान कार्य योजना को नवीनीकृत करके साथ मिलकर काम करने की तीव्र इच्छा व्यक्त की और कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्नद्वारा स्वीडिश पक्ष के विचारों का समर्थन किया गया।

13. **रुसी संघ (रोसपेटेंट)** –रोसपेटेंट ने अपनी ग्राहक-उन्मुख नीतियों और अपने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के बारे में बताया जो हितधारकों के लिए 24x7 उपलब्ध है। बोर्ड ने आईपी इंडिया के ऑनलाइन फाइलिंग पोर्टल और ऑनलाइन फाइलिंग के लिए छूट, त्वरित परीक्षा और कुछ श्रेणियों के आवेदकों के लिए शुल्क में छूट जैसी पहलों के बारे में जानकारी दी।

14. **दक्षिण केंद्र :**दक्षिण-से-दक्षिण सहयोग से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ डीपीआईआईटी और दक्षिण केंद्र के बीच समझौता ज्ञापन के संभावित नवीनीकरण पर विचार-विमर्श किया गया ।

IV. **पीसीटी कार्य समूह** :

पीसीटी कार्य समूह का पंद्रहवां सत्र 03से 07अक्टूबर, 2022 तक जिनेवा में आयोजित किया गया। पूर्ण पाठ प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को संसाधित करने पर चर्चा की गई जिसमें भारत के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्ण पाठ प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को संसाधित करने के व्यावहारिक प्रभावों पर जोर देते हुए आवेदकों के साथ-साथ कार्यालयों के लिए कार्यशालाएं और कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। यह भी सुझाव दिया गया कि आईबी कार्यशाला में भागीदारी के लिए परिपत्र जारी कर सकता है और कार्यालयों और इच्छुक आवेदकों को आमंत्रित कर सकता है ताकि उन्हें बदलाव के बारे में सूचित किया जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने भविष्य में एक्सएमएल बनाने और आवेदकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने के सुझाव का भी समर्थन किया ताकि इस संबंध में आवेदकों से सहयोग प्राप्त किया जा सके।

पीसीटी में औपचारिकता जांच के संबंध में, प्रतिनिधिमंडल ने यह पता लगाने का सुझाव दिया कि क्या आईबी प्राप्तकर्ता कार्यालय को दोष बता सकता है और प्राप्तकर्ता कार्यालय (आरओ) बदले में संचार कर सकता है और आवेदक से इसे ठीक करवा सकता है। यह कहा गया कि आईएसए के लिए आरओ के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य करना कठिन प्रतीत होता है, लेकिन यदि यह कार्य खोज और परीक्षा चरण के दौरान किया जाता है तो संभावना का पता लगाया जा सकता है।

गैर-लिखित खुलासों के उद्धरण पर चर्चा के तहत भारत के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वे पूर्व कला की परिभाषा में गैर-लिखित खुलासों को शामिल करने के लिए संशोधन का सैद्धांतिक रूप से समर्थन करते हैं। भारत के प्रतिनिधिमंडल ने आगे कहा कि कुछ आवेदनों के लिए यह देखा गया है कि केवल अलिखित उद्धरण ही उपलब्ध पाए गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने वीडियो को पूर्व कला के रूप में उद्धृत करते समय आने वाली कठिनाइयों की ओर इशारा किया। भारत ने गैर-लिखित उद्धरणों के भंडारण और पहुंच के लिए एक समर्पित डेटाबेस की मेजबानी करने वाले आईएसए के विचार का भी समर्थन किया। यह कहा गया था कि प्रासंगिक उद्धरण का लिंक केवल आवेदक या नामित या निर्वाचित कार्यालयों को ही प्रदान किया जा सकता है, जैसा भी मामला हो और वीडियो के ऐसे संपादन करने के लिए कार्यालयों द्वारा प्रयोग और उपकरणों द्वारा एक केंद्रीय भंडार पर विचार करने का सुझाव दिया गया। प्रकटीकरण की तारीख के संबंध में, अधिकारियों को मार्गदर्शन के रूप में प्रकटीकरण की तारीख की पहचान करने के तरीकों का एक मानक सेट तैयार करने पर विचार करने का सुझाव दिया गया।

अनुक्रम सूची के मुद्दे के संबंध में, प्रतिनिधिमंडल ने प्राथमिकता दस्तावेज़ और प्रमाणित प्रतियों के हिस्से के रूप में वाइपो मानक एसटी 26 प्रारूप में अनुक्रम सूची के प्रसारण को सक्षम करने के लिए एक नया मानक विकसित करने की पहल का समर्थन किया। अनुक्रम सूची को बिना काट-छाँट के ठीक से प्रदर्शित करने के लिए एक दर्शक उपकरण विकसित करने के विचार का भी समर्थन किया गया।

पेटेंट परीक्षक प्रशिक्षण के समन्वय के मुद्दे के संबंध में, प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षण प्रबंधन प्रणाली के सफल कार्यान्वयन और उपकरण की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए फिलीपींस के बौद्धिक संपदा कार्यालय के प्रयासों की सराहना की।यह कहा गया कि एलएमएस की अवधारणा और सुविधाओं को समझने के लिए साइड कार्यक्रम बहुत उपयोगी था।ई-लर्निंग संसाधनों के संबंध में कहा गया कि डब्ल्यूआईपीओ के तत्वावधान में कुछ सामान्य प्रशिक्षण मॉड्यूल की दिशा में काम करना बेहद उपयोगी होगा।प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि टास्क फोर्स आईपीसी और बुनियादी सिद्धांतों के अनुसार खोज संचालित करके मानक शिक्षण सामग्री और वर्गीकरण की परियोजना पर पाठ्यक्रम को विकसित करने हेतु साथ मिलकर काम कर सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने परीक्षकों को खोज कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण संसाधन विकसित करने पर भी जोर दिया, जो बहुत ही बुनियादी योग्यता है जिसे सभी परीक्षकों को प्रदान किया जाना है। चूंकि इस तरह का खोज प्रशिक्षण खोज उपकरणों में उपलब्ध सुविधाओं पर निर्भर है और कार्यालयों द्वारा उपयोग किए जाने वाले खोज उपकरण भिन्न हो सकते हैं, प्रतिनिधिमंडल ने सभी सदस्यों और आईबी से यह पता लगाने का अनुरोध किया कि इस बाधा को कैसे दूर किया जा सकता है।

पीसीटी में पेटेंट अभियोजन मार्ग के औपचारिक एकीकरण के मुद्दे के संबंध में, प्रतिनिधिमंडल ने अपनी चिंता दोहराई और कहा कि जब बहुपक्षीय संधि होती है, तो कोई भी द्विपक्षीय समझौता जो बहुपक्षीय संधि के तहत उपलब्ध लाभों पर प्रभाव डालता है सार्थक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए संधि के सभी अनुबंधित राज्यों के अनुमोदन के अधीन होता है।

प्रतिनिधिमंडल ने पीसीटी न्यूनतम दस्तावेज़ीकरण की समीक्षा के कार्य को आगे बढ़ाने में ईपीओ और यूएसपीटीओ के साथ-साथ आईबी की कड़ी मेहनत की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न कार्यालयों द्वारा काइंड कोड्स के उपयोग के तरीके में अंतर को ध्यान में रखते हुए कुश संशोधनों का सुझाव दिया। यह प्रशासनिक अमल में आने के बाद भविष्य में किसी भी प्रकाशन के मामले में विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा तरह-तरह के कोड का उपयोग करने की विविधताओं और प्रथाओं का ध्यान रखेगा। यदि टास्क फोर्स कुछ अनिवार्य प्रकार के कोड के समान उपयोग पर सहमत होती है, तो इसका पता लगाया जा सकता है। डेटा के उपयोग के संबंध में, मानक डेटा एक्सेस समझौते को तैयार करने के बारे में आईपीओ के सुझाव को दोहराया गया था।

अंतरराष्ट्रीय आवेदनों और संबंधित दस्तावेजों के फाइलिंग माध्यम के मुद्दे के संबंध में, प्रतिनिधिमंडल ने स्वीकार किया कि इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग और प्रसंस्करण बेहतर दक्षता प्राप्त करने में मदद करते हैं। बताया गया कि वर्ष 2020-21 के दौरान 99% से अधिक आवेदन ईपीसीटी के माध्यम से आईपीओ में प्राप्त हुए। प्रतिनिधिमंडल ने कुछ प्रोत्साहनों के माध्यम से आवेदकों और एजेंटों को इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया और कहा कि कुछ आवेदक जो कागज के माध्यम से फाइल करना पसंद करते हैं, उन्हें ऐसा करने से रोका नहीं जा सकता क्योंकि प्राथमिक उद्देश्य आवेदकों को बौद्धिक सुरक्षा के लिए आईपी प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रतिनिधिमंडल का विचार थी कि किसी भी प्राप्तकर्ता कार्यालय को राष्ट्रीय चरण में पेपर दाखिल करने से नहीं रोकना चाहिए।

V. **कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों पर स्थायी समिति:**

09 मई से 13 मई 2022 तक जिनेवा में आयोजित एससीसीआर के बयालीसवें सत्र में भारत के प्रतिनिधिमंडल ने प्रसारण संगठनों की सुरक्षा के लिए संधि के लिए समर्थन को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल को उम्मीद थी कि समिति उठाई गई चिंताओं पर काम करेगी और प्रसारण संगठनों की सुरक्षा की परिभाषा पर सभी प्रमुख मुद्दों का समाधान करेगी। प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तावित सीमाओं और अपवादों का भी समर्थन किया और बाद के सत्रों में अधिक जानकारी के साथ जुड़ने की उम्मीद जताई।

VI. ब्रिक्स-आईपीआर सहयोग:'ब्रिक्स आईपीआर सहयोग रोडमैप प्रोग्राम' के 14वें ब्रिक्स बौद्धिक संपदा कार्यालयों के प्रमुखों की बैठक 15 सितंबर, 2022 को सीएनआईपीए-चीन की अध्यक्षता में वर्चुअली आयोजित की गई थी।

डॉ. शेन चांगयु, चीन के राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रशासन (सीएनआईपीए) के आयुक्त ने बैठक की अध्यक्षता की और श्री क्लाउडियो फर्टाडो, अध्यक्ष, ब्राज़िलिअन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल प्रॉपर्टी (आईएनपीआई), श्री यूरी ज़ुबोव, रूस संघ की बौद्धिक संपदा के लिए संघीय सेवा के प्रमुख (रोस्पेंट), प्रोफेसर (डॉ.) उन्नत पी. पंडित, भारत महानियंत्रक

कार्यालय के महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क (सीजीपीडीटीएम) और श्री रोरी वोलर, कंपनियों के आयुक्त और दक्षिण अफ्रीका के बौद्धिक संपदा आयोग (सीआईपीसी) ने अपने संबंधित प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक में भाग लिया। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) ने बैठक में आमंत्रित अतिथियों के रूप में भाग लिया और बैठक में सुश्री वांगबिनयिंग, उप महानिदेशक और श्री एडवर्ड क्वाक्वा, सहायक महानिदेशक ने वायपो का प्रतिनिधित्व किया, जबकि डब्ल्यूआईपीओ के महानिदेशक श्री डेरेन टैंग ने एक वीडियो भाषण दिया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में निम्नलिखित अधिकारी थे, डॉ. अमरेंद्र समल, उप नियंत्रक पेटेंट एवं डिजाइन, कार्यालय सीजीपीडीटीएम, मुंबई, श्री कल्याण रेवेला, आईआरएस एवं उप सचिव, कार्यालय सीजीपीडीटीएम, मुंबई, डॉ. सुनीता एन. बेटगिरी, सहायक नियंत्रक पेटेंट एवं डिजाइन, कार्यालय सीजीपीडीटीएम, मुंबई, श्री किशोर आर. कड़बे, सहायक नियंत्रक पेटेंट एवं डिजाइन, कार्यालय सीजीपीडीटीएम, मुंबई, श्री सागर बी. पोल, सहायक नियंत्रक पेटेंट एवं डिजाइन, कार्यालय सीजीपीडीटीएम, मुंबई , श्री नीलेश एस. पाटिल, श्री प्रखर सिंह, श्री श्रीधर पंचुमर्थी, श्री रवि कुमार, सभी पेटेंट और डिज़ाइन के परीक्षक और श्रीमती शीला ए. वानखेड़े, परीक्षक व्यापार चिह्न और भौगोलिक उपदर्शन ।

बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडलों ने कई मुद्दों पर अपने विचारों का आदान प्रदान किया जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों की उपलब्धि हेतु आईपी की भूमिका और हरित प्रौद्योगिकी और नवाचार तथा लैंगिक समानता समेत अन्य मुद्दे शामिल थे। भारत के टीकाकरण कार्यक्रम, कोविड 19-से निपटने में मदद करने वाले डिजिटल बुनियादी ढांचे, निपम जागरूकता कार्यक्रम और इसकी उपलब्धि, गरीबी उन्मूलन में भौगोलिक उपदर्शन की भूमिका ,आईपी की प्राप्ति और व्यावसायीकरण पर भी चर्चा की गई। आईपी वित्त सेवा के माध्यम से आईपी को बढ़ावा देना और बेहतर निर्णय लेने के लिए आविष्कारकों और सरकार को डेटा प्रदान करना भी चर्चा के अन्य विषय थे।

चीन के राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रशासन (सीएनआईपीए) के अंतरराष्ट्रीय सहयोग विभाग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंस मोड के माध्यम से 07 से 11 नवंबर, 2022 तक 5 दिवसीय 'आईपी ब्रिक्स परीक्षक प्रशिक्षण-2022' का भी आयोजन किया गया। प्रशिक्षण राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजेएनआईआईपीएम -नागपुर) द्वारा आईपी-ब्रिक्स समन्वय टीम के सहयोग से आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में परीक्षण के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया जिसमें फार्मास्यूटिकल, जैविक क्षेत्र और हरित प्रौद्योगिकी आवेदनो पर विशेष ध्यान दिया गया। पांच दिवसीय सत्रों की अवधि के दौरान सभी सदस्य देशों ने फार्मास्युटिकल और जैविक क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों की स्थिति और प्रवृत्ति के साथ साथ परीक्षण प्रथाओं पर विस्तृत जानकारी साझा की हरित प्रौद्योगिकी जैसे विषयों, एसएमएमई में नवाचार को बढ़ावा देने और गुणवत्ता और दक्षता में सुधार के लिए कार्यालयों द्वारा अपनाई गई प्रथाओं की भी चर्चा की गई। **आईपी कार्यालयों के बीच कार्यसाझाकरण पर - - अभ्यास और अनुभव**सदस्य देशों की प्रस्तुति उन कदमों पर केंद्रित थी जो आवेदनों के फास्ट ट्रैक के लिए उठाए जा सकते हैं और पेटेंट प्रॉसिक्यूशन हाईवे के साथ काम साझा करना (पीपीएच), इसके लाभ और नियोजित कार्यालय प्रक्रियाएं भी इसमें शामिल है।

- **कोविड-19 या अन्य कोई महत्वपूर्ण दवा तथा जैविक वस्तुओं से संबंधित आवेदनों के आंकड़े और प्रवृत्ति :**सदस्य देशों द्वारा किए गए राहत उपायों, परीक्षण प्रक्रिया को त्वरित करने और कोविड-19 **से** संबंधित आवेदन जैसे दवाओं, टीकों, निदान और वेंटिलेटर संबंधी वर्गीकरण पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

- **फार्मास्यूटिकल्स और जैविक के परीक्षण पर अभ्यास का आदान-प्रदान**: सदस्य देशों द्वारा विशिष्ट उदाहरणों के साथ नवीनता, आविष्कारशील कदम और फार्मास्यूटिकल्स और जैविकों की औद्योगिक प्रयोज्यता के संदर्भ में परीक्षण अभ्यास पर प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में परीक्षण की सीमाओं और गैर-पेटेंट योग्य विषय मामलों और प्रकटीकरण की पर्याप्तता के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

- **नवाचार, हरित प्रौद्योगिकी और एसएमई का सतत विकास**: एसएमएमई द्वारा अपने संबंधित राष्ट्र में हरित टेक्नोलॉजी से संबंधित आवेदनों को दाखिल करने और दाखिल करने के विवरण और एसएमएमई के बीच नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं/रियायतों के बारे में आंकड़ों के बारे में बताया गया।

- **गुणवत्ता और दक्षता में सुधार के लिए अपनाई गई प्रासंगिक नीति और तंत्र**: इसमें गुणवत्ता और दक्षता में सुधार के लिए प्रचलित तकनीकी प्रवृत्तियों , खोज क्षमता में सुधार के लिए नियमित आधार पर परीक्षकों के लिए प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सीएनआईपीए द्वारा क्रॉस-फील्ड संयुक्त परीक्षण की आवश्यकता बताई गई । सभी सदस्य देशों ने गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अपने द्वारा किए गए विभिन्न गुणवत्ता समीक्षा प्रणालियों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण संबंधी विवरण को प्रस्तुत किया

- **ब्रिक्स आईटी कार्यशाला**

  सीएनआईपीए ने 19 अक्टूबर, 2022 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सिस्टम (बीपीएमएस) पर ब्रिक्स आईटी कार्यशाला की मेजबानी की, जिसमें आईटी की प्रमुखता और महामारी के दौरान इसकी उपयोगिता और इसको स्वीकार किए जाने पर चर्चा की गई।

  प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण -पत्र से सम्मानित किया गया। आईपी-ब्रिक्स अध्यक्षता 01 जनवरी, 2023 से सीएनआईपीए-चीन से सीआईपीसी-दक्षिण अफ्रीका को हस्तांतरित की गई।

अध्याय XIII

प्रशिक्षण कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधि

परिचय

बौद्धिक संपदा (आईपी) नवाचार और रचनात्मकता को पोषित और प्रोत्साहित करती है, जिससे समाज के सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में योगदान मिलता है। आईपी एक बहुआयामी उपकरण है जो उदाहरण के लिए,

(i) अन्वेषकों ,लेखकों और कलाकारों को प्रोत्साहन प्रदान करता है;

(ii) अनुसंधान और विकास के चक्र में स्थिरता लाता है;

(iii) व्यवसायों को उनकी सद्भावना के अनधिकृत उपयोग के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करता है ;और

(iv) उन कारीगरों के गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है जो जमीनी स्तर के भौगोलिक उपदर्शन के अधिकृत उपयोगकर्ता हैं।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, सीजीपीडीटीएम कार्यालय कई वर्षों से आम जनता के लिए जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम संचालित करने की पहल कर रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आईपी संबंधित प्रमुख मुद्दों और चिंताओं की व्यापक समझ पैदा करना, आईपीआर सुरक्षा और प्रवर्तन के बारे में ज्ञान प्रदान करना और जागरूकता बढ़ाना और साथ ही आईपीआर का लाभ उठाने के लिए व्यवसायों को सशक्त बनाना है। आईपी कार्यालयों के अधिकारी इन जागरूकता कार्यक्रमों में नियमित विशेषज्ञ रहे हैं।

1. आईपीओ अधिकारियों का प्रशिक्षण:

आईपी अधिकारियों के बीच कौशल और विशेषज्ञता विकसित करने और आईपी कार्यालयों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सीजीपीडीटीएम कार्यालय द्वारा पेटेंट और डिजाइन के नए परीक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और पेटेंट और डिजाइन के नियंत्रकों के लिए पुनश्चर्या/विधि प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे। इस प्रकार मानव संसाधन का एक मजबूत आधार तैयार किया गया। इनका संचालन आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर द्वारा किया गया था।

2. **सीजीपीडीटीएम कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय जागरूकता कार्यक्रम:**

राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) 5 अगस्त, 2022 से पहले देश भर में 10 लाख विद्यार्थियों को IP जागरूकता प्रदान करने के उद्देश्य से 08 दिसंबर, 2021 को लॉन्च किया गया। इस मिशन के लिए समर्पित सीजीपीडीटीएम कार्यालय के अधिकारियों की टीमों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन देशव्यापी नवाचार और आईपी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए और दस लाख विद्यार्थियों को आईपी जागरूकता प्रदान करने का उद्देश्य समय सीमा से पहले ही हासिल कर लिया गया। सीजीपीडीटीएम कार्यालय के निरंतर प्रयासों ने प्रतिभागियों से गर्मजोशी भरी और उत्साहजनक प्रतिक्रिया उत्पन्न की और एनआईपीएएम 2.0 के लिए प्रेरित किया।

बैनर अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में आधिकारिक वेबसाइट www.ipindia.gov.in पर पोस्ट किए गए थे।

<u>लक्ष्य समूह</u>

इस मिशन ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को दो स्तरों पर लक्षित किया था ,जो इस प्रकार हैं:

लेवल ए – स्कूल (कक्षा 9 वीं से 12वीं)

लेवल बी - विश्वविद्यालय/कॉलेज

वेबसाइट https://ipindiaservices.gov.in/events-ipr/home/home.aspx पर एक समर्पित लिंक ने इच्छुक स्कूलों/कॉलेजों के साथ-साथ निजी तौर पर विद्यार्थियों के लिए भी इस जागरूकता कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करना आसान बना दिया है।

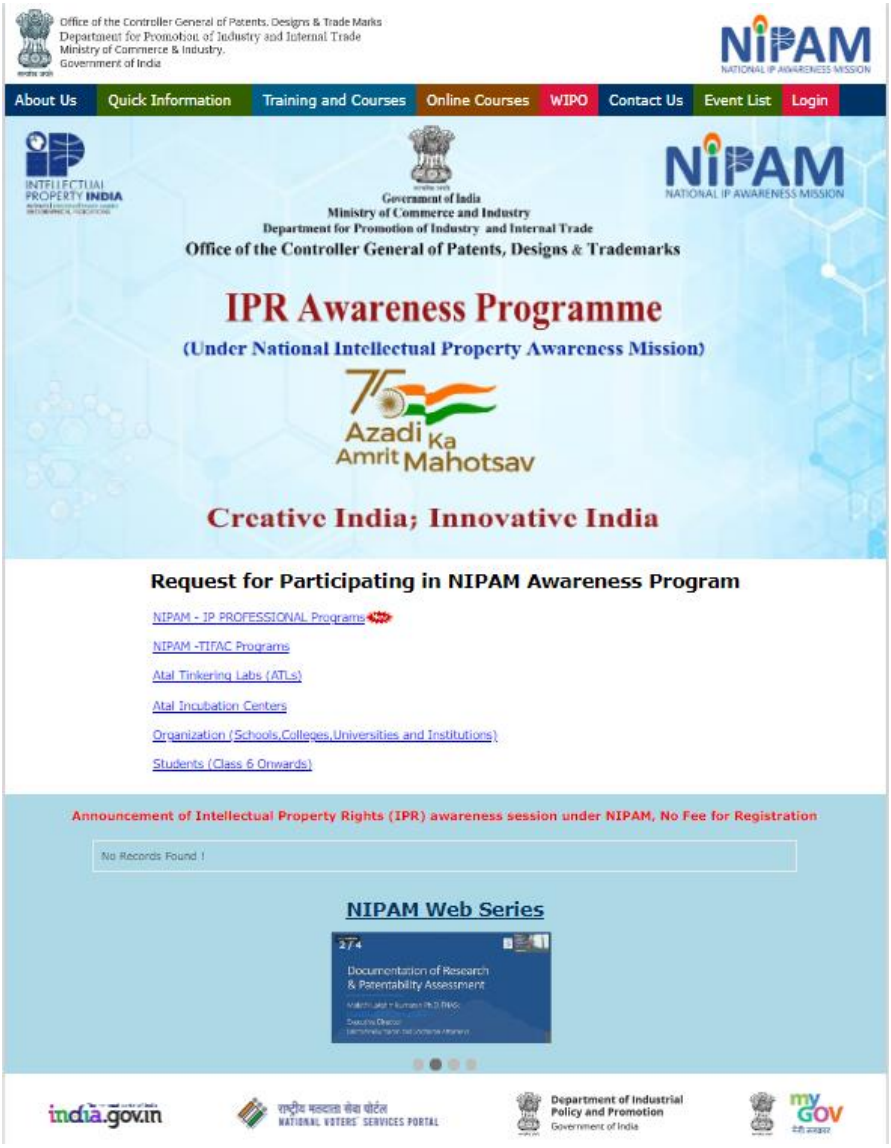

आईपी के सभी पहलुओं को कवर करने वाली 28 पृष्ठों की 'सूचना पुस्तिका' https://ipindiaservices.gov.in/events-ipr/home/Information-Booklet.aspx पर तत्काल संदर्भ के लिए भी उपलब्ध है।

आउटरीच का तरीका:

भारत के विशाल भौगोलिक विस्तार को देखते हुए ,लक्षित दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हाइब्रिड मोड यानि ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड में प्रशिक्षण दिया गया।

अवधि:

यह निपम (एनआईपीएएम) 2.0, सीजीपीडीटीएम कार्यालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य 1 करोड़ छात्रों तक जागरूकता फैलाने का लक्ष्य हासिल करना है। शीर्ष शैक्षिक परिषदों और बोर्डों की भागीदारी से इस लक्ष्य को कम अवधि में हासिल किया जा सकता है।

मिशन में भागीदार: निपम (एनआईपीएएम) 2.0 को अपने नए अवतार में विभिन्न भागीदारों का भी समर्थन मिला ,जैसे-

1) **अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) :** 'बौद्धिक संपदा साक्षरता और जागरूकता अभियान के लिए कलाम कार्यक्रम (कपिला)' की फ्लैगशिप के तहत एआईसीटीई ने मुख्य रूप से ऑनलाइन या ऑफलाइन तकनीकी शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों में आईपी जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने की सुविधा प्रदान की।
2) **अटल इनोवेशन मिशन (एम) :** अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) और अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3) **पीएफसी-टीआईएफएसी** और महानियंत्रक कार्यालय एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न बड़े पैमाने पर आईपी जागरूकता को जमीनी स्तर पर लाकर देश में आईपी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए एक साथ आए हैं। 300 से अधिक स्वयंसेवकों ने देश के विभिन्न हिस्सों में निपम कार्यक्रम संचालित करने के लिए स्वेच्छा से काम किया है।
4) **वाइपो थीम को बढ़ावा देना :**इस वर्ष के लिए वाइपो थीम" महिलाएं और आईपी :नवाचार और रचनात्मकता में तेजी लाना "है और निपम ने "डीएसटी-टीआईएफएसी :महिला वैज्ञानिक योजना" किरण के पूर्व महिला विद्यार्थियों के समृद्ध बैंक में प्रवेश किया है, जिसमें ऐसे महिला शिक्षक और अभ्यासकर्ता, पेटेंट एजेंट और अटॉर्नी हैं जो नीपम के नवाचार और आईपी जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते और योगदान करते हैं, क्योंकि टीआईएफएसी देश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अपना स्वयं का पेटेंट सुविधा केंद्र (पीएफसी) चलाता है।
5) 01 मार्च, 2023 को एक सार्वजनिक सूचना में, सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने सभी आईपी फैसिलिटेटर्स, आईपी मित्र, आईपी प्रैक्टिशनर्स और कॉर्पोरेट आईपी अधिकारियों से एनआईपीएएम गतिविधियों को मजबूत करने के लिए स्वेच्छा से अपना समय देने की अपील की (https://ipindia.gov.in/writereaddata/Portal/News/879_1_Public_Notice_IP_Professional_edited.pdf देखें)। कई आईपी पेशेवरों ने एनआईपीएएम कार्यक्रमों को चलाने के लिए स्वयं को स्वेच्छा से आगे किया।

सीजीपीडीटीएम कार्यालय के अधिकारियों की समर्पित टीम ने परियोजना के कार्यक्रम समन्वयक के अधीक्षण में काम किया और विवरण इस प्रकार हैं:

स्थान	वरिष्ठ टीम लीडर	टीम लीडर	निपम अधिकारी
दिल्ली	1	18	134
चेन्नई	1	4	28
कोलकाता	1	4	61
मुंबई	1	7	34
आरजीएनआईआईपी एम, नागपुर	1	1	4
कुल	**5**	**34**	**261**

01अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2023 की अवधि के दौरान आयोजित कुल कार्यक्रम 5,066 थे और कुल उपस्थित लोगों की संख्या 12,52,686 थी।

माह	कुल आयोजित कार्यक्रम	कुल प्रतिभागी
अप्रैल2022	673	192565
मई2022	304	88393
जून2022	339	84340
जुलाई2022	446	113230
अगस्त2022	435	109884
सितंबर2022	195	48333
अक्टूबर2022	184	43122
नवंबर2022	291	63958
दिसंबर2022	312	72768
जनवरी2023	618	144172
फरवरी2023	895	211982
मार्च2023	374	79939
कुल	**5066**	**1252686**

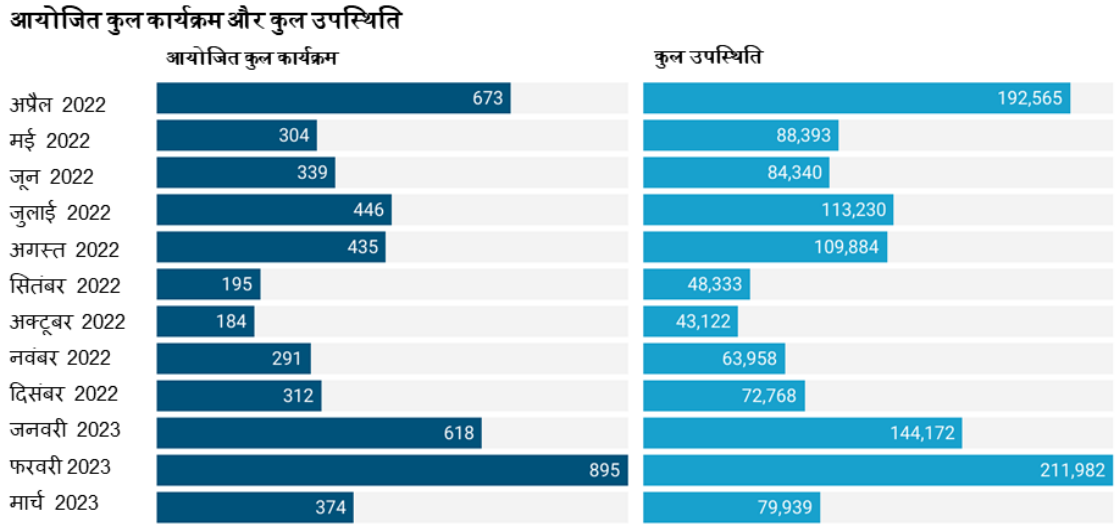

प्रतिभागियों सहित विभिन्न प्रकार के संगठनों के साथ आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है;

संगठन का प्रकार	कुल कार्यक्रम	कुल प्रतिभागी	प्रमाणपत्र जनरेट किए गए	प्रमाणपत्र लंबित
कॉलेज	1688	685853	685675	178
संस्था	534	175163	174621	542
एनए	1583	1	1	0
विद्यालय	918	249016	248888	128
विश्वविद्यालय	343	142653	142641	12
कुल	**5066**	**1252686**	**1251826**	**860**

विभिन्न पेटेंट कार्यालयों द्वारा विभिन्न स्थानों से संचालित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

द्वारा आयोजित	कुल कार्यक्रम	कुल प्रतिभागी
बौद्धिक संपदा कार्यालय ,चेन्नई	982	261712
बौद्धिक संपदा कार्यालय ,दिल्ली	1996	479743
बौद्धिक संपदा कार्यालय ,कोलकाता	449	173215
बौद्धिक संपदा कार्यालय ,मुंबई	911	168293
आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर	728	169723

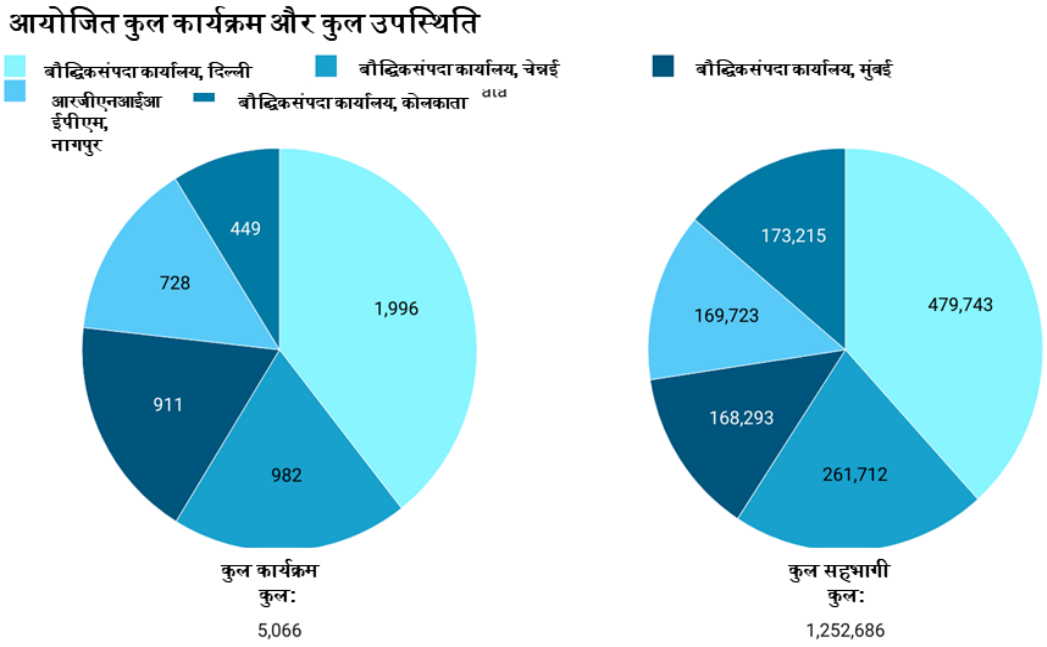

उपस्थित लोगों का लिंग वितरण इस प्रकार है:

प्रतिभागी की श्रेणी	पुरुष	महिला	सूचना उपलब्ध नहीं
संकाय	65287	60052	1
विद्यार्थी	575220	552123	3

आईपी प्रोफेशनल, कपिला और टीआईएफएसी द्वारा संचालित आईपी जागरूकता कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

सहभागी	आईपी प्रोफेशनल	कपिला	टीआईएफएसी
कुल कार्यक्रम	9	639	123
कुल सहभागी	646	145400	20115
संगठन का प्रकार एवं कुल कार्यक्रम			
कॉलेज	3	311	75
संस्था	2	130	8
एनए	2	103	24
विद्यालय	1	22	4
विश्वविद्यालय	1	73	12
प्रतिभागी की श्रेणी			
संकाय	15	15208	3607
विद्यार्थी	631	130192	16508
पुरुष	292	82672	9006
महिला	354	62728	11109

उपस्थित लोगों के साथ आयोजित कुल कार्यक्रमों का राज्यवार विवरण इस प्रकार है:

राज्य*	कुल कार्यक्रम	प्रतिभागी - महिला	प्रतिभागी - पुरुष	कुल प्रतिभागी
अंडमान और निकोबार द्वीप (केंद्रशासित प्रदेश)	2	21	31	52
आंध्र प्रदेश	169	28447	30381	58828
अरुणाचल प्रदेश	3	79	467	546
असम	28	4316	4279	8595
बिहार	48	5565	10719	16284
चंडीगढ़ (केंद्रशासित प्रदेश)	16	1168	704	1872
छत्तीसगढ	58	5983	6964	12947
दादरा और नगर हवेली (केंद्रशासित प्रदेश) दमन और दीव (केंद्रशासित प्रदेश)	2	94	87	181
दिल्ली-एनसीआर(केंद्रशासित प्रदेश)	142	13000	21476	34476
गोवा	15	660	721	1381
गुजरात	142	12070	16582	28652
हरियाणा	155	14467	19357	33824
हिमाचल प्रदेश	137	10116	11861	21977
जम्मू और कश्मीर (केंद्रशासित प्रदेश)	147	13421	11960	25507
झारखंड	18	1209	2504	3713
कर्नाटक	277	37369	38440	75809
केरल	226	30127	18938	49065
लद्दाख (केंद्रशासित प्रदेश)	24	2422	1800	4222
लक्षद्वीप (केंद्रशासित प्रदेश)	9	540	328	868
मध्य प्रदेश	206	23453	29266	52719
महाराष्ट्र	780	66461	76200	142805
मणिपुर	33	6873	7349	14222
मेघालय	4	258	173	431
मिजोरम	11	1908	1587	3495
नगालैंड	11	1013	692	1705
उड़ीसा	65	7043	13485	20528
पुडुचेरी (केंद्रशासित प्रदेश)	13	1389	1350	2739
पंजाब	99	12077	8976	21090
राजस्थान	702	94194	95470	191103
सिक्किम	2	734	327	1061
तमिलनाडु	620	98873	80884	179757
तेलंगाना	163	24940	23150	48090
त्रिपुरा	16	2322	1762	4084
उतार प्रदेश	418	51581	59725	111306
उत्तराखंड	98	7353	9379	16732
पश्चिम बंगाल	151	30029	31991	62020

*56 कार्यक्रमों के लिए राज्य को एनए के रूप में उल्लेखित किया गया था

सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने उन सभी संभावित स्थानों तक पहुंचने का प्रयास किया है जहां हवाई/रेल/सड़क मार्ग द्वारा पहुंचना आसान और कठिन हो सकता है। रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान कवर किए गए कुछ कम ज्ञात जिले इस प्रकार हैं:

संगठन राज्य	कवर किया गया जिला/ कुल जिले	कवर किये गये जिले
अंडमान और निकोबार द्वीप (केंद्रशासित प्रदेश)	2/3	उत्तर और मध्य अंडमान ,दक्षिण अंडमान
आंध्र प्रदेश	16/26	अनंतपुरमु , बापतला , चित्तूर , डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा , पूर्वी गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा, कुरनूल, एनटीआर, प्रकाशम, श्रीकाकुलम , तिरूपति , विशाखापत्तनम, विजयनगरम , पश्चिम गोदावरी, वाईएसआर (कडपा)
अरुणाचल प्रदेश	1/15	पापुम पारे
असम	8/35	बोंगियागांव, डिब्रुगरह, गोलघाट, जोरहाट, कामुप मेट्रोपॉलिटन, करीमगंज, नागांव, शिवसगर
बिहार	14/38	भागलपुर, दरभंगा , पूर्वी चंपारण , लखीसराय , मधेपुरा , मधुबनी , मुजफ्फरपुर , नालंदा , पटना , पूर्णिया , सहरसा , शिवहर , सीतामढी , वैशाली ।
चंडीगढ़ (केंद्रशासित प्रदेश)	1/1	चंडीगढ़
छत्तीसगढ	5/33	बालोद, बिलासपुर , दंतेवाड़ा , दुर्ग , कबीरधाम , खैरागढ़-छुईखदान-गंडई , कोंडागांव , महासमुंद , नारायणपुर , रायगढ़ , रायपुर, राजनांदगांव , सूरजपुर
दादरा और नगर हवेली (केंद्रशासित प्रदेश) दमन और दीव (केंद्रशासित प्रदेश)	2/3	दमन, दादरा और नगर हवेली
दिल्ली-एनसीआर (केंद्रशासित प्रदेश)	11/11	मध्य ,पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली, उत्तरी दिल्ली, उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिम दिल्ली, शाहदरा , दक्षिणी दिल्ली, दक्षिण पूर्वी दिल्ली, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली
गोवा	2/2	उत्तरी गोवा, दक्षिणी गोवा
गुजरात	21/33	अहमदाबाद , आनंद , बनासकांठा , भरूच , भावनगर, दाहोद , देवभूमि द्वारका , गांधीनगर , जामनगर , जूनागढ़ , कच्छ, मेहसाणा , नर्मदा, नवसारी , पंचमहल , पोरबंदर , राजकोट, सूरत , सुरेंद्रनगर , वडोदरा , वलसाड ।
हरियाणा	20/22	अंबाला, भिवानी, चारखिदादी, फरीदाबाद, फतेबाद, गुरुग्राम, हिसार, झजजर, जिंद, करणल, कुरुक्षेत्र , नुह, पलवाल, पंचकुला, पाणिपत, रेवाड़ी, रोहतक, सिरसा, सोनीपत, यमुनानगर
हिमाचल प्रदेश	3/12	बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, लाहौल, मंडी, शिमला, सिमरूर, सोलन, स्पीटी, यूना

जम्मू और कश्मीर (केंद्रशासित प्रदेश)	10/20	बारामुल्ला, डोडा, गेंडरबाल, जम्मू, कटुआ, कुपवाड़ा, राजौरी, रेसी, सांबा, श्रीनगर
झारखंड	10/24	बोकारो, देओघार, धनबाद, डुमका, पूर्वी सिंहभुम, गिरिदिह, हजरीबाग, रामगढ़, रांची, पश्चिम सिंहभम
कर्नाटक	23/31	बागलकोट, बल्लारी, बेलगावी, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु शहरी, बीदर, चिक्कबल्लापुरा, चिक्कमगलुरु, चित्रदुर्ग, दक्षिणा कन्नड़, दावणगेरे, धारवाड़, गडग , हसन, कालाबुरागी, कोडागु, मांड्या, मैसूर, रायचूरू, शिवमोग्गा, उडुपी, विजयनगर, विजयपुरा
केरल	13/14	अलाप्पुझा , एर्नाकुलम , इडुक्की , कन्नूर , कासरगोड , कोल्लम , कोट्टायम , कोझिकोड, मलप्पुरम , पलक्कड़ , पथानामथिट्टा , तिरुवनंतपुरम , त्रिशूर , वायनाड
लद्दाख (केंद्रशासित प्रदेश)	2/2	कार गल, लेह
मध्य प्रदेश	34/52	अलिराजपुर, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बारावानी, बेटुल, भोपाल, छत्रपुर, छिंदवाड़ा, दामोह, दातिया, देवास , धर, डिंडोरी, गुना, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, झाबुआ, कटनी, खंदवा, मंड्वा, मंड, मंडपुर, मंड्वाम राजगढ़, सागर, सेहोर, सोनि, शाहदोल, शिवपुरी, उज्जैन, उमरिया, विदिशा
महाराष्ट्र	35/36	अहमदनगर , अकोला, अमरावती, औरंगाबाद, बीड , भंडारा , बुलढाणा, चंद्रपुर , धुले , गढ़चिरौली , गोंदिया , जलगांव , जालना , कोल्हापुर , लातूर, मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, नागपुर, नांदेड़ , नंदुरबार , नासिक , उस्मानाबाद , पालघर , परभणी , पुणे , रायगढ़ , रत्नागिरी , सांगली , सतारा , सिंधुदुर्ग , सोलापुर , ठाणे, वर्धा , वाशिम , यवतमाल
मणिपुर	11/16	बिष्णुपुर , चंदेल , चुराचांदपुर , इंफाल पूर्व ,इंफाल पश्चिम ,काकचिंग ,कामजोंग , कांगपोकपी , सेनापति , थौबल , उखरुल
मेघालय	2/12	पूर्वी खासी हिल्स, रिभोई
मिजोरम	11/2	आइजोल , हनाथियाल
नगालैंड	1/3	दीमापुर , किफिरे , कोहिमा ,
ओडिशा	30/10	बालासोर , बौध , कटक गंजाम , कालाहांडी , खोरदा , केंद्रपाड़ा , मयूरभंज , रायगढ़ा , संबलपुर
पुडुचेरी (केंद्रशासित प्रदेश)	2/4	पांडिचेरी, कराईकल
पंजाब	15/23	अमृतसर, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, लुधियाना, मोगा, श्री मुकटार साहिब, पठानकोट, पटियाला, रूपनगर, साहिबजादाजित सिंह नगर, संगरुर, तरन तरन।
राजस्थान	36/50	अजमेर, अल्वार, बांसवाड़ा, बरन, बर्मर, बीवर, भरतपुर, भिल्वारा, बीकानेर, बूंडी, चित्तौरगढ़, चुरु, दौसा, ढोलपुर, दूड़, डूंगरपुर, गंगापुर सिटी, हनुमंगर, हनुमंगर, जयपुर, जयसालम, झुंझनु, कोतपुतली-

		बेहरोर, नागौर, प्रतापगढ़, राजमंद, सविमादोपुर, शाहपुरा, सिकर, सिरोही, श्री गंगानगर, टोंक, उदयपुर
सिक्किम	1/6	गंगटोक
तमिलनाडु	32/38	चेंगलपेट, चेन्नई, कोयंबटूर, कुड्डालोर, डिंडीगुल, इरोड, कल्लाकुरिची , कांचीपुरम , कन्याकुमारी , करूर , कृष्णागिरी , मदुरै , मयिलादुथुराई , नागपट्टिनम, नमक्कल , पेरम्बलुर, पुदुकोट्टई , रामनाथपुरम , रानीपेट , सलेम , तंजावुर, थेनी, थिरुनेलवेली , थिरुवल्लूर, थिरुवरुर, तिरुचिरापल्ली,तिरुवन्नामलाई , तूतीकोरिन , वेल्लोर, विलुप्पुरम , विरुधुनगर
तेलंगाना	16/33	आदिलाबाद , हैदराबाद ,करीमनगर , खम्मम ,महबूबाबाद महबूबनगर , नलगोंडा , नारायणपेट ,निर्मल ,निज़ामाबाद , रंगा रेड्डी ,संगारेड्डी ,वानापर्थी ,वारंगल ,यदाद्रिभुवनगिरि
त्रिपुरा	3/8	सिपाहीजिला ,दक्षिण त्रिपुरा ,पश्चिम त्रिपुरा,
उत्तर प्रदेश	48/75	आगरा, इलाहबाद, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आज़मगढ़, बलरमपुर, बांदा जिला, बाराबंकी, बरेली, बस्ती, बिजनोर, देवरिया, फैजाबाद, फरुखाबाद, फिरोजाबाद, गौतम बुद्ध नागर, गौतराकुर, गाजिपुर, गाजिपुर जिला, हरदोई, हाथरस, जौनपुर जिला, झांसी, कन्नौज, कनपुर देहात, कानपुर नगर, कासगंज, कुशीनगर, लखनऊ, महाराजगंज, मेनपुरी, मथुरा, मउ, मेरुत, मिर्ज़ापुर, मोरादाबाद, मुजफ्फरनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज, राय बरेली,सहारनपुर, संत कबीर नगर, उन्नाव, वाराणसी (काशी)
उत्तराखंड	12/13	बागेश्वर , चमोली , चंपावत , देहरादून , हरिद्वार , नैनीताल , पौड़ीगढ़वाल , पिथौरागढ़ , रुद्रप्रयाग , टिहरीगढ़वाल , उधम सिंह नगर , उत्तरकाशी
पश्चिम बंगाल	21/23	अलीपुरद्वार , बांकुरा , बीरभूम, कूच बिहार, दक्षिण दिनाजपुर, दार्जिलिंग, हुगली, हावड़ा, जलपाईगुड़ी, झाड़ग्राम, कालिम्पोंग, कोलकाता, मालदा, मुर्शिदाबाद, नदिया, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बर्धमान, पश्चिम मेदिनापुर, पूर्व बर्धमान, पूर्व मेदिनापुर, उत्तर दिनाजपुर

निपम का प्रभाव: निपम के तहत आयोजित आईपी जागरूकता कार्यक्रमों ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं, आईपी फाइलिंग में वृद्धि देखी गई है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, भारत से आने वाले आवेदनों की संख्या में वृद्धि हुई है। पेटेंट के तहत घरेलू फाइलिंग कुल दाखिल आवेदनों का **52.291%** है; कुल फाइलिंग में डिज़ाइन की हिस्सेदारी **84.78%** है जबकि व्यापार चिह्न की मात्रा **97.16%** है।

आईपी आवेदन विशेषकर भारतीय मूल के आवेदन दाखिल करने में वृद्धि

IP का प्रकार	कुल आवेदन दाखिल किए गए			भारतीय मूल के अनुप्रयोग			कुल फाइलिंग का %
	2021-22	2022-23	% बढ़ोतरी	2021-22	2022-23	% बढ़ोतरी	
पेटेंट	66440	82811	24.64	29508	43301	46.74	**52.29**
डिजाइन	22699	22698	-	18851	19245	2.09	**84.78**
व्यापार चिह्न	447805	466580	4.19	434084	453325	4.43	**97.16**

निपम स्थानीय नवाचार और आईपी पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मकता के साथ योगदान करते हुए" पीपुल्स-पब्लिक-प्राइवेट-पार्टनरशिप (पीपीपीपी)" के अपने अद्वितीय मॉडल के माध्यम से सभी स्तरों पर लोगों को छूते हुए देश के दूरदराज के इलाकों तक पहुंच गया है।

यह अनूठा एनआईपीएएम मॉडल न केवल व्यापक और लागत प्रभावी ढंग से विविध राष्ट्रीय और स्थानीय मानव और बुनियादी ढांचे के संसाधनों को जुटाता है, बल्कि नवाचार और आईपी जलवायु को बढ़ाने के लिए "आवश्यकता-आधारित विकास कार्यक्रमों" को डिजाइन करने, "प्लग-इन" और कार्यान्वित करने के बारे में भी शिक्षा प्रदान करता है।

3. राष्ट्रीय आईपी सम्मेलन 2022:

सीजीपीडीटीएम कार्यालय ने क्षमता निर्माण आयोग के सहयोग से 14 से 15 अक्टूबर, 2022 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर (डीएआईसी), 15, जनपथ, नई दिल्ली में 'ज्ञान अर्थव्यवस्था के विकास को उत्प्रेरित करने के लिए आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना' विषय के तहत 'राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा सम्मेलन 2022' का आयोजन किया। राष्ट्रीय आईपी सम्मेलन को राष्ट्रीय आईपी पुरस्कार 2021 और 2022 द्वारा सफल बनाया गया। माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री श्री. सोमप्रकाश जी ने श्री अमिताभ कांत, शेरपा जी20, पूर्व सीईओ-नीति आयोग, पूर्व सचिव डीआईपीपी, श्रीमती श्रुति सिंह, संयुक्त सचिव आईपीआर, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और सीजीपीडीटीएम की प्रतिष्ठित सानिध्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सत्रों का विवरण इस प्रकार है -

सत्र दिवस01	आमंत्रित वक्ता
आईपी प्रशासन में सुशासन के लिए क्षमता निर्माण	**अध्यक्ष :**माननीय न्यायमूर्ति प्रतिभा एम .सिंह ,दिल्ली उच्च न्यायालय श्री संजीव सान्याल, सदस्य, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम); श्री हेमांगजनी, सचिव, सीबीसी; श्री दीपक बागला, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इन्वेस्ट इंडिया
IP संचालित विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी समाधानों के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का समाधान करना	**अध्यक्षः श्री**. पीएच कुरियन , सेवानिवृत्त आईएएस, पूर्व-सीजीपीडीटीएम प्रो. प्रबुद्ध गांगुली , सीईओ- विजन आईपी आर ; प्रोफेसर दिनेश सिंह, पूर्व वीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय; प्रो. अमोघराय , नवप्रवर्तन अर्थशास्त्री; श्री तुलसी तवारी , ग्रामीण अर्थशास्त्री
'भारत को और अधिक IP अनुकूल बनाना - घरेलू और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर पूर्व सीजीपीडीटीएम महानियन्त्रकों और IP विशेषज्ञों के साथ समानांतर सत्र	पेटेंट और डिज़ाइन: श्री चैतन्य प्रसाद, आईएएस, प्रधान सचिव, बिहार सरकार एवं पूर्व-सीजीपीडीटीएम; प्रो. प्रबुद्ध गांगुली, सीईओ-विज़न आईपीआर; श्री भाविन कोठारी, एनआईडी, अहमदाबाद; मॉडरेटर: श्री संजय भट्टाचार्य, पेटेंट और डिज़ाइन के उप नियंत्रक ट्रेडमार्क: श्री पी. एच. कुरियन, सेवानिवृत्त आईएएस, पूर्व-सीजीपीडीटीएम और श्री वी. लक्ष्मीकुमारन, संस्थापक और प्रबंध भागीदार, लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन अटॉर्नीज़

	कॉपीराइट: प्रो. (डॉ.) रमन मित्तल, विधि विश्वविद्यालय एवं श्रीमती (एडव।) सवीना बेदी सच्चर, भारत का सर्वोच्च न्यायालय भौगोलिक उपदर्शन : श्री राजेंद्र रत्नू, आईएएस, पूर्व-सीजीपीडीटीएम; श्री तुलसी तवारी, ग्रामीण अर्थशास्त्री श्री. राजीव अग्रवाल, सेवानिवृत्त आईएएस, पूर्व-सीजीपीडीटीएम और श्री अरुल जॉर्ज स्कारिया, सह-निदेशक, सीआईआईपीसी।
सत्र दिवस02	**आमंत्रित वक्ता**
व्यावसायिक नैतिकता और प्रशासन में अच्छी IP प्रथाओं को अपनाना	**अध्यक्ष :**माननीय न्यायमूर्ति प्रभाश्रीदावेन(सेवानिवृत्त) माननीय न्यायमूर्ति संजीव नरूला , दिल्ली उच्च न्यायालय ;माननीय न्यायमूर्ति नवीन चावला , दिल्ली उच्च न्यायालय ;श्रीनरेंद्र सबरवाल पूर्व डीडीजी , वाइपो ; श्री आदिलज़िनुलभाई , अध्यक्ष ,सीबीसी
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर देश की आवश्यकता को संबोधित करते हुए आईपी की अगली पीढ़ी की चुनौतियाँ	**अध्यक्ष :**प्रोफेसर कामकोटि , निदेशक, आईआईटी मद्रास श्री लक्ष्मीकुमारन , सलाहकार, डीपीआईआईटी; डॉ. बकुलेश खमार , कार्यकारी निदेशक, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स; श्रीमती संध्या वासुदेवन , पूर्व प्रबंध निदेशक, डॉयचे बैंक और थॉमसन रॉयटर्स; श्री मुदितनारायण , पूर्व कार्यक्रम निदेशक, एआईएम, नीति आयोग
आईपीओ सम्मेलन और राष्ट्रीय आईपी पुरस्कार समारोह का समापन सत्र	माननीय सीआईएम श्री पीयूष गोयल; श्री अनुराग जैन, सचिव, डीपीआईआईटी, MoC&I; श्रीमती श्रुति सिंह, जेएस आईपीआर, डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और सीजीपीडीटीएम

Parallel Sessions
with Former
CGPDTMs & IP Experts
on
'Making India moreIP friendly – Domestic and
International perspectives'
Topic

4. राष्ट्रीय आईपी पुरस्कार 2021 और2022 :

राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा (आईपी) पुरस्कार हर साल उन व्यक्तियों, संस्थानों, संगठनों और उद्यमों को उनके आईपी निर्माण और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वालों को पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने देश में आईपी इको-सिस्टम को मजबूत करने और रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करने में योगदान दिया है। राष्ट्रीय आईपी पुरस्कारों का उद्देश्य बौद्धिक संपदा पोर्टफोलियो के नवाचार और प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है जो विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में नवाचार की सफलता को प्रभावित करता है। पुरस्कार विजेताओं को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर (डीएआईसी), 15 जनपथ , नई दिल्ली में 15 अक्टूबर, 2022 को बौद्धिक संपदा कार्यालय (आईपीओ) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किए गए।

11श्रेणियों के पुरस्कार विजेता इस प्रकार हैं:

क्रमांक।	वर्ग	पुरस्कार विजेता का नाम	पुरस्कार/प्रमाणपत्र/नकद पुरस्कार का प्रकार
पेटेंट दाखिल करने ,अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष भारतीय व्यक्ति			
1	पुरुष	श्री सुबोध सुहास पेठे	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
2	महिला	प्रोफेसर डॉ .इंदु पाल कौर	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
3	बच्चा (<18 वर्ष)	सुश्री सिद्धि सिद्रामप्पा धरने	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
पेटेंट दाखिल करने ,अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष भारतीय शैक्षणिक संस्थान			
1		भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ,मद्रास	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
पेटेंट दाखिल करने ,अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष अनुसंधान एवं विकास संस्थान/संगठन			
1		वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद ,भारत (सीएसआईआर)	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
भारत में पेटेंट दाखिल करने, अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी/प्राइवेट लिमिटेड कंपनी: विनिर्माण क्षेत्र			
1		भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	पदक/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
भारत में पेटेंट दाखिल करने , अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी/प्राइवेट लिमिटेड कंपनी :सेवा क्षेत्र			
1		सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट इंडिया -बैंगलोर प्राइवेट लिमिटेड (एसआरआई-बी)	ट्रॉफी/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
पेटेंट दाखिल करने ,अनुदान और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष भारतीय एमएसएमई			
1		आईबीआरयूएम टेक्नोलॉजीज ,बैंगलोर	ट्रॉफी/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
IP फाइ लंग, (अनुदान/पंजीकरण) और व्यावसायीकरण के लए शीर्ष स्टार्ट-अप			
1		एथर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड	ट्रॉफी/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
डिज़ाइन फाइलिंग, पंजीकरण और व्यावसायीकरण के लिए शीर्ष भारतीय कंपनी/संगठन			
1		टीवीएस-मोटर कंपनी लिमिटेड	ट्रॉफी/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
भारत और विदेश में ब्रांड बनाने वाली शीर्ष भारतीय कंपनी			
1		टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड	ट्रॉफी/योग्यता प्रमाण पत्र/रु. 1,00,000/-
भारत में **IP** के प्रवर्तन के लए सर्वश्रेष्ठ पु लस इकाई (कसी आयुक्तालय में जिला/क्षेत्र)।			
1		महाराष्ट्र साइबर डिजिटल क्राइम यूनिट, मुंबई	मान्यता प्रमाण पत्र / रु. दोनों को 50,000/- रु
2		पुलिस अधीक्षक कार्यालय, डीईबी, पूर्व बर्धमान	
IP के पोषण के लिए सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेटर			
1		उद्यमिता विकास केंद्र (उद्यम केंद्र),	मान्यता प्रमाण पत्र /रु.दोनों को 50,000/- रु
2		केआईआईटी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर, पटिया , भुवनेश्वर	
प्रौद्योगिकी और नवाचार सहायता केंद्र (टीआईएससी) के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र			पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चंडीगढ़
पेटेंट सूचना केंद्र (पी आई सी) के लिए विशेष उद्धरण			कर्नाटक राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, IISC बेंगलुरु
इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र			केसीजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी ,चेन्नई
अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं (एटीएल) के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र			ज्ञान प्रबोधिनी नवनगर विद्यालय ,पुणे
ग्रामीण केंद्रित आविष्कार के लिए आईपी मान्यता के रूप में जूरी प्रमाणपत्र पुरस्कार			
1		टाटा स्टील लिमिटेड	मान्यता प्रमाण पत्र

अन्वेषकों के लिए वाइपो पदक	प्रो डॉ इंदु पाल कौर	
वाइपो एंटरप्राइजेज ट्रॉफी	(क) **विनिर्माण क्षेत्र के लिए :**टीवीएस-मोटर कंपनी लिमिटेड	
	(ख) **सेवा क्षेत्र के लिए :**सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट इंडिया -बैंगलोर प्राइवेट लिमिटेड (एसआरआई-बी)	
वाइपो उपयोगकर्ता ट्रॉफी	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड	
पाँच (05) श्रेणियों में से प्रत्येक में भारत में सर्वाधिक लोकप्रिय भौगोलिक उपदर्शन (जी आई)	**कृषि** -कंधमालहलदि **भोजन** -हैदराबाद हलीम **हस्तशिल्प** -तंजावुर कला प्लेट **निर्मित** -मैसूर सैंडल साबुन **प्राकृतिक** -चुनारबलुआपत्थर	मान्यता प्रमाण पत्र

आईपी के पोषण के लिए सर्वश्रेष्ठ इन्क्यूबेटर
Best Incubator for Nurturing the IP

Special citation for Atal Tinkering Laboratories (ATL)

Most Popular Geographical Indication (GI) in India by Public Polling in
Category Manufactured

5. आईपी मंथन :

सीजीपीडीटीएम कर्यालय ने चयनात्मक आईपी क्षेत्र डोमेन में विशेषज्ञता स्थापित करने वाले आईपी बिरादरी के बीच चर्चाओं की एक नई श्रृंखला शुरू की। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, आईपी पेशेवर, उद्योग विशेषज्ञ और न्यायपालिका के व्यक्ति जो भारत में आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार दे रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए आईपी भविष्य को डिजाइन करने के दिग्गज हैं, उन्हें सीजीपीडीटीएम कार्यालय के अधिकारियों के साथ अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। साथ ही इच्छुक हितधारकों के लिए भी व्यापक सार्वजनिक भागीदारी के लिए आगामी आईपी मंथन श्रृंखला का विवरण नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है । सीजीपीडीटीएम की अध्यक्षता में वर्ष 2022-23 में सफलतापूर्वक आयोजित आईपी मंथन श्रृंखला का विवरण इस प्रकार है -

क्रमांक।	विषय	तारीख	माध्यम	प्रतिभागी	वक्ता
1	बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में युवा कैसे योगदान दे सकते हैं?	12जनवरी 2023	ऑनलाइन	460	1. डॉ .केतकी बापट ,सलाहकार/वैज्ञानिक 'जी ,'प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय ,भारत सरकार ,नई दिल्ली 2. श्री मुकुल कणिकर ,राष्ट्रीय संगठन सचिव ,भारतीय शिक्षण मंडल .3 प्रो .प्रबुद्ध गांगुली ,सलाहकार ,विज़न-IPR ,मुंबई 4. प्रो .अमोघ देवराय ,कार्यकारी निदेशक ,संचयन फाउंडेशन 5. डॉ .अनिरुद्ध जोशी ,संस्थापक और सीईओ ,आत्रेय इनोवेशन 6. डॉ .ए लक्ष्मणन ,प्रबंध निदेशक ,नैनोवेंशन्स प्राइवेट लिमिटेड
2	बजट 2023 - अमृत काल का वजन: सक्षम प्रौद्यो गकी और ज्ञान संचा लत अर्थव्यवस्था	04फरवरी 2023	ऑनलाइन	375	1. श्री वी .लक्ष्मीकुमारन ,संस्थापक और प्रबंध भागीदार , लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन अटॉर्नीज़ 2. सुश्री संध्या वासुदेवन ,पूर्व प्रबंध निदेशक ,डॉयचे बैंक और थॉमसन रॉयटर्स 3. प्रो. (डॉ.) परीक्षत सिंह मन्हास , निदेशक, जम्मू विश्वविद्यालय 4. प्रो. प्रबुद्ध गांगुली , विज़न-IPR, मुंबई के सलाहकार 5. प्रोफेसर अमोघदेवराय , कार्यकारी निदेशक, संचयन फाउंडेशन
3	कल्चर -20 के अंतर्गत भौगोलिक उपदर्शन सशक्तिकरण को सक्षम करना	21फ़रवरी 2023	ऑनलाइन	610	1. डॉ .विनय सहस्त्रबुद्धे ,अध्यक्ष ,भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) 2. डॉ .रजनी कांत ,कार्यकारी निदेशक/महासचिव ,मानव कल्याण संघ 3. डॉ. योगेश पाई , एसोसिएट प्रोफेसर (कानून) और सह-निदेशक, सेंटर फॉर इनोवेशन, IP और प्रतियोगिता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली 4. प्रोफेसर (डॉ.) लसा पी. लुकोस , प्रोफेसर, यूनिव र्सटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज (यूएसएलएलएस), जीजीएसIPयू 5. श्री गणेश हिंगमायर ,संस्थापक और अध्यक्ष , जीएमजीसी
4	आईपी में महिलाएं : रचनात्मकता ,प्रौद्योगिकी और उद्यमिता को सशक्त बनाना	08 मार्च 2023	ऑनलाइन	337	1. श्रीमती .संध्या वासुदेवन ,पूर्व प्रबंध निदेशक ,डॉयचे बैंक और थॉमसन रॉयटर्स 2. डॉ .विभा मल्होत्रा साहनी ,प्रमुख आईपी यूनिट ,वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) 3. डॉ .मलाथी लक्ष्मीकुमारन ,कार्यकारी निदेशक और IP डिवीजन के जीवन विज्ञान समूह के प्रमुख ,लक्ष्मीकुमारन श्रीधरन अटॉर्नी 4. डॉ .इंदु पाल कौर ,फार्मास्यूटिक्स की प्रोफेसर ,अध्यक्ष ,यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ,पंजाब यूनिवर्सिटी 5. डॉ .प्रतिमा सोलंकी ,सहायक प्रोफेसर ,जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
5	एआई का ज्ञान और आईपी निर्माण के प्रति इसका तर्क	मार्च 17, 2023	ऑनलाइन	600	1. श्रीमती संध्या वासुदेवन , पूर्व प्रबंध निदेशक, डॉयचे बैंक और थॉमस रॉयटर्स 2. डॉ. रीना दयाल , बोर्ड अध्यक्ष और सीईओ, क्वांटम इकोसिस्टम एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया 3. श्री जसपाल सिंह साहनी , मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी और मुख्य उत्पाद अधिकारी, टाटा कम्युनिकेशंस 4. श्री संदीप पाटिल , आईबीएम एसटीएसएम, मास्टर आविष्कारक 5. श्रीअनूप जैन, सहायक . मुख्य IP परामर्शदाता (बौद्धिक संपदा प्रमुख), एथर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
6	2025 तक शून्य क्षय रोग के	23मार्च	हाइब्रिड	265	*पैनल 1*

	लिए रणनीतियों को अपनाना	2023			1. प्रोफेसर प्रबुद्ध गांगुली ,सीईओ विजन-IPR ,मुंबई 2. डॉ .बकुलेश खमार ,कार्यकारी निदेशक ,कैडिला फार्मास्यूटिकल्स 3. सुश्री शिवानी सिंह ,IP शोधकर्ता ,संरचना फाउंडेशन 4. सुश्री लीना मेघानी ,ग्लोबल IP सलाहकार ,मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स 5. श्री मिहिर कुलकर्णी ,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शोधकर्ता 6. प्रोफेसर रूप लाल ,दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर 7. डॉ .राजेंद्र के .लोहिया ,सहायक पेटेंट और डिजाइन नियंत्रक डॉ . रोहित राठौड़ ,सहायक पेटेंट और डिजाइन नियंत्रक *पैनल 2* 1. डॉ. विजयकुमार करंजकर , एमसीजीएम, मुंबई 2. डॉ. ज्योतिर्मय बिस्वास , शंकर नेत्रालय में यूवाइटिस और ओकुलर पैथोलॉजी के निदेशक 3. मेजर रॉबिन, सहायक प्रोफेसर, श्वसन चिकित्सा विभाग, बेस अस्पताल दिल्ली शिविर 4. श्री सुखदीप सिंह, सहायक नियंत्रक पेटेंट एवं डिजाइन *पैनल 3* 1. डॉ. वाई के गुप्ता, अध्यक्ष, एम्स भोपाल 2. सुश्री शिखा जायसवाल , पं. जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, रायपुर 3. सुश्री मजीदा शकील , बेस्ट में चिकित्सा विभाग की पर्यवेक्षक 4. एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के सामुदायिक चिकित्सा से डॉ. सत्यवीर 5 श्री अमोघ देवराय , प्रबंध निदेशक, संचयन फाउंडेशन, नई दिल्ली। विभाग

6 भारत और विदेश में अंतरराष्ट्रीय मंच और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिकारियों की भागीदारी:

भारत और विदेशों में कोविड 19-महामारी की व्यापकता के कारण ,केवल कुछ ही बैठकें व्यक्तिगत रूप से आयोजित की गईं और भागीदारी मुख्य रूप से ऑनलाइन थी।

क्र.सं. नहीं।	प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/कार्यक्रम में भाग लिया	देश, जिसका दौरा किया गया	अधिकारियों की संख्या ने भाग लिया
1	बौद्धिक संपदा और फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज पर वाइपो वार्तालाप का पांचवां सत्र 05 से 06 अप्रैल, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	02
2	कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल (सीबीएस), डेनमार्क में 18अप्रैल से 06मई ,2022 तक "आईपीआर के नवाचार और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना "आयोजित किया गया।	कोपेनहेगन , डेनमार्क	04
3	आईएनटीए 2022 की वार्षिक बैठक लाइव+, 30 अप्रैल से 04 मई ,2022 तक वाशिंगटन डीसी ,यूएसए में आयोजित की गई	दूरस्थ भागीदारी	04
4	कॉपीराइट और संबंधित अधिकारों (एससीसीआर) पर स्थायी समिति का बयालीसवां सत्र 09 से 13 मई, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	03
5	मार्क्स के पंजीकरण के प्रयोजनों के लिए वस्तुओं और सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण के लिए नाइस यूनियन के विशेषज्ञों की समिति का बत्तीसवां सत्र 25 से 29 अप्रैल , 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	02

6	विकास और बौद्धिक संपदा समिति (सीडीआईपी) का अट्ठाईसवां सत्र 16 से 20 मई, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित हुआ।	दूरस्थ भागीदारी	02
7	बौद्धिक संपदा और आनुवंशिक संसाधनों ,पारंपरिक ज्ञान और लोककथाओं (आईजीसी) पर अंतर सरकारी समिति का तैंतालीसवां सत्र 30मई से 03जून , 2022 तक जिनेवा ,स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित हुआ।	दूरस्थ भागीदारी	03
8	अंतरराष्ट्रीय पेटेंट वर्गीकरण आईपीसी (संशोधन कार्य समूह का सैंतालीसवां सत्र 09 से 13मई ,2022 तक जिनेवा ,स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित हुआ।	दूरस्थ भागीदारी	03
9	लिस्बन प्रणाली के विकास पर कार्य समूह का चौथा सत्र, जो जिनेवा में वाइपो मुख्यालय में हाइब्रिड प्रारूप में और 14 से 16 जून, 2022 तक एक ऑनलाइन मंच के माध्यम से आयोजित किया गया था।	दूरस्थ भागीदारी	02
10	डब्ल्यूआईपीओ महासभा का पचपनवां (तीसवां असाधारण) सत्र और डब्ल्यूआईपीओ के सदस्य राज्यों की विधानसभाओं की बैठकों की 63वीं श्रृंखला 14 से 22 जुलाई, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित की गई।	जिनेवा, स्विट्जरलैंड	05
11	पीसीटी /एमआईए के तहत अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों की बैठक का उनतीसवां सत्र 20 से 22 जून, 2022 तक और पीसीटी/एमआईए गुणवत्ता उपसमूह 16 से 17 जून, 2022 तक वाइपो मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित किया गया ।	दूरस्थ भागीदारी	05
12	प्रवर्तन पर सलाहकार समिति (एसीई) का पंद्रहवां सत्र, 31 अगस्त से 02 सितंबर, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	01
13	बौद्धिक संपदा और आनुवंशिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और लोककथाओं (आईजीसी) पर अंतर सरकारी समिति का 44वां सत्र 12 से 16 सितंबर, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में वाइपो मुख्यालय में आयोजित हुआ।	दूरस्थ भागीदारी	03
14	बौद्धिक संपदा (आईपी) और फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज पर डब्ल्यूआईपीओ वार्तालाप का छठा सत्र 21 से 22 सितंबर, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	03
15	पेटेंट सहयोग संधि कार्य समूह का पंद्रहवां सत्र और तकनीकी सहयोग के लिए पीसीटी समिति का बत्तीसवां सत्र 03 से 07 अक्टूबर तक डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित हुआ।	जिनेवा, स्विट्जरलैंड	01
16	अभ्यासकर्ताओं के लिए जालसाजी विरोधी उपायों पर जेपीओ/आईपीआर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 18 से 25 अक्टूबर, 2022 तक आयोजित किया गया	टोक्यो ,जापान	02
17	इंटरनेशनल रजिस्ट्रेशन ऑफ मार्क्स (वर्किंग ग्रुप) के लिए मैड्रिड सिस्टम के कानूनी विकास पर वर्किंग ग्रुप का बीसवां सत्र, 07 से 11 नवंबर, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	01
18	डब्ल्यूआईपीओ मानकों (सीडब्ल्यूएस) पर समिति का दसवां सत्र 21 से 25 नवंबर, 2022 तक जिनेवा में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।	जिनेवा, स्विट्जरलैंड	01
19	ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेत (एससीटी) के कानून पर स्थायी समिति का छियालीसवां सत्र, भौगोलिक संकेतों पर एक सूचना सत्र, 21 से 23 नवंबर, 2022 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	01
20	औद्योगिक डिजाइनों के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण के लिए हेग सिस्टम के कानूनी विकास पर कार्य समूह का ग्यारहवां सत्र (कार्य समूह) 12 से 14 दिसंबर, 2022	दूरस्थ भागीदारी	03

	तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।		
21	लिस्बन प्रणाली के विकास पर कार्य समूह का पांचवां सत्र 24 से 26 जनवरी, 2023 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित किया गया।	दूरस्थ भागीदारी	02
22	पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) कार्य समूह का सोलहवां सत्र 06 से 08 फरवरी, 2023 तक जिनेवा, स्विट्जरलैंड में डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित हुआ।	दूरस्थ भागीदारी	02
23	बौद्धिक संपदा और आनुवंशिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान और लोककथाओं (आईजीसी) पर अंतर सरकारी समिति का छियालीसवां सत्र 27 फरवरी से 03 मार्च, 2023 तक डब्ल्यूआईपीओ मुख्यालय में आयोजित हुआ।	जिनेवा, स्विट्जरलैंड	01
24	26 जनवरी - 02 फरवरी, 2023 तक "डिज़ाइन सबस्टैंटिव परीक्षा और हेग समझौते में प्रवेश" पर जेपीओ/Iआईपीआर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।	टोक्यो ,जापान	01
25	यूएसए ग्लोबल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एकेडमी (जीआईपीए) बौद्धिक संपदा कार्यालय प्रशासन कार्यक्रम: यूएसपीटीओ मुख्यालय में 06 से 10 फरवरी, 2023 तक ट्रेडमार्क में सर्वोत्तम अभ्यास और यूएसपीटीओ अनुभव आयोजित किया गया।	अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया ,संयुक्त राज्य अमेरिका	02
26	मैड्रिड प्रणाली के लिए जिम्मेदार बौद्धिक संपदा कार्यालय के अधिकारियों की क्षेत्रीय कार्यशाला 16 से 17 मार्च, 2023 तक आयोजित की गई।	हनोई ,वियतनाम	01

अध्याय-XIV

मानव संसाधन

परिचय:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) / राजीव गांधी राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) अपनी गतिविधियाँ निष्पादित में करते हैं।

वर्ष 2022-23 के दौरान पेटेंट कार्यालय, ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री में रिक्तियों को भरने लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा ट्रेडमार्क रजिस्ट्री के लिए 05 आशुलिपिकों, 01 कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी और 23 अवर श्रेणी लिपिकों की नियुक्ति के लिए कार्रवाई की गई।

विभिन्न बौद्धिक संपदा कार्यालयों में मानव संसाधन:

क. कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न, मुंबई:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न (जीपीडीटीएमसी)में निम्नलिखित सहायक कर्मचारी हैं :

31 मार्च, 202 3तक कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के तहत अनुमोदित और नियोजित व कार्मिक शक्ति का विवरण:

क्र.सं ..	पदनाम	संस्वीकृत कार्मिक संख्या	कार्यरत कार्मिक संख्या
1	महानियंत्रक	1	1
2	निजी सचिव	1	1
3	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	1	0
	कुल	**04**	**03**

हालांकि, पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालयों के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों को सीजीपीडीटीएम के कार्यालय में स्थापना, प्रशासन, बजट और वित्त, नीतिगत मामलों आदि से सबंधित कार्य को संभालने के लिए तैनात किया गया है।

ख. पेटेंट कार्यालय:

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट क** में दर्शायी गई है। उक्त परिशिष्ट में चारों पेटेंट कार्यालयों में 31 मार्च, 2023 तक संस्वीकृत कार्मिक संख्या के साथ-साथ कार्यरत कार्मिक संख्या को भी दर्शाया गया है।

ग. **व्यापार चिह्न रजिस्ट्री**:

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट ख** में दर्शाई गई है। उक्त परिशिष्ट पांचों व्यापार चिह्न कार्यालयों में 31 मार्च, 2023 तक संस्वीकृत कार्मिक संख्या के साथ-साथ कार्यरत कार्मिक संख्या को भी दर्शाता है।

घ. **भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री :**

मानव संसाधन के संदर्भ में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री के पास अलग से संस्वीकृत कार्मिक संख्या है । **परिशिष्ट ग** भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की 31मार्च, तक 2023संस्वीकृत कार्मिक संख्या के साथ-साथ कार्यरत कार्मिक संख्या को दर्शाता है ।

ङ. पीआईएस/आरजीएनआईआईपीएम:

31मार्च, 2023 में पीआईएस/आरजीएनआईआईपीएम में संस्वीकृत कार्मिक संख्या के साथ-साथ कार्यरत कार्मिक संख्या का विवरण **परिशिष्ट घ** में दिया गया है।

परिशिष्ट- क

31 मार्च, 2023 तक पेटेंट कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्रसं.	पदनाम	वर्ग	संस्वीकृत कार्मिक संख्या					कार्यरत कार्मिक संख्या				
			कोलकता	मुबंई	चेन्नई	दिल्ली	कुल	कोलकता	मुबंई	चेन्नई	दिल्ली	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	1	1	1	2	**5**	1	0	0	1	**2**
2	संयुक्त नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	8	11	16	13	**48**	1	1	2	3	**7**
3	निदेशक	समूह क	0	1	0	0	**1**	0	1	0	0	**1**
4	उप सचिव	समूह क	0	1	0	0	**1**	0	1	0	0	**1**
5	उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	20	27	30	35	**112**	12	6	17	8	**43**
6	प्रधान व्यवस्था विश्लेषक	समूह क	0	0	0	1	**1**	0	0	0	0	**0**
7	सहायक नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	128	90	102	178	**498**	35	28	56	70#	**189**
8	वरिष्ठ व्यवस्था विश्लेषक	समूह क	0	0	0	2	**2**	0	0	0	0	**0**
9	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	समूह क	0	1	0	0	**1**	0	0	0	0	**0**
10	परीक्षक एकस्व एवं अभिकल्प	समूह क	193	82	170	328	**773**	140	40	117	296	**593**
11	सहायक निदेशक (राज भाषा)	समूह क	1	0	0	0	**1**	0	1	0	0	**1**

12	वरिष्ठ वित्त एवं लेखा अधिकारी	समूह क	0	1	0	0	**1**	0	0	0	0	**0**
13	प्रशासनिक अधिकारी	समूह क	0	1	0	1	**2**	0	0	0	1	**1**
14	व्यवस्था विश्लेषक सह कंप्यूटर प्रोग्रामर	समूह क	0	0	0	5	**5**	0	0	0	0	**0**
	कुल		**351**	**216**	**319**	**565**	**1451**	**189**	**78**	**192**	**379**	**838***
1	सहायक प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	2	1	2	**6**	1	2	1	1	**5**
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	1	0	0	**2**	1	1	0	0	**2**
3	निजी सचिव	समूह ख (राजपत्रित)	1	1	1	1	**4**	0	0	1	0	**1**
4	वित्त अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	0	1	0	0	**1**	0	0	0	0	**0**
5	भंडार अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	1	1	2	**5**	0	0	0	0	**0**
	कुल		**4**	**6**	**3**	**5**	**18**	**2**	**3**	**2**	**1**	**8**
1	वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	समूह ख (अराजपत्रित)	0	0	0	1	**1**	0	0	0	0	**0**
2	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख	26	14	14	22	**76**	22	7	8	7	**44**

		(अराजपत्रित)										
3	पुस्तकालय एवं सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1	1	2	**5**	0	0	0	1	**1**
4	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	समूह ख (अराजपत्रित)	0	1	1	1	**3**	0	0	1	1	**2**
5	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1	1	1	**4**	1	1	1	0	**3**
6	लेखाकार	समूह ख (अराजपत्रित)	0	1	0	0	**1**	0	0	0	0	**0**
7	विधि सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1	1	1	**4**	0	0	0	0	**0**
	कुल		**29**	**19**	**18**	**28**	**94**	**23**	**8**	**10**	**9**	**50**
1	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	1	1	1	**4**	0	0	1	1	**2**
2	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	20	14	14	19	**67**	14	0	10	13	**37**
3	आशुलिपिक – वर्ग II	समूह ग	0	0	0	2	**2**	0	0	0	2	**2**
4	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	1	4	0	5	**10**	1	3	0	5	**9**
5	स्वागतकर्ता	समूह ग	0	1	0	0	**1**	0	1	0	0	**1**
6	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	9	13	10	12	**44**	7	9	6	11	**33**

7	मल्टीटास्किंग स्टाफ-	समूह ग	31	5	10	14	**60**	16	4	9	8	**37**
	कुल		**62**	**38**	**35**	**53**	**188**	**38**	**17**	**26**	**40**	**121**

* 1 संयुक्त नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प, 1 उप नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प, 2 सहायक नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प और 2 एकस्व एवं अभिकल्प के परीक्षक , आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर में पदस्थापित हैं।

1 सहायक नियंत्रक एकस्व एवं अभिकल्प प्रतिनियुक्ति पर हैं।

31 मार्च, 2023 तक व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र सं.	पदमान	वर्ग	संस्वीकृत कार्मिक संख्या						कार्यरत कार्मिक संख्या					
			मुबंई	कोलकता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुबंई	कोलकता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार व्यापार चिह्न व भौ उ .	समूह क	1	0	0	0	0	**1**	1	0	0	0	0	**1**
2	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार व्यापार चिह्न व भौ उ .	समूह क	2	1	1	1	0	**5**	0	0	0	0	0	**0**
3	उप पंजीकार व्यापार चिह्न व भौउ .	समूह क	6	2	2	4	1	**15**	2	1	1	3	1	**8**
4	सहायक पंजीकार व्यापार चिह्न व भौउ .	समूह क	10	2	5	10	4	**31**	5	2	3	5	4	**19**
5	वरिष्ठ परीक्षक व्यापार चिह्न व भौउ .	समूह क	39	3	9	20	3	**74**	5*	2*	4	14	4	**29**
6	सहायक निदेशक (राजभाषा)	समूह क	0	0	0	1	0	**1**	0	0	0	0	0	**0**
7	लेखा अधिकारी	समूह क	1	0	0	0	0	**1**	0	0	0	0	0	**0**
	कुल		**59**	**8**	**17**	**36**	**8**	**128**	**13**	**05**	**08**	**22**	**09**	**57**
1	परीक्षक व्यापार चिह्न व भौ.उ.	समूह ख (राजपत्रित)	98	8	13	29	12	**160**	57	11	10#	19	11	**108**
2	सहायक प्रशासनिक	समूह ख	2	0	0	1	0	**3**	0	0	0	0	0	**0**

	अधिकारी	(राजपत्रित)											
3	सहायक पुस्तकालय व सूचना अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	0	0	0	0	**1**	1	0	0	0	0	**1**
4	निजी सचिव	समूह ख (राजपत्रित)	2	0	1	0	0	**3**	1	0	1	0	0	**2**
5	भंडार अधिकारी	समूह ख (राजपत्रित)	1	1	1	1	1	**5**	0	0	0	0	0	**0**
	कुल		**104**	**9**	**15**	**31**	**13**	**172**	**59**	**11**	**11**	**19**	**11**	**111**
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	8	1	1	2	1	**13**	1	0	0	0	0	**1**
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	0	0	0	**1**	1	0	0	0	0	**1**
3	आशुलिपिक समूह I	समूह ख (अराजपत्रित)	3	2	2	2	1	**10**	2	0	2	2	1	**7**
4	सहा. परीक्षक व्या. चिह्न व भौ. उ.	समूह ख (अराजपत्रित)	14	2	3	7	6	**32**	1	0	0	1	0	**2**
5	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0	1	1	0	**3**	0	0	0	1	0	**1**
6	लेखाकार	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1	0	1	0	**3**	0	0	0	0	0	**0**
	कुल		**28**	**6**	**7**	**13**	**8**	**62**	**5**	**0**	**2**	**4**	**1**	**12**
1	सहायक अधीक्षक	समूह ग	7	1	1	1	1	**11**	6	1	1	0	1	**9**

2	रोकड़िया	समूह ग	1	1	1	1	0	**4**	0	0	0	0	0	**0**
3	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	25	5	6	5	3	**44**	13	3	4	1	0	**21**
4	आशुलिपिक समूह II	समूह ग	2	2	0	7	0	**11**	2	1	0	4	0	**7**
5	अवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	0	2	1	4	2	**9**	0	2	0	3	1	**6**
6	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	20	3	7	5	3	**38**	10	2	5	5	1	**23**
7	मल्टीटास्किंग स्टाफ-	समूह ग	25	4	7	9	4	**49**	8	2	5	2	3	**20**
	कुल		**80**	**18**	**23**	**32**	**13**	**166**	**39**	**11**	**15**	**15**	**6**	**86**

* एक अधिकारी आरजीएनआईपीएम, नागपुर में पदस्थापित हैं। है ।

एक परीक्षक व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन का एक परीक्षक प्रतिनियुक्ति पर है।

परिशिष्ट ग -

मार्च 31, 2023 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्मिक शक्ति का विवरण

क्रसं.	पदनाम	वर्ग	संस्वीकृत कार्मिक संख्या	कार्यरत कार्मिक संख्या
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार व्यापार चिह्न व भौउ .	समूह क	1	0
2	सहायक पंजीकार व्यापार चिह्न व भौउ .	समूह क	1	1
3	वरिष्ठ परीक्षक व्यापार चिह्न व भौउपदर्शन.	समूह क	1	0
4	आशुलिपिक वर्ग II	समूह ग	1	0
5	मल्टीटास्किंग स्टाफ-	समूह ग	1	1
	कुल		**5**	**2**

परिशिष्ट – घ

31 मार्च, 2023 तक पेटेंट सूचना पद्धति और आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों और कार्मिक शक्ति का विवरण

क्रसं.	पदनाम	वर्ग	संस्वीकृत कार्मिक संख्या	कार्यरत कार्मिक संख्या
1	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	समूह क	1	0
2	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0
3	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	0
4	कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1
5	आशुलिपिक वर्ग I	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1
6	भंडार सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	1
7	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	समूह ग	3	1
8	सहायक अधीक्षक	समूह ग	1	1
9	शेल्फ सहायक	समूह ग	1	1
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	3	1
11	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	समूह ग	2	2
12	अवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	3	1
13	हिंदी टंकक	समूह ग	1	1
14	मल्टीटास्किंग- स्टाफ	समूह ग	4	3
	कुल		**24**	**14**